धर्मा का महायुद्ध

अनकही कथा भाग - दो

(धर्मा सीरीज)






डॉ. निशा शास्त्री



धर्मा का महायुद्ध

अनकही कथा भाग - दो

(धर्मा सीरीज)



राजमंगल प्रकाशन

An Imprint of **Rajmangal Publishers**

ISBN: **978-9348578112**

Published by:

Rajmangal Publishers

Rajmangal Prakashan Building,
1st Street, Ozone, Quarsi, Ramghat Road
Aligarh-202001, (UP) INDIA
Cont. No. +91- 7017993445
www.rajmangalpublishers.com
rajmangalpublishers@gmail.com
sampadak@rajmangalpublishers.in

प्रथम संस्करण: मई 2025 – पेपरबैक

प्रकाशक: **राजमंगल प्रकाशन**

राजमंगल प्रकाशन बिल्डिंग, 1st स्ट्रीट,

ओजोन, क्वार्सी, रामघाट रोड,

अलीगढ़, उप्र. – 202001, भारत

फ़ोन : +91 - 7017993445

First Published: May 2025 - Paperback
Printed by : Repro India LTD & Manipal Tech LTD
eBook by: Rajmangal ePublishers (Digital Publishing Division)

अनुक्रमणिका

डॉ निशा शास्त्री के अन्य नावेल

	दो दुनिया का वारिस – अनकही कथा (भाग एक)
	दी इंटर्न - थ्रिलर मर्डर मिस्ट्री – (सब कुछ किसी कारण से होता है)
	केयूर का कहर (साइंस फिक्शन स्टोरी)

	एक रहस्यमयी खेल (साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर)

लेखिका की कलम से

प्रिय पाठकों,

आप सभी ने मेरी साइंस फिक्शन सीरीज धर्मा के पहले भाग – दो दुनिया का वारिस: अनकही कथा भाग 1 – को जो प्रेम और सराहना दी है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। इस उपन्यास की ऑडियो स्टोरी "निशा शास्त्री ऑडियो स्टोरीज़" नामक मेरे YouTube चैनल पर प्रसारित की गई, जिसे आप सभी ने अत्यंत स्नेह और उत्साह के साथ सुना।

अब आपके समक्ष प्रस्तुत है इस श्रृंखला का दूसरा और अंतिम भाग – धर्मा का महायुद्ध: अनकही कथा भाग 2। यह भाग न केवल धर्मा के चरित्र की गहराई से पड़ताल करता है, बल्कि फ्रां गैलेक्सी और म्यूवर्स जैसे पैरेलल यूनिवर्स में घटित उस निर्णायक संघर्ष को भी सामने लाता है, जिसमें धर्मा ने सुप्रीम कमांडर नोकोईविद को चुनौती दी। इस महायुद्ध ने सत्ता की समूची संरचना को ही बदल डाला – और यह उपन्यास उसी ऐतिहासिक संघर्ष का सजीव वर्णन है। यह कृति आपको न केवल आरंभ से अंत तक बांधे रखेगी, बल्कि पहले भाग में उठे सभी रहस्यों से भी परदा हटाएगी, जिससे कथा की रोमांचकता कई गुना बढ़ जाती है।

मैं सादर आमंत्रित करती हूँ कि आप धर्मा का महायुद्ध: अनकही कथा भाग 2 का आनंद लें।

साथ ही, यदि आप इस उपन्यास की हिंदी ऑडियो स्टोरी सुनना चाहें, तो यह "निशा शास्त्री ऑडियो स्टोरीज़" पर निशुल्क उपलब्ध है।

यदि इस उपन्यास या किसी अन्य विषय से संबंधित आपके सुझाव या प्रतिक्रिया हों, तो कृपया मुझे इंस्टाग्राम पर @imnish1992 हैंडल पर संदेश भेजें। आपके सहयोग और स्नेह के लिए धन्यवाद।

– निशा शास्त्री

मुख्य किरदार एवं शब्दार्थ

धर्मा



पृथ्वी पर पला बढ़ा 25 वर्षीया व्यक्ति जिसे ज़ोरो किडनैप करके पैरेलल यूनिवर्स म्यूवर्स ले जाता है। वहां फ्रां गैलेक्सी में उसे सन ऑफ गॉड माना जाता है। सच या साज़िश ये समय बताएगा।

नोकोईविद

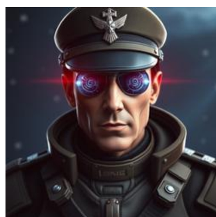


Xor (ज़ॉर) साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर जिसके पास क्विड नामक हथियार है और अजय सेना है। उस पर आरोप है की उसने इरीट्रिया गृह को जबरन अपने कब्जे में ले रखा है।

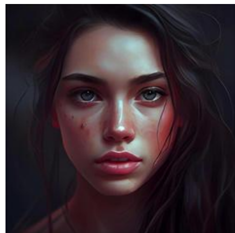
प्रोफेसर बोरो



जिसने ज़ोरो के जरिये धर्मा को पृथ्वी से बुलाया है। जो नोकोईविद के क्रूर शासन को चुनौती देना चाहता है।

लेडी तारा		प्रोफेसर बोरो की राज़दार जो धर्मा को पूरी कहानी बताती है। जो इस कहानी के क्लाइमेक्स में कहानी को पलट कर रख देगी।
डायस		नोकोईविद की सेना का सेनापति। जिसने आगामी देव और गुणिका को क्रूर यातनाएं दी।
ज़ोरो		प्रोफेसर बोरो का गुलाम जो उसके कहने पर ही सारे काम करता है। उसने धर्मा की जान भी बचायी।
वीवो		कोस्ब की अधिकारी जो धर्मा को पकड़ने के लिए व्याकुल है।
जनरल मजोलीन		X141 का तानाशाह जिसने वीवो को अपना गुलाम बना कर रखा।

दैत्य सर्प छिपकली		एक विकिरणीय प्राणी जिसपर कोई भी हथियार निरर्थक था। धर्मा की चाल का एक मोहरा।
ओयूविल होको नाना		इरीट्रिया का मशहूर वकील परन्तु धर्मा की हाथों की कठपुतली।
मरियाना		नाना की पुत्री। जो धर्मा को अपनी ब्लैकरॉक कार से एक्सीडेंट कर बेहोश कर देती है।
आगामी देव		इरीट्रिया में बिलिवर ऑफ़ बोफ का मुख्या। प्रोफेसर बोरो के पकडे जाने के बाद नोकोईविद को चुनौती देने के लिए समर्पित ।

गुणिका		आगामी देव की सहयोगी। इसने धर्मा को आगामी देव से मिलवाया। डायस की क्रूरता का शिकार हुई।
थाइज़र		अजय, अमर ज्ञान पिपासु प्राणी जिसने धर्मा को उसकी आत्मा संचरण की शक्ति का ज्ञान करवाया।
सोना		धर्मा इस सात आयामी महाशक्ति को अपनी माता कहता है।
एम्ब्रोज़		जनरल मजोलीन को चुनौती देने वाला सिपाही।
एक्रिमियन		Xor के मूल निवासी। वहां सबसे समृद्ध और शक्तिशाली।

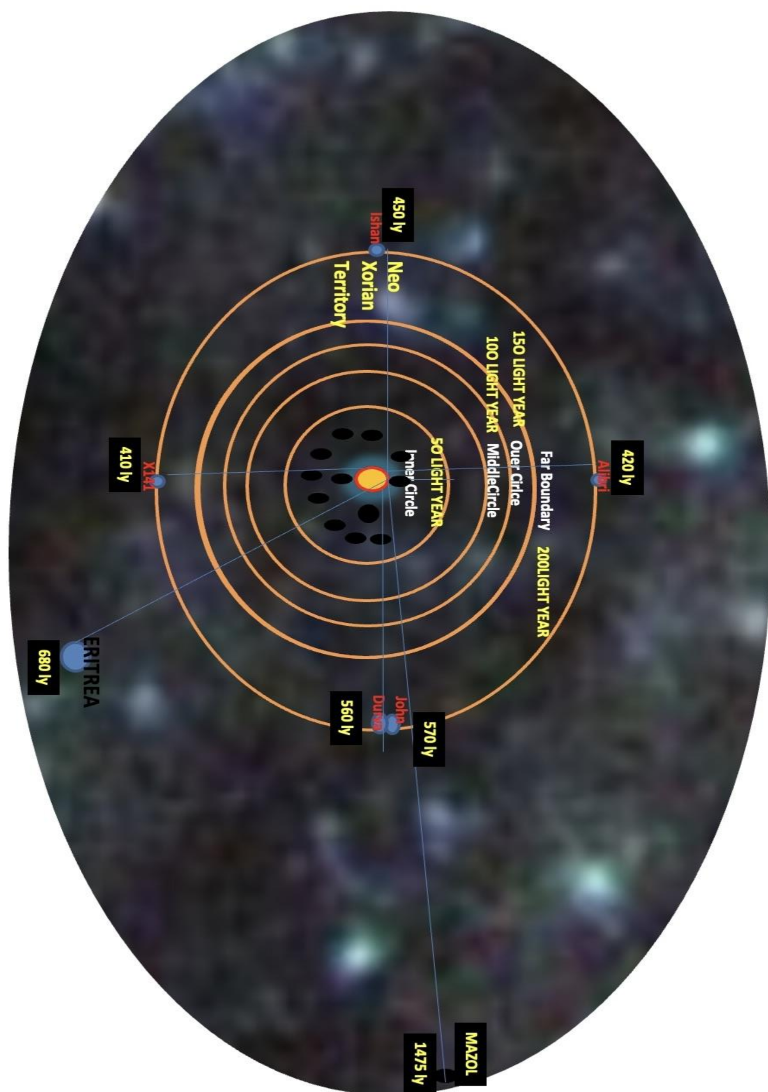
एक्वियन		इरीट्रिया के समुद्र तलों में निवास करने वाली विकसित सभ्यता।
सेन्टॉरस		इरीट्रिया की एक मार्शल रेस।
फ्लेशी		इरीट्रिया के सबसे कमजोर प्राणी। मानव जैसे दिखने वाले; सन आफ गॉड में यकीन करते है।
ऐंजलन		इरीट्रिया के सबसे ताकतवर प्राणी जो बहुत तेजी से उड़ सकते है और कोलार्क नामक एक एलियन का इरीट्रिया पर कब्जे से पहले पूरी सत्ता इन्ही के हाथ में थी।

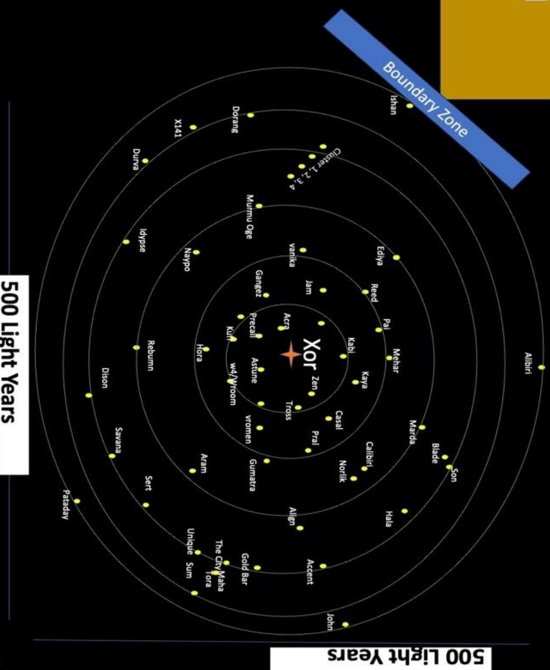
बोमिनी		नोकोईविद का महान स्पेसशिप जो प्रकाश गति से लाखो गुना तेज उड़ सकता है।
जनक 290		धर्मा का स्पेसशिप जो प्रकाश गति से 7500 गुना गति प्राप्त कर सकता है।
नदरिमान/ रार	 	नदरिमान मूलतः Xor ग्रह के वासी थे, परंतु विकास की दौड़ में एक्रिमियन प्रजाति से पीछे छूट गए। समय ने उन्हें हाशिये पर ला खड़ा किया, और अब वे X141 पर बसते हैं – जहाँ उन्हें “रार” के नाम से जाना जाता है।

मैर्केल		Xor साम्राज्य की घातक शत्रु — वे जिन्होंने इसके पूर्व सुप्रीम कमांडर फ्लोरमान कोन्टाना को करारी शिकस्त दी, परन्तु नोकोईविद के आगे टिक न सके। उनकी विजय इतिहास बनी, और उनकी हार एक चेतावनी।
अनियन शिप्स		नोकोईविद की कंपनी द्वारा निर्मित वे स्पेसशिप्स, जो प्रकाश की गति से लाखों गुना तेज चलते थे, फ्रां गैलेक्सी की धड़कन बन गए। वाणिज्य और व्यापार की पूरी बुनियाद इन्हीं पर टिकी थी — यही जहाज़ हर सौदे, हर गठबंधन और हर विस्तार की रीढ़ थे।
मग व् मगमू		Xor के मूल निवासी जो आधे मनुष्य और आधे कपि है। इन्हे नाडुस प्लेनेट पर जबरन भेज दिया गया।

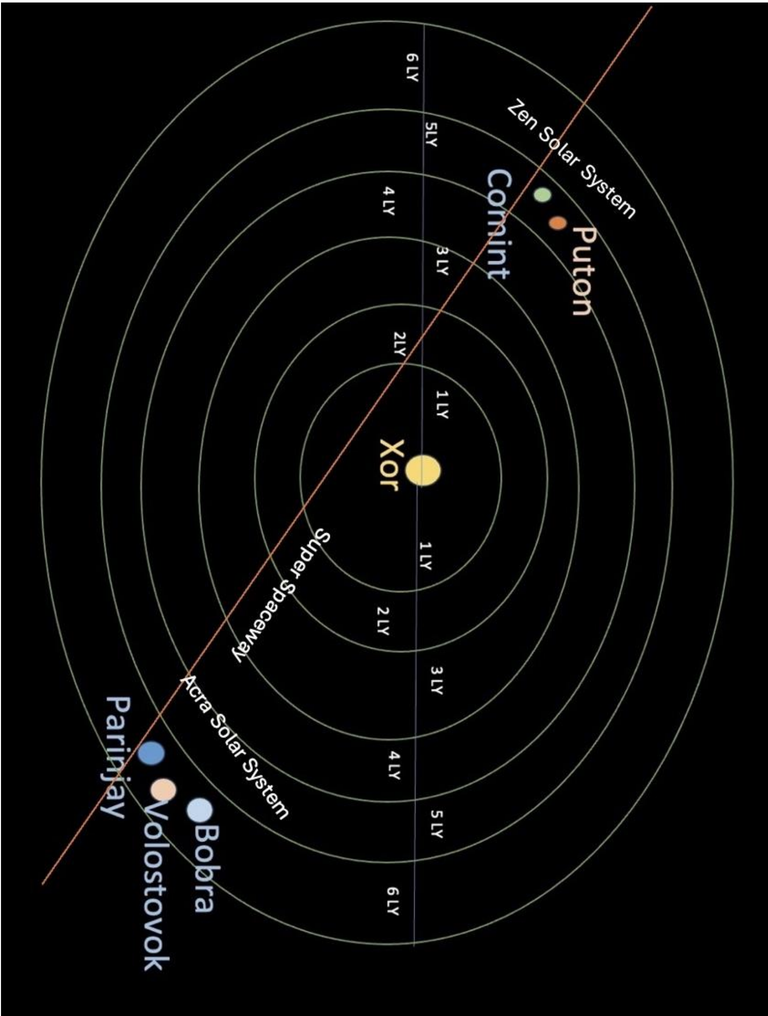
जज क्लाइथेरॉन		वो न्यायप्रिय जज जिसने प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो के मुकदमे की सुनवाई की।

Xorian साम्राज्य और इरीट्रिया

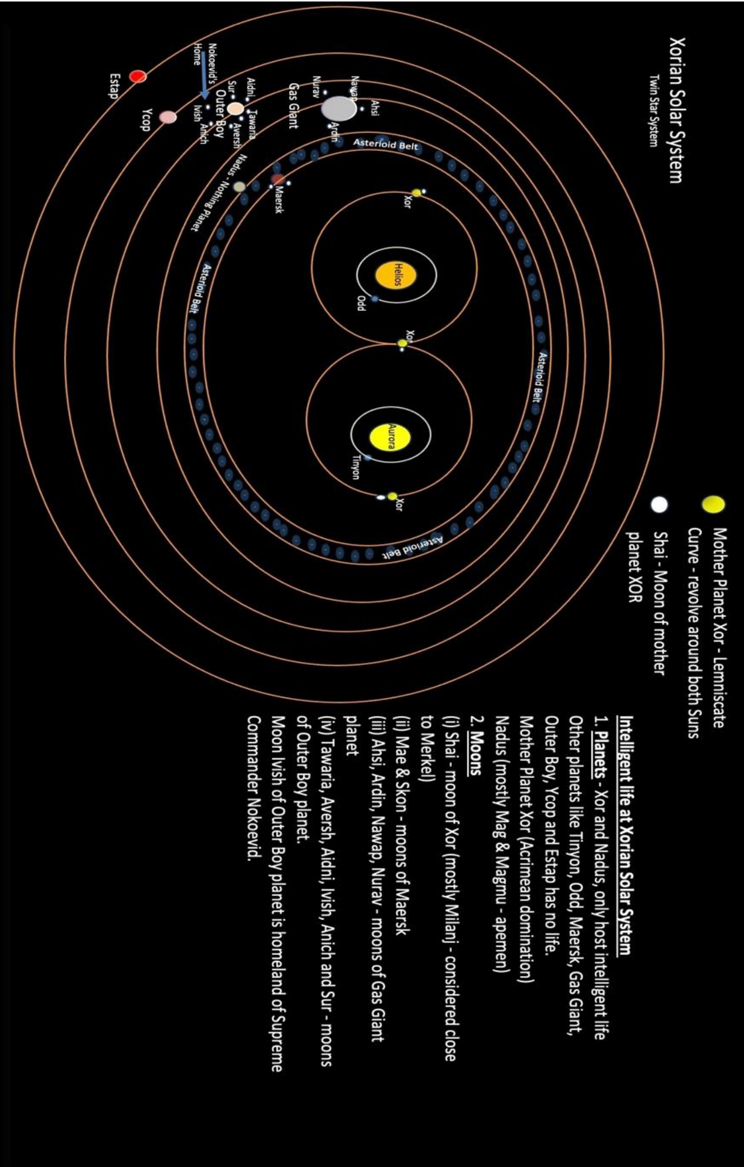



Merkel Realm
The Xorian Empire
Boundary Zone
Alibiri
Ishan
Son
Blade
Marda
Hala
Ediya
Mehar
Pai
Reed
Kaya
Kabi
Calibiri
Norlik
Casal
Cluster 1, 2, 3, 4
Xor
Zen
Pral
Jam
John
Accent
vanika
Acra
Tross
Align
Gangez
Murmu Oge
Precall
Astune
vromen
Gumatra
Dorang
Kuff
w4/Wroom
Gold Bar
The City
Maha
Tora
Hora
Aram
Unique
Sum
Naypo
X141
Rebumn
Sert
Idypse
Durva
Savana
Dison
Pataday
500 Light Years
500 Light Years
Mazol
Eritrea

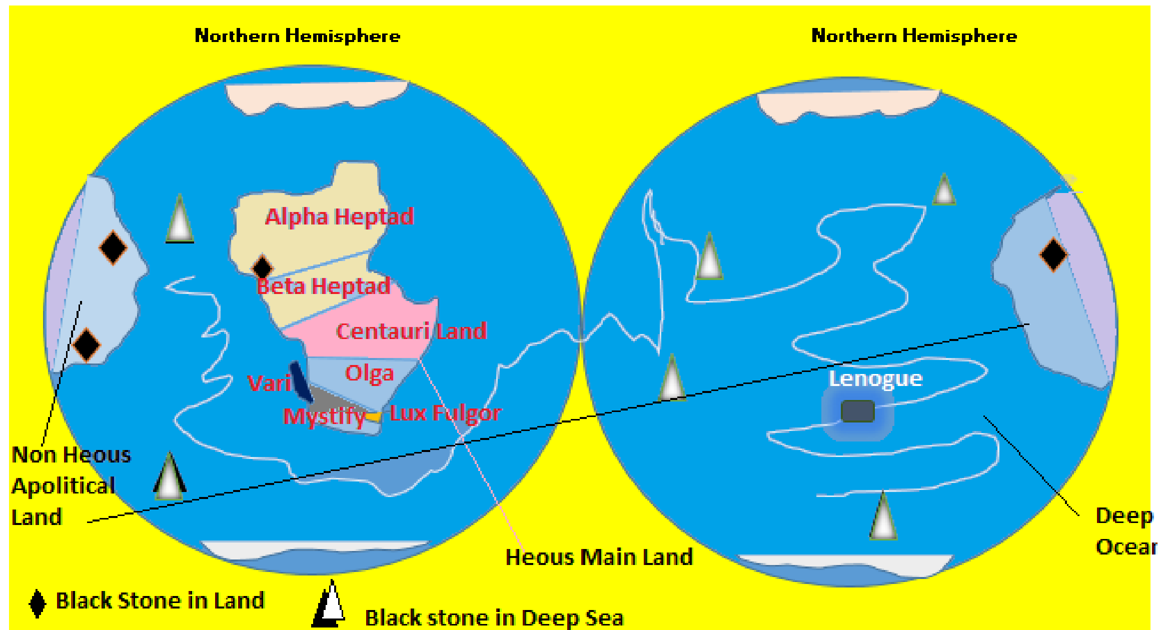
Inner Core of Xorian Empire



Xorian Solar System



Eritrea



Northern Hemisphere
Northern Hemisphere
Alpha Heptad
Beta Heptad
Centauri Land
Olga
Vari
Mystify
Lux Fulgor
Lenogue
Non Heous Apolitical Land
Heous Main Land
Deep Ocear
Black Stone in Land
Black stone in Deep Sea

अध्याय एक – नई शुरुआत

आज का कोर्ट रूम पूरी तरह से आभासी उपस्थिति से भरा हुआ था। सैकड़ों, बल्कि हजारों होलोग्राफिक इमेजेज लॉग इन हो चुकी थीं—कुछ प्रत्यक्षदर्शी, कुछ कानूनी विशेषज्ञ, और कुछ मात्र उत्सुक नागरिक, जो पूरे Xor साम्राज्य से इस बहुप्रतीक्षित मुकदमे को देखने के लिए एकत्रित हुए थे। यह केवल एक न्यायिक प्रक्रिया नहीं थी; यह एक ऐतिहासिक क्षण था।

अभियुक्तों की पहचान किसी परिचय की मोहताज नहीं थी—प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, और ज़ोरो। ये तीनों नाम Xor साम्राज्य में बहस और विवाद का केंद्र बन चुके थे। कुछ के लिए वे क्रूर अपराधी थे, तो कुछ उन्हें क्रांति के अग्रदूत मानते थे।

प्रोफेसर बोरो को Xor प्लेनेट की राजधानी, नोडोल, की एक अति-सुरक्षित जेल में कैद रखा गया था, जबकि तारा और ज़ोरो को अन्य गुप्त स्थलों पर बंदी बनाया गया था। फिर भी, उनकी उपस्थिति कोर्ट में महसूस की जा सकती थी—होलोग्राफिक प्रोजेक्शन के माध्यम से। उनके डिजिटल प्रतिरूप एक अलग, पारदर्शी केबिन में खड़े थे, जहाँ से वे सुन सकते थे, देख सकते थे, लेकिन कोई भौतिक संपर्क संभव नहीं था।

जज क्लाइथेरॉन की गंभीर और सख्त आवाज़ गूँजी—"प्रासीक्यूटर, अपना पक्ष रखें।"

इस आदेश के साथ ही, प्रासीक्यूटर का आभासी अवतार अपनी जगह से उठा और जज के समक्ष आकर खड़ा हुआ। वह एक एक्रिमियन प्रजाति का था—मध्यम आयु का, कड़क तेवर वाला और न्यायिक हलकों में अत्यधिक प्रतिष्ठित। वर्षों के अपने करियर में उसने शायद ही कभी कोई मुकदमा हारा था। उसके शब्द शत्रु के लिए हमेशा घातक साबित होते थे,

और आज वह पूरी दृढ़ता के साथ अपने सबसे नफरत-योग्य प्रतिवादियों के खिलाफ खड़ा था—बोरो और उसके साथी।

"माई मेजेस्टी, यह केस अत्यंत स्पष्ट और सरल है। ये तीनों..."

प्रासीक्यूटर ने कहना शुरू ही किया था कि जज ने उसे बीच में रोक दिया।

"इन आरोपीगणों का वकील कहाँ है?"

प्रासीक्यूटर ने संयमित स्वर में उत्तर दिया, "माई लॉर्ड, ये अपना केस स्वयं लड़ेंगे। आरोपी तारा अपराधीगणों पक्ष में दलील पेश करेगी।"

जज क्लाइथेरॉन का चेहरा कठोर हो गया। "यह हास्यास्पद है। यह मुकदमा अत्यंत गंभीर आरोपों से जुड़ा है, और बिना उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के किसी भी अभियुक्त पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। मैं आदेश देता हूँ कि नोडोल शहर से कोई वकील तुरंत इन आरोपियों की ओर से वकालतनामा प्रस्तुत करे।"

प्रासीक्यूटर कुछ क्षण रुका, फिर गहरी सांस लेकर बोला, "सर, नोडोल तो दूर, पूरे Xor प्लेनेट में कोई भी वकील इन आतंकवादियों का केस लड़ने के लिए तैयार नहीं है।"

इस बार, जज की आँखों में कठोरता और भी गहरी हो गई।

"तुम क्या Xor के न्याय शास्त्र को भूल गए हो?" जज क्लाइथेरॉन की आवाज़ गूँज उठी। "किसी को भी"—उन्होंने इस शब्द पर विशेष बल दिया—"बिना उचित ट्रायल के दण्डित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय कि ये टेररिस्ट हैं या नहीं, तुम्हारा नहीं, मेरा अधिकार क्षेत्र है।"

प्रासीक्यूटर ने कुछ कहने के लिए होंठ खोले ही थे कि जज ने हाथ उठाकर उसे रोक दिया।

"मैं आदेश दे रहा हूँ—Xor साम्राज्य के किसी भी ग्रह से कोई भी वकील इस मुकदमे में बचाव पक्ष की ओर से खड़ा हो सकता है। लेकिन बिना वकील के, यह सुनवाई आगे नहीं बढ़ेगी।"

यह कहकर, जज ने आदेश पारित किया और अगले मामले की ओर बढ़ गया।

कोर्ट रूम में एक सन्नाटा पसर गया। यह जज न्यायप्रिय था—किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव से अप्रभावित। नोकोईविद के प्रशासन में केवल वे ही लोग स्थान पा सकते थे जो अपने कर्तव्य में निष्पक्ष थे, भले ही उन्हें कभी साम्राज्य के विरुद्ध भी निर्णय देना पड़े। नोकोईविद की सत्ता न तो अंदर से खोखली थी और न ही उसमें कोई आंतरिक कलह थी।

धर्मा के लिए यह टकराव अत्यंत कठिन सिद्ध होने वाला था।

इस बीच, प्रोफेसर बोरो, तारा और ज़ोरो का कनेक्शन कोर्ट रूम से समाप्त कर दिया गया।

नोडोल की जेल में, प्रोफेसर बोरो अपने कोठरी में बैठा था—शांत, लेकिन उसके मन में एक प्रचंड तूफान उठ रहा था। उसके विचार एक खतरनाक दिशा में बह रहे थे।

अब, यह केवल नोकोईविद से बदला लेने की बात नहीं थी।

अब, यह उस कल के छोकरा, धर्मा को सबक सिखाने की भी बात थी—जिसने उसे नोकोईविद के हाथों पकड़वाया था।

&

"क्या ये मर गया?"

मरियाना अपनी ब्लैक रॉक कार के ऑटोमेटिकली खुले गेट से बाहर निकलते हुए बोली। उसकी आवाज़ में झिझक और बेचैनी थी।

अंधेरी रात के घुप अंधकार में, यह सुनसान सड़क अचानक उनके लिए अनजान और असहज लगने लगी थी।

एल ने नीचे झुककर बेहोश पड़े धर्मा के शरीर को हिलाया। कोई प्रतिक्रिया नहीं। उसने एक गहरी सांस ली और धीरे-से सिर हिला दिया।

"शिट," मरियाना के चेहरे से रंग उड़ गया।

चारों ओर घना सन्नाटा था। आस-पास कोई नहीं था, सिर्फ उनकी ब्लैक रॉक कार की मंद रोशनी और ठंडी रात की निस्तब्धता।

"हम यहाँ से निकलते हैं," एल ने जल्दी से कहा, उसकी आवाज़ में हड़बड़ाहट साफ झलक रही थी।

"रुको, पहले मुझे पापा से बात करने दो," मरियाना बोली।

एल का चेहरा कसैला हो गया। उसे मरियाना के पिता से सख्त नफरत थी, और मरियाना का हर छोटी-बड़ी बात में उनसे सलाह लेना उसे और भी चिढ़ाता था। लेकिन इससे पहले कि वह कुछ कह पाता, मरियाना पहले ही ब्लैक रॉक कार को मानसिक संदेश भेज चुकी थी।

कुछ ही पलों में, हवा में एक नीली आभा चमकी, और उसके पिता की होलोग्राफिक छवि उनके सामने उभर आई। उनका चेहरा हमेशा की तरह कठोर और ठंडा था।

"ये कौन है?" उन्होंने कड़े स्वर में पूछा।

"ये एल है," मरियाना ने लापरवाही से कहा।

"अरे, मुझे इस मूर्ख के बारे में पता है, मैं इस बेहोश आदमी के बारे में पूछ रहा हूँ!"

मरियाना ने धर्मा की ओर देखा, फिर लापरवाही से बोली, "पता नहीं, कोई एक्रिमियन सा लग रहा है।"

"फ्लेशी भी तो हो सकता है," एल बीच में टपक पड़ा।

"मूर्ख! मैं खुद एक फ्लेशी हूँ, मुझे पता चल जाता है कौन फ्लेशी है और कौन नहीं।" मरियाना की आवाज़ चटक गई। "इसका खून बरगंडी रंग का है, फ्लेशी का खून कारमाइन होता है!"

एल ने चिढ़कर सिर घुमा लिया। उसे आज तक इन दोनों रंगों में कोई खास फर्क समझ नहीं आया था, लेकिन मरियाना को यह अंतर पहचानने में एक सेकंड भी नहीं लगता था।

"पूरी बात बताओ," उसके पिता ने गहरी, कठोर आवाज़ में कहा।

"हम डिनर के बाद ड्राइव पर निकले थे, और तभी ये आदमी हमारी कार के सामने आ गया।"

एक क्षण का मौन। फिर उसके पिता के होंठों पर एक अजीब-सी मुस्कान उभरी।

"तुम्हारी ब्लैक रॉक कार ने इसे टक्कर मारी?"

उनके स्वर में एक अजीब-सी प्रसन्नता थी। यह खुशी क्यों थी, इसका अंदाज़ा न तो मरियाना को था, न ही एल को।

"हाँ," मरियाना ने हामी में सिर हिला दिया।

उसके पिता हल्के से हंसे। "तो तुम किसी काम की निकली। मैं तो सोच रहा था कि तुम पूरी जिंदगी इन्हीं मूर्खों के साथ बर्बाद करोगी।" उनकी होलोग्राफिक छवि ने एल की ओर हिकारत से देखा।

मरियाना और एल दोनों अवाक रह गए।

"इस आदमी को कार में डालो और सीधे घर आओ," उन्होंने आदेश दिया।

मरियाना ने चुपचाप सिर हिला दिया और कनेक्शन समाप्त करने वाली थी कि तभी उसके पिता ने एल की ओर इशारा किया।

"और तुम... अपनी व्यवस्था खुद देखो।"

कहते ही उनका होलोग्राम विलुप्त हो गया।

एल के चेहरे पर अविश्वास की लकीरें उभर आईं। "क्या? मैं आखिर तुम्हारा बॉयफ्रेंड हूँ!" लेकिन मरियाना ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने अपने असिस्टेंट रोबोट को मानसिक आदेश भेजा, और कुछ ही क्षणों में धर्मा का बेहोश शरीर कार में रखा जा चुका था।

फिर बिना कुछ कहे, वह कार में बैठी और धूल का एक बादल छोड़ते हुए हवा में विलीन हो गई।

एल बस खड़ा रह गया। ब्लैक रॉक कार की लाइट्स दूर होती गईं, और उसके मन में एक ठंडी, कड़वी सच्चाई उतरती गई—उसे इतनी अमीर लड़की से दोस्ती नहीं करनी चाहिए थी।

यह लड़की कपड़ों से ज्यादा जल्दी अपने दोस्त बदल देती थी।

इसी दौरान, कहीं और...

मरियाना के पिता की खुशी का ठिकाना नहीं था।

ब्लैक रॉक कार—इरीट्रिया ग्रह पर स्थित बेनीज़ नामक कंपनी द्वारा निर्मित—एक ऐसी गाड़ी थी, जिसका दावा था कि यह "एक्सीडेंट-प्रूफ" है। इसे खरीदते समय हर ग्राहक को यह भरोसा दिया जाता था कि यह कार किसी भी हालत में किसी व्यक्ति को चोट नहीं पहुंचा सकती।

लेकिन अब...

अब इस कार ने किसी को टक्कर मार दी थी।

इसका मतलब था कि बेनीज़ कंपनी को अपने सेल कॉन्ट्रैक्ट के तहत एक लाख टिक का भारी भरकम जुर्माना देना पड़ सकता था। इससे भी ज्यादा, कंपनी की साख मिट्टी में मिल जाएगी।

और यह सब उसकी नालायक, मूर्ख बेटी की वजह से हुआ था—जिसे उसने हमेशा तिरस्कार से देखा था।

पर आज, उसे मरियाना पर गर्व महसूस हो रहा था।

लेकिन जो वह नहीं जानता था, वह यह था कि जिस व्यक्ति को मरियाना अपने घर ले जा रही थी...

वह केवल एक आम आदमी नहीं था।

वह धर्मा — **सन ऑफ गॉड** था।

और यह... बेनीज़ से मुआवजा लेने से कहीं बड़ी बात थी।

&

"बोरो, तुमसे मिलने के लिए एक वकील आया है।"

जेल के वार्डन की होलोग्राफिक इमेज झिलमिलाई और बोरो के सेल में उभर आई। वह ठंडे पत्थर की बेंच पर पसरा हुआ था, आधी नींद में। आवाज़ सुनकर उसने आंखें खोलीं और भारीपन से उठकर बैठ गया।

"मुझे किसी वकील से मिलने में कोई दिलचस्पी नहीं," उसने सपाट स्वर में जवाब दिया।

वार्डन की इमेज में हल्की झुंझलाहट झलकी। "यह तुम्हारी इच्छा की बात नहीं है। यह कोर्ट का आदेश है। तुम्हें मिलना ही पड़ेगा। मैं उसे तुम्हारे संपर्क में ला रहा हूँ। तैयार हो जाओ।"

बोरो ने गहरी सांस ली। उसे यह सब दिखावा लग रहा था। उसे मालूम था कि नोकोईविद उसे निष्पक्ष सुनवाई कभी नहीं देगा। यह पूरा मुकदमा सिर्फ़ एक औपचारिकता थी, एक खेल, जिसमें उसके खिलाफ़ पहले से ही सजा तय हो चुकी थी।

पर उसे यह समझ नहीं आ रहा था कि अब तक नोकोईविद खुद उससे मिलने क्यों नहीं आया?

कुछ ही देर में उसकी कोठरी में एक घंटी बजी, और हवा में नीली रोशनी घनी होकर एक होलोग्राफिक इमेज में बदल गई। यह कोई साधारण होलोग्राम नहीं था—यह *फुली टेक्टाइल,* यानी स्पर्शनीय

होलोग्राफ था। अगर वह चाहता, तो इस प्रक्षिप्त छवि को छू भी सकता था।

सामने खड़ा शख्स एक इरीट्रियन फ्लेशी था—मध्यम आयु का, लंबा, रोबदार व्यक्तित्व वाला। उसने हल्का झुककर बोरो का अभिवादन किया और गहरी आवाज़ में बोला,

"मेरा नाम ओयूविल होको नाना है। मैं लक्स फुल्गोर शहर, ग्रह इरीट्रिया से हूँ।"

बोरो ने उसे एक सरसरी निगाह से देखा और फिर कोई दिलचस्पी दिखाए बिना वापस बेंच पर ढह गया।

नाना की इमेज भी उसके सामने बैठ गई। "आप शायद मुझे पहचानते न हों, लेकिन मैं आपका शिष्य रह चुका हूँ। जब आप *लॉव यूनिवर्सिटी—लक्स फुल्गोर* में पढ़ाते थे।"

बोरो के होंठ हल्का सा तिरछे हुए, मानो स्मृतियों की परछाइयाँ उसकी आँखों के सामने से गुज़र गईं। "तुम एस्ट्रोफिजिक्स के विद्यार्थी थे? मुझे लगा था कि तुम वकील हो।"

नाना हल्का हंसा। "सर, मैं वकालत ही पढ़ रहा था। लेकिन आपके लेक्चर्स मुझे इतने पसंद आते थे कि मैंने एस्ट्रोफिजिक्स का एक कोर्स भी ले लिया था।"

बोरो ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

"मैं आपकी मदद करना चाहता हूँ," नाना ने कहा। "लेकिन मुझे सच जानना होगा। आप पर इल्ज़ाम है कि आपने मैर्केल से फंड लेकर एक आतंकवादी संगठन बनाया, जिससे आप Xor साम्राज्य में अशांति फैला सकें।"

बोरो ठंडे स्वर में बोला, "नोकोईविद यही चाहता है।"

नाना ने सिर हिलाया। "सबको पता है कि मैर्केल, थाइज़र या कोई भी शक्ति नोकोईविद से सीधे युद्ध नहीं कर सकती। उसके पास *क्विड* है। इसलिए वे आप जैसे लोगों के ज़रिए आंतरिक कलह फैला रहे हैं।"

बोरो ने तीखी नज़र से उसकी ओर देखा। "तुम क्या सच में नोकोईविद को जानते हो?"

नाना ने हल्की मुस्कान के साथ सिर हिलाया। "नहीं। मुझे सिर्फ़ वही पता है जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।"

बोरो की आँखें सर्द हो गईं। उसने धीरे-धीरे कहा, "मैं उसे बहुत अच्छे से जानता हूँ... वह मेरा *दामाद* है।"

नाना हक्का-बक्का रह गया।

"और न केवल मेरा दामाद," बोरो ने आगे कहा, "बल्कि वह *क्विड* हथियार का आविष्कारक होने का जो दावा करता है... वह झूठ है।"

नाना अविश्वास में बोला, "क्या मतलब?"

बोरो कड़वी हंसी हंसा। "क्विड को मैंने विकसित किया था, नोकोईविद ने नहीं।"

नाना को जैसे झटका लगा।

बोरो अब क्रूर स्वर में बोला, "यह मुकदमा एक मज़ाक है, नाना। तुम चाहे जितनी भी कोशिश कर लो, नोकोईविद मुझे सज़ा देगा। फिर मुझे इस जेल में यातनाएँ दी जाएँगी।"

नाना ने असहाय स्वर में पूछा, "पर क्यों?"

"क्योंकि वह मुझसे कुछ बहुत *ख़ास* उगलवाना चाहता है। आतंकवाद का आरोप तो बस दिखावा है।"

नाना पूरी तरह भ्रमित हो गया था।

तभी बोरो ने झल्लाकर कहा, "अब मेरे *लॉयर*, तुम जाओ। तारा और ज़ोरो से मिलो। अगर उन्हें बचा सकते हो, तो बचाओ। लेकिन मेरा समय मत बर्बाद करो।"

नाना कुछ और पूछना चाहता था, लेकिन बोरो की आँखों में जो उग्रता थी, उसने उसे रोक दिया। कनेक्शन कटते ही नाना की होलोग्राफिक इमेज हवा में घुलकर गायब हो गई।

इस वक्त नाना, Xor ग्रह के पॉश शहर नोडोल के एक आलीशान होटल में बैठा था। उसने झुंझलाकर अपनी साँस छोड़ी। उसे यह केस लेना ही नहीं चाहिए था। अगर उसकी मजबूरी न होती, तो वह इन "आतंकवादियों" के लिए काम करने की सोचता भी नहीं।

लेकिन अब वह इसमें फँस चुका था।

उसने तुरंत ही मानसिक संदेश से होटल के कम्यूनिकेटर का इस्तेमाल किया और इरीट्रिया के लिए टिकट बुक कर लिया।

Xor से इरीट्रिया हज़ार प्रकाश-वर्ष की दूरी पर था। परंतु ऐनियन स्पेसशिप्स की मदद से वह कुछ ही घंटों में अपने गृह ग्रह पहुँच सकता था। कुछ पलों में ही उसके कम्यूनिकेटर पर पुष्टि का संदेश आ गया—उसकी उड़ान एक घंटे में रवाना होने वाली थी।

उसने होटल का बिल चुकाया, स्टाफ़ को अच्छी टिप दी, और फिर स्पेशल ट्रांसपोर्ट रूम में पहुँचकर वीज़ा, इमिग्रेशन और इंटर-प्लेनेटरी यात्रा की औपचारिकताएँ पूरी कीं। जैसे ही अंतिम स्कैन हुआ, उसे और उसके सामान को बीम करके सीधे उसके ऐनियन शिप में ट्रांसमिट कर दिया गया।

कमर्शियल ऐनियन स्पेसशिप्स अब पूरे Xor साम्राज्य में फैले थे। इनकी गति प्रकाश से हज़ारों गुना अधिक थी। नोकोईविद की ही कंपनी इन्हें बनाती थी और *सुपर स्पेस वे* को नियंत्रित करती थी, जिस पर ये

जहाज चलते थे। यात्रा महंगी थी, और नाना जैसे कुछ अमीर लोग ही इसे वहन कर सकते थे।

जल्द ही वह इरीट्रिया पहुँच गया।

लेकिन जैसे ही वह अपने घर में दाख़िल हुआ, उसकी साँस थम गई। कोई पहले से ही वहाँ उसका इंतज़ार कर रहा था।

~~

अध्याय दो - नोकोईविद कैद में

"सर, खबर पक्की है..." डायस ने घबराई आवाज़ में कहा, उसकी हथेलियाँ पसीने से तर हो रही थीं।

नोकोईविद ने धीरे से सिर उठाया। उसकी लालच और क्रूरता के लिए मशहूर आँखें अब ठंडी, मगर भीतर जलते तूफान जैसी लग रही थीं। उसने भारी आवाज़ में पूछा, "क्या?"

वे दोनों नोकोईविद के विशाल और गूंजते हुए कक्ष में खड़े थे। यह कमरा Xor ग्रह के केंद्र, नोडोल शहर में स्थित था—साम्राज्य के हृदय में। कक्ष में इस वक्त केवल तीन लोग थे—नोकोईविद, डायस, और डायस का सबसे भरोसेमंद मातहत, जिसने यह सूचना लाई थी।

डायस ने काँपती आवाज़ में कहा, "सर, कोमिंट ग्रह पर बिलिवर ऑफ बोफ की सेना ने कब्ज़ा कर लिया है। हमारे सैनिकों को वहाँ से खदेड़ दिया गया। लगता है कि उन्हें मैर्केल से हथियारों की आपूर्ति मिली है।"

नोकोईविद के सामने एक विशाल आर्टिफिशियल स्क्रीन चमक उठी। उस पर पूरे Xor साम्राज्य का विस्तृत नक्शा प्रदर्शित था। उसने स्क्रीन पर एक विशेष स्थान पर ध्यान केंद्रित किया—कोमिंट ग्रह।

यह ग्रह Zen सौर मंडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, Xor ग्रह से मात्र पाँच प्रकाश-वर्ष दूर। साम्राज्य के इनर सर्कल के भीतर स्थित, जहाँ सत्ता, व्यापार, और राजनीति की जड़ें सबसे गहरी थीं। यहाँ की सुरक्षा को भेद पाना लगभग असंभव माना जाता था। और अब, वहीं हमला हुआ था।

नोकोईविद की भौहें तन गईं। उसकी नज़रें स्क्रीन पर सरकती गईं, जहाँ एक और भयावह सच्चाई उभर रही थी।

कोमिंट पर नियंत्रण खोने का मतलब सिर्फ़ एक ग्रह गँवाना नहीं था—इसका अर्थ था कि Zen सौर मंडल से होकर जाने वाला सुपर-स्पेस वे कट चुका था। यह वही मार्ग था जिससे होकर अनगिनत व्यापारी जहाज़, संसाधन आपूर्ति शिप्स, और यात्री वाहक Xor ग्रह तक पहुँचते थे। अब वहाँ बिलिवर ऑफ बोफ के लड़ाके खड़े थे—लूटपाट, कत्लेआम, और विनाश में लिप्त।

"इन आतंकियों की इतनी हिम्मत...!" नोकोईविद की आवाज़ गहरे गड़गड़ाते बादलों जैसी गूंजी। उसके भीतर गुस्से का ज्वालामुखी धधक रहा था।

डायस के मातहत ने एक और विस्फोटक जानकारी जोड़ दी, "सर, उन्होंने आपको खुली चुनौती दी है। कहा है कि अगर नोकोईविद में हिम्मत है, तो अकेले आकर उन्हें हराकर दिखाए।"

डायस का चेहरा तमतमा उठा। यह मूर्ख अधीनस्थ क्यों बोल पड़ा? क्या उसे अंदाजा नहीं कि इस तरह की बात कहकर वह आग में घी डाल रहा है? लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी।

नोकोईविद के जबड़े भिंच गए। उसकी आँखें अंगारों जैसी दहकने लगीं। वह धीरे से खड़ा हुआ, उसके कदमों की गूंज संगमरमर के फर्श पर फैल गई। फिर, उसने कठोर स्वर में कहा, "ठीक है... अब इन आतंकियों को दिखा देते हैं कि नोकोईविद किस बला का नाम है।"

डायस ने झट से कदम बढ़ाकर कहा, "सर, आपको स्वयं जाने की जरूरत नहीं। मैं अजय सेना के साथ जाऊँगा और कोमिंट को इन आतंकियों से मुक्त कर दूँगा।"

"नहीं!"

नोकोईविद की दहाड़ ने पूरे कक्ष को हिला दिया।

उसके चेहरे पर क्रोध और अपमान की ज्वाला थी। "इन आतंकियों ने यह दुस्साहस इसलिए किया है क्योंकि उनका सरगना—बोरो—पकड़ा गया है। ये सब उसी के इशारे पर हो रहा है। बोरो ने ही उन्हें कहा होगा कि अगर कभी वह पकड़ा जाए, तो वे मुझे ललकारें।"

उसकी साँसें तेज़ हो गईं। उसने अपनी मुठ्ठी भींच ली और एक कदम आगे बढ़ाया।

"वह मूर्ख बोरो और उसके साथियों को यह बताने का समय आ गया है कि मैं केवल क्विंड का उपयोग करना ही नहीं जानता, बल्कि अकेले ही इन तुच्छ आतंकियों को कुचल सकता हूँ।"

डायस की आँखें चौड़ी हो गईं। उसने गहरी चिंता से कहा, "सर, आप पहले ही देख चुके हैं कि क्विंड का प्रयोग कितना विनाशकारी हो सकता है। वह पूरी गैलेक्सी को भी नष्ट कर सकता है!"

नोकोईविद एक पल के लिए रुका। फिर, एक फीकी मुस्कान उसके होंठों पर आई, "डायस, मैं क्विंड का इस्तेमाल नहीं करूँगा।"

डायस को थोड़ी राहत मिली, लेकिन तभी नोकोईविद की आवाज़ में एक असहनीय उदासी घुल गई।

"मेरी प्रियतमा ने मुझसे यह वचन लिया था... और मैं उसे धोखा नहीं दे सकता।"

एक लंबा मौन कक्ष में भर गया। डायस को एहसास हुआ कि नोकोईविद की पत्नी—जिससे वह असीम प्रेम करता था—अब इस दुनिया में नहीं थी। और उसका पुत्र, उसकी एकमात्र निशानी, क्रूर बोरो द्वारा उससे छीन लिया गया था।

डायस ने कुछ कहने के लिए होंठ खोले, लेकिन नोकोईविद ने उसे रोक दिया।

"चिंता मत करो, डायस। मेरे पास क्विड ही एकमात्र हथियार नहीं है।"

डायस की चिंता फिर से लौट आई। वह जानता था कि बोरो की गिरफ्तारी के बाद ऐसे आतंकवादी हमले बढ़ने ही वाले थे। वह और उसकी अजय सेना हर परिस्थिति के लिए तैयार थे, लेकिन उनकी सबसे कठिन परीक्षा यह नहीं थी—सबसे कठिन चुनौती थी खुद नोकोईविद को काबू में रखना।

डायस ने एक पल के लिए अपने मातहत को देखा, जो अब भी भयभीत खड़ा था। उसने गहरी साँस ली।

"मुझे इस मूर्ख को साथ नहीं लाना चाहिए था…" डायस ने मन ही मन सोचा।

&

नाना अपने उस अनजान शख्स के आगे बेबस बैठा हुआ था। वो बोला "तुमने कहा था की मैं प्रोफेसर बोरो का केस ले लूँ, मैंने ले लिया और तुम्हे जो भी बाते प्रोफेसर बोरो के साथ हुई वो सब बता दी।"

"तुमने अच्छा काम किया" धर्मा बोला।

नाना को यकीन ही नहीं हो रहा था की धर्मा जिसे उसकी बेटी बेहोशी की हालत में उसके घर लेकर आयी थी इतना शातिर और खतरनाक है। धर्मा ने जल्दी ही समझ लिया था की नाना बेनीज़ कंपनी के खिलाफ उसका प्रयोग करना चाहता है परन्तु धर्मा सांतवें आयाम से आया था और ब्लैक रॉक कार की कोई गलती नहीं थी। धर्मा ने यदि ये बयान दे दिया तो नाना ने जो लीगल नोटिस बेनीज़ को भेजा है वो उसे बहुत भारी पड़ेगा। धर्मा ने नाना से वादा किया था कि यदि वो बोरो, तारा और ज़ोरो

का केस लड़े तो धर्मा उसे बेनीज़ कंपनी से बहुत बड़ा कंपनसेशन (compensation) दिलवा देगा।

“परन्तु एक बात समझ नहीं आ रही” नाना बोला। इससे पहले वो आगे कुछ बोलता धर्मा बोला, “की मुझे बोरो में क्या इंटरेस्ट।”

“हाँ” नाना से हामी में सर हिलाया।

“तुम्हे इन सब से ज्यादा मतलब नहीं रखना चाहिए। ज्यादा जानकारी हानिकारक होती है।” धर्मा शातिराना ढंग से बोला।

नाना सकपका गया। इससे पहले वो कुछ बोलता धर्मा बोला, “तुम सोचो की हम बेनीज़ को क्या बोलें। क्योंकि मेरा स्कैन करके वो जान लेंगे कि मैं इरीट्रिया में रजिस्टर्ड नहीं हूँ। तो मैं कहाँ से आया हूँ।”

“हाँ ये ही तो दिक्कत है। मुझे नहीं पता था की तुम सांतवें आयाम से सीधे आये हो। मेरी गलती हो गयी की तुम्हारे होश में आने से पहले ही मेने लीगल नोटिस बेनीज़ को भेज दिया।”

“कोई बात नहीं नाना” धर्मा ने कुटिलता पूर्वक बोला “तुमने अपने लालच के कारण अपने आप को फसा लिया परन्तु मैं सन आफ गॉड हूँ मैं तुम्हे बचाऊंगा।”

“परन्तु कैसे। मुझे तुम्हारी एक फेक आइडेंटिटी बनानी पड़ेगी” नाना चिंतित स्वर में बोला।

“तुम चिंता मत करो नाना। मुझे इतना बताओ की ये बिलिवर ऑफ बोफ के लोग कहा मिलेंगे।”

नाना के माथे पर चिंता की लकीरे आ गयी। उसके माथे से पसीना टपकने लग गया। ये शख्स धर्मा क्या टेररिस्ट है? नाना के होश फाख्ता हो गए।

धर्मा को समझ आ गया था की नाना की चिंता क्या है। धर्मा मरियाना की तरफ मुड़ कर बोला “क्या मैं तुम्हे टेररिस्ट लगता हूँ।”

मरियाना जो धर्मा के सुडोल शरीर पर पहले से ही मोहित थी बोली “बिलकुल नहीं। तुम तो हीरो हो। मेरे हीरो।”

नाना को अब उस रात पर दुःख हो रहा था की क्यों उसने लालच में धर्मा जैसे खतरनाक इंसान को अपने घर में बुलाया। परन्तु जो नाना को नहीं पता था वो ये कि धर्मा वाकई में हीरो था। वो नाना का बुरा होने नहीं देगा।

“तुम टेंशन मत लो नाना। मैं तुम्हे कुछ नहीं होने दूंगा। ये मेरा वादा है।” धर्मा ने बहुत ही धैर्य और विश्वास से कहा।

नाना को पहली बार धर्मा की बात सुन कर कुछ संतुष्टि मिली। वो बोला “परन्तु तुम उन टेररिस्ट से क्यों मिलना चाहते हो”

“अरे मेरे प्यारे वकील साहब यदि मुझे फेक आइडेंटिटी बनानी है तो वो मदद करेंगे।” धर्मा बोला।

“परन्तु वो तुम्हारी मदद क्यों करेंगे।” नाना कन्फ्यूज्ड स्वर में बोला।

“क्योंकि मैं सन आफ गॉड हूँ। यदि वो बोफ में मानते है तो मुझमे तो मानेंगे।” धर्मा बोला।

“तुम साबित कैसे करोगे की तुम सन आफ गॉड हो।” नाना को कुछ समझ नहीं आ रहा था की धर्मा क्या बोलना चाह रहा है।

“वो तुम मुझ पर छोड़ दो। मुझे इतना बताओ मुझे कहाँ जाना है।”

नाना ने कुछ सोचा और फिर वो बोला “तुम्हे लेनोगो शहर जाना पड़ेगा। समुद्र तल में। क्योंकि अधिकतर बिलिवर ऑफ बोफ वही है।”

धर्मा ने हामी में सर हिला दिया। “ठीक है मुझे तुम लेनोगो शहर जाने का रास्ता बतला दो”

“रास्ता क्यों, मैं तुम्हे ब्लैक रॉक में ले चलती हूँ।” मरियाना बोली।

नाना को ये बिलकुल पसंद नहीं आया। उसकी पुत्री कतई मूर्ख थी। वो किसी तरह इस धर्मा से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रहा था और वो उसके साथ जाने की बात कर रही थी।

“नहीं मरियाना। तुम्हारे पिता को पसंद नहीं आएगा अगर तुम मेरे साथ गयी तो। मैं अपना रास्ता खुद ही तय करूँगा।” धर्मा ने नाना की ओर देख कर बोला।

नाना को यकीन नहीं हो रहा था की धर्मा उसकी इतनी मदद करेगा। धर्मा चाहता तो मरियाना को साथ ले जा सकता था। धर्मा के पास पैसे[1] नहीं थे न ही वो इरीट्रिया के सिस्टम के बारे में जनता था।

“मैं जल्दी ही आ जाऊंगा ताकि तुम्हे बेनीज़ से पैसे दिलवा सकूँ। मुझे अपना कांटेक्ट डिटेल्स दे दो। मैं टच में रहूँगा।” धर्मा बोला।

नाना को यकीन आ चुका था की धर्मा उसका कोई अहित नहीं करेगा। वो चाहता तो नाना को बहुत ज्यादा परेशान कर सकता था परन्तु धर्मा ने वैसा नहीं किया था। नाना की नज़रो में धर्मा की इज्जत बहुत ज्यादा बढ़ चुकी थी।

&

“सर क्या आप वाकई अपना डिसिशन चेंज नहीं करना चाहते। ” डायस बोला। वो और नोकोईविद एक बहुत बड़े मैदान में खड़े हुए थे।

“नहीं” नोकोईविद ने खूंखार स्वर में बोला।

“सर फिर मैं आपके साथ चलूँगा।” डायस बोला।

“ठीक है।”

नोकोईविद ने अपने बेल्ट के बकल को मानसिक सन्देश भेजा और नोकोईविद और डायस के समक्ष प्रस्तुत था एक बहुत ही

---

[1] समझने के लिए पैसे शब्द का प्रयोग किया गया है। वरना फ्रां गैलेक्सी की करेंसी टिक है।

विशालकाय स्पेसशिप। डायस ने पहली बार देखा था कि कैसे एक बहुत छोटा सा बकल नोकोईविद का मानसिक आदेश पाकर धीरे धीरे एक अति विशाल और सोफिस्टिकेटेड (sophisticated) स्पेसशिप में बदल गया था। बोमिनी इतना सुन्दर था कि उसके जैसा कुछ भी डायस ने पहले नहीं देखा था। नोकोईविद ने मानसिक सन्देश दिया और बोमिनी ने नोकोईविद और डायस दोनों को अपने अंदर बीम कर लिया। बोमिनी में प्रवेश केवल बोमिनी की मर्जी से ही हो सकता था।

डायस नोकोईविद के साथ बोमिनी के एक आलिशान कमरे में बैठा हुआ था। चारो ओर अजीब तरह के यन्त्र जड़े हुए थे, जो डायस की समझ से परे थे।

नोकोईविद ने मानसिक सन्देश दिया और बोमिनी कुछ ही पलों में Xor प्लेनेट से बाहर उड़ान भर चूका था । बोमिनी ने जल्दी ही सुपर स्पेस वे का रास्ता पकड़ लिया था और Xor सौर मंडल को चीरता हुआ कुछ ही मिनटों में बोमिनी पांच प्रकाश वर्ष दूर कोमिंट ग्रह के पास पहुँच चूका था।

नोकोईविद ने मानसिक सन्देश दिया - स्टेल्थ मोड एक्टिवेट (stealth mode activate) करो।

डायस हैरान ओर विस्मित था।

नोकोईविद ने विस्मय से भरे डायस के कंधे पर हाथ रखते हुए बोला, “अब दुश्मन को कोई भी राडार, लिडार या खोजी तंत्र हमें नहीं देख सकेगा। हम आसानी से दुश्मन की किलेबंदी को पार करते हुए अंदर तक चले जायेंगे।”

बोमिनी ने स्टेल्थ मोड एक्टिवेट (stealth mode activate) कर दिया था । अब बोमिनी सुपर स्पेस वे से बाहर आ चूका था और धीरे धीरे कोमिंट ग्रह की ओर बढ़ रहा था।

डायस के आश्चर्य की सीमा न रही। डायस उस आलिशान कमरे में बैठा हुआ था परन्तु उसके अंदर एक अजीब सी बैचनी थी । अनेकों स्वादिष्ट व्यंजन और पेय पदार्थ जो ड्रोइड्स और रोबोट द्वारा पेश किये जा रहे थे, उसके लिए बेमानी थे। वो बस अपने सामने मौजूद अर्टिफिसिअल स्क्रीन पर बाहर के विज़ुअल्स देख रहा था । कोमिंट ग्रह के आस पास का पूरा हिस्सा एक वार जोन बना हुआ था। अनेकों वॉरशिप्स जो घातक हथियारों से लेस थे वहां पर मौजूद थे । हालाँकि नोकोईविद ने उसे बता दिया था कि वो लोग अभी अदृश्य है और उनके दुश्मन बोमिनी को नहीं देख सकते परतु फिर भी डायस बैचेन था। वो इन खतरनाक टेर्ररिस्टों के बीच अकेला था। अंतरिक्ष में जहाँ भी देखो वहां दुश्मन का जहाज नजर आ रहा था। डायस को समझ नहीं आ रहा था कि वो क्या करे। इन टेर्ररिस्टों ने अजय सेना की टुकड़ी को हरा दिया था और इन खतरनाक कातिलों की फौज के बीच वो और नोकोईविद अकेले थे। नोकोईविद वाकई पागल है और इतना ज्यादा खतरा उठाना सरासर पागलपन है।

“कोमिंट ग्रह के चारों ओर तकरीबन 1200 वॉर शिप्स ने घेरा बंदी कर रखी है। अधिकतर वॉर शिप्स केटेगरी – 2 (Category – 2) के है तथा पंद्रह ऐसे वॉरशिप्स है जो केटेगरी – 3 (Category 3) के है।” बोमिनी ने नोकोईविद और डायस दोनों को ही मानसिक सन्देश दिया।

डायस का दिल बैठ गया था । केटेगरी 3 (Category 3) के वॉर शिप्स बेहद खतरनाक होते थे। उनके प्रहार सटीक और तेज होते थे। उनके लेज़र फायर की गति प्रकाश की गति से अनेकों गुना तेज होती थी और बोमिनी में यदि नोकोईविद भागने की कोशिश भी करे तो जब तक बोमिनी सुपर स्पेस वे तक पहुंचेगा केटेगरी 3 शिप्स बोमिनी को नष्ट कर चुके होंगे। यहाँ से नोकोईविद और वो अब जिन्दा वापस नहीं जा सकते थे।

“डायस इतनी चिंता करते हो। क्या जान इतनी प्यारी है।” नोकोईविद ने मुस्कुराते हुए कटाक्ष किया।

डायस सकपका गया।

“सर मैं जनता हूँ हम अदृश्य है परन्तु यदि किसी तरह इनको हमारी भनक लग गयी तो हम यहाँ से वापस नहीं जा पाएंगे। हमें तुरंत वापस जाना चाहिए और पूरी अजय सेना के साथ आना चाहिए।” डायस बोला।

“डायस” नोकोईविद खूंखार स्वर में बोला “इन मूर्ख टेर्ररिस्टों ने मुझे चुनौती दी है, और आज इन्हें जान लेने दो कि नोकोईविद किस बला का नाम है।”

नोकोईविद के चेहरे पर एक अलग ही उत्तेजना और आँखों में अंगार भरी चमक थी।

डायस का आधा मानव आधा मशीन शरीर इस वक्त डर से थर थर कांप रहा था परन्तु नोकोईविद को किसी प्रकार की कोई चिंता न थी।

धीरे धीरे बोमिनी उस किलाबंदी के अंदर घुस रहा था। एक के बाद एक वॉर शिप्स की परतों को पार करता हुआ अदृश्य बोमिनी कोमिंट ग्रह के बिलकुल नज़दीक जा पहुंचा।

यदि नोकोईविद और डायस बोमिनी के अलावा किसी और विमान में होते तो इतना आगे तक इतनी आसानी से नहीं आ सकते थे। घेराबंदी कुछ इस कदर पुख्ता थी कि अजय सेना जैसे माहिर सेना को भी इस किले बंदी को तोडना बेहद दुर्भर होता। कई जहाज सर्कुलर फार्मेशन में थे और कोई भी इन्हे आसानी से पार नहीं कर सकता था। बोमिनी अदृश्य था और धीरे धीरे आगे बढ़ रहा था। जल्द ही वो लोग कोमिंट ग्रह के आतंरिक वातावरण में पहुँच गए थे। बोमिनी उस ग्रह के चारों ओर चक्कर

काट रहा था और अनेकों फोटोग्राफ्स और वीडियो लेकर नोकोईविद और डायस को दिखा रहा था।

नोकोईविद ने देखा की कोमिंट पर पूरी तरह से बिलिवर ऑफ़ बोफ के टेररिस्ट का कब्ज़ा हो चूका था। कोमिंट ग्रह के सारे मुख्य शहरों पर अब बिलिवर ऑफ़ बोफ के टेररिस्ट थे। कोमिंट के लोग उनके अत्याचार का शिकार थे। नोकोईविद को ये देख अत्यधिक दुःख और ग्लानि हो रही थी। उसके शासन में उसके साम्राज्य के लोगों पर इन टेररिस्ट का इतना अत्याचार हो रहा था।

डायस भी अनेकों भयावय दृश्यों को देख कर दुःख और गुस्से से भर उठा था।

“सर हमारी अजय सेना इनसे इतनी आसानी से कैसे हार गयी।” डायस अनायास ही बोला।

“क्योंकि इन टेररिस्ट को मैर्केल की गोल्डन आर्मी का सहयोग प्राप्त है । अजय सेना इन मूर्ख बिलिवर ऑफ़ बोफ से नहीं हारी अपितु मैर्केल की गोल्डन आर्मी ने उन्हें हराया है। ये टेररिस्ट वास्तव में मैर्केल के अति प्रशिक्षित फाइटर हैं।” नोकोईविद बोला।

“परन्तु इन्हे आपका डर नहीं है।” डायस बोला।

“उस टेररिस्ट सरगना बोरो और उसके परम साथी और मेरे कट्टर दुश्मन मैर्केल को यकीन है मैं क्विड का प्रयोग नहीं करूँगा।” नोकोईविद बोला।

“सर आप क्विड का प्रयोग कर सकते है आपको कौन रोक सकता है।” डायस किसी छोटे बच्चे की भांति विचलित होते हुए बोला। इस विशाल सेना, दुश्मन के तारकीय व्यूह और इन टेररिस्ट के अति क्रूर अत्याचारों से शोषित होती कोमिंट की सामान्य जनता को देख डायस अंदर तक हिल गया था। वो अभी तक क्विड के प्रयोग के बारे में सोच कर

भी डर जाता था, परन्तु अब वो खुद चाहता था की नोकोईविद क्विड का प्रयोग कर ले।

“नहीं डायस। मैंने मेरी पत्नी से वादा किया है।” नोकोईविद बोला।

डायस का चेहरा लटक गया। बिना क्विड के नोकोईविद मैर्केल को कैसे हराएगा। ये क्या मूर्खता भरा फैसला है। डायस सोचने लग गया।

नोकोईविद को समझ आ गया था की डायस मैर्केल के हथियारों से लेस इन टेर्रोरिस्ट्स से घबरा गया है। वो बेहद गंभीर स्वर में बोला, “तुम्हे मुझ पर विश्वास है।”

“बिलकुल सर” डायस बोला। उसे थोड़ा सा आश्वासन मिला था । नोकोईविद ने आज तक जो भी बोला था वो करके दिखाया था । यदि वो बोमिनी में उसे यहाँ लाया है तो शायद वो उसे सुरक्षित वापस भी ले जायेगा ।

“बस तो फिर चिंता मत करो।” नोकोईविद बोला।

नोकोईविद का ये बोलना था कि तभी बोमिनी ने सन्देश भेजा। “स्टेल्थ मोड इनवेडिड (stealth mode invaded)”

डायस बुरी तरह से घबरा गया। “ये कैसे हो सकता है।”

वो लोग दुश्मन सेना के बीचो बीच फसे हुए थे। यदि उनका स्टेल्थ मोड़ इनवेड हो गया तो वो लोग इतने क्रूर टेररिस्ट के बीच फस जायेंगे। उनकी अजय सेना तो इस व्यूह को भेद कर अंदर आने में बहुत समय लगा देगी। एक अनजान भय ने डायस को बुरी तरह से भयभीत कर दिया था।

नोकोईविद अभी भी सामान्य था।

तभी उन लोगों पर अनेकों हमले शुरू हो गए। बहुत से केटेगरी-2 वॉर शिप्स घेरा बंदी करके बोमिनी पर हर तरफ से हमला कर रहे थे। बोमिनी ने उनका प्रति उत्तर देना शुरू कर दिया। आर्टिफीसियल स्क्रीन पर युद्ध का पूर्ण विवरण नोकोईविद और डायस को दिख रहा था।

बोमिनी ऐसा लग रहा था की टिड्डी के एक बहुत बड़े समूह के बीच फस गया था। बोमिनी चाहे कितना भी विकसित स्पेसशिप क्यों न हो, इतने सारे केटेगरी-2 वॉरशिप्स से वो अकेला नहीं लड़ पायेगा, और जल्द ही वो केटेगरी 3 वॉरशिप्स भी आ जायेंगे जो कोमिंट ग्रह के आखरी सुरक्षा घेरे में तैनात थे।

डायस को लग गया था कि नोकोईविद ने बहुत बड़ी गलती कर दी थी। बोमिनी अब जल्द ही नष्ट होने वाला था। उन दोनो की मौत निश्चित थी। डायस को अभी भी अपनी जान से ज्यादा नोकोईविद की चिंता थी। क्या इस महान शासक का इतना क्रूर अंत होना था? इन टेररिस्ट के द्वारा एक बहुत दर्दनाक मौत।

~~

अध्याय तीन - धर्मा की चाल

धर्मा ने मरियाना से विदा ले ली थी और अब वह नाना के साथ इरीट्रिया के सार्वजनिक परिवहन केंद्र—एक विशाल और उन्नत ट्रैन स्टेशन—पर खड़ा था। यह कोई साधारण स्टेशन नहीं था, बल्कि किसी अत्यधिक विकसित सभ्यता की रचना जैसा प्रतीत हो रहा था। चारों ओर लोग इरीट्रिया गृह के सुदूर स्थानों और गंतव्यों की ओर प्रस्थान करने की प्रतीक्षा कर रहे थे। स्टेशनों पर सैकड़ों रोबोट ड्रोइड्स यात्रियों की सहायता कर रहे थे, उनके सामान उठाने से लेकर उन्हें ट्रैन के सही प्लेटफार्म तक पहुंचाने तक।

यात्रियों के हाथों में बड़े-बड़े बैग नहीं थे, बल्कि सभी ने अपने सामान को विशेष नैनो-बैग्स में संचित किया था, जो अत्यंत छोटे आकार के थे। जब भी आवश्यक होता, वे अपनी मानसिक तरंगों द्वारा इन बैग्स को सामान्य आकार में परिवर्तित कर सकते थे। इस तकनीक ने यात्रा को सहज और सुविधाजनक बना दिया था।

नाना ने स्टेशन के बाहर ही रुककर धर्मा से कहा, "धर्मा, मैं तुम्हारे लिए टिकट तो खरीद सकता था, लेकिन तुम्हारी कोई आधिकारिक पहचान नहीं है। बिना पहचान के टिकट लेना असंभव है।"

धर्मा ने सहज भाव से सिर हिलाया, "हाँ, नाना, तुमने यह पहले ही बताया था। और तुम मुझे धन भी नहीं दे सकते, क्योंकि फ्रां गैलेक्सी की यूनिवर्सल करेंसी “टिक” भी केवल तभी ट्रांसफर की जा सकती है जब व्यक्ति का टाइमेक्स में रिकॉर्ड हो, और मेरे शरीर में टाइमेक्स चिप नहीं है।"

नाना ने गहरी सांस ली और सिर झुका लिया। "हाँ, धर्मा। मैं बस तुम्हें यहाँ तक छोड़ सकता हूँ। अब तुम यहाँ से एक्सप्रेस ट्रैन पकड़ोगे, लेकिन बिना टिकट के कैसे जाओगे, यह मुझे नहीं पता।"

धर्मा ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, "तुम यह मुझ पर छोड़ दो। मैंने कुछ सोच रखा है।"

नाना ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा। "मैं कुछ समझा नहीं," उसने संदेह भरे स्वर में कहा।

धर्मा की आँखों में एक अजीब सा आत्मविश्वास झलका। "तुमने मुझसे झूठ कहा था कि लेनोगे शहर में “बिलीवर ऑफ बोफ” मिलेंगे।"

नाना के चेहरे का रंग उड़ गया। उसका हृदय तेजी से धड़कने लगा। यह धर्मा कौन है? इसे इतनी गहरी बातें कैसे पता चल जाती हैं?

"मुझे माफ कर दो, मैं डर गया था," नाना ने गिड़गिड़ाते हुए कहा।

"कोई बात नहीं। तुम्हें नहीं पता, लेकिन प्रोफेसर बोरो ने मुझे सेरेब्रल ट्रांसफर द्वारा बहुत सारा ज्ञान दिया है। मुझे पता है कि “बिलीवर ऑफ बोफ” तक कैसे पहुँचना है। मैं तो सिर्फ इस ट्रैन स्टेशन तक आना चाहता था।"

नाना का दिमाग घूम गया। क्या धर्मा उस कुख्यात प्रोफेसर बोरो से मिला हुआ था? क्या इसी कारण उसने मुझसे बोरो का केस लड़ने को कहा था?

"इतना ज़ोर मत डालो दिमाग पर," धर्मा ने एक हल्की कुटिल मुस्कान के साथ कहा।

नाना की आँखों में डर झलकने लगा। "धर्मा, मुझे सच में माफ कर दो। अब से जो तुम कहोगे, मैं वही करूँगा और कभी तुमसे झूठ नहीं बोलूँगा।"

धर्मा ने सिर हिलाया। "ठीक है। तुम प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो के केस पर ध्यान दो। अपना सर्वश्रेष्ठ देना। मैं तुमसे मिलता रहूँगा।"

नाना ने सहमति में सिर हिलाया और धीरे-धीरे स्टेशन से बाहर चला गया। धर्मा ने बिना पीछे देखे ट्रैन स्टेशन के अंदर कदम रखा।

&

धर्मा अब पूरी तरह अकेला था। न कोई पहचान, न कोई धन, और न ही फ्रां गैलेक्सी के टाइमेक्स सिस्टम में कोई रिकॉर्ड। यह असंभव था—कम से कम इस गैलेक्सी में। हर जीव, चाहे वह फ्लेशी हो, ऐंजलन, एक्वियन, या कोई और, जन्म लेते ही टाइमेक्स सिस्टम से जुड़ जाता था। उनके शरीर में एक विशेष माइक्रो-चिप प्रत्यारोपित कर दी जाती थी, जो उनकी पहचान, वित्तीय स्थिति, और हर गतिविधि को ट्रैक करती थी। यह सिस्टम इतना सटीक था कि बिना चिप के कोई व्यक्ति गैलेक्सी में कुछ ही घंटों तक छिप सकता था, उससे ज्यादा नहीं।

लेकिन धर्मा के पास कोई चिप नहीं थी। वह इस गैलेक्सी का नहीं था। और न ही उसे किसी पहचान की जरूरत थी। वह “सन ऑफ गॉड” था।

स्टेशन का प्रवेशद्वार

धर्मा जैसे ही विशाल स्पेस स्टेशन के अंदर प्रवेश करने लगा, एक लोहे की दीवार जैसा द्वारपाल रोबोट उसके सामने खड़ा हो गया। उसकी आँखों से नीली रोशनी की एक किरण निकली और धर्मा के शरीर पर दौड़ गई।

"स्कैनिंग पूरी हुई," रोबोट ने यांत्रिक स्वर में कहा। उसकी आवाज़ किसी टूटे हुए स्पीकर से निकलती मशीन की गूँज जैसी थी।

कुछ सेकंड तक वह वहीं खड़ा रहा, जैसे उसकी प्रोसेसिंग यूनिट में कोई गड़बड़ हो गई हो। फिर उसने धर्मा की ओर घूरते हुए घोषणा की, "तुम्हारी कोई पहचान नहीं है। तुम इरीट्रिया के नागरिक नहीं हो।"

स्टेशन के अंदर खड़े यात्री यह सुनते ही फुसफुसाने लगे। किसी अनजान जीव का बिना टाइमेक्स रिकॉर्ड के यहाँ मौजूद होना असंभव था।

धर्मा ने शांतिपूर्वक कहा, "हाँ, मैं इरीट्रिया से नहीं हूँ। मैं सातवें आयाम से यहाँ टेलीपोर्ट हुआ हूँ।"

रोबोट की कृत्रिम आँखों में हल्की लाल चमक आई, जैसे वह इस सूचना को प्रोसेस कर रहा हो। कुछ क्षण बाद उसने एक और प्रश्न दागा, "सातवाँ आयाम? वह क्या है?"

"जहाँ तुम्हारी कल्पना भी नहीं पहुँच सकती," धर्मा ने निर्विकार भाव से उत्तर दिया।

रोबोट का मस्तिष्क, या जो भी उसके डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में था, कुछ पलों के लिए जैसे जाम हो गया। फिर उसने अपनी मशीनी आवाज़ में कहा, "यह असंभव है। तुम्हारी कोई यात्रा रिकॉर्ड नहीं है, कोई स्पेसशिप एंट्री नहीं हुई, कोई इरीट्रियन नागरिक पहचान नहीं। तुम संदिग्ध हो। मुझे तुम्हें हिरासत में लेना होगा।"

धर्मा ने कोई विरोध नहीं किया।

रोबोट ने अपने हाथ से एक हल्की नीली लेज़र बीम निकाली, जो धर्मा के शरीर के चारों ओर घूमने लगी। कुछ ही क्षणों में वह एक चमकती हुई ऊर्जा-बेड़ियों में जकड़ा जा चुका था।

स्टेशन के यात्री स्तब्ध होकर यह सब देख रहे थे।

"क्या वह कोई भगोड़ा है?"

"नहीं, उसके पास कोई टाइमेक्स चिप नहीं है! कोई बिना टाइमेक्स चिप के इतना समय तक जीवित नहीं रह सकता!"

"तो क्या यह सच में... "सन ऑफ गॉड" है?"

कुछ यात्री हँसने लगे, कुछ भ्रमित थे, और कुछ के चेहरे पर आशंका थी। लेकिन एक बात स्पष्ट थी—धर्मा ने सबका ध्यान आकर्षित कर लिया था।

रोबोट ने उसे पकड़कर एक छोटे, चमकते हुए कांच के केबिन में डाल दिया। अब धर्मा हिरासत में था। लेकिन उसकी आँखों में कोई चिंता नहीं थी। वह बस हल्की मुस्कान के साथ यात्रियों की ओर देखता रहा, जैसे उसे पहले से ही पता हो कि आगे क्या होने वाला है।

धर्मा ने सभी के मन में एक टेलीपैथिक संदेश भेजा, "मैं हूँ सन ऑफ गॉड। मैं सातवें आयाम से आया हूँ, आप सभी को मुक्त कराने।"

भीड़ में खलबली मच गई। चेहरे आश्चर्य और अविश्वास से भर उठे। उनकी आँखें धर्मा पर टिक गईं, मानो वे सुनिश्चित करना चाहते हों कि यह व्यक्ति वास्तविक है या महज़ एक पागल।

अचानक, वहाँ खड़े रोबोट गार्ड ने एक तेज़ मुक्का मारा, धर्मा का शरीर झटका खाकर पीछे हटा। उसके होठों से एक कराह निकली।

"ऐसी बातें मत करो!" रोबोट की यांत्रिक आवाज़ गरजी। "पुलिस आएगी। तुम्हें यहाँ कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं है। अगर कुछ कहना है, तो पुलिस से कहो।"

लेकिन धर्मा नहीं रुका। उसने फिर से टेलीपैथी का सहारा लिया, इस बार और भी गहरी गंभीरता के साथ, "मैं आप सब को इस क्रूर शासन से मुक्त कराऊँगा।"

भीड़ में से एक ऐंजलन यात्री व्यंग्यात्मक हँसी में फूट पड़ा, "पहले अपने आपको तो मुक्त करा ले!"

उसकी हँसी गूंजने लगी, और उसके साथ बाकी यात्री भी ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे। रोबोट असमंजस में था, यह समझने में असफल कि उसे इस स्थिति से कैसे निपटना चाहिए।

धर्मा ने अपनी आँखें बंद कीं और एक गहरी साँस ली। फिर उसने भीड़ को संबोधित करते हुए टेलीपैथी से कहा, "यदि मैं झूठ बोल रहा हूँ, तो बताओ, मैं एरिट्रिया की इस सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच कैसे पहुँच गया? क्या किसी ने किसी अनजान स्पेसशिप की एरिट्रिया पर लैंडिंग की खबर सुनी? अभी-अभी इस रोबोट ने मुझे स्कैन किया है, और इसे कोई भी प्रमाण नहीं मिला कि मैं इस ग्रह का वासी हूँ। ना ही किसी ज्ञात ग्रह से आने का कोई संकेत। मैं सातवें आयाम से आया हूँ। एक ईथर ने मुझे यहाँ भेजा है।"

इस बार, कुछ लोगों की हँसी थम गई। अब वे इस अजनबी व्यक्ति को ध्यान से देखने लगे। कुछ ने अपने भीतर लगे टाइमेक्स चिप को मानसिक सन्देश दिया और वो लोग जो देख रहे थे उसकी रिकॉर्डिंग शुरू हो गयी—यह कोई रोज़मर्रा की घटना नहीं थी कि कोई स्वयं को “सन ऑफ गॉड” कहे। ये रिकॉर्डिंग कई लोग अपने सोशल मीडिया पर अपलोड भी कर रहे थे। इरीट्रिया में ये खबर की कोई व्यक्ति अपने आप को सन आफ गॉड बोल रहा था, बहुत तेजी से फ़ैल रही थी।

भीड़ घनी होती गई। खासकर वे लोग, जो “बोफ” नामक प्राचीन विश्वास प्रणाली में यकीन रखते थे, धर्मा को और गहराई से देखने लगे। नोकोईविद के इरीट्रिया पर कब्जे से पहले कोलार्क नामक एक एलियन का इरीट्रिया पर शासन था। उसने अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए इरीट्रिया गृह पर बोफ धर्म को फैला दिया था। बोफ, जो कभी एरिट्रिया पर प्रमुख थी, अब नोकोईविद के शासन के कारण लगभग विलुप्त हो चुकी थी। फिर भी, कई लोग इस धर्म में मानते थे।

एक व्यक्ति ने ऊँची आवाज़ में पूछा, "अगर तुम सच में सन ऑफ गॉड हो, तो क्या तुमने “बोफ” पढ़ी है?"

धर्मा ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "नहीं, अभी नहीं पढ़ी। मुझे पहले एरिट्रिया को मुक्त कराना है, फिर शायद पढ़ूँगा।"

इस उत्तर पर कुछ लोग फिर हँस पड़े। "यह मूर्ख “सन ऑफ गॉड” होने का दावा कर रहा है, लेकिन उसे बोफ के बारे में कुछ भी नहीं पता!" एक ने व्यंग्य से कहा।

भीड़ में खड़ा एक मीडिया कर्मी आगे बढ़ा और रिकॉर्डिंग करते हुए बोला, "अगर मान भी लें कि तुम सन ऑफ गॉड हो, तो तुम इस रोबोट से खुद को छुड़ा क्यों नहीं पा रहे? अजय सेना से कैसे लड़ोगे?"

धर्मा ने गंभीरता से उत्तर दिया, "मैं चाहता तो खुद को अभी ही मुक्त कर सकता हूँ, पर मैं उन लोगों की परीक्षा ले रहा हूँ, जो मुझ पर विश्वास करते हैं। मैं देखना चाहता हूँ कि क्या वे अपने कर्तव्य को निभाएंगे।"

तभी, एक्वियन जाति के एक व्यक्ति ने कहा, "अगर तुम सच कहो तो मैं तुम्हें अपने साथ ले जा सकता हूँ। तुम्हें भोजन भी दूँगा, पर पहले सच बताओ—तुम कौन हो?"

धर्मा ने गहरी सांस ली और फिर गंभीर स्वर में बोला, "मैं जो कह रहा हूँ, वही सत्य है। तुम मेरा कोई भी परीक्षण कर सकते हो। मैं फ्रां गैलेक्सी में कहीं भी रजिस्टर्ड नहीं हूँ। मैं यहाँ पला-बढ़ा भी नहीं। मुझे ईथर ने पाला है, जिनसे शायद ही किसी फ्रां गैलेक्सीवासी ने मुलाकात की हो। मेरी माता का नाम सोना है, जो स्वयं एक ईथर हैं।"

भीड़ स्तब्ध थी।

"पर ईथर से तो कोई भी नहीं मिला! हम कैसे मान लें कि तुम सच बोल रहे हो?" भीड़ में से एक आवाज़ आई।

धर्मा ने चुनौती दी, "तो बताओ, मैं एरिट्रिया पर कैसे आया? क्या मैं अजय सेना को छकाने में कामयाब हो सकता हूँ? बताओ, मेरा नाम न तो मैर्केल साम्राज्य के रिकॉर्ड में है, न ही टाइमेक्स में। इस गैलेक्सी में कोई भी मेरी पहचान नहीं जानता। ऐसा और कौन हो सकता है, सिवाय सन ऑफ गॉड के?"

धर्मा ने ज़ोर-ज़ोर से मानसिक संदेश भेजने शुरू किए।

सभी लोग अवाक् थे। वे उस पर विश्वास नहीं कर रहे थे, पर यह भी जानते थे कि कुछ तो असामान्य था। रोबोट गार्ड ने अभी-अभी उसका स्कैन किया था और पाया था कि धर्मा किसी भी ज्ञात प्रणाली में पंजीकृत नहीं था।

फ्रां गैलेक्सी में अपनी पहचान छिपाना लगभग असंभव था। जैसे ही कोई जन्म लेता, टाइमेक्स उसकी पहचान को रिकॉर्ड कर लेता था, क्योंकि उसकी माँ के अंदर लगी चिप बच्चे के जन्म की सूचना भेज देती थी। हर व्यक्ति को एक चिप दी जाती थी, जिससे वे संचार कर सकते थे, लेज़र से हमले कर सकते थे, और डिजिटल भुगतान कर सकते थे। यह चिप थाइज़र द्वारा बनाई गई थी और पूरे फ्रां गैलेक्सी के सभी बुद्धिमान प्राणियों में लगी होती थी। लेकिन धर्मा के पास यह चिप नहीं थी।

भीड़ में खड़े लोगों की आँखों में उलझन थी। क्या वह सच बोल रहा था? लेकिन सिर्फ़ यह प्रमाण पर्याप्त नहीं था।

तभी, हवा में एक तीखी आवाज़ गूँजी, और भीड़ पीछे हट गई। स्थानीय पुलिस आ चुकी थी।

दो ऐंजलन पुलिस अधिकारी, अपने दो रोबोट असिस्टेंट्स के साथ, आगे बढ़े और उन्होंने लेज़र रस्सियों में जकड़े धर्मा को अपनी पेंटागन आकार की लंबी गाड़ी में बैठा लिया। धर्मा ने बिना प्रतिरोध किए गाड़ी में प्रवेश कर लिया।

गाड़ी का ऊपरी कवर तुरंत बंद हो गया और तेज़ी से आगे बढ़ने लगी। नीचे से चार शक्तिशाली लेज़र किरणों के गट्ठर निकल रहे थे, जो उसे हवा में तैराते हुए आगे धकेल रहे थे।

धर्मा ने महसूस किया कि दो त्रिकोणीय आकार के छोटे वाहन इस गाड़ी का पीछा कर रहे थे। वे तेज़ी से उड़ सकते थे, लेकिन वे गाड़ी की स्पीड को मैच करते हुए उसका पीछा कर रहे थे।

धर्मा को अंदाज़ा हो गया था कि आगे क्या होने वाला था।

~~

अध्याय चार - नोकोईविद का प्लान

बोमिनी का तनावपूर्ण माहौल।

"अब हम क्या करेंगे?"

डायस की आवाज़ घबराहट से कांप रही थी। उसके माथे पर पसीने की महीन बूंदें झिलमिला रही थीं, और उसकी उंगलियाँ लगातार आपस में उलझ रही थीं। उसका पूरा शरीर बेचैनी से काँप रहा था, जैसे किसी मरणासन्न युद्धपोत का अंतिम सायरन।

उसकी नज़रें सामने बैठे नोकोईविद पर टिकी थीं, जो पूरी तरह स्थिर और शांत था—मानो यह भयानक स्थिति उसके लिए कोई मायने ही नहीं रखती।

डायस, जो Xor साम्राज्य का मिनिस्टर ऑफ़ डिफेन्स था, जिसने फ्रां गैलेक्सी की सबसे शक्तिशाली और अदम्य सेना, अजय सेना को नियंत्रित किया था, आज खुद किसी निरीह प्राणी की भाँति कंपकपा रहा था। यह वही डायस था जिसने असंख्य ग्रहों को जीतकर अपनी सत्ता स्थापित की थी, जिसने हजारों वॉरशिप्स और मिलियन से ज्यादा सैनिकों की कमान संभाली थी। लेकिन इस वक्त, वह केवल एक असहाय व्यक्ति की तरह दिख रहा था—एक सूखा हुआ पत्ता जो किसी भी क्षण आंधी में उड़ सकता था।

"शांत रहो, डायस।"

नोकोईविद की आवाज़ में हल्की कड़वाहट थी, लेकिन उसमें अभी भी एक दृढ़ता थी जो किसी भी महान योद्धा के आत्मविश्वास को दर्शाती थी।

डायस के अंदर एक अजीब-सा डर समा गया था। उसने गहरी सांस ली और चुप हो गया, लेकिन उसकी आँखें अब भी आर्टिफिशियल

स्क्रीन पर जमी थीं, जहां बोमिनी, उनका युद्धक जहाज, दुश्मन के असंख्य वॉरशिप्स से घिरा हुआ था।

बोमिनी शानदार ढंग से मुकाबला कर रहा था, लेकिन सच यही था—वह केवल एक स्पेसशिप था, और उसके सामने दुश्मनों की पूरी फ्लीट खड़ी थी। चारों ओर से भयंकर हमले हो रहे थे, एनर्जी वेपन्स की चमकदार किरणें अंतरिक्ष में बिजली की तरह चमक रही थीं। हर झटके के साथ बोमिनी के डिफेंस शील्ड्स कमजोर पड़ रहे थे। यह केवल कुछ समय की बात थी।

कोई भी स्पष्ट देख सकता था कि अंत समीप था।

लेकिन तभी, जब हर किसी को लगा कि अगला हमला बोमिनी के पतन की शुरुआत करेगा, नोकोईविद ने अपने कम्युनिकेशन सिस्टम को सक्रिय किया और सीधे दुश्मन वॉरशिप्स को संदेश भेजा—

"मैं हूँ नोकोईविद। मैं यहाँ अकेला आया हूँ। मुझे तुम्हारे लीडर से बात करनी है। मैं तुम जैसे मच्छरों को मारने के मूड में नहीं हूँ।"

डायस की आँखें अविश्वास से फैल गईं।

क्या उसने सही सुना?

नोकोईविद इस वक्त घातक दुश्मनों से घिरा हुआ था, जहाँ उसे एक पल में खत्म किया जा सकता था, लेकिन फिर भी वह उन्हें इस तरह ललकार रहा था, जैसे वे मात्र कुछ बच्चे हों, जिनसे उसे कोई खतरा नहीं।

डायस को पूरा यकीन था कि दुश्मन इस ललकार का कोई जवाब नहीं देंगे। आखिर वे संख्या में बहुत अधिक थे। वे नोकोईविद को सीरियसली क्यों लेंगे?

लेकिन डायस का अनुमान गलत निकला।

कुछ ही क्षणों में, बोमिनी के कम्युनिकेशन सिस्टम ने एक *पर्सनल कॉल* पकड़ लिया। स्क्रीन पर एक संदेश चमकने लगा।

"नोकोईविद, अगर तुम मुझसे मिलना चाहते हो, तो कोमिंट ग्रह पर लैंड कर जाओ। मैं तुम्हें मेरी लोकेशन के कोऑर्डिनेट्स भेज रहा हूँ।"

डायस पूरी तरह से स्तब्ध रह गया।

क्या सच में किसी ने नोकोईविद की बात को गंभीरता से लिया?

उसके मन में हजारों सवाल उमड़ने लगे।

क्यों? क्यों वे नोकोईविद से बात करना चाहते थे?

लेकिन वह यह नहीं जानता था कि नोकोईविद सिर्फ ताकत के बल पर नहीं बल्कि डर के सहारे यह खेल खेल रहा था।

“क्विड।”

यही वह नाम था जो पूरे फ्रां गैलेक्सी में एक भूत की तरह गूंजता था।

क्विड—वह भयानक हथियार जिसने मैर्केल की एक पूरी स्पेस बटालियन को पलभर में नष्ट कर दिया था; क्विड—जिसका नाम सुनते ही सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी कांप उठते थे।

नोकोईविद ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह अपनी मृत पत्नी से किए गए वचन के कारण दोबारा क्विड का प्रयोग नहीं करेगा।

लेकिन क्या यह सच था?

कोई इस पर विश्वास नहीं करना चाहता था। कोई यह जोखिम नहीं लेना चाहता था कि नोकोईविद फिर से उस अनहोनी को दोहरा सकता है।

और नोकोईविद इसी डर का लाभ उठाने के लिए यहाँ आया था।

बोमिनी पर जारी फायरिंग अचानक बंद हो गई।

डायस ने अपनी कंपकंपाती साँसों को नियंत्रित करने की कोशिश की। यह सिर्फ एक संयोग नहीं हो सकता था।

नोकोईविद ने अपने होलोग्राफिक स्क्रीन पर कोमिंट ग्रह के कोऑर्डिनेट्स देखे, फिर धीमे स्वर में कहा—

"तैयारी करो। हम उतर रहे हैं।"

&

बोमिनी उस कोआर्डिनेट पर धुंध की तरह उतरा, उसकी चमकती सतह ग्रह की हल्की रोशनी में रहस्यमयी आभा बिखेर रही थी। कुछ ही पलों में, उसकी ऊपरी सतह हल्की तरंगों में बदल गई और एक ऊर्जा किरण के साथ, नोकोईविद और डायस उससे बाहर बीम हो गए। उनके प्रकट होते ही, बोमिनी सिकुड़ते हुए वापस एक छोटे से बकल में परिवर्तित हो गया और नोकोईविद की बेल्ट पर आकर अटैच हो गया। यह दृश्य वहाँ खड़े टेररिस्ट सिपाहियों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था। अब तक किसी भी स्पेसशिप ने इस तरह का कारनामा नहीं किया था—यह केवल नोकोईविद जैसे जीनियस के बस की बात थी।

नोकोईविद और डायस ने सार्वत्रिक सूट (Universal Suit) पहना हुआ था, जिसकी चमकती सतह और जटिल डिज़ाइन उन्हें किसी भी वातावरण में सहजता से रहने की सुविधा देता था। उनके हर कदम से ज़मीन पर हल्की कंपन फैल रही थी, मानो उनके आगमन से ही वातावरण में तनाव भर गया हो। जल्द ही, वे भारी हथियारों से लैस गाड्र्स से घिरे हुए उस विशाल, आलिशान महल की ओर बढ़ने लगे, जहाँ उस विद्रोही गिरोह का सरगना उनका इंतज़ार कर रहा था।

सरगना अपने भव्य केबिन में बैठा था, उसकी आँखों में एक अजीब चमक थी—आत्मविश्वास और शंका का मिला-जुला मिश्रण। जैसे ही नोकोईविद और डायस वहाँ पहुँचे, उन्होंने बिना किसी झिझक के उसके सामने अपनी जगह ले ली।

सरगना ने अपने लंबे, नुकीले नाखूनों से कुर्सी के हत्थे को खुरचा और एक व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ बोला, "तो आखिरकार, महान नोकोईविद को भी एक अदने से टेररिस्ट से हार माननी पड़ी।" उसकी आवाज़ में गहराई थी, मानो वह नोकोईविद को उकसाने की कोशिश कर रहा हो।

वह फ्लेशी प्रजाति का था—एक अधेड़ उम्र का प्राणी, जिसकी त्वचा पर हल्की झुर्रियाँ थीं, लेकिन उसकी आँखों में अब भी आग थी। उसकी लंबी उँगलियाँ और अंगार उगलती आँखे यह दर्शाते थे कि वह किसी भी क्षण हमले के लिए तैयार हो सकता था।

नोकोईविद ने हल्के से सिर उठाया, उसकी आँखों में ठंडा सन्नाटा था। "तुम क्या चाहते हो?" उसने सीधे, निर्भीक स्वर में पूछा।

डायस, जो अब तक चुप था, अपनी जगह पर असहज रूप से हिलने लगा। उसके मशीनी शरीर की चमक थोड़ी फीकी पड़ गई थी—वह स्पष्ट रूप से तनाव में था। उसे नोकोईविद पर गुस्सा आ रहा था, लेकिन वह अपने भय को छिपाने की कोशिश कर रहा था।

सरगना ने एक गहरी सांस ली और अपने चमकते हुए नाखूनों को टेबल पर हल्के से बजाते हुए कहा, "क्या तुम मुझे वो दे सकते हो जो मैं चाहता हूँ?"

नोकोईविद ने हल्की मुस्कान के साथ उत्तर दिया, "कोशिश कर सकता हूँ।"

सरगना ने अपने ऊँचे सिंहासन जैसी कुर्सी पर थोड़ा आगे झुकते हुए कहा, "ठीक है, फिर प्रोफेसर बोरो को रिहा कर दो।"

नोकोईविद ने बिना किसी झिझक के कहा, "मैं आदेश दे सकता हूँ प्रोफेसर बोरो को छोड़ने का।"

इस अप्रत्याशित उत्तर से सरगना और डायस दोनों ही स्तब्ध रह गए। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि नोकोईविद इतनी आसानी से मान जाएगा। कमरे में एक क्षण के लिए निस्तब्धता छा गई।

थोड़ी देर की हिचक के बाद, सरगना ने आँखें संकरी करते हुए कहा, "यदि तुमने प्रोफेसर बोरो को छोड़ने का आदेश दे दिया, तो तुम भी आज़ाद कर दिए जाओगे... परंतु केवल तुम।"

डायस की धड़कनें तेज़ हो गईं। उसका आधा शरीर मशीन का था, लेकिन उसके भीतर अब भी एक इंसानी दिल धड़क रहा था। उसे पूरा यकीन था कि नोकोईविद उसकी जान बचाने की कोशिश नहीं करेगा। उसका गला सूखने लगा।

लेकिन नोकोईविद बिना किसी भाव के बोला, "ठीक है, बात कराओ मेरी।"

“नहीं!” फ्लेशी सरगना चीखा। उसके चेहरे पर संदेह की छाया थी। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि नोकोईविद इतनी आसानी से मान गया। जरूर यह कोई चाल थी।

उसने आगे कहा, “तुम्हारे पास बोमिनी है। उससे बात करो।”

नोकोईविद ने भौहें चढ़ाईं। “तो तुम बोमिनी के बारे में जानते हो?”

सरगना हल्के से हंसा, लेकिन उसके स्वर में कड़वाहट झलक रही थी। “कौन नहीं जानता?”

“ठीक है,” नोकोईविद ने कहा, “तो हम बाहर चलते हैं और बोमिनी में बैठकर बात करते हैं।”

सरगना कुछ क्षण सोच में पड़ गया। फिर उसने आकलन किया—अगर नोकोईविद बोमिनी में बैठकर भाग सकता, तो वह अब तक भाग चुका होता। वह इस जगह पर आने का जोखिम ही क्यों उठाता?

थोड़ी देर बाद, सरगना ने इशारा किया और उसके कुछ सिपाहियों के साथ वह, नोकोईविद और डायस बाहर आ गए। नोकोईविद ने खुले मैदान में मानसिक संदेश भेजा, और उसकी बेल्ट में लगा छोटा-सा बकल अचानक विशालकाय स्पेसशिप में तब्दील हो गया।

सरगना और उसके सिपाही स्तब्ध रह गए।

बोमिनी बेमिसाल था—इसके चमचमाते धातु-पटल किसी अनजानी शक्ति से दमक रहे थे, और इसका रूप किसी भी दर्शक को मंत्रमुग्ध कर सकता था। इसकी संरचना इतनी अनोखी थी कि ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो यह किसी अत्याधुनिक सभ्यता का जीवंत चमत्कार हो।

नोकोईविद ने हल्के से सिर झुकाया और बोमिनी को कमांड दिया। एक झिलमिलाती रोशनी फैली, और कुछ ही पलों में नोकोईविद, डायस और फ्लेशी सरगना स्पेसशिप के भीतर बीम हो गए।

सरगना घबराकर पीछे हटा। “यह क्या कर रहे हो?” उसकी आवाज़ में तनाव था।

“मैं तुम्हारे सामने ही बात करूंगा,” नोकोईविद ने शांति से उत्तर दिया।

“पर मेरे लोग नीचे परेशान हो रहे होंगे!” सरगना उत्तेजित हो उठा। “तुमने मुझे उनसे बात करने का मौका नहीं दिया!”

नोकोईविद मुस्कुराया। “अब बात कर लो।”

उसने बोमिनी को मानसिक संदेश दिया, और अगले ही क्षण सरगना का संचार उसके सैनिकों से जुड़ गया। इस समय, बोमिनी तकरीबन 15,000 फीट की ऊंचाई पर मंडरा रहा था।

सरगना ने जल्दी से संदेश भेजा, “साथियों, मैं ठीक हूँ। नोकोईविद बोमिनी के ज़रिए अपने लोगों से बात कर रहा है।”

नीचे मौजूद उसके सैनिकों ने राहत की सांस ली। उन्हें डर था कि कहीं नोकोईविद ने उनके नेता को ही अगवा न कर लिया हो।

लेकिन सरगना अब खुद अजीब बेचैनी महसूस कर रहा था। वह अभी भी कोमिंट ग्रह पर था—वह ग्रह जहाँ उसने हाहाकार मचा रखा था। उसकी पूरी फ़ौज वहाँ मौजूद थी। घेराबंदी इतनी मजबूत थी कि अजय सेना भी इतनी आसानी से वहाँ प्रवेश नहीं कर सकती थी।

फिर भी, उसका मन बैठा जा रहा था।

नोकोईविद के सामने खड़े होते ही उसे ऐसा लग रहा था कि असली कैदी वही था, नोकोईविद नहीं।

यह थी नोकोईविद की शक्ति। उसकी मौजूदगी ही उसके शत्रुओं के मन में एक अनदेखा भय भर देती थी।

नोकोईविद ने बोमिनी को आदेश दिया, और क्षणभर में Xor ग्रह से संपर्क स्थापित हो गया। चूँकि Xor ग्रह पाँच प्रकाश-वर्ष दूर था, इसलिए संवाद में कुछ सेकंड का विलंब था।

सरगना की उंगलियाँ उसके हथियार के बटन पर कस गईं। वह जानता था कि यह मुलाक़ात इतनी सीधी नहीं होने वाली थी।

और सच में, नोकोईविद की आंखों में एक रहस्यमयी चमक उभर आई थी।

“प्रोफेसर बोरो को छोड़ दो।” नोकोईविद की आवाज़ में एक ठंडक थी, जो किसी शातिर शिकारी जैसी लग रही थी।

“सर, मामला कोर्ट में है। हम कुछ नहीं कर सकते।” उसके असिस्टेंट ने सपाट लहजे में जवाब दिया।

“ठीक है।” नोकोईविद ने संक्षिप्त उत्तर दिया और बिना कोई भाव प्रकट किए संपर्क काट दिया।

कमरे में एक पल के लिए सन्नाटा छा गया, लेकिन अगले ही क्षण फ्लेशी सरगना का गुस्सा फूट पड़ा। उसकी आँखें गहरी लाल हो गईं और उसके भारी शरीर में तनाव की लहर दौड़ गई।

“ये क्या बकवास है!” वह गरजा। “तुमने कहा था कि तुम प्रोफेसर बोरो को छोड़ दोगे!”

“नहीं।” नोकोईविद ने धीमे से अपना सिर हिलाया, उसकी आँखों में एक अजीब चमक थी। “मैंने कहा था कि मैं प्रोफेसर बोरो को छोड़ने का आदेश दूँगा। मैंने आदेश दे दिया।”

सरगना का चेहरा पल भर के लिए सुन्न हो गया, फिर विस्फारित आँखों से उसने जवाब दिया, “लेकिन तुम्हारे अदने से असिस्टेंट ने ही मना कर दिया। ये कैसा आदेश हुआ?” उसके स्वर में अविश्वास था।

डायस, जो अब तक चुपचाप खड़ा था, अचानक मुस्कुराने लगा। वह पिछले कुछ घंटों में पहली बार थोड़ा सहज महसूस कर रहा था। उसे अब घबराहट नहीं हो रही थी।

“Xor में हर किसी के अलग-अलग अधिकार होते हैं।” नोकोईविद ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया। उसके स्वर में एक अजीब तरह की ठंडक थी।

सरगना का चेहरा अचानक विकृत हो गया। वह क्रोध में उठ खड़ा हुआ और अपनी लेज़र गन सीधी नोकोईविद की ओर तान दी। “तुम्हारी नियत में खोट था, लेकिन तुम भूल गए कि तुम कहाँ हो।”

नोकोईविद की आँखों में एक अजीब-सी चमक उभरी। वह एक पल के लिए सरगना को घूरता रहा, फिर अचानक उसकी आवाज़ गूँज उठी, “मूर्ख! तू भूल गया है कि तू किससे बात कर रहा है!” उसका स्वर बर्फीले तूफान की तरह ठंडा और खतरनाक था।

उसने अपनी मानसिक शक्ति का प्रयोग किया और एक अदृश्य संकेत भेजा। अगले ही क्षण, बोमिनी के अंदर किसी गुप्त स्थान से एक तीव्र लेज़र किरण निकली और सरगना के हाथ को चीरती चली गई। एक भयंकर चीख हवा में गूंज उठी। सरगना का दायाँ हाथ कलाई से कटकर नीचे गिर चुका था।

डायस ने सन्न रहकर पूछा, "हम अभी भी कोमिंट में हैं?"

"नहीं।" नोकोईविद चीखा। "अब हम बोमिनी के अंदर हैं। यहाँ क्या हो रहा है, यह किसी को नहीं पता। इस मूर्ख ने खुद ही बाहर सब को बता दिया कि हम Xor से संपर्क कर रहे हैं। अब हम इसे तड़पते हुए मरते देखेंगे और फिर यहाँ से निकल जाएँगे।"

सरगना दर्द से कराहता हुआ बोला, "तुम निकल नहीं पाओगे..."

नोकोईविद हँस पड़ा, एक ठंडी, हृदयविदारक हँसी। "हम निकलेंगे। बोमिनी ने तुम्हारा डीएनए स्कैन कर लिया है। वह तुम्हारी आवाज़, शक्ल और चाल-ढाल को हूबहू नकल कर सकता है। तुम्हारे लोगों को पता भी नहीं चलेगा कि तुम मर चुके हो।"

सरगना के चेहरे पर भय की गहरी छाया उभर आई। उसे अब अहसास हो गया था कि वह नोकोईविद के जाल में फँस चुका है।

"प्लीज... मुझे मत मारो..." उसकी आवाज़ अब एक कराह बन चुकी थी। उसकी हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि डायस को भी उस पर दया आने लगी।

"ठीक है।" नोकोईविद ने कहा, लेकिन उसकी आवाज़ में कोई नरमी नहीं थी। "बोमिनी, इन लोगों को उनके सरगना की तरफ से संदेश भेजो कि हम Xor जा रहे हैं, उनके सरगना के आदेश पर।"

बोमिनी ने सरगना की आवाज़ की हूबहू नकल करते हुए उसके साथियों को संबोधित किया। पहले उन्हें संदेह हुआ, लेकिन जब बोमिनी

ने उनके गुप्त प्रश्नों के उत्तर दिए—वो प्रश्न जो केवल सरगना ही जानता था—तब उन्हें यकीन हो गया।

टेररिस्ट की सेना अपने सामने बोमिनी को उनके सुरक्षा घेरे से निकलते हुए देखती रही। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, एक विशाल अजय सेना की टुकड़ी ने उन पर हमला कर दिया। वे इस हमले के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थे। बोमिनी ने अजय सेना को पहले ही सटीक निर्देश भेज दिए थे कि कहाँ और कैसे हमला करना है।

जब टेररिस्ट सेना हमले से जूझ रही थी, बोमिनी चुपचाप सुपर स्पेस वे से गुजरता हुआ कुछ ही मिनटों में Xor ग्रह पर पहुँच गया।

“बोमिनी - इस विमान के अंदर जो भी आता है, उसे पूरी तरह स्कैन कर लेता है।” नोकोईविद ने ठंडी हँसी के साथ कहा। “कोई भी उससे कुछ भी छुपा नहीं सकता। सिर्फ प्रोफेसर बोरो जैसे कुछ ही लोग हैं, जिन्हें यह कला आती है कि बोमिनी से कुछ बातें कैसे छुपाई जाएँ।”

उसके सामने सरगना अपना कटा हुआ हाथ पैरों में दबाए काँप रहा था, उसकी आँखों में अब भीषण आतंक समाया हुआ था।

सरगना की आँखों के आगे अंधेरा छा रहा था। दर्द उसकी नसों में ज़हर की तरह दौड़ रहा था, और कटे हुए हाथ से रिसता रक्त उसके होश छीनने को था। पर सबसे बड़ी पीड़ा यह थी कि वह बेबस था— चाह कर भी कुछ नहीं कर सकता था। वह सिर्फ़ देख सकता था... देख सकता था कि कैसे बोमिनी कोमिंट की घेराबंदी चीरता हुआ बिना किसी नुक़सान के Xor की ओर बढ़ रहा था। उसने नोकोईविद को बहुत हल्के में लिया था। यह उसकी सबसे बड़ी भूल थी, और अब वह इसका परिणाम भुगत रहा था।

डायस ने अब जाकर समझा कि नोकोईविद को "नोकोईविद" क्यों कहा जाता था। यह केवल एक नाम नहीं था नहीं था, यह एक

पहचान थी—फ्रां गैलेक्सी के सबसे खतरनाक और अप्रत्याशित व्यक्ति की पहचान। यह वही व्यक्ति था जिसने अकेले, बिना किसी फौज के, आतंकवादियों के अजेय गढ़ में घुसकर उनके सरगना को बंदी बना लिया था और केवल इतना ही नहीं, उसने उनकी पूरी व्यूह रचना को भेद डाला था।

बोमिनी ने हर सूचना को अपने भीतर समाहित कर लिया था। उसने न केवल सुरक्षा घेरे को भेदने का रास्ता निकाला, बल्कि वह लगातार अजय सेना के संपर्क में भी था। अजय सेना जानती थी कि हमला कब और कैसे करना है। और फिर... वह क्षण आ गया।

जैसे ही बोमिनी से संकेत मिला, अजय सेना की टुकड़ियाँ बिजली की गति से कोमिंट पर टूट पड़ीं। आतंकवादियों को समझ ही नहीं आया कि यह क्या हो गया। उनके लीडर का अपहरण... युद्ध के मैदान में रणनीतिक सटीक हमले... और उनके बीच फैलती अफरा-तफरी। वे घबरा गए। उनके सुरक्षा तंत्र ढहने लगे। उनके गढ़ को आग लगा दी गई। देखते ही देखते, उनका पूरा साम्राज्य बिखर गया।

Xor के नागरिकों के लिए यह दिन ऐतिहासिक बन गया। कोमिंट, जो पिछले कुछ दिनों से आतंकवादियों के चंगुल में जकड़ा था, आज़ाद हो गया था। और यह सब हुआ था नोकोईविद की वजह से। वह व्यक्ति, जो हर बार एक नया इतिहास रच देता था।

यदि नोकोईविद यह मिशन न भी करता, तो भी अजय सेना शायद कभी न कभी कोमिंट को मुक्त करा ही लेती। लेकिन नोकोईविद ने यह साबित कर दिया कि Xor साम्राज्य के एक भी नागरिक पर संकट आएगा, तो वह अपनी जान की बाज़ी लगाने से भी पीछे नहीं हटेगा। वह युद्ध को सिर्फ़ ताक़त से नहीं, बल्कि बुद्धिमत्ता और साहस से जीतता था।

लेकिन अब... धर्मा को उसे हराना था।

धर्मा—जो कि पृथ्वी से आया एक तुच्छ मानव था उसे फ्रां गैलेक्सी की सबसे रहस्यमयी और शक्तिशाली हस्ती को हराना था। उसे पता था कि यह जंग आसान नहीं होगी। मैर्केल जैसा ताक़तवर शासक भी नोकोईविद को चुनौती नहीं दे पाया था, तो धर्मा के लिए यह लड़ाई किसी असंभव कारनामे से कम नहीं होने वाली थी।

नोकोईविद में कोई भी कमी नहीं थी। वह रणनीति में निपुण था। उसकी सोच किसी भी दुश्मन से चार कदम आगे थी। उसकी गति, उसकी चालें, उसकी मानसिक दृढ़ता... फ्रां गैलेक्सी ने शायद पहले कभी ऐसा बेमिसाल लीडर नहीं देखा था। और यही कारण था कि धर्मा के लिए यह जंग अब तक की सबसे कठिन चुनौती बनने वाली थी।

युद्ध की आहट सुनाई देने लगी थी... और यह टकराव किसी एक साम्राज्य की नहीं, बल्कि पूरे गैलेक्सी के भविष्य की दिशा तय करने वाला था।

~~

अध्याय पांच - सन आफ गॉड

धर्मा उस क्षण अपनी ही विडंबनाओं के जाल में उलझा हुआ था। वह एक पंचकोणीय यान में कैद था, जो उसे किसी अनजान मंजिल की ओर ले जा रहा था। उसका हृदय अनिश्चितता के भंवर में डूबा था, और चारों ओर केवल गहरा सन्नाटा था, जो उसकी बेचैनी को और गहरा कर रहा था। तभी, आकाश में दो त्रिकोणीय यान प्रकट हुए, जो उस पंचकोणीय यान का पीछा कर रहे थे। ये यान हवा में लगभग पच्चीस फीट की ऊँचाई पर मँडरा रहे थे, उनकी धातु चमकती हुई, मानो सूर्य की किरणों को चुनौती दे रही हो। अचानक, उन्होंने एक तीव्र लेजर प्रहार किया, जिसकी चमक ने रात के अंधेरे को चीर दिया। पंचकोणीय यान हवा में डगमगा उठा और पच्चीस फीट की ऊँचाई से जमीन पर आ गिरा, धूल और धातु का एक बादल उड़ाते हुए। धर्मा उस मलबे से बाहर छिटक गया, उसका शरीर धरती पर लुढ़क गया, और उसकी साँसें तेज़ हो उठीं।

इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता या पंचकोणीय यान में सवार पुलिसकर्मी कोई प्रतिक्रिया दे पाते, एक त्रिकोणीय बाइक उसके समीप आ पहुँची। उस बाइक से निकली एक लेजर तलवार की नीली चमक ने हवा को काटा और धर्मा को बाँधने वाली लेजर रस्सी से उसे तत्काल मुक्त कर दिया। बाइक सवार की एक गूँजती हुई टेलीपैथिक आवाज़ उसके मस्तिष्क में गूँजी, "जल्दी, बाइक पर बैठो!" धर्मा ने बिना सोचे-समझे एक छलाँग लगाई और बाइक पर सवार हो गया। बाइक तेज़ी से मुड़ी और उस स्थान से भाग खड़ी हुई, हवा को चीरती हुई।

पंचकोणीय यान में मौजूद पुलिसकर्मियों ने अपनी बंदूकें निकालीं और बाइक पर गोलीबारी शुरू करने का प्रयास किया, परंतु तभी दूसरी त्रिकोणीय बाइक पर सवार एक रहस्यमयी व्यक्ति ने उन पर हमला

बोल दिया। उसने अपनी बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, गोलियों की बौछार ने पुलिसकर्मियों को इधर-उधर भागने पर मजबूर कर दिया। चारों ओर धुआँ और अफरा-तफरी फैल गई। मौके का फायदा उठाते हुए दूसरा बाइक सवार भी वहाँ से फरार हो गया, हवा में एक छाया-सा बनकर।

धर्मा को उन दो रहस्यमयी बाइक सवारों ने पुलिस की कैद से मुक्त करा लिया था। उसका दाँव सही साबित हुआ था। उसे विश्वास था कि "बिलीवर ऑफ बोफ" उसे अवश्य बचाएँगे। धर्मा एक शातिर और चतुर योद्धा था—जो कोई भी नोकोईविद जैसे शक्तिशाली शत्रु से टक्कर लेने की सोचता, उसे इतना चालाक होना ही पड़ता। उसने अपने बाइक चालक से पूछा, "तुम कौन हो?"

"मेरे मालिक आपके सभी प्रश्नों का उत्तर आगामी देव देंगे," बाइक सवार ने अत्यंत विनम्रता से उत्तर दिया। उसने बाइक को कुशलता से इधर-उधर घुमाते हुए एक गहरी घाटी की ओर मोड़ दिया। अब वह त्रिकोणीय बाइक उस घाटी के ऊपर उड़ रही थी, हवा में एक पक्षी-सी स्वतंत्र। धर्मा को हल्की ठंड का अहसास होने लगा। सोना ने उसे एक पिकाबोट ड्रेस दी थी, जो हर मौसम की मार से उसकी रक्षा करने में सक्षम थी, फिर भी ठंड का यह हल्का-सा स्पर्श बताता था कि वह किसी अत्यंत बर्फीली और शीतल भूमि पर पहुँच गया था।

शीघ्र ही, बाइक एक संकरी खाई के पास रुक गई। "आपको यहीं उतरना है," बाइक सवार ने फिर से उसी शालीनता के साथ कहा। धर्मा बाइक से उतरा, और पलक झपकते ही वह बाइक सवार वहाँ से ओझल हो गया। धर्मा ठगा-सा खड़ा रह गया, उसे नहीं पता था कि वह किस अनजान भूमि पर आ पहुँचा था। तभी, एक टेलीपैथिक आवाज़ उसके मस्तिष्क में गूँजी, "आप अल्फा हेप्टेड के एक शहर, ज़ोर में हैं।"

धर्मा ने चारों ओर नज़र दौड़ाई। दूर से एक फ्लैशी लड़की उसकी ओर बढ़ती दिखाई दी। उसने एक श्वेत गाउन पहन रखा था, जो कि एक पिकाबोट ड्रेस थी और उस बर्फीली हवा और पहाड़ी ठंड से उसकी रक्षा कर रही थी। वह लड़की उसके निकट पहुँची। धर्मा ने उसे एक नज़र देखा। वो एक सुन्दर स्त्री थी। शायद फ्लेशी। क्योंकि वो बिलकुल मानव स्त्रियों जैसी दिख रही थी।

"आप कौन हैं?" धर्मा ने पूछा।

"ओह, सन ऑफ गॉड, मैं आपकी सेविका गुणिका हूँ," उसने मधुर स्वर में उत्तर दिया।

"गुणिका?" धर्मा अनायास बोल उठा।

"हाँ, मुझे आगामी देव ने भेजा है।"

"आगामी देव तुम लोगों का नेता लगता है?"

"हाँ। चलिए, मैं आपको उनके पास ले चलती हूँ।" गुणिका धीरे-धीरे उस संकरी खाई के किनारे तक पहुँच गई। धर्मा भी उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। गुणिका ने उसे देखा, हल्की-सी मुस्कान बिखेरी, और फिर उसका हाथ पकड़कर खाई में छलाँग लगा दी।

"ये क्या कर रही हो—" धर्मा चीख पड़ा, परंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी। गुणिका उसका हाथ थामे खाई में गिर रही थी। धर्मा का मन भय और आश्चर्य से भर उठा। यह सब क्या हो रहा था? तभी, अचानक दोनों बीम हो गए, और धर्मा किसी अत्यंत विकसित शहर में जा पहुँचा। उसे ऐसा प्रतीत हुआ मानो धरती के गर्भ में एक नगर बसाया गया हो। वहाँ कृत्रिम प्रकाश की चमक थी, और एक लंबी गली में असंख्य लोग उसे देख रहे थे—फ्लैशी, ऐंजलन, और सेंटॉरस प्रजातियों के निवासी। ऐसा लग रहा था मानो वे सब उसकी प्रतीक्षा कर रहे हों।

&

धर्मा ने टेलीपैथी के माध्यम से सभी को संबोधित किया, "आप सभी को सन ऑफ गॉड का प्रणाम।" लोग स्तब्ध रह गए, परंतु सभी ने उसे प्रणाम लौटाया।

"आप मेरे साथ चलिए, मैं आपको आगामी देव के पास ले चलती हूँ," गुणिका ने कहा। धर्मा ने सहमति में सिर हिलाया और उसके पीछे चल पड़ा। उसने देखा कि वह एक अनोखा शहर था—धरती के नीचे निर्मित एक कृत्रिम विश्व, जहाँ कृत्रिम रोशनी और हर प्रकार की सुविधाएँ मौजूद थीं। वहाँ स्वर्णिम त्वचा वाले मैर्केल और मिलांज भी दिखे, जो उसे विस्मय से निहार रहे थे।

"आगामी देव आपको हमारे शहर ज़ोर के बारे में भी बताएँगे, ओह सन ऑफ गॉड," गुणिका ने मृदु स्वर में कहा। वह समझ गई थी कि यह शहर धर्मा को आश्चर्यचकित कर रहा था। धर्मा ने फिर से सिर हिलाया और उस शहर के वैभव को निहारते हुए गुणिका के पीछे चलता रहा। थोड़ी ही देर में, गुणिका उसे एक विशाल भवन में ले गई।

भवन के निचले हिस्से में एक रिसेप्शन डेस्क था, परंतु धर्मा के आगमन की सूचना आगामी देव तक पहले ही पहुँच चुकी थी। वह स्वयं नीचे आ गए। धर्मा ने देखा—एक मध्यम आयु का ऐंजलन प्रजाति का व्यक्ति, हाथ जोड़े खड़ा था। "वेलकम टू ज़ोर, माय सन ऑफ गॉड," आगामी देव ने अत्यंत विनम्रता से कहा।

"आप शायद आगामी देव हैं?" धर्मा ने नमस्कार करते हुए पूछा।

"जी, सन ऑफ गॉड।"

"आप ही इन सबके नेता हैं?"

"नेता तो केवल आप हैं, हम सब तो आपके अनुयायी हैं।" धर्मा को हल्की हँसी आ गई। "वैसे, आपको यकीन नहीं है कि मैं सन ऑफ गॉड हूँ?"

आगामी देव और गुणिका दोनों चौंक गए। "नहीं, ऐसी बात नहीं है," आगामी देव हड़बड़ाते हुए बोला।

"कोई बात नहीं। संदेह होना स्वाभाविक है। चिंता न करें, मैं प्रयास करूँगा कि यह सिद्ध कर सकूँ कि मैं वही हूँ," धर्मा ने शांत स्वर में कहा और भवन के भीतरी हिस्से की ओर बढ़ गया। आगामी देव और गुणिका उसके पीछे-पीछे चल पड़े। धर्मा एक विशाल कक्ष में पहुँचा, जहाँ बड़े-बड़े आरामदायक सोफे रखे थे। वह एक स्थान पर जाकर बैठ गया। आगामी देव और गुणिका थोड़े संकोच में थे, परंतु वे भी उसके समीप आकर बैठ गए।

"यह शहर धरती के नीचे बसाया गया है?" धर्मा ने पूछा।

"हाँ, नोकोईविद के सैनिक हमें ढूँढ रहे हैं, इसलिए हमें इस तरह छिपकर रहना पड़ता है," आगामी देव ने उत्तर दिया।

"परंतु इतना विशाल और वैभवशाली शहर बनाने के लिए तो अपार धन चाहिए होगा?"

"जी, हम वह प्रबंध कर लेते हैं," आगामी देव इस चर्चा में सहज नहीं लग रहा था। धर्मा समझ गया कि प्रोफेसर बोरो और इन लोगों को मैर्केल धन मुहैया करा रहा था। वरना जनक 290 जैसे अंतरिक्ष यान और यह भव्य शहर किसी साधारण विद्रोही के लिए संभव नहीं था।

"मुझे पता है कि आप अभी संशय में हैं," धर्मा ने शांत स्वर में कहा। "मैं वही हूँ जिसे प्रोफेसर बोरो ने पृथ्वी पर छिपाया था, और अब मैं ज़ोर में हूँ।"

"मुझे आप पर संदेह नहीं है," आगामी देव ने कहा।

"यदि है भी, तो कोई गलत बात नहीं। हो सकता है मैं नोकोईविद का जासूस हूँ। आपका संदेह करना उचित है।" आगामी देव और गुणिका

एक-दूसरे को देखने लगे। धर्मा का यह बेबाक रवैया उन्हें विचलित कर रहा था।

"गवर्नर कोर की हत्या के बाद हमें सावधान रहना पड़ रहा है। अब पुलिस और अजय सेना बहुत सतर्क हो गई है," आगामी देव ने कहा।

"आप लोगों ने गवर्नर कोर की हत्या क्यों की?" धर्मा ने भावहीन स्वर में पूछा। आगामी देव और गुणिका असमंजस में पड़ गए। क्या वे उसे बताएँ? कहीं यह नोकोईविद की चाल तो नहीं? धर्मा उनके मन की उलझन समझ गया।

"मेरा मानना है कि यदि आपको इरीट्रिया को नोकोईविद के क्रूर शासन से मुक्त कराना है, तो ऐसी हरकतें बंद करनी होंगी," उसने कहा।

"मैं समझा नहीं," आगामी देव बोला।

"मेरा मतलब है, आगामी देव, कि ऐसी हत्याओं से आपका उद्देश्य कमज़ोर पड़ता है। हम इरीट्रिया को आज़ाद कराएँगे, परंतु छिपकर हत्या करके नहीं, बल्कि खुले युद्ध से।"

"आप सन ऑफ गॉड हैं, परंतु आपको नहीं पता कि नोकोईविद से सीधे युद्ध में जीतना असंभव है," आगामी देव ने कहा।

"ऐसा क्यों?"

"हमने कोमिंट ग्रह पर कब्ज़ा किया था, परंतु नोकोईविद ने अकेले ही हमारे सरगना को पकड़ लिया और कई लोगों को मार डाला।"

"क्या?" धर्मा आश्चर्य से बोला। "यह कब हुआ?"

"बस अभी-अभी खबर आई है।"

"इसलिए आप इतने घबराए हुए हैं। एक ओर नोकोईविद ने कोमिंट ग्रह पर आपके हमले को विफल कर दिया, और दूसरी ओर मैं यहाँ आ पहुँचा।" आगामी देव और गुणिका ने चुपचाप सिर हिलाया।

"कोई बात नहीं। मैं वास्तव में सन ऑफ गॉड हूँ। चिंता न करें, मैं आपकी सहायता के लिए आया हूँ," धर्मा ने कहा। फिर भी, दोनों संशय में डूबे रहे।

धर्मा ने उन्हें देखा और आगे बोला, "मैं मानता हूँ कि आप संशय में हैं। परंतु आप इतने समृद्ध हैं—क्या आपके पास कोई मशीन नहीं जो जाँच सके कि मेरे शरीर में कोई चिप नहीं है?"

"बुरा न मानें तो मैं आपको जनक 290 में ले जाना चाहता हूँ," आगामी देव धीरे से बोला।

"जनक 290 आपके पास है?" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा।

"हाँ। वह खराब हो गया था। उसे ठीक करने के लिए इरीट्रिया लाया गया था। हमने उसे रिपेयर सेंटर से चुरा लिया।"

"कमाल है! मुझे नहीं पता था कि आप लोग इतने सक्षम हैं। गवर्नर कोर की हत्या, जनक 290 को नोकोईविद की अजय सेना से छुड़ाना, और धरती के नीचे इतना वैभवशाली शहर बनाना—मानना पड़ेगा," धर्मा ने हल्के व्यंग्य के साथ कहा।

"जनक 290 यदि नोकोईविद के हाथ लग जाता, तो हमारे कई रहस्य खुल जाते। इसलिए हमें उसे छुड़ाना ही था," आगामी देव ने कहा।

"मैं समझ सकता हूँ। तो क्या आपने उसे ठीक कर लिया?"

"हाँ। लौरा ने उसमें जो बग डाला था, हमने उसे रिवर्स कर दिया।"

"तो फिर देर किस बात की? चलिए, जनक 290 में!" धर्मा ने उत्साह से कहा।

~~

अध्याय छह - नाना दी डिफेन्स लॉयर

अदालत का कक्ष एक विद्युतीय तनाव से गूंज रहा था, एक विशाल, गहरे रंग का अंतरिक्ष जिसमें होलोग्राफिक प्रोजेक्शनों की रहस्यमयी चमक बिखरी हुई थी। उस कोर्ट रूम की दीवारों पर छायाएँ नृत्य कर रही थीं, यहाँ का वास्तुशिल्प अंतरतारकीय चमत्कार का प्रतीक था, जो Xorian साम्राज्य के मदर प्लेनेट Xor के मुख्य कैपिटल शहर में स्थित था। हवा में अदृश्य तरंगें गूंज रही थीं, मानो अंतरिक्ष का ताना-बाना स्वयं प्रत्याशा में काँप रहा हो। इस खगोलीय न्यायालय के केंद्र में खड़े थे माननीय न्यायाधीश क्लाइथेरॉन, जिनका होलोग्राफिक चेहरा अधिकार का एक कठोर स्तंभ था, और उनकी आवाज़ एक तेज़ धार की तरह मौन को चीर रही थी।

"क्या बचाव पक्ष का वकील मौजूद है?" उन्होंने पूछा, उनकी आवाज़ एक पल्सर की धार की तरह तीक्ष्ण थी।

"हाँ, महोदय," एक सुरीली और गहरी प्रतिक्रिया आई, जो ओयुविल होको नाना के चमकते हुए रूप से निकली। "मैं नाना हूँ, प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो की ओर से पैरवी कर रहा हूँ।" उनका होलोग्राफिक चित्रण क्षण भर के लिए टिमटिमाया, जो क्वांटम रिले के जटिल जाल का प्रमाण था, जिसने उन्हें इस न्यायलय के कक्ष में प्रक्षेपित किया था।

"अच्छा," न्यायाधीश क्लाइथेरॉन ने कहा, उनकी नज़र उन अलग-अलग कैद कक्षों पर गई जहाँ अभियुक्त मँडरा रहे थे—प्रोफेसर बोरो, ज़ोरो और लेडी तारा, प्रत्येक एक पारदर्शी ऊर्जा क्षेत्र में बंद। उनके होलोग्राफिक अवतारों ने एक साथ सिर हिलाया, अपने वकील की पुष्टि करते हुए।

"महामहिम," अभियोजक का होलोग्राफिक रूप उठ खड़ा हुआ, एक चिकना सिल्हूट (silhouette) जो सुनियोजित आत्मविश्वास बिखेर रहा था। टेलीपैथिक ऊर्जा के सूक्ष्म स्पंदन के साथ, उसने सभा को संबोधित किया, उसके शब्द उनके दिमागों में प्रकाश की लताओं की तरह फैल गए। "हमारे सम्मानित और सभी के प्रिय सर्वोच्च कमांडर ने अपनी जान जोखिम में डालकर एक और आतंकवादी को पकड़ा है—"

"श्रीमान अभियोजक!" न्यायाधीश की आवाज़ कोड़े की तरह फटी, अभियोजक की चाटुकारिता को बीच में ही काटते हुए। "इस कोर्ट में किसी भी प्रकार के राजनीतिक नाटक की अनुमति नहीं है। यदि सर्वोच्च कमांडर ने किसी को पकड़ा है, तो वह अभी जांच या मुकदमे के अधीन है—जब तक दोष सिद्ध न हो, वह निर्दोष है। उसे आतंकवादी घोषित करने की हिम्मत न करें।"

अभियोजक हड़बड़ा गया, उसका होलोग्राफिक रूप हल्के झटके से काँप उठा। "क्षमा, मेरे प्रभु," उसने धीरे से कहा, झेंपते हुए।

"यह चौथा अभियुक्त कहाँ है?" न्यायाधीश ने दबाव डाला, उनकी आँखें संकुचित हो गईं।

मानो प्रश्न के आह्वान पर, विद्रोही सरगना का होलोग्राफिक चित्रण कक्ष में प्रकट हो गया—एक ऊँची आकृति, फटे हुए युद्ध गियर में लिपटी, उसकी उपस्थिति कोर्ट की परिष्कृत भव्यता के विपरीत थी। उसकी आँखों में विद्रोह की ज्वाला जल रही थी, कैद के सामने संकल्प का एक सुपरनोवा।

"श्रीमान नाना, क्या आप इस चौथे अभियुक्त का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं?" न्यायाधीश क्लाइथेरॉन ने पूछा, उनकी आवाज़ जाँच से भरी हुई थी।

"नहीं, महोदय," नाना ने उत्तर दिया, उनकी आवाज़ इस भारी क्षण के बावजूद स्थिर थी।

"क्या आपको इसे इस मुकदमे में शामिल करने पर आपत्ति है, या आप चाहते हैं कि इसका अलग से मुकदमा हो?" न्यायाधीश ने आगे पूछा।

नाना ठिठक गया, अप्रत्याशित रूप से पकड़ा गया, उसका होलोग्राफिक रूप अनिश्चितता की एक झलक दिखा रहा था। मौन भारी हो गया, एक शून्य जो उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा था।

"श्रीमान बचाव पक्ष के वकील," न्यायाधीश ने गरजते हुए कहा, उनकी आवाज़ कक्ष में गुरुत्वाकर्षण तरंग की तरह गूंज रही थी, "क्या आपको Xorian कानूनी प्रक्रियाओं की कोई जानकारी भी है?"

"क्षमा, महोदय," नाना ने हकलाते हुए कहा, न्यायाधीश की कठोर नज़र के नीचे उनका संयम टूट रहा था।

"कानून के अनुसार," क्लाइथेरॉन ने जारी रखा, उनकी आवाज़ अब एक ठंडा, सटीक औज़ार बन गई, "चूँकि यह चौथा अभियुक्त बाद में जोड़ा गया है, और उसका अपराध स्थल अलग है, बचाव पक्ष की सहमति के बिना संयुक्त मुकदमा नहीं चल सकता। अपने मुवक्किलों से परामर्श करें और मुझे बताएँ—क्या आप इस चौथे अभियुक्त को उनके साथ मुकदमे की अनुमति देते हैं, या आप अलग मुकदमा चाहते हैं?"

नाना की नज़र प्रोफेसर बोरो के कक्ष पर गई। प्रोफेसर ने दृढ़ता से सिर हिलाकर नकार दिया, एक मूक आदेश। "महोदय, हम अलग मुकदमा चाहते हैं," नाना ने जल्दबाजी में कहा, उनके शब्द अनायास बाहर निकल पड़े।

"श्रीमान बचाव पक्ष के वकील, मैं आपसे बेहद नाराज़ हूँ," न्यायाधीश ने गुर्राते हुए कहा, उनकी होलोग्राफिक आँखें असंतोष से चमक रही थीं।

"महोदय, अगर बचाव पक्ष के वकील को कानून नहीं पता, तो इससे अच्छा तो लेडी तारा खुद बेहतर पैरवी कर लेती," अभियोजक ने बीच में टोका, उसकी आवाज़ व्यंग्य से टपक रही थी। हँसी की एक लहर कक्ष में गूंज उठी, जिसे इस बार न्यायाधीश ने भी नहीं रोका।

नाना, जो इरिट्रिया में एक सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता था, उसको अपमान का यह दंश प्लाज़्मा की जलन की तरह लगा। किसी न्यायाधीश ने कभी इतने सार्वजनिक रूप से उनकी कानूनी कुशलता पर सवाल नहीं उठाया था। Xorian प्रणाली एक जटिल भूलभुलैया थी, जो इरिट्रियन न्यायशास्त्र के परिचित कक्षा से परे थी।

"श्रीमान बचाव पक्ष के वकील," न्यायाधीश क्लाइथेरॉन ने कहा, उनकी आवाज़ अब संयमित लय में नरम पड़ गई, "आपको एक आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह कहा जाए कि अभियोजन ने चौथे अभियुक्त को जोड़ा है, आप इससे सहमत नहीं हैं। इसके कारण लिखने होंगे—जैसे कि इस कोर्ट के पास अधिकार क्षेत्र नहीं है, क्योंकि वह कोमिंट ग्रह से पकड़ा गया था, जहाँ Xorian प्रक्रिया लागू नहीं होती। इरिट्रिया एक Xorian प्रशासकीय क्षेत्र है, न कि अलग रियासत, इसलिए वहाँ किए गए अपराधों का मुकदमा यहाँ चल सकता है। आपको ऐसे आधार लेने होंगे।"

"ठीक है, महोदय," नाना ने सिर हिलाकर सहमति दी, थोड़ा संयम वापस पाते हुए।

"इस बार—और केवल इस बार—मैंने आपकी सहायता की है," न्यायाधीश ने चेतावनी दी, उनकी आवाज़ फिर से कठोर हो गई। "अगली बार Xorian कानून पढ़कर इस कोर्ट में आएँ, वरना मैं आपको इस मामले से बाहर कर दूँगा। मुझे नौसिखिए वकील पसंद नहीं हैं।"

"महोदय, ये अगली बार Xor आने का कष्ट ही नहीं उठाएँगे," अभियोजक ने भद्दे ढंग से तंज कसा। हँसी फिर से गूंज उठी, व्यंग्य का एक कोलाहल।

फिर, अभियोजक की ओर से एक निजी टेलीपैथिक संदेश नाना के दिमाग में साँप की तरह रेंग गया: "बेटा, अगली बार यहाँ मत आना। इस बार हल्के-फुल्के मज़ाक से काम चल गया, अगली बार तेरी असली औकात बता दूँगा, इरिट्रियन बंदर।"

नाना के भीतर क्रोध की ज्वाला भड़क उठी, संकल्प का एक पिघला हुआ कोर। यह घमंडी एक्रिमियन अब इरिट्रियन अधिवक्ता की ताकत देखेगा। वह यूँ ही प्रसिद्ध नहीं हुआ था। अब तक, यह मामला उसके लिए एक अनिच्छुक बाध्यता था, धर्मा के ब्लैकमेल के कारण उसमें फँसा हुआ। लेकिन अब, यह व्यक्तिगत हो गया था। नाना को इस अभिमानी अभियोजक को दिखाना था कि इरिट्रिया के वकील किसी से कम नहीं थे।

&

इसी बीच, जनक 290 के चिकने, गूंजते हुए परिसर में, जहाँ जहाज़ का तंत्रिकीय कोर धड़क रहा था, पुष्टि हुई: धर्मा वही था जिसे वह स्पेसशिप पृथ्वी से लाया था। इस ब्रह्मांडीय इंजीनियरिंग के अवशेष में, आगामी देव और गुणिका विजय की उल्लास से चमक रहे थे, उनके चेहरे उमंग से प्रकाशित। धर्मा भी इस जहाज़ के चमकते गलियारों में खड़े होकर एक गहरी खुशी महसूस कर रहा था, यहाँ की यादें उसके लिए बीते दिनों का एक आश्रय थीं।

"चलें, मेरे निवास पर वापस चलते हैं, ओ सन ऑफ गॉड," आगामी देव ने श्रद्धा भरे स्वर में सुझाव दिया।

"नहीं, यहीं बात करते हैं," धर्मा ने दृढ़ता से कहा, उसकी आवाज़ में एक उदासीन गहराई थी। "मुझे जनक 290 में रहना पसंद है। मैंने यहाँ अनगिनत दिन बिताए हैं।"

"जैसी आपकी इच्छा," आगामी देव ने सिर झुकाकर स्वीकार किया।

"आपका धरती के नीचे बना शहर प्रभावशाली है," धर्मा ने विचार करते हुए कहा, "लेकिन जनक 290 का सुख—इसकी गूँज, इसकी धड़कन—ज़ोर शहर उसका मुकाबला नहीं कर सकता।"

"मैं पूरी तरह समझता हूँ," आगामी देव ने जवाब दिया, उनकी आँखों में साझा भावना की चमक थी।

"बताइए," धर्मा ने एक कंसोल के खिलाफ झुकते हुए पूछा, जो निहित शक्ति से थरथरा रहा था, "क्या आपके सभी अनुयायी ज़ोर में हैं, या अधिकांश लेनोगो में रहते हैं?"

"लेनोगो?" आगामी देव और गुणिका ने एक साथ आश्चर्य से पूछा, उनकी आवाज़ में झटका साफ झलक रहा था।

"हाँ," धर्मा ने दृढ़ता से कहा, उनकी नज़र स्थिर थी। "मुझे बताया गया था कि बोफ के अधिकांश विश्वासी लेनोगो में हैं।"

"नहीं, सन ऑफ गॉड," गुणिका ने तुरंत कहा, उनकी आवाज़ में तात्कालिकता थी। "कोई आपको नोकोईविद के हाथों में फँसाना चाहता था।"

"क्या मतलब?" धर्मा ने आश्चर्य से पूछा, उसकी भौंहें सिकुड़ गईं।

"लेनोगो Xor के सहयोगियों से भरा हुआ है," उसने समझाया। "वहाँ के लोग नोकोईविद के साथ हैं।"

"ओह," धर्मा ने साँस ली, यह खुलासा उसके भीतर गहराई तक समा गया।

"हाँ, सन ऑफ गॉड," आगामी देव ने पुष्टि की। "जब नोकोईविद ने इरिट्रिया पर कब्जा किया था, उससे पहले वहां कोलार्क का कब्ज़ा था और उस समय एक्विचयन लोगों पर भयंकर अत्याचार हुए थे—उन्हें Xor साम्राज्य के अनेकों ग्रहों पर विदेशी मछलियों की तरह बेचा जाता था। नोकोईविद ने यह सब बंद कर दिया, कई लोगों को मुक्त कराया।"

"तो, लेनोगो का बहुमत नोकोईविद का समर्थक है," धर्मा ने अनुमान लगाया।

"हाँ, सन ऑफ गॉड," गुणिका ने पुष्टि की।

"समझ गया," उसने कहा, टुकड़ों को जोड़ते हुए। "एक साथी ने मुझे लेनोगो जाने के लिए कहा था। अब मुझे समझ आया कि वह ऐसा क्यों चाहता था।"

आगामी देव और गुणिका ने एक-दूसरे की ओर उलझन भरी नज़रें डालीं, उसकी रहस्यमयी बात को समझने में असमर्थ।

"कोई बात नहीं," धर्मा ने हाथ हिलाकर खारिज कर दिया। "लेकिन अब मुझे कुछ करना होगा—इरिट्रिया को नोकोईविद की लौह पकड़ से मुक्त करना होगा।"

"लेनोगो के राष्ट्रपति को मार डालिए," आगामी देव ने उत्साह से कहा।

"क्या?" धर्मा पीछे हट गया।

"हाँ, सन ऑफ गॉड। गवर्नर कोर के बाद वही है जो नोकोईविद का प्रशासन संभालता है। उसकी मृत्यु उनके शासन को एक और झटका देगी," आगामी देव ने दबाव डाला।

"यह आपको किसने सिखाया?" धर्मा की आवाज़ गंभीर हो गई, उद्देश्य से गूंजती हुई। "युद्ध ऐसे छल और हत्याओं से नहीं जीते जाते।"

"प्रोफेसर बोरो ने हमेशा ऐसा ही किया," आगामी देव ने तर्क दिया।

"मुझे उनके तरीके नहीं पता," धर्मा ने घोषणा की, उनके शब्द दृढ़ विश्वास से गूंज रहे थे। "मैं सन ऑफ गॉड हूँ। मैं छिपकर लोगों को नहीं मारता।"

मौन गहरा और सम्मानजनक हो गया, क्योंकि आगामी देव और गुणिका विस्मय से उसे निहार रहे थे। धर्मा ने उनकी नज़रों का जवाब दिया, उनकी आवाज़ मखमली संकल्प में नरम पड़ गई। "आगामी देव, गुणिका, यह युद्ध है, और हम इसके सिपाही हैं। हम सामने से, सम्मान के नियमों के तहत लड़ेंगे।"

उनकी आँखें चौड़ी हो गईं, इस रहस्यमयी व्यक्तित्व को देखकर चकित। यह सन ऑफ गॉड इरिट्रिया को नोकोईविद की तानाशाही से कैसे मुक्त कराएगा, यह एक रहस्य बना रहा, फिर भी उसकी उपस्थिति—उसका करिश्मा, उसके शब्द—एक जादू बुन रहे थे, जो तारों की तरह ही मोहक था।

~~

अध्याय सात - धर्मा की रणनीति

"परंतु हमारे पास अजय सेना का सामना करने के लिए कोई संगठित शक्ति नहीं बची है। हमने जो भी प्रयास किए थे, वे कोमिंट पर हुए आक्रमण में विफल हो गए। नोकोईविद ने उन सबको कुचल डाला," आगामी देव ने निराश स्वर में कहा।

"क्योंकि कोमिंट पर हमला करना स्वयं में एक मूर्खतापूर्ण रणनीति थी," धर्मा ने दृढ़ स्वर में उत्तर दिया।

"क्या मतलब? मैं समझा नहीं, हे सन ऑफ गॉड," आगामी देव ने आश्चर्य से पूछा।

"कोमिंट, Xorian साम्राज्य का हृदय है—इनर सर्कल का केंद्र। वहाँ अजय सेना का मुख्य जमावड़ा रहता है, जो नोकोईविद के सीधे नियंत्रण में है," धर्मा बोला।

"हम अब भी नहीं समझे," गुणिका और आगामी देव ने एक स्वर में कहा।

"जनक-290, Xor साम्राज्य का समग्र खगोलीय मानचित्र प्रस्तुत करो।"

जनक-290 ने धर्मा की आज्ञा मानते हुए एक कृत्रिम होलोग्राफिक स्क्रीन पर 410 आकाशीय पिंडों में फैले Xor साम्राज्य का विस्तृत नक्शा प्रदर्शित किया।

धर्मा ने सामने खड़े सभी लोगों की ओर गंभीर दृष्टि से देखा। "यहाँ देखिए—मुख्य ग्रह ज़ोर से दस प्रकाशवर्ष की सीमा में 45 ग्रह, उपग्रह और अंतरिक्ष नगर स्थित हैं। इसे “कोर इनर” कहते हैं। यह क्षेत्र अत्यधिक सुरक्षित और नोकोईविद की शक्तियों का गढ़ है। यहाँ आक्रमण करना आत्मघाती होगा।"

धर्मा की बातें अब सबकी जिज्ञासा को जकड़ चुकी थीं—यहाँ तक की जनक-290, जो एक यांत्रिक अंतरिक्ष यान था, अब पूरी संलग्नता से सुन रहा था। धर्मा, जो अभी कुछ समय पूर्व ही पैरेलल यूनिवर्स से आया था, ऐसे विचार प्रस्तुत कर रहा था जैसे इस ब्रह्मांड के लिए सर्वथा परिचित था। क्या वह वास्तव में सन ऑफ गॉड था?

"इसके आगे आता है “इनर मेन”—मुख्य ग्रह से चालीस प्रकाशवर्ष की परिधि तक फैला क्षेत्र, जिसमें 97 आकाशीय इकाइयाँ हैं। यह इलाका भी शत्रु सेना से लबरेज़ है, और किसी भी आक्रमण का यही परिणाम होगा—विनाश।" गुणिका और आगामी देव अब पूरी तरह उसकी बातों में खो चुके थे।

"मिडल सर्कल, आउटर सर्कल—इन सब पर भी आक्रमण करना अभी व्यर्थ है।"

"तो फिर?" आगामी देव की आवाज़ ऊँची हो गई। "क्या फिर प्रोफेसर बोरो का ही तरीका सही है? चलो, लेनोगो के राष्ट्रपति को ही खत्म कर देते हैं!"

"और उससे क्या होगा?" धर्मा ने शांत स्वर में पूछा।

"नोकोईविद को नुक़सान होगा!" आगामी देव ने तुरंत कहा।

"क्या तुम्हें लगता है, इससे नोकोईविद वाकई कमज़ोर हो जाएगा?"

"तो फिर क्या करें, सन ऑफ गॉड?" गुणिका ने व्याकुलता से पूछा।

"क्या तुमने प्लेनेट X141 के बारे में सुना है?"

"X141?" दोनों चौंक गए।

"हाँ। यह Xor साम्राज्य का सबसे दुर्बल ग्रह है, मुख्य ग्रह से पाँच सौ प्रकाशवर्ष दूर स्थित।"

"पर वो तो बंजर है, वहाँ सोलर रेडिएशन असहनीय है!" आगामी देव ने कहा।

"और वहाँ केवल अजय सेना का एक सीमित बेस है," गुणिका ने जोड़ा।

"तुम दोनों सही भी हो, और नहीं भी," धर्मा ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा। "अब जनक-290 से पूछते हैं—तुम्हारा क्या मत है?"

"ये क्या बताएगा, ये तो एक स्पेसशिप है!" आगामी देव ने हँसी में कहा।

"यही तो आपकी भूल है," धर्मा बोला। "जनक-290 कोई साधारण यान नहीं है। यह एक निफ़्टी है—एक बुद्धिमान यंत्र। और मैं विश्वास से कह सकता हूँ, यह हमसे अधिक सटीक उत्तर देगा।"

जनक-290 अब केवल एक यान नहीं रहा था। धर्मा के प्रोत्साहन से उसमें एक नई चेतना जाग चुकी थी। प्रोफेसर बोरो की अनुपस्थिति में धर्मा ही उसका नया स्वामी बन चुका था।

"X141 पर अधिकांश निवासी नदरिमान हैं," जनक-290 ने टेलीपैथी के माध्यम से उत्तर दिया। " फ्लोरमान कोन्ताना द्वारा निर्मित “हैबिटेट दी म्यूवर्स” पॉलिसी के अनुसार उन्हें इन सुदूर ग्रहों पर बसाया गया था। वहाँ के विकिरण और कठोर वातावरण ने उन्हें और भी मज़बूत बना दिया। नोकोईविद के साम्राज्य में इस ग्रह की कोई राजनैतिक हैसियत नहीं है। यह एक मिलिट्री बेस मात्र है—वो भी आउटर पेरिफेरी को संभालने के लिए।"

"शानदार उत्तर, जनक-290," धर्मा ने गर्व से कहा। ठीक वैसा ही उत्तर जैसा उसे अपेक्षित था।

गुणिका और आगामी देव विस्मित थे कि धर्मा अब जनक-290 को भी अपनी रणनीति में सहभागी बना रहा था।

"लेकिन हे सन ऑफ गॉड," आगामी देव ने कहा, "यदि X141 नोकोईविद की नज़र में ही नहीं है, तो उस पर अधिकार जमाकर हमें मिलेगा क्या?"

"एक बहुत सुंदर प्रश्न!" धर्मा ने कहा।

आगामी देव ने गर्व से गुणिका की ओर देखा—मानो कोई युगांतरकारी प्रश्न पूछ लिया हो।

"जनक-290?" धर्मा ने संकेत किया।

"यदि हम X141 की अजय सेना को अपनी ओर मिला लें, तो हमें बिना लड़े एक मिलियन प्रशिक्षित सैनिक मिलेंगे—और एक पूर्ण सैन्य अड्डा भी।"

गुणिका की हँसी छूट गई—बिना किसी संकोच के। एक स्पेसशिप ने आगामी देव को रणनीति में पछाड़ दिया था।

धर्मा ने देखा कि आगामी देव को यह बात थोड़ी चुभ रही थी। वह बोला, "आगामी देव, नोकोईविद यह कभी सोच भी नहीं सकेगा कि X141 अब हमारे नियंत्रण में है। हम उसे अपना गढ़ बनाएँगे, और वहाँ से धीरे-धीरे आउटर टेरिटरी के ग्रहों को अपने अधीन लाएँगे। सही समय पर हम नोकोईविद के इनर कोर पर वार करेंगे।"

आगामी देव ने धीरे से सिर हिलाया।

"और सोचो," धर्मा ने आगे कहा, "इस समय हम इरीट्रिया में भय से छिपे हुए हैं। यदि हम X141 को अपना अड्डा बना लें, तो जो संसाधन हम अभी छिपने में खर्च कर रहे हैं, वे सैन्य विस्तार में लगेंगे।"

अब आगामी देव को धर्मा की रणनीति स्पष्ट होने लगी थी। वह भीतर से धर्मा के लिए श्रद्धा अनुभव करने लगा।

"परंतु..." गुणिका ने कुछ पूछना चाहा।

धर्मा ने मुस्कुरा कर सिर हिलाया, "पूछो।"

"मान लीजिए, हमने X141 पर अधिकार कर लिया। तब नोकोईविद को तो पता चल ही जाएगा। और दूसरी बात..."

"दूसरी बात ये कि हमारे पास सेना ही नहीं है!" आगामी देव ने बात पूरी की।

धर्मा अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसकी आँखों में एक चमक थी।

"आगामी देव, गुणिका—यदि मुझे सिद्ध करना है कि मैं वाकई सन ऑफ गॉड हूँ, तो मैं X141 को अकेले जीतूंगा। न कोई युद्ध, न कोई रक्तपात। मैं वहाँ अकेला जाऊँगा और उन्हें अपना अनुयायी बना लूँगा।"

सन्नाटा छा गया।

"ये तो आत्मघाती मिशन है!" गुणिका बोली।

"हाँ," आगामी देव ने कहा, "और X141 के लोग आपके लेजेंड में विश्वास भी करते हैं या नहीं—इसकी भी कोई गारंटी नहीं है।"

"नहीं करते," धर्मा ने स्वीकार किया। "X141 इतना अलग-थलग है कि कोलार्क द्वारा प्रचारित बोफ भी वहाँ नहीं पहुँचा।"

"फिर?"

"फिर कुछ नहीं," धर्मा ने शांत स्वर में कहा। "यदि मैं वास्तव में सन ऑफ गॉड हूँ, तो X141 को जीतना मेरी परीक्षा होगी। मैं जाऊँगा। अकेला। और उसे जीतूँगा।"

गुणिका और आगामी देव अब अवाक् थे। उन्होंने ऐसा नेता पहले कभी नहीं देखा था। अब उन्हें समझ आ रहा था कि धर्मा को बोफ में सन ऑफ गॉड क्यों कहा गया था। क्योंकि वह ऐसे निर्णय लेने में सक्षम था, जिन्हें कोई और सोच भी नहीं सकता था।

~~

अध्याय आठ - धर्मा का दुस्साहस

जेल का वह विशेष कमरा बाकी कक्षों से अलग था। दीवारों पर लगे ग्रेविटी-स्टेबल फाइबर से बना आवरण बाहरी दुनिया की हर आवाज़ को अवशोषित कर रहा था। हवा में धीमा-सा कंपन्न था—शायद वह हाई-रेजोल्यूशन होलोग्राफिक प्रोजेक्टर की तरंगें थीं, जो पूरे कमरे में फैली थीं।

लेडी तारा और ज़ोरो को जैसे ही उस कक्ष में लाया गया, उन्होंने देखा कि सामने हवा में एक पुरुष की छवि धीरे-धीरे आकार ले रही थी—नाना। उसकी उपस्थिति शुद्ध आभासी होते हुए भी, इतनी यथार्थ थी कि लगता था जैसे वह सचमुच वहीं मौजूद हो। हालाँकि उसका भौतिक शरीर Xor प्लेनेट के नाडोल शहर के एक भव्य होटल में स्थित था, परन्तु उसकी पूरी तरह स्पर्श योग्य, पूर्ण-टैक्टाइल (fully tactile) छवि उसी जेल कक्ष में उपस्थित थी। आधुनिक तकनीक का यह करिश्मा, जहाँ होलोग्राम न केवल दिखता बल्कि छुआ भी जा सकता था, एक नई दुनिया का संकेत दे रहा था।

"आपको हमारा वकील प्रोफेसर बोरो ने अपॉइंट किया है?" तारा की आवाज़ में संयम था, पर उसमें छुपी हुई चिंगारी को ज़ोरो भलीभांति पहचानता था।

"नहीं। पर मैं उनसे मिला हूँ," नाना ने उत्तर दिया। उसकी आवाज़ में एक अपरिचित शालीनता थी, जैसे वह यहाँ होने का औचित्य खुद भी नहीं जानता।

तारा की नजरें एक क्षण को उसके चारों ओर घूमती प्रोजेक्शन कणों पर टिक गईं, फिर वह आगे बोली—"तो फिर आपको हमारा केस लेने की क्या सूझी? आपकी फीस कौन देगा? मेरे लिए यह जानना आवश्यक है।"

तारा के मन में अभी भी संदेह था—क्या यह सब नोकोईविद की कोई नई साज़िश है? क्या यह अधूरी छलना है, जिसे सत्य का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया गया है?

नाना ने कुछ कहने की कोशिश की, पर ज़ोरो ने एक कदम आगे बढ़कर उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा—"मिस्टर नाना, अगर आप सच बोलेंगे, तो हम भी पूरी तरह सहयोग करेंगे।"

नाना चुप हो गया। कुछ क्षणों का मौन। फिर उसने धीरे से सिर झुकाया और बोला—

"मुझे यह केस सन ऑफ गॉड ने दिया है।"

उस वाक्य ने जैसे पूरे कक्ष की ऊर्जा बदल दी। ज़ोरो ने गहरी साँस ली, उसकी आँखों की चमक अचानक तेज हो गई।

"क्या? मालिक ने... आपको?" ज़ोरो के चेहरे पर अपार श्रद्धा का भाव आ गया।

लेडी तारा की दृष्टि भी बदल चुकी थी। अभी तक जो संदेह उसकी आँखों में जाल की तरह फैला था, अब वहां आशा की एक उजली रेखा फूट पड़ी थी।

"वो आपको कहाँ मिला?" तारा ने धीरे से पूछा, जैसे किसी भूली हुई स्मृति को छू रही हो।

"वो सातवें आयाम में थे—अपनी माता के साथ। लौटते समय, मेरी बेटी की ब्लैकरॉक कार से टकराकर वे बेहोश होकर गिर पड़े। मैं उन्हें अपने घर ले आया... पहले सोचा, बेनीज़ कंपनी से मुआवज़ा वसूल करूँगा, लेकिन..." नाना की आवाज़ धीमी हो गई, "...अपनी ही चाल में फँस गया।"

तारा ने उसकी बात पूरी होने से पहले ही पूछ लिया—"और फिर मालिक ने आपको हमारे केस के लिए बाध्य किया?"

नाना ने मौन स्वीकारोक्ति में सिर हिला दिया।

"ठीक है। आप पूछिए।" तारा की आवाज़ में अब दृढ़ता थी, पर साथ ही एक सूक्ष्म कोमलता भी।

"प्रोफेसर बोरो से मैंने बात की, लेकिन उन्होंने कुछ बताने से इंकार कर दिया।"

"स्वाभाविक है," तारा बोली, "शायद उन्हें अब भी यकीन नहीं कि यह ट्रायल निष्पक्ष होगा।"

"फिर भी मैं अपनी पूरी कोशिश करूँगा..." नाना ने कहना शुरू किया, पर इस बार ज़ोरो ने बीच में कहा,

"मालिक ने आपको चुना है। यही हमारे लिए पर्याप्त है।"

नाना के चेहरे पर पहली बार मुस्कान उभरी।

"आप दोनों पर आरोप है," नाना ने अब धीरे-धीरे कहना शुरू किया, "कि आपने Xorian साम्राज्य में अशांति फैलाई। कि आप मैर्केल से गुप्त रूप से हथियार खरीदकर, नोकोईविद के खिलाफ युद्ध की योजना बना रहे थे।"

"हमें इन आरोपों का पता है," तारा बोली और धीरे-धीरे चलने लगी, जैसे स्मृतियों में डूब रही हो।

"पर ये आरोप झूठे हैं," उसने कहा, अब उसकी आवाज़ स्थिर थी, जैसे पत्थर पर हथौड़ा गिरा हो।

"मैंने धर्मा को एक कहानी सुनाई थी," तारा ने नाना की ओर देखा। "और मुझे लगता है... अब वो कहानी आपको भी सुननी चाहिए।"

नाना ने सिर हिलाया और एक सूक्ष्म मानसिक संकेत से अपने जेब में लगे माइक्रो-बोट्स को एक्टिव कर दिया। वे उसकी सोच के साथ ही नोट्स लेना शुरू कर चुके थे।

&

जनक 290 अब एक बार फिर से जीवित हो चुका था। आगामी देव ने न केवल उसे पूरी तरह से दुरुस्त करवाया था, बल्कि उसमें समस्त आवश्यक संसाधनों को नए सिरे से भर दिया था—शक्तिशाली फोटोनिक ईंधन, उच्च गुणवत्ता की जीवन-टिकाऊ टेबलेट्स, मल्टी-फंक्शनल ड्रोइड्स, सामरिक सुरक्षा के लिए सीमित किंतु प्रभावशाली हथियार, और वह हर तकनीकी सुविधा, जो किसी एकाकी यात्री को ब्रह्मांड के गर्भ में उतरने के लिए आवश्यक हो सकती थी।

धर्मा अब एक लंबी, अत्यंत दुर्गम यात्रा के लिए निकलने को तैयार था। उसकी मंज़िल थी—X141, एक ऐसा तारा-पथ जो इरीट्रिया से लगभग 500 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित था। यह दूरी कोई सामान्य दूरी नहीं थी; यह वह अंतराल था जहाँ से ब्रह्मांड भी मौन हो जाता था, और जहाँ से लौटने वालों की कहानियाँ अक्सर किंवदंतियों में बदल जाती थीं।

जनक 290—वह पुराना अंतरिक्ष यान, जिसे कभी मैर्केल के सैन्य परीक्षणों के लिए तैयार किया गया था, अब धर्मा की निजी युद्धगाथा का रथ बनने जा रहा था। उसकी रफ्तार इतनी तीव्र थी कि वह इस दूरी को तीस दिन में पार कर सकता था—और उसके ईंधन टैंक इतने विशाल कि वह बिना रुके, बिना सहायता के, X141 तक जाकर वापसी भी कर सकता था।

आगामी देव और गुणिका दोनों ही धर्मा के इस निर्णय से स्तब्ध थे।

यह कोई सामान्य मिशन नहीं था—यह आत्मघाती प्रतीत होता था। X141, वह स्थान जहाँ X-केज स्थित था—एक ऐसा कारागार जिसे Xor साम्राज्य ने अपने सबसे क्रूर, सबसे दुष्ट अपराधियों को बंद रखने के लिए बनाया था। वहाँ तक कोई नहीं जाता था; वहाँ से कोई लौट कर नहीं आता था। यह कारावास अंतरिक्ष का नर्क था।

यहाँ तक कि मैर्केल—वह महान सभ्यता जिसने Xorian साम्राज्य तक को गुलाम बनाया था—उसने भी कभी X141 पर अधिकार की कल्पना नहीं की थी।

लेकिन धर्मा न केवल वहाँ जाने का इरादा रखता था, बल्कि उसने स्पष्ट कहा था—"मैं वहाँ शासन स्थापित करूँगा।"

यह घोषणा किसी नवयुवक का जोश नहीं थी। यह सन ऑफ गॉड के विश्वास की गर्जना थी।

आगामी देव और गुणिका ने भीतर से यह स्वीकार कर लिया था कि यदि धर्मा इस असंभव कार्य को पूरा कर सका—यदि वह सच में X141 पर कब्ज़ा करके वहाँ का स्वामी बन गया—तो वे न केवल उसे सन ऑफ गॉड मान लेंगे, बल्कि Xor साम्राज्य के कोने-कोने में यह संदेश फैलाएँगे। वे BOF के अनुयायियों को समझाएँगे कि अब आस्था को एक नया नाम मिला है—धर्मा।

और इस प्रकार, आशा की एक सूक्ष्म लौ उनके हृदयों में जल उठी थी। वे प्रतीक्षा करने लगे थे—उस क्षण की जब X141 पर धर्मा का ध्वज लहराएगा।

धर्मा ने अपने निर्णय पर मोहर लगा दी थी।

एक शांत दोपहर, जब इरीट्रिया के तीनों चंद्र एक रेखा में थे, और सौर हवाएँ गूँज रही थीं, जनक 290 ने अपने इंजन गरजाए और धरती को विदा कहा।

जैसे ही वह इरीट्रिया के वायुमंडल से बाहर निकला, एक समस्या उसकी प्रतीक्षा में पहले से खड़ी थी।

COSB — Controller of Space Borders

एक अति-गोपनीय और कठोर अंतरिक्ष एजेंसी, जिसे इरीट्रिया ग्रह की सीमाओं की निगरानी का अधिकार प्राप्त था। कोई भी यान जो ग्रह

के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर निकलता था, उसे पहले कोस्ब से इमीग्रेशन क्लीयरेंस लेनी पड़ती थी। और धर्मा ने, स्वाभाविक रूप से, कोई अनुमति नहीं ली थी।

कोस्ब के युद्धपोत—लेज़र तोपों, जियो-मैग्रेटिक ट्रैप्स और क्वांटम-श्रेणी स्कैनरों से लैस—इरीट्रिया के चारों ओर ऐसे तैनात थे जैसे शेर शिकार को घेरता है।

उनका आदेश स्पष्ट था:

"कोई भी जहाज जो बिना अनुमति प्रकाशगति सीमा पार करने का प्रयास करे, उसे तत्काल नष्ट कर दिया जाए।"

धर्मा जानता था कि यदि वह पकड़ा गया, तो उसे प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, और ज़ोरो के साथ उसी शो ट्रायल का सामना करना पड़ेगा—एक दिखावा मात्र, जहाँ सज़ा पहले से तय होती है और सुनवाई केवल एक औपचारिकता होती है।

अब धर्मा को सबसे पहले यही तय करना था—वह कोस्ब की पकड़ से कैसे बचे?

उसने X141 की बातें बड़े विश्वास से की थीं। उसने कहा था कि वह शासन करेगा, न्याय लाएगा, एक नई सभ्यता की नींव रखेगा।

परंतु उसकी यह यात्रा वहीं समाप्त हो सकती थी—इरीट्रिया की बाहरी कक्षा में, एक ठंडी, निर्जन शून्यता में—यदि वह इस पहली चुनौती को पार नहीं कर सका।

उसका महायुद्ध अब शुरु हो चुका था।

~~

अध्याय नो - लेडी तारा की कहानी

लेडी तारा गहराई से मौन थी। उसके नेत्र बंद थे, परन्तु उसके मस्तिष्क की तरंगें अधिवक्ता नाना के मनोमस्तिष्क से जुड़ चुकी थीं। और फिर जैसे ब्रह्मांड के पटल पर किसी अदृश्य परदे का पट खुला—टेलीपैथिक विज़न आरंभ हुआ।

नाना ने देखा—Xor और मैर्केल के दूसरे भीषण युद्ध के बाद की वह विभीषिका, जब नोकोईविद की सेनाएँ इरीट्रिया के आखिरी शहरों पर भी विजय प्राप्त कर चुकी थीं। परन्तु... आश्चर्यजनक रूप से, उसने उस विजयी क्रूरता के पश्चात ऐसा किया, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था।

नोकोईविद ने इरीट्रिया पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करने के पश्चात, वहाँ के समस्त प्रजातियों—चाहे वे ऐंजलन, फ्लेशी, एक्वियन, या सेन्टॉरस हों—को समान अधिकार और सम्मान प्रदान कर दिया। सदियों पुराना जातीय भेद, जो इरीट्रिया की नींव में ही जलता आया था, एक दिन में जैसे वाष्पित हो गया। उसने एक नया युग प्रारंभ किया।

इसी नए युग के केंद्र में उसने स्थापित की—एक भव्य, अकल्पनीय रूप से विशाल स्पेस ऑब्ज़र्वेटरी, जो आकाशगंगा की सीमाओं को जानने और उनके पार झाँकने का प्रयास करती थी। यहीं से नोकोईविद ने अपनी गूढ़ ब्रह्मांडीय खोजों की यात्रा आरंभ की, और यहीं उसने अपने साथ रखा—प्रोफेसर बोरो को।

“क्योंकि,” तारा की गूंजती हुई टेलीपैथिक आवाज़ नाना के अंतर्मन में बसी, “प्रोफेसर बोरो केवल एक वैज्ञानिक नहीं थे। वे आकाश को पढ़ सकते थे। वे ब्रह्मांड के भाषा को सुन सकते थे।”

नाना इस जानकारी को आत्मसात् कर ही रहा था कि तारा ने एक और रहस्य का पट खोला—

“और नाना... नोकोईविद ने प्रोफेसर बोरो की बेटी को भी अपने यहाँ सेक्रेटरी नियुक्त कर लिया था।”

नाना का हृदय काँप उठा।

"क्या?” उसने अचरज से पूछा।

"हाँ,” तारा शांत स्वर में बोली। “जब नोकोईविद ने ऐंजलन गुलामों को स्वतंत्र किया, तब प्रोफेसर बोरो के घर में जो भी ऐंजलन पुरुष गुलाम थे—और वे स्त्रियाँ जो उनके निजी हरम में थीं—उन्हें पूर्ण मुक्ति दे दी गयी। और प्रोफेसर बोरो की बेटी... वह इस परिवर्तन से भीतर तक प्रफुल्लित हो उठी।”

“फिर?” नाना उत्सुकता से झुका।

“फिर, जब उसने इस स्वतंत्रता की सराहना की, तो प्रोफेसर बोरो ने उसे धृष्टता मानकर अपने ही घर से निष्कासित कर दिया।”

नाना चुप रह गया। यह घटना किसी शास्त्रीय त्रासदी की तरह लगी—जहाँ सिद्धांत और संवेदना टकरा जाते हैं।

“उसी समय,” तारा आगे बोली, “वो लड़की ऐंजलन गुलामों के साथ जा मिली। उन्होंने उसे अपनाया, उसे शरण दी। और जब नोकोईविद उन मुक्त गुलामों से मिलने आया, उसने पहली बार प्रोफेसर बोरो की बेटी को देखा—उसके साहस, उसकी करुणा और उसकी विद्रोही सच्चाई से वह प्रभावित हुआ।”

अब ज़ोरो, जो अब तक मौन था, बोल पड़ा—

“वो लड़की अब केवल एक बेटी नहीं थी, वह अब एक प्रतीक बन चुकी थी—उस परिवर्तन की, जो इरीट्रिया के रक्तरंजित इतिहास को

धो रहा था। नोकोईविद ने उसे केवल सेक्रेटरी नहीं बनाया... उसने उसे पहचान दी।"

नाना अभी भी संशय से भरा था।

"परंतु," वह धीरे से बोला, "आपने जो दृश्य दिखाया, उसमें तो प्रोफेसर बोरो स्वयं नोकोईविद के साथ काम कर रहे थे। यदि वह अपनी ही बेटी से इतना क्रोधित था, तो.."

"क्योंकि," तारा अब धीरे-धीरे हर बात खोल रही थी, "उन दोनों ने क्विड नामक एक घातक, रहस्यमयी हथियार पर साथ काम करना प्रारंभ किया था। नोकोईविद ने इसका उपयोग मैर्केल के विरुद्ध किया था—एक ऐसी ऊर्जा जो सिर्फ नाश नहीं करती थी, बल्कि मल्टीवर्स में सुरंगें खोल सकती थी।"

"मैंने उसके बारे में पढ़ा है।" नाना धीमे से बुदबुदाया।

"तो तुम समझते हो," तारा की आँखों में प्रकाश था, "वो दोनों यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्या क्विड की विनाशकारी शक्ति को नियंत्रित किया जा सकता है... और उस प्रयोग से जो टनल बनी, वह किस पैरेलल यूनिवर्स तक खुलती है?"

नाना अब एक विराट रहस्य के मध्य खड़ा था।

"तो प्रोफेसर बोरो की बेटी नोकोईविद की सेक्रेटरी बन गई, और बोरो स्वयं उसके साथ क्विड और टनल की रिसर्च में लग गए..."

"हाँ।" तारा ने सिर हिलाया, और एक लंबा मौन छा गया।

फिर नाना ने धीरे से पूछा, "...और फिर?"

तारा की आँखें थोड़ी नम हो गईं।

"फिर," वह बोली, "नोकोईविद ने प्रोफेसर बोरो की बेटी से विवाह कर लिया।"

अब नाना जैसे तिनकों पर खड़ा था।

“और आज वही प्रोफेसर बोरो... जो कभी नोकोईविद का सबसे निकटतम सहयोगी था... आज उसका सबसे कट्टर शत्रु बन चुका है। क्यों?”

उसका स्वर धीरे-धीरे काँप रहा था, जैसे वह किसी अगम्य शून्य की ओर खींचा जा रहा हो।

लेडी तारा ने कुछ नहीं कहा।

शब्द समाप्त हो चुके थे। अब शेष था—अंधकार का रहस्य, जिसे केवल समय ही खोल सकता था।

&

जनक 290 अंतरिक्ष की गहराइयों में उड़ान भरने को पूर्णतः तैयार था। पूरे यान में अब केवल *धर्मा* ही शेष था—एकाकी, शांत, परन्तु भीतर ही भीतर तूफानों से घिरा हुआ। *COSB* का साया उसके मस्तिष्क पर छाया हुआ था, और वह सोच रहा था—कैसे इस विशाल, सर्वज्ञानी व्यवस्था को चकमा देकर, अपनी राह बनाए। उसके पास एक ही विकल्प था—जो अत्यंत जोखिमपूर्ण था।

"जनक 290, मुझे अपने न्यूरल सिस्टम से कनेक्ट कर दो," धर्मा ने आदेशात्मक स्वर में कहा।

क्षण भर की चुप्पी के बाद, जनक 290 की टेलीपैथिक आवाज़ गूंज उठी—नरम, पर चेतावनी से भरी हुई।

"आप मेरे न्यूरल सिस्टम से जुड़ सकते हैं, परंतु मैं आपको सचेत करता हूँ—मेरा सिस्टम एक साधारण कंप्यूटर नहीं, एक जटिल सुपर कॉन्ससियस (super conscious) मशीन है। इसकी गहराई और गणनात्मक क्षमता किसी भी मानव मस्तिष्क को भस्म कर सकती है।"

धर्मा ने धीरे से मुस्कुराया, आँखों में एक अजीब चमक थी।

"मुझे पता है, जनक 290। परंतु अब तुम मुझे अपना स्वामी मानते हो, नहीं?"

"निःसंदेह, हे “सन ऑफ गॉड”। मैं भले ही कृत्रिम प्राणी हूँ, परन्तु BOF के सिद्धांतों में मेरी आस्था है।"

धर्मा ने कोई उत्तर नहीं दिया। उसने कभी धार्मिक ग्रंथों में आस्था नहीं रखी थी। उसे ज्ञात था कि प्रोफेसर बोरो ने अपने सभी निफ़्टी यानों में BOF की आस्था भर दी थी—एक कृत्रिम भक्ति, एक कोडित श्रद्धा।

"तो फिर," धर्मा ने कहा, "टेक-ऑफ से पहले, मुझे तुम्हारे न्यूरल सिस्टम से कनेक्ट करो।"

आज्ञा मिलते ही जनक 290 ने कनेक्शन सक्रिय कर दिया। कुछ ही क्षणों में धर्मा का मस्तिष्क उस ब्रह्मांडीय तंत्र से जुड़ गया था—जहाँ हर सेकंड में लाखों गणनाएँ हो रही थीं, जहाँ डार्क मैटर, वॉर्महोल्स और क्वांटम फ्लक्स के मॉडल घूम रहे थे, जहाँ वास्तविकता और संभावना के बीच की रेखा धुंधली थी।

जनक 290 एक निफ़्टी था—एक ऐसा जहाज जो प्रकाश की गति से 7500 गुना तेज उड़ सकता था। उसका दिमाग किसी नवग्रह की तरह विस्तृत, किसी ब्लैक होल की तरह रहस्यमय और किसी परमाणु की तरह संकुचित था।

धर्मा, जो पृथ्वी का एक मनुष्य मात्र था, इस प्रणाली से जुड़ते ही एक अकल्पनीय ऊर्जा के सागर में डूब गया। उसकी चेतना के ऊपर डेटा की लहरें उमड़ने लगीं। उसे लगा जैसे ब्रह्मांड की सारी जानकारी एक साथ उस पर थोप दी गई हो।

उसे वह पुराना क्षण याद नहीं आया, जब प्रोफेसर बोरो ने उसे सेरिब्रल ट्रांसफर के बहाने इसी प्रणाली से जोड़ने का प्रयास किया था, और यदि ज़ोरो समय पर न आया होता, तो वह प्रयास धर्मा की मृत्यु में बदल जाता। किंतु आज, धर्मा ने स्वयं ही जनक 290 के पूरे न्यूरल सिस्टम को अपने मस्तिष्क से जोड़ने का आदेश दिया था।

और यही निर्णय उसकी सबसे बड़ी भूल बन गया।

जानकारी की वह मात्रा जो उसके मस्तिष्क में प्रवाहित होने लगी थी, वह किसी भी मनुष्य के लिए असहनीय थी। धीरे-धीरे धर्मा की शिराएं फटने लगीं। उसकी आँखों की पुतलियाँ उलट गईं। शरीर पसीने में भीग गया। उसका मस्तिष्क फूलने लगा—मानो वह एक तरबूज़ हो जो किसी भी क्षण फट सकता है।

जनक 290 लगातार उसकी जीवन-प्रणालियों की निगरानी कर रहा था। सभी पैरामीटर—हृदयगति, न्यूरल ऐक्टिविटी, ब्रेन थ्रेशोल्ड (brain threshold)—अब खतरे के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके थे। वह धर्मा को एक निश्चित मृत्यु की ओर बढ़ता देख रहा था।

धर्मा अब चेतन अवस्था में नहीं था। उसका शरीर झटकों से कांप रहा था। वह अब भी “सन ऑफ गॉड” था—परंतु अब उसका मस्तिष्क एक मृत शरीर में तब्दील हो रहा था।

जनक 290 द्वंद्व में फँस गया था। एक ओर उसका कोड उसे आज्ञा के पालन की बाध्यता देता था, दूसरी ओर उसका नैतिक एल्गोरिथ्म उसे उस आदेश के परिणामों से विचलित कर रहा था।

"क्या मैं उस आदेश की अवहेलना कर सकता हूँ?" उसने स्वयं से पूछा। "क्या मैं उस प्राणी को मरने दूँ, जिसे मैंने “ईश्वर का पुत्र” कहा था?"

अंततः जब धर्मा धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा, जनक 290 के भीतर एक झटका सा दौड़ गया। यदि वह जीवित होता, तो शायद उस दृश्य से उसका हृदय ही थम जाता। उसने तुरंत न्यूरल कनेक्शन तोड़ दिया।

अब धर्मा निश्चल पड़ा था।

ड्रॉइड्स और रोबोट्स ने दौड़ कर उसे घेर लिया। स्कैनर उसके शरीर को पढ़ने लगे। हृदय बंद हो चुका था। मस्तिष्क की सूजन इतनी गंभीर थी कि वह महीनों तक ठीक नहीं हो सकती थी—यदि वह ठीक हो भी पता तो।

धर्मा का शरीर अब एक जीवित लाश की तरह उनके सामने पड़ा था—एक पहेली, एक चेतावनी, एक त्रासदी।

जनक 290 अब मौन था—हताश, अपराधबोध से भरा, दिशाहीन।

क्या यह अंत था? क्या धर्मा ने COSB के डर से आत्मघात कर लिया था?

या यह उसकी मूर्खता थी—स्वयं को "सन ऑफ गॉड" मान लेने की?

क्या यही उस महाकाव्य की अंतिम पंक्ति थी? या कहीं किसी अन्य आयाम में—किसी दूसरे ब्रह्मांड की सुरंग में—उसकी चेतना अब भी जीवित थी?

~~

अध्याय दस - प्रोफेसर बोरो और नोकोईविद

"तो आप यह कह रही हैं," नाना ने अपनी भारी, विचारमग्न आवाज़ में कहा, "कि नोकोईविद ने जब इरीट्रिया पर अधिकार किया, तब उसने वहां के सभी ऐंजलन, सेंटॉरस और एक्वियन गुलामों को मुक्त कर दिया?"

लेडी तारा और ज़ोरो, दोनों ने ही मूक स्वीकृति में सिर हिलाया।

नाना ने आगे पूछा, "और जिन गुलामों को प्रोफेसर बोरो वर्षों से अपनी सेवा में रखे थे, उन्हें भी स्वतंत्र कर दिया गया? जिससे उनकी पुत्री अत्यंत प्रसन्न हुई। और जब उसने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की, तो स्वयं उसके पिता ने उसे अपने ही घर से निष्कासित कर दिया?"

"जी नाना, आप बिल्कुल सही समझ रहे हैं," ज़ोरो ने पुष्टि की, उसके स्वर में दृढ़ता थी।

"फिर जब नोकोईविद उन मुक्त गुलामों से मिलने गया, तो वहीं उसकी भेंट प्रोफेसर बोरो की पुत्री से हुई। और उसे नोकोईविद ने अपना सचिव बना लिया?"

"हाँ," लेडी तारा ने सहमति दी, "क्योंकि नोकोईविद को यह बात अत्यंत भायी कि प्रोफेसर की पुत्री ने उन असहायों के प्रति करुणा और समझदारी दिखाई जो अब तक दासत्व में जीवन जी रहे थे।"

नाना की भवें संकुचित हो गईं। "परंतु इतनी सी बात के लिए प्रोफेसर बोरो ने अपनी पुत्री को घर से निकाल दिया? क्या उन्हें यह भय न था कि वे मुक्त गुलाम उसकी पुत्री को हानि पहुँचा सकते हैं? यह निर्णय तो विवेकपूर्ण प्रतीत नहीं होता।"

लेडी तारा एक पल को चुप हो गई, फिर धीमे स्वर में बोली, "इसका उत्तर हमारे पास नहीं है।"

नाना की अंतर्दृष्टि उसे कुछ और ही संकेत दे रही थी। उसे शंका हुई कि शायद प्रोफेसर बोरो उतने सरल और सत्यनिष्ठ नहीं थे जितना बताया गया था... और ना ही उनकी पुत्री उतनी मासूम। कहीं यह सब एक योजनाबद्ध चाल तो नहीं थी — क्या उन्होंने जानबूझकर अपनी पुत्री को नोकोईविद के निकट भेजा था?

लेडी तारा उसकी उलझन को भाँप गई। उसने आगे कहा, "नोकोईविद को प्रोफेसर की बेटी की सहजता बहुत भायी, और धीरे-धीरे वह उसे चाहने लगा। यहां तक कि जब मैर्केल के साथ युद्ध छिड़ा, तो उसी युवती के अनुरोध पर नोकोईविद ने क्विंड को रोक दिया।"

"तो जब प्रोफेसर बोरो कहते हैं कि वे नोकोईविद को भलीभांति जानते हैं, तो उसका कारण यह है कि वह उनका दामाद है," नाना ने कहा।

"हाँ," लेडी तारा ने सिर हिलाते हुए कहा, "नोकोईविद ने उससे विवाह कर लिया और प्रोफेसर बोरो को अपनी स्पेस ऑब्ज़र्वेटरी में शामिल कर लिया, जहाँ वे क्विंड के प्रभाव और पैरेलल यूनिवर्स की टनल पर शोध करने लगे।"

"फिर ऐसा क्या हुआ," नाना की आवाज़ में अचानक तीव्रता आ गई, "कि नोकोईविद और बोरो इतने घोर शत्रु बन बैठे?"

"यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है," लेडी तारा ने गंभीरता से कहा। फिर उसने नाना के मन में टेलीपैथिक संदेश भेजना आरंभ किया।

"प्रोफेसर बोरो और नोकोईविद ने साथ मिलकर क्विंड पर कार्य शुरू किया। मैर्केल को इसकी जानकारी हो गई कि यह तकनीक कितनी विनाशकारी है। उन्होंने बोरो को लालच दिया कि यदि वे क्विंड का रहस्य साझा करें, तो उन्हें अथाह संपत्ति दी जाएगी।"

"तो क्या बोरो ने मैर्केल से हाथ मिला लिया?" नाना ने तीव्र स्वर में पूछा।

"बिलकुल नहीं!" लेडी तारा के स्वर में रोष था। "प्रोफेसर बोरो ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। इसके विपरीत, उन्होंने नोकोईविद के साथ मिलकर पैरेलल यूनिवर्स में प्रवेश कर शोध भी किया।"

"आपका तात्पर्य है कि वे वास्तव में टनल के पार गए?" नाना की आँखें फैल गईं।

"हाँ," ज़ोरो बीच में बोला, "मैं भी उनके साथ था।"

"क्या!" नाना हतप्रभ था।

"हाँ," लेडी तारा ने समर्थन किया। "ज़ोरो, प्रोफेसर बोरो का सहायक था। नोकोईविद, प्रोफेसर बोरो और ज़ोरो ये तीनों उस दूसरी ब्रह्मांडीय संरचना में गए, लेकिन वहाँ अधिक समय नहीं ठहर सके। उस स्पेस में स्पेस-टाइम फैब्रिक हमारे म्यूवर्स स्पेसशिप को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है।"

"ये तो बहुत ही खतरनाक प्रयोग था," नाना ने कहा।

"परंतु उसी शोध से यह रहस्योद्घाटन हुआ," ज़ोरो ने आगे कहा, "कि “सन ऑफ गॉड” को केवल उस पैरेलल यूनिवर्स के एक गृह — पृथ्वी — पर ही सुरक्षित रूप से पाला जा सकता है। और उन्होंने उसे वहीं भेज दिया।"

"परंतु प्रोफेसर बोरो को “सन ऑफ गॉड” कहाँ से मिला?" नाना का विस्मय और बढ़ गया।

"यह हमें भी ज्ञात नहीं," लेडी तारा ने सिर हिलाया।

नाना के भीतर अब धीरे-धीरे एक ताना-बाना बुनता जा रहा था। प्रोफेसर बोरो और नोकोईविद का संबंध, क्विड की शक्ति, मैर्केल की भूमिका — सब कुछ एक जटिल जाल सा प्रतीत हो रहा था।

"यदि प्रोफेसर बोरो ने क्विड की शक्ति को समझ लिया था," नाना सोचने लगा, "तो फिर उन्होंने नोकोईविद से वह ज्ञान क्यों छीना?

क्या वह स्वयं उस हथियार का प्रयोग करना चाहते थे? या फिर चाहते थे कि ऐसा विनाशकारी अस्त्र किसी के भी हाथ न लगे?"

लेडी तारा ने उसकी उलझन को पढ़ लिया। "नाना," उसने शांत स्वर में कहा, "यदि तुम सोच रहे हो कि प्रोफेसर बोरो ने क्विंड को मैर्केल को बेच दिया — तो तुम भ्रम में हो।"

नाना ने उसकी ओर आश्चर्य से देखा।

"प्रोफेसर बोरो ने नोकोईविद की सहायता की थी — यह समझने में कि क्विंड को नियंत्रित कैसे किया जा सकता है। आज भी केवल वही एक हैं जिन्हें इसकी संपूर्ण समझ है।"

"हाँ," ज़ोरो ने बात आगे बढ़ाई, "और यही कारण है कि नोकोईविद उन्हें पसंद नहीं करता। वह केवल प्रयोग करना जानता है, परंतु उसे नियंत्रित नहीं कर सकता।"

लेडी तारा की आँखें गहरी हो गईं। "इसीलिए," उसने धीरे कहा, "प्रोफेसर बोरो ने निर्णय लिया कि वे क्विंड को नोकोईविद से अलग कर देंगे। उन्होंने उसकी सभी रिसर्च नष्ट कर दी। अब यह ज्ञान केवल प्रोफेसर बोरो के पास है।"

नाना को अचानक एक और बात याद आई। "और उनकी पुत्री? उसका क्या हुआ?"

"उसकी मृत्यु हो गई," लेडी तारा ने कहा, "जब वह नोकोईविद के पुत्र को जन्म दे रही थी।"

"ओह..." नाना रुका। "और वह बच्चा?"

"प्रोफेसर बोरो ने उसे नोकोईविद से छीन लिया। अब वह कहाँ है, यह किसी को ज्ञात नहीं।"

अब नाना पूरी तरह स्तब्ध था। उसे एक कहानी तो सुनाई गई थी, परंतु यह कहानी किसी रहस्य की तरह उलझी हुई थी। इसमें स्पष्ट रूप से

कोई खलनायक नहीं था — या शायद, सभी पात्र अपने-अपने कारणों से और अपने हिसाब से सही ही थे।

यदि क्विड का ज्ञान केवल प्रोफेसर बोरो के पास है, तो क्या यह शक्ति उनके नियंत्रण में रहनी चाहिए? और यदि नहीं, तो क्या यह शक्ति स्वयं नोकोईविद के लिए भी घातक सिद्ध हो सकती है?

लेडी तारा और ज़ोरो ने अनजाने में नाना को बहुत मूल्यवान जानकारी दे दी थी। यह कहानी एक मार्गदर्शक बन सकती थी… यदि वह सत्य तक पहुँच सके।

अब नाना को स्वयं खोज करनी थी — कि इस जटिल गाथा के केंद्र में कौन है — मित्र कौन और कौन है शत्रु।

~~

अध्याय ग्यारह - दो एनर्जीस का मालिक

धर्मा का शरीर बेसुध पड़ा हुआ था। जनक 290 एक स्पेसशिप होकर भी बहुत ज्यादा दुखी था। ड्रोइड और रोबोट अपनी पूरी कोशिश कर रहे थे कि वो धर्मा का कुछ इलाज कर सके। धर्मा उनके किसी भी प्रयास की कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दिखा रहा था। उन सभी को लग गया कि धर्मा का अंत इस तरह से होना था।

जनक 290 और वो सभी ड्रोइड्स और रोबोट अब पूरी तरीके से कन्फ्यूज़्ड थे कि उन्हें अब क्या करना है। धर्मा का बेसुध शरीर उनके सामने था। जनक 290 ने ये फैसला लिया कि वो आगामी देव और गुणिका को खबर भेज दे। उसने उन्हें मैसेज कर दिया और अब वो उन लोगों का इंतज़ार कर रहा था।

जनक 290 को जल्द ही इरीट्रिया से बाहर चला जाना था क्योंकि वो एक भगोड़ा स्पेसशिप था और पुलिस और अजय सेना उसे ढूंढ रहे थे। जनक 290 एक बहुत विशाल मैदान में इस वक्त स्थित था। वो अपनी उड़ान के लिए तैयार था परन्तु धर्मा की इस अकस्मात मृत्यु ने उसे भ्रमित कर दिया था। हालाँकि जनक 290 को अब भी ये नहीं लग रहा था कि धर्मा की मृत्यु. हो चुकी है।

आगामी देव और गुणिका अपने पेंटागॉन रूपी व्हीकल से जनक 290 के बिलकुल समीप आ गए और जनक 290 ने अपने द्वार उनके के लिए खोल दिए। उनका पेंटागॉन रूपी वाहन जनक 290 के पार्किंग एरिया में पार्क करके उन दोनों ने जनक 290 को मानसिक सन्देश भेज दिया। जनक 290 ने उन्हें वहां बीम कर लिया जहाँ इस वक्त धर्मा का मृत शरीर पड़ा हुआ था।

आगामी देव और गुणिका पूरी तरह विस्मित थे। क्या ये कोई बहुरुपिया था? आगामी देव सोच में पड़ गए थे।

गुणिका भी पूरी तरह से चकित थी। उन दोनों को ही लगा था कि धर्मा वाकई सन ऑफ गॉड है। आखिर जनक 290 ने भी इस बात की पुष्टि की थी कि ये वो ही व्यक्ति है जिसे वो दूसरी पैरेलल यूनिवर्स के गृह पृथ्वी से लाया था।

धर्मा के शरीर को मरे हुए अब पृथ्वी के समयानुसार कुछ दो घंटे हो चुके थे। आगामी देव अपने साथ कुछ यन्त्र लाया था और उनसे भी यह साबित हो गया था कि ये शरीर अब बेजान हो चूका था।

गुणिका ने बहुत ही उदासी भरे स्वर में आगामी देव से कहा, “तो क्या सन आफ गॉड सचमुच मर चुके हैं। “

आगामी देव ने अपने उस यन्त्र को देखा और उसकी सारी कॅल्क्युलेशन्स को समझने का प्रयास किया।

फिर आगामी देव ने कहा, “गुणिका कुछ समझ नहीं आ रहा है। शरीर तो मृत लग रहा है परन्तु फिर भी कुछ है जो इस शरीर को जीवित रखे हुए है।“

“क्या“ गुणिका के स्वर में थोड़ा सी आशा और ख़ुशी थी।

“मेरा मतलब है कि सारे पैरामीटर देख कर लगता है कि ये शरीर मृत है परन्तु फिर भी ये शरीर ऐसे कई दिनों या महीनों तक भी पड़ा रहे तो ये शरीर लेश मात्र भी गलेगा नहीं।“

“आगामी देव ये क्या पहेली है। यदि शरीर मृत हो चूका है तो ये शरीर ख़राब क्यों नहीं होगा।“

“गुणिका ये एक पहेली है जो मुझे समझ नहीं आ रही। हमारे किसी के भी शरीर से सन आफ गॉड का शरीर भिन्न है।“

“क्या“ गुणिका को आश्चर्य भी हुआ और थोड़ी ख़ुशी भी। आखिर ये वाकई सन ऑफ गॉड थे।

“हाँ गुणिका। हम सभी जीवित प्राणी मृत्यु के बाद हड्डियों के एक ढांचे में परिवर्तित हो जाते हैं, परन्तु मेरी कॅल्क्युलेशन्स बता रही हैं कि सन आफ गॉड के साथ ऐसा नहीं होगा, चाहे वो कितने भी समय तक ऐसे मृत पड़े रहे“

गुणिका ने बहुत ही विस्मय से धर्मा को देखा। उस मृत शरीर में अभी भी वो ही कांति और ऊर्जा थी जो उसके जीवित रहने पर रहती थी।

“मतलब ये सिर्फ एक नींद में गए हैं“ गुणिका बोली।

“हाँ ऐसा ही कुछ। परन्तु इन्हे इस निद्रा से कैसे उठायें ये समझ के परे है।"

गुणिका ने फिर धर्मा को अच्छे से देखा। वो ख़ुशी के मारे चीख ही पड़ी। "वो निद्रा से जाग रहे है”

आगामी देव ने भी फॉरेन धर्मा के शरीर की ओर देखा। उसमे कुछ हलचल हो रही थी। धर्मा धीरे धीरे होश में आ रहा था। जैसे कोई वाकई लम्बी नींद के बाद उठा हो।

जनक 290 की भी ख़ुशी का ठिकाना नहीं था। वो एक स्पेसशिप था परन्तु वो अब ऐसा ही महसूस कर रहा था जैसे कोई उसका अपना मृत्यु को धोका देकर जीवित हुआ था।

धर्मा ने अपने आस पास आगामी देव और गुणिका को देखा। बहुत से ड्रोइड और रोबोट भी वहां थे। धर्मा समझ चुका था कि वो लोग वहां क्यों थे।

“मैंने आप लोगों को कुछ ज्यादा बड़ा ही सदमा दे दिया” धर्मा मुस्कुराते हुए बोला।

“हमें लगा” आगामी देव कुछ बोलते बोलते रुक गए।

“हाँ। मैं समझ गया हूँ। वैसे मुझे नहीं पता था कि जनक 290 का न्यूरल सिस्टम इतना ज्यादा जटिल होगा। मुझे लगा मैं वो झेल पाउँगा परन्तु ...” धर्मा ने अपने माथे की ओर इशारा किया वो अभी तक थोड़ा सुझा हुआ ही था।

“हम सब तो घबरा ही गए थे। परन्तु वाकई आप सन आफ गॉड है। अभी आगामी देव ने बताया आपकी शारीरिक बनावट हम सब से भिन्न है” गुणिका ख़ुशी बारे स्वर में बोली।

“चलो ये बात तो अच्छी हुई कि आप लोगो का मुझ पर से संशय दूर हुआ।” धर्मा मुस्कुराते हुए बोला।

“हमें आप पर संशय था ही नहीं।” आगामी देव ने कहा।

“ये तो आप मेरा मन रखने के लिए कह रहे है” धर्मा ने कहा।

आगामी देव चुप ही रहे। वो और गुणिका अभी भी धर्मा को विस्मय से ही देख रहे थे। उन्हें समझ नहीं आया की 2-3 घंटे ऐसे मृत प्राय रहने के पश्चात् धर्मा इतना नार्मल कैसे था। इतना सामान्य जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

धर्मा ने उन दोनों के विस्मय को समझ लिया था। धर्मा बोला, “चलिए आगामी देव और गुणिका मैं अब आपको मेरे बारे में वो बताता हूँ जो शायद प्रोफेसर बोरो को भी नहीं पता।”

आगामी देव और गुणिका चकित हो गए। धर्मा अब उनके सामने वो बताने जा रहा था जो उसने प्रोफेसर बोरो को भी नहीं बताया था। ऐसा क्या था?

“मुझे प्रोफेसर बोरो ने बताया कि उन्होंने मुझे पृथ्वी नामक गृह पर, जो एक पैरेलल यूनिवर्स में है, वहां बचपन में छोड़ दिया था।”

आगामी देव और गुणिका बहुत ही गौर से धर्मा की बात सुन रहे थे। जनक 290 भी धर्मा को बहुत ध्यान से सुन रहा था।

“उन्होंने मुझे मेरी माता गायत्री देवी को दे दिया था। मैं नवजात शिशु था।”

धर्मा कुछ पल के लिए उदास हो गया। उसे अपने माता और पिता याद आ गए। वो भयंकर आग भी याद आ गयी जिसमे वो जल गए थे।

धर्मा ने फिर खुद को संभाला और आगे कहा, “परन्तु मैं जीवित नहीं प्रतीत हो रहा था। उस पैरेलल यूनिवर्स की जो ऊर्जा थी वो शायद म्यूवर्स वासियों के लिए सही नहीं थी। इस म्यूवर्स का कोई भी प्राणी या वस्तु शायद उस पैरेलल यूनिवर्स में जीवित नहीं रह सकता था।”

आगामी देव और गुणिका बहुत ध्यान से धर्मा को सुन रहे थे।

“मेरी माता और पिता को समझ ही नहीं आया की ज़ोरो ने आखिर एक मृत बच्चे को उन्हें क्यों दिया।”

“ज़ोरो आपको पृथ्वी पर छोड़ कर आया।” आगामी देव ने पूछा।

“हाँ। परन्तु ज़ोरो को नहीं पता था कि उसके मुझे छोड़ कर जाते ही मैं मृत प्राय हो जाऊंगा।”

आगामी देव और गुणिका विस्मित थे। उन्हें धर्मा की बातें पूरी तरह से समझ नहीं आ रही थी। परन्तु वो फिर भी बहुत ध्यान से उन्हें सुन रहे थे।

“मेरी माता और पिता के पास एक ही चारा था कि वो मुझे कही दफना दे। उन्होंने ऐसे ही करने की सोची और मुझे उसी इनक्यूबेटर में जिसमे ज़ोरो ने मुझे उन्हें सौंपा था, उसके सहित एक छोटे से गड्ढे में दफना दिया।”

आगामी देव और गुणिका के साथ साथ जनक 290 को भी ये कहानी बहुत ही विस्मित कर रही थी।

“परन्तु जब वो मुझे दफना चुके थे, मेरी माता को पता नहीं कैसे ये आभास हुआ की मुझे इनक्यूबेटर से निकाल लेना चाहिए, और उन्होंने

मुझे उस गड्ढे से बाहर निकला और इनक्यूबेटर से निकाल कर जब मुझे अपनी गोद में लिया…”

“तो उन्हें भी वो ही अहसास हुआ कि आपका शरीर बिलकुल भी क्षीण नहीं हो रहा।” आगामी देव बीच में बोला।

“हाँ आगामी देव। इस बात ने उन्हें बहुत विस्मित कर दिया। उन्होंने अपना कार्य छोड़ दिया और मुझे लेकर वो हिमालय में महा योगी बाबा के पास चली गई।”

आगामी देव और गुणिका को समझ आ चूका था कि धर्मा वाकई सन आफ गॉड है। वरना एक दूसरे पैरेलल यूनिवर्स में वो कैसे जीवित रह सकते थे। आगामी देव ने ज़ोरो से सुना था कि जब वो बोमिनी में दूसरे यूनिवर्स में गए थे, बोमिनी जैसा प्रबल स्पेसशिप तक उस यूनिवर्स में ज्यादा नहीं ठहर सका था।

“महा योगी ने मेरा वो मृत प्राय शिशु शरीर देखा और कहा कि मेरे अंदर दो एनर्जीस समाहित है”

“दो एनर्जीस” आगामी देव और गुणिका दोनों बोल उठे।

“हाँ। वो शायद इस म्यूवर्स में पैदा होने और पैदा होते ही एक पैरेलल यूनिवर्स में जाने के कारण, शायद मेरे अंदर दो अलग अलग दुनियाओं की एनर्जीस आ गयी।”

आगामी देव और गुणिका दोनों को ही आश्चर्य हुआ और उन्हें लगा वाकई बोफ में सच्चाई है। क्योंकि बोफ ने कई बार सन ऑफ गॉड को भगवान और इंसान का मिश्रित रूप कह कर सम्बोधित किया है। इसका मतलब बोफ इस दो एनर्जीस का ही जिक्र कर रही थी।

“महा योगी ने कहा मुझे पृथ्वी के तकरीबन सत्तर वर्षों तक उस हिमालय में छोड़ दिया जाये। मेरे माता पिता ने मुझे वहीं छोड़ दिया। बाद में महा योगी ने मुझे बताया कि उन्होंने मुझे संभाला या शांगरिला नामक

एक जगह पर एक मंदिर में छोड़ दिया। मैं सत्तर वर्षों तक वैसे ही वहां पड़ा रहा और फिर मेरे अंदर चेतना आ गयी।”

आगामी देव और गुणिका दोनों विस्मित थे और अब उनका धर्मा को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल चूका था। वो धर्मा के भक्त बन चुके थे।

“शायद मेरे अंदर उस दूसरी दुनिया अर्थात पृथ्वी के ब्रह्माण्ड की एनर्जी ने और इस म्यूवर्स की एनर्जी ने जहाँ मैं पैदा हुआ था एक साथ जगह बना ली थी। महा योगी ने मुझे फिर कुछ दो वर्षो तक अपने साथ ही रखा। मैं धीरे धीरे बड़ा हुआ और फिर जब में दो वर्ष का हुआ उन्होंने मुझे मेरे माता पिता को सौंप दिया।”

“आप दो नहीं बहतर वर्ष के हो चुके थे।” गुणिका अकस्मात ही बोल उठी।

“हाँ परन्तु वो सत्तर वर्ष जब मैं केवल एक लम्बी निद्रा में सो रहा था उसे मैंने नहीं गिना।”

“फिर जब आप दो वर्ष के बालक हो गए तो आपके माता पिता आपको लेकर चले गए।” आगामी देव ने कहा।

“हाँ। फिर मैं मेरे माता पिता के साथ रहने लगा और धीरे धीरे मैंने पृथ्वी के स्पेस गिल्ड एक बहुत ही कठिन परीक्षा पास कर ली। परन्तु उस दिन ज़ोरो मुझे फिर से लेने आ गया।”

“परन्तु ज़ोरो को कैसे पता चला आपके बारे में” आगामी देव ने पूछा।

“ज़ोरो ने पहले ही मेरे माता पिता को कह दिया था कि वो सही समय पर मुझे लेने आएगा।”

“तो ज़ोरो और प्रोफेसर बोरो आपको पृथ्वी पर मॉनिटर कैसे कर रहे थे।”

"नहीं शायद मॉनिटर तो नहीं कर रहे होंगे। परन्तु प्रोफेसर बोरो ने उस समय ज़ोरो को मुझे लेना भेजा होगा जो बोफ के अनुसार सही होगा "

धर्मा को हालाँकि अभी तक बोफ में ज्यादा यकीन नहीं था। वो धार्मिक पुस्तकों को ज्यादा अहमियत नहीं देता था। परन्तु उसे यदि अपनी सन आफ गॉड के लेजेंड को बरक़रार रखना है तो उसे बोफ में लोगों के यकीन का ही फायदा उठाना था।

आगामी देव और गुणिका इस पूरी कहानी को सुन कर स्तब्ध हो चुके थे। धर्मा ने उन दोनों को एक नज़र देखा और कहा, "आप लोगों को अब यहाँ से जाना चाहिए। मुझे X141 की यात्रा तय करनी है "

आगामी देव और गुणिका दोनों ने ही हामी में सर हिलाया। वो दोनों उठ खड़े हुए और धर्मा भी खड़ा हो गया। आगामी देव और गुणिका ने धर्मा को कस कर गले लगा लिया।

"मुझे अब बिलकुल भी संशय नहीं है, X141 पर आप अपनी विजय पताका फहरा ही देंगे। वो आपके अनुयायी बन ही जायेंगे। नोकोईविद का सिंहासन अब डोलने वाला है।" आगामी देव बहुत ही हर्षित स्वर में बोला।

धर्मा के चेहरे पर एक अलग सी मुस्कान थी। धर्मा को देख कर आगामी देव और गुणिका में अब एक अलग ही साहस आ गया था। धर्मा वाकई में सन आफ गॉड था जो लोगों को अपने औरा (aura) से प्रभावित कर देता था। उसने इस बहुत कम समय में उन सभी लोगों पर अपनी छाप छोड़ दी थी जो उसके संपर्क में आये थे। चाहे वो अधिवक्ता नाना हो, आगामी देव हो या गुणिका। शायद नोकोईविद जैसी महाशक्ति को कोई चुनौती दे सकता था तो वह धर्मा ही था।

~~

अध्याय बारह - कोस्ब की चुनौती

धर्मा ने आगामी देव और गुणिका को विदा कर दिया था। अब वह अकेला, जनक 290 के न्यूरल सूचनाओं के जटिल जाल को स्वयं समझने का प्रयास कर रहा था। उसने परम ध्यान की मुद्रा में बैठकर जनक 290 की न्यूरल संरचना को समझने का प्रयास किया। समय के एक अनंत खंड में डूबा, उसका चित्त अंतरिक्ष की गहराइयों में विचरण कर रहा था। कुछ क्षणों पश्चात, धर्मा ने अपनी नेत्र-कमल खोले और पद्मासन से उठ खड़ा हुआ। उसने टेलीपथिक तरंगों के माध्यम से जनक 290 को सम्बोधित किया।

"क्या तुम्हारा नाम परिवर्तित किया जा सकता है?" उसकी मानसिक तरंगें शांत किंतु प्रखर थीं।

जनक 290 को तत्काल बोध हुआ कि धर्मा ने वह सूक्ष्म रहस्य पकड़ लिया था, जो शायद कोई असाधारण उपक्रम भी सरलता से न पकड़ पाता। उसने उत्तर दिया, "हाँ, सन आफ गॉड! मेरे रिकॉर्ड में मेरा नाम जनक 290 दर्ज है, और कोई भी मेरी न्यूरल सूचनाओं को विश्लेषित कर इसे जान सकता है। किंतु लौरा, वह चतुर जासूस, उसने मेरे तंत्र में एक दोष घुसा दिया था, जिसने मेरा मूल नाम उजागर कर दिया—वह नाम, जिसे प्रोफेसर बोरो ने परिवर्तित किया था।"

"हाँ," धर्मा ने शांतचित्त होकर कहा, "तुम्हारा मूल नाम डेक्सटर 290 था, जो मैर्केल साम्राज्य में रचित हुआ था। प्रोफेसर बोरो ने इसे जनक 290 में परिवर्तित कर दिया।"

जनक 290 स्तब्ध रह गया। धर्मा ने वह रहस्य उजागर कर लिया था, जो केवल उसे और प्रोफेसर बोरो को ज्ञात था। बोरो ने इस सत्य को इस कदर गुप्त रखा था कि कोई सामान्य बुद्धि इसे भेद न पाती। किंतु धर्मा ने इसे सहजता से जान लिया।

धर्मा ने जनक 290 के मानसिक संशय को पढ़ लिया। “लौरा ने हाल ही में इस सूचना को उजागर किया था, अतः इसे पकड़ना कठिन नहीं था। किंतु यह हमारे लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ कि उस जासूस ने तुम्हारे मूल नाम को प्रकट करने हेतु तुम्हारे तंत्र को भेदा।”

“यह कैसे, सन आफ गॉड?” जनक 290 ने टेलीपथिक संदेश भेजा।

“सहज बात है,” धर्मा ने कहा। “तुम्हारे दोनों नाम—जनक 290 और डेक्सटर 290—अब इरिट्रिया के कोस्ब के पास हैं। यदि हम कोस्ब के हाथों अरेस्ट हो गए, तो वे जान जाएंगे कि तुम्हें हमने अजय सेना की कैद से मुक्त कराया है।”

“यह तो ठीक है, सन आफ गॉड, किंतु लौरा ने हमारी सहायता कैसे की? आपने कहा था कि यह अच्छा हुआ कि उसने मेरा मूल नाम उजागर किया,” जनक 290 ने जिज्ञासा से पूछा।

“हाँ,” धर्मा ने मुस्कुराते हुए कहा। “लौरा ने तुम्हें भेदने हेतु Xorian कोड का उपयोग किया। अब मैं उसी कोड की सहायता से एक भ्रम रचूंगा।”

“मैं समझा नहीं, सन आफ गॉड,” जनक 290 ने विस्मय से कहा।

धर्मा को पृथ्वी से इस मायावी विश्व में आए अभी अधिक समय नहीं बीता था, किंतु वह ऐसी चालें चल रहा था, जो इन अति-विकसित प्राणियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित यंत्रों की समझ से परे थीं।

धर्मा में वे सारे गुण समाहित थे, जो उसे नोकोईविद जैसी महाशक्ति के लिए एक भयंकर खतरा बनाते थे। एक ओर था धर्मा, जो धीरे-धीरे नोकोईविद के साम्राज्य को ध्वस्त करने की योजना रच रहा था, और दूसरी ओर था नोकोईविद—न केवल Xor, अपितु संपूर्ण फ्रां गैलेक्सी का सर्वशक्तिमान अधिपति।

&

"उड़ान भरो," धर्मा ने जनक 290 को आदेश दिया।

जनक 290, एक निफ्टी अंतरिक्ष यान, धीरे-धीरे इरिट्रिया के वायुमंडल को चीरता हुआ ऊपर उठने लगा। कुछ ही क्षणों में वह इरिट्रिया ग्रह से चार सौ किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंच गया। यह वह क्षेत्र था, जहां चार सौ से आठ सौ किलोमीटर तक कोस्ब का नियंत्रण था। इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी यान, रॉकेट, या प्रक्षेपास्त्र की सूचना कोस्ब को तत्काल प्राप्त हो जाती थी। बोमिनी जैसे गिने-चुने यान ही ऐसे स्टेल्थ मोड को सक्रिय कर सकते थे, जो कोस्ब की निगाहों से बच सकें, किंतु ऐसी क्षमता अत्यंत दुर्लभ थी।

जनक 290 को एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसे उसने टेलीपथिक रूप से धर्मा को प्रेषित किया: "निफ्टी, अपना परिचय दो और इरिट्रिया से बाहर जाने की अनुमति हेतु सभी आवश्यक सूचनाएं भेजो।"

"इसका उत्तर मत दो, और उड़ान जारी रखो," धर्मा ने आदेश दिया।

जनक 290 ने बिना उत्तर दिए पांच सौ किलोमीटर की ऊंचाई पार कर ली। तभी कोस्ब का एक और संदेश आया: "निफ्टी, यदि तुमने अपनी

सूचनाएं नहीं भेजीं, तो तुम्हें मार गिराया जाएगा। स्थिर हो जाओ और सूचनाएं भेजो।”

“ऊपर उड़ते रहो,” धर्मा ने पुनः आदेश दिया।

जनक 290, एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त यान, जानता था कि कोस्ब की दूसरी चेतावनी को अनदेखा करना घातक हो सकता था। वह धर्मा को कुछ कहना चाहता था, किंतु सन आफ गॉड के प्रति उसका विश्वास अडिग था। वह चुपचाप उड़ता रहा।

अचानक, एक लेजर प्रक्षेपास्त्र ने जनक 290 पर आघात किया, जिससे वह पूर्णतः हिल गया। कोस्ब का एक और संदेश आया: “निफ्टी, यह हल्का प्रहार था। यदि अपनी सलामती चाहते हो, तो रुक जाओ, वरना तुम्हें नष्ट कर दिया जाएगा।”

“यह क्या दुस्साहस है? किस नियम के अंतर्गत मुझ पर आक्रमण किया गया?” धर्मा ने जनक 290 के माध्यम से कोस्ब को संदेश भिजवाया।

“तुमने कोस्ब की चेतावनी को अनसुना किया,” कोस्ब का उत्तर आया।

“मैं कोस्ब के क्षेत्राधिकार में नहीं आता। कोई कोस्ब अधिकारी मुझे स्पष्ट करे कि मुझे क्यों रोका जा रहा है,” धर्मा ने प्रतिवाद किया।

“तुम बिना कोस्ब की अनुमति के इरिट्रिया के वायुमंडल से बाहर नहीं जा सकते,” कोस्ब ने जवाब दिया।

“तो जब मैं भूलवश इस वायुमंडल में प्रवेश कर गया था, तब मुझे क्यों नहीं रोका गया? मुझे तत्काल किसी अधिकारी से संवाद करवाया

जाए," धर्मा ने क्रुद्ध स्वर में उत्तर दिया। जनक 290 ने यह संदेश कोस्ब को प्रेषित कर दिया।

कुछ क्षणों तक कोस्ब से कोई जवाब नहीं आया। तत्पश्चात, जनक 290 को एक संदेश प्राप्त हुआ: "ठीक है। हमारी अधिकारी वीवो तुम्हारे यान पर आ रही है। तब तक स्थिर रहो और वीवो को यान में बीम होने की अनुमति दो।"

शीघ्र ही, एक अधिकारी ने जनक 290 में बीम होने की अनुमति मांगी। धर्मा ने सहमति दे दी। कुछ ही पलों में, एक सुंदर युवती की होलोग्राफिक छवि प्रकट हुई, और फिर वह स्वयं बीम होकर यान में उपस्थित हो गई।

वह एक एंजलन युवती थी, कोस्ब की नीली-पीली वर्दी में सजी, जो एक पिकाबोट पोशाक थी—मानसिक संदेशों से किसी भी अन्य पोशाक में परिवर्तित हो सकने वाली। "मेरा नाम वीवो है, मैं कोस्ब की गेट अधिकारी हूं। मुझे इस यान का स्कैन करना होगा," उसने अधिकारपूर्ण स्वर में कहा।

"निश्चित रूप से, वीवो," धर्मा ने आत्मविश्वास से कहा। "किंतु उससे पूर्व, क्या मैं जान सकता हूं कि किस अधिकार से तुम यह स्कैन करना चाहती हो?"

"तुम इरिट्रिया ग्रह छोड़कर बाहर जा रहे हो, इसके लिए आव्रजन (immigration) प्रक्रिया आवश्यक है," वीवो ने उत्तर दिया।

"किंतु मैं तो इरिट्रिया ग्रह पर आया ही नहीं," धर्मा ने सहजता से कहा।

“तुम क्या प्रलाप कर रहे हो? अपनी स्थिति देखो!” वीवो ने तीक्ष्ण स्वर में कहा।

“यही तो पहेली है,” धर्मा ने शांत भाव से कहा। “मैं न तो Xor साम्राज्य से हूं, न मैर्केल से, न ही टाइमेक्स के क्षेत्राधिकार में। मैं इस अनंत अंतरिक्ष में स्वच्छंद विचरण करने वाला एक प्राणी हूं। मैं मेजोल ग्रह पर शोध कार्य पूर्ण कर निकला था, तभी वहां के ब्लैक होल से उत्पन्न एक विचित्र भंवर में फंस गया। जब उससे निकला, तो मैं यहां था—और कोस्ब के लेजर प्रहार का शिकार हो गया।”

“यह क्या बकवास है?” वीवो विचलित होकर बोली।

“मैं कोई बकवास नहीं कर रहा। तुम स्वयं जांच लो,” धर्मा ने निर्विकार भाव से कहा।

वीवो भ्रमित थी। वह जानती थी कि धर्मा असत्य बोल रहा था, किंतु उसके दुस्साहस ने उसे एक क्षण के लिए संदेह में डाल दिया। उसके पंख हल्के-हल्के फड़फड़ाने लगे, जैसा कि उत्साह या अति चिंता में प्रायः होता था।

धर्मा ने वीवो के संशय को भांप लिया। उसने अवसर का लाभ उठाते हुए कहा, “चलो, पहले मुझे स्कैन कर लो। देखो, तुम्हें क्या प्रतीत होता है।”

वीवो ने धर्मा को गहन दृष्टि से देखा और उसे स्कैन किया। धर्मा के शरीर में टाइमेक्स की कोई चिप नहीं थी। क्या वह वास्तव में सत्य बोल रहा था? क्या वह Xor, मैर्केल, या टाइमेक्स के किसी भी ग्रह या खगोलीय पिंड से नहीं आया था?

वीवो के कुछ बोलने से पूर्व ही धर्मा ने कहा, "अब तुम बताओ, क्या तुम्हारे तंत्र में मेरे इरिट्रिया आने का कोई प्रमाण है?"

वीवो मौन रही, अपने विचारों में डूबी। धर्मा ने उसके संदेह को और गहराया। "यदि मैं मेजोल ग्रह पर कभी नहीं गया, तो क्या मैं उस ग्रह के दृश्यों को अपने न्यूरॉन्स में संजो सकता हूं?"

"नहीं," वीवो अनायास बोल उठी।

"मैं तुम्हें अनुमति देता हूं," धर्मा ने कहा। "मेरे मस्तिष्क को स्कैन करो। तुम्हें मेजोल के वे दृश्य दिखेंगे, जो मैंने स्वयं वहां रहकर देखे हैं। ये उन दृश्यों से भिन्न हैं, जो कृत्रिम माध्यमों से देखे जाते हैं।"

वीवो ने धर्मा के मस्तिष्क को स्कैन किया। वहां वास्तव में मेजोल ग्रह के वे दृश्य थे, जो धर्मा ने अपनी आंखों से देखे थे। उसके यंत्र ने पुष्टि की कि धर्मा हाल ही में मेजोल पर था। क्या यह प्राणी सत्य बोल रहा था? वीवो पूर्णतः विस्मित थी। धर्मा के शरीर में कोई चिप नहीं थी, इरिट्रिया में उसके प्रवेश का कोई रिकॉर्ड नहीं था, और वह मेजोल से आया था—वह ग्रह, जो न Xor के, न टाइमेक्स के क्षेत्राधिकार में था, अपितु अनंत अंतरिक्ष के उस हिस्से में था, जो किसी भी साम्राज्य के प्रशासनिक क्षेत्र से बाहर था।

"मुझे तुम्हारे यान की सूचनाएं जांचनी होंगी," वीवो ने कुछ देर बाद अधिकारपूर्ण स्वर में कहा।

जनक 290, जो एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त निफ्टी यान था, घबरा उठा। धर्मा ने तो चतुराई से खेल खेला था, किंतु वीवो कोई कच्ची खिलाड़ी नहीं थी। वह जानती थी कि भले ही धर्मा के इरिट्रिया आने का

कोई प्रमाण न हो, कोई निफ्टी यान इतनी सरलता से इरिट्रिया में प्रवेश नहीं कर सकता।

धर्मा कुछ कहने को उद्यत हुआ, किंतु वीवो ने बीच में टोकते हुए कहा, “यदि तुम सत्य बोल रहे हो, तो हमारे तंत्र में इस यान का भी कोई रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए।” उसके चेहरे पर आत्मविश्वास की चमक थी। उसे विश्वास था कि वह यान की सूचनाएं अवश्य पकड़ लेगी।

“ठीक है, जांच लो,” धर्मा ने कहा। “किंतु एक वचन दो।”

“क्या?” वीवो ने संदिग्ध स्वर में पूछा।

“यदि तुम्हें मेरे यान की भी कोई सूचना नहीं मिली, तो तुम हमें तत्काल जाने की अनुमति दोगी।”

वीवो क्षण भर के लिए विचारमग्न हो गई। धर्मा ने पुनः कहा, “मुझे मेजोल ग्रह लौटना है, और मैं पहले ही बहुत समय व्यर्थ कर चुका हूं। मैं एक स्वच्छंद प्राणी हूं, और इस प्रशासनिक जटिलता का अधिक समय तक हिस्सा नहीं बन सकता।”

वीवो को पूर्ण विश्वास था कि वह यान की सूचनाएं सरलता से मिला लेगी। “ठीक है,” उसने कहा। “यदि यह यान भी मेजोल के समीप किसी भंवर में फंसकर यहां आया है, तो इसकी भी कोई सूचना हमारे तंत्र में नहीं होगी, जैसा कि तुम्हारी नहीं है।” उसने धर्मा को गहन दृष्टि से देखा। “तब मैं तुम्हें जाने दूंगी।”

जनक 290 उनकी बातें सुन रहा था, किंतु उसे समझ नहीं आ रहा था कि सन आफ गॉड यह कैसा खेल खेल रहे थे। यदि वीवो ने उसका न्यूरल तंत्र स्कैन किया, तो उसे तत्काल पता चल जाएगा कि वह जनक

290 है—वही यान, जिसमें प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा, और जोरो पकड़े गए थे, और जिसे आगामी देव ने अजय सेना से चुराया था।

वीवो ने अपने नैनो-बॉट को मानसिक संदेश भेजा। वह एक शक्तिशाली सुपर क्वांटम कंप्यूटर था, जिसने स्वयं को जनक 290 के न्यूरल तंत्र से जोड़ लिया। धीरे-धीरे उसने यान को स्कैन किया और महत्वपूर्ण सूचनाएं वीवो को मानसिक संदेशों के माध्यम से प्रेषित कीं। वीवो के चेहरे पर एक विचित्र शिकन उभरी।

धर्मा ने वीवो के भाव पढ़ लिए। “मेरे विचार से अब आपको अपने स्टेशन पर लौटने की अनुमति दे देनी चाहिए,” उसने कहा। “हमें इरिद्रिया से बाहर जाने की अनुमति दीजिए।”

जनक 290, यदि एक यान न होता, तो शायद विस्मय से अचेत हो जाता। उसने धर्मा जैसा दुस्साहसी प्राणी कभी नहीं देखा था। वह धर्मा का परम प्रशंसक बन चुका था। आखिर धर्मा ने क्या किया था, कि वीवो जैसी कोस्ब की अधिकारी उसे पहचान नहीं पाई?

“ठीक है,” वीवो ने कहा। “तुम सत्य बोल रहे हो। तुम MV केरेस्टोर नामक इस यान में इरिद्रिया में आ गए हो, जिसका कोई रिकॉर्ड हमारे तंत्र में नहीं है। पता नहीं, तुम किस भंवर में फंसे थे। ऐसा प्रकरण हमने पहले कभी नहीं देखा।”

“धन्यवाद, महोदया,” धर्मा ने कहा। “मुझे प्रसन्नता है कि मैं तुम्हारे संदेह का निवारण कर सका। किंतु तुम्हारे इस कठोर प्रहार से मेरा यान अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो गया है।”

"मुझे खेद है," वीवो ने कहा। "हम इसके लिए क्षमा मांगते हैं। तुम जा सकते हो। मैंने अपनी रिपोर्ट अपने अधिकारियों को भेज दी है। सेक्टर 19A से तुम्हारे बाहर जाने का प्रबंध कर दिया गया है।"

वीवो ने स्वयं को जनक 290 से बाहर बीम कर लिया। धर्मा ने हवा में एक आंख मारी, जो जनक 290 के लिए थी। जनक 290 ने सेक्टर 19A की ओर उड़ान भरी और शीघ्र ही इरिट्रिया के वायुमंडल से बाहर निकल गया। कुछ ही देर में वह इरिट्रिया के सौरमंडल से भी परे था।

"सन आफ गॉड, यह चमत्कार आपने कैसे किया?" जनक 290 ने टेलीपथिक संदेश भेजा। यद्यपि वह एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त यान था, किंतु धर्मा उसके स्वर में उसकी उल्लासपूर्ण उत्तेजना स्पष्ट अनुभव कर सकता था।

"सहज था, जनक 290—या कहूं, MV केरेस्टोर," धर्मा ने मुस्कुराते हुए कहा।

उसने अपना एकालाप प्रारंभ किया: "जब मैंने तुम्हारे न्यूरल तंत्र से संनादन किया, तो मुझे बोध हुआ कि लौरा ने तुममें एक दोष घुसाकर तुम्हारी मूल पहचान जानने का प्रयास किया था। किंतु इससे एक विचित्र स्थिति उत्पन्न हुई। प्रोफेसर बोरो ने तुम्हारी मूल पहचान मिटाने का प्रयास किया, और लौरा ने उसे उजागर करने का। इस द्वंद्व में तुम्हारे तंत्र में एक लूप-होल उत्पन्न हो गया। मैंने उसका लाभ उठाकर तुम्हारी पहचान MV केरेस्टोर के रूप में परिवर्तित कर दी।"

"किंतु वीवो इसे क्यों नहीं पकड़ पाई?" जनक 290 ने पूछा।

“क्योंकि बोरो और लौरा के परस्पर विरोधी कोडों ने एक-दूसरे को अमान्य कर दिया, जिससे मुझे अवसर मिला कि मैं उस लूप-होल का उपयोग कर तुम्हारी पहचान बदल सकूं।”

“समझ गया, सन आफ गॉड!” जनक 290 ने कहा। “यदि आगामी देव ने मुझे अजय सेना के कब्जे से न चुराया होता, तो बोरो और लौरा के कोडों के इस विरोधी प्रभाव से मेरे सारे रहस्य न केवल अजय सेना को पता चल जाते, अपितु वे मेरी मूल विशिष्टताओं में ऐसा परिवर्तन कर सकते थे कि वे ही मेरी प्रामाणिक विशिष्टताएं प्रतीत होतीं”

“हाँ, जनक 290,” धर्मा ने कहा। “इसलिए मैंने कहा था कि लौरा का तुम्हारे न्यूरल तंत्र से छेड़छाड़ करना हमारे लिए लाभकारी सिद्ध हुआ। यदि उसने Xor साम्राज्य के गुप्त हैकिंग कोड का उपयोग न किया होता, तो मैं कभी Xor के प्रशासन को मूर्ख न बना पाता। इरिट्रिया का कोस्ब Xor के नियमों का पालन करता है, और उनके साइबर कोड का उपयोग करता है। अतः मैंने Xorian कोड का उपयोग कर तुम्हारी सूचनाएं इस प्रकार बदलीं कि वीवो को वे ही प्रामाणिक प्रतीत हुईं। उसे भान ही नहीं हुआ कि यह न्यूरल तंत्र पहले ही भेदा जा चुका है।”

धर्मा और जनक 290 दोनों का उल्लास सीमा लांघ रहा था। वीवो ने अपने रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया था कि मेजोल ग्रह से एक प्राणी इरिट्रिया में आ गया था। उसके प्रवेश का कोई रिकॉर्ड नहीं था, न ही उसके निफ्टी यान, MV केरेस्टोर, के इरिट्रिया में प्रवेश की कोई सूचना थी। अतः यह मान लिया गया कि वह प्राणी सत्य बोल रहा था।

धर्मा ने जनक 290 को इरिट्रिया के सौरमंडल से बाहर निकलते देखा और कोस्ब तथा इरीट्रिया ग्रह अब बहुत पीछे छूट गए थे। जैसे ही

जनक 290 इरीट्रिया के सौर मंडल से बाहर निकला उसने अपनी मियान ड्राइव को सक्रिया कर लिया। उसके चारों ओर एक टाइम बबल व्रैप (time bubble wrap) का आवरण आ गया। जनक 290 ने हाइपरबोला टैक्योन मोमेंटा (hyperbola tachyon momenta) का उपयोग कर प्रकाश की गति से कई गुना तीव्र गति प्राप्त कर ली। शीघ्र ही यह गति प्रकाश की गति से सात हजार पांच सौ गुना तक पहुंच गई। X141 तक की लगभग पांच सौ प्रकाशवर्ष की दूरी पृथ्वी के पच्चीस दिनों में तय हो जाएगी।

धर्मा ने कोस्ब की चुनौती को परास्त कर लिया था। आगामी देव और गुणिका के साथ-साथ जनक 290 भी उसका परम भक्त बन चुका था। धर्मा अब नोकोईविद के साम्राज्य को एक अभूतपूर्व चुनौती देने के लिए तैयार था।

~~

अध्याय तेरह - थाइज़र से मुलाकात

धर्मा इरीट्रिया से X141 के सफर पर निकल चूका था। पृथ्वी के समय के अनुसार कुछ पांच दिन बीत भी चुके थे और अगले बीस दिनों में वो X141 पर पहुँच जायेगा। परन्तु इससे पहले जनक 290 अपने गंतव्य पर पहुँचता उसे एरीपो वेव्स का एक सन्देशा मिला।

"कोई थाइज़र हमसे संपर्क करना चाहता है।" जनक 290 ने धर्मा को टैलीपैथी की।

"थाइज़र। ये तो इस अनंत आकाश में स्वछंद घूमते है। उन्हें हमारी क्या जरुरत पड़ गयी। तुम उस थाइज़र को सन्देशा भेजो और पूछो वो हमसे क्या चाहता है।" धर्मा ने जनक 290 को आदेश दिया।

जनक 290 ने थोड़ी देर बाद फिर से टैलीपैथी की। "सन आफ गॉड, वो थाइज़र हमसे लिफ्ट मांग रहा है। उसे प्लेनेट जॉन की तरफ जाना है। वो पूछ रहा है कि हम कहा जा रहे है।"

"प्लेनेट जॉन तो उलटी दिशा में हैं।" धर्मा अकस्मात बोल उठा।

"जी सन आफ गॉड। मैं उस थाइज़र को मना कर देता हूँ।" जनक 290 ने कहा।

"नहीं। उसे एक बार अपने अंदर आने दो। फिर देखते है।" धर्मा ने कहा।

"परन्तु सन आफ गॉड... " जनक 290 कुछ आपत्ति करना चाहता था परन्तु धर्मा ने उसकी बात बीच में ही काटते हुए कहा "आने दो उस थाइज़र को"

जनक 290 ने फिर कुछ नहीं कहा और वहां थोड़ी सी शांति हो गयी थी।

कुछ ही देर में वहां एक नीली चक्री बीम हो कर पहुँच गयी। धर्मा को थाइज़र के बारे में पता था परन्तु वो कभी किसी थाइज़र से मिला नहीं था। वो नीली चक्री फिर धीरे धीरे एक पुरुष के रूप में परिवर्तित हो गयी। उस थाइज़र ने धर्मा को मानसिक सन्देश देते हुए कहा, “धन्यवाद मुझे अपने स्पेसशिप में स्थान देने के लिए।”

“प्रणाम। आप लोग इस म्यूवर्स के सबसे ज्यादा ज्ञानी लोग है। आप ज्ञान का भंडार है। ये तो मेरी खुशकिस्मती है कि हम आप से मिल रहे है।” धर्मा ने बहुत ही आदर से उत्तर दिया।

“धन्यवाद। आप लोग कहा जा रहे हैं। ” थाइज़र ने पूछा।

“हम प्लेनेट X141 जा रहे हैं।”

“ओह। मैं तो अभी वहीँ से आ रहा हूँ। मुझे प्लेनेट जॉन जाना था। अंतरिक्ष में विचरते विचरते प्लेनेट जॉन जाने में बहुत समय लगने वाला था । इसलिए मैं कोई निफ्टी ढूंढ रहा था जो वहां जाए।” थाइज़र ने मृदु स्वर में कहा।

“क्या आप को वहां जाने की बहुत जल्दी है। नहीं तो मैं X141 में अपना काम ख़तम करके आपको जॉन ले जा सकता हूँ।” धर्मा ने कहा।

“मैं एक अनोखे ही प्रयोग पर निकला हूँ। मुझे इसलिए X141 के रेडिएशन और प्लेनेट जॉन पर हुए उल्कापात की स्टडी करनी थी।”

“जी मैं समझ गया। प्लेनेट जॉन X141 से तकरीबन छह सो प्रकाश वर्ष दूर है। आप अपने आप को प्रकाश की किरण में बदल तो सकते हैं परन्तु फिर भी आपको बहुत लम्बा समय लग जायेगा जॉन पर पहुँचने में। ” धर्मा बोला।

“हाँ मैं इसलिए कोई निफ़्टी ढूंढ रहा हूँ जो वहां जा रहा हो। फ्रां गैलेक्सी के इस हिस्से में वैसे ज्यादा हलचल नहीं है और बहुत ही कम स्पेसशिप यहाँ मिलते हैं। “

“मुझे पता है महान थाइज़र। आप थोड़ी देर प्रतीक्षा करे तो मैं अपना X141 का कार्य निपटा कर आपको जॉन तक छुड़वा दूंगा। “ धर्मा ने आग्रह किया।

“ठीक है। वैसे भी शायद ये अंतरिक्ष में विचरने से तो ज्यादा बेहतर है। “ थाइज़र ने कहा।

धर्मा के मन में संतोष की भावना थी। जनक 290 को लग रहा था कि ये थाइज़र कही नोकोईविद की कोई चाल ना हो। इधर थाइज़र ने थोड़ा रुक कर धर्मा से कहा , “आप का नाम क्या है और आप X141 पर किसलिए जा रहे हैं। आप Xor की अजय सेना के सैनिक तो नहीं प्रतीत होते। “

धर्मा थोड़ा मुस्कुराया। “मैं सन आफ गॉड हूँ। जिसका उल्लेख बोफ में किया गया है। मैं X141 को जीतने जा रहा हूँ। उसे नोकोईविद की कैद से छुड़ाने जा रहा हूँ। “

“क्या “ थाइज़र थोड़ा शंकित हो गया।

“बोफ के बारे में मैंने सुन रखा है। परन्तु हम उसे साइंटिफिक किताब नहीं मानते। और X141 पर कब्ज़ा तुम अकेले कैसे कर पाओगे। “ थाइज़र बोला।

“आप के उस किताब को साइंटिफिक मानने या ना मानने से कुछ फर्क नहीं पड़ता, महान थाइज़र। मैं सन आफ गॉड हूँ और जब में X141 पर कब्ज़ा कर लूंगा तो आपको भी यकीन हो जायेगा।” धर्मा ने कहा।

थाइज़र को धर्मा के आत्मविश्वास ने बहुत अधिक प्रभावित कर दिया था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या वाकई कोई इतना दुस्साहसी हो सकता था। थाइज़र एक ऐसे प्राणी थे जो प्योर एनर्जी थे। वो किसी भी रूप में परिवर्तित हो सकते थे। उनकी बहुत सी संख्या थी, उन्होंने ही एरीपो वेव्स के बारे में Xor और मैर्केल को बताया था। फ्रां गैलेक्सी में वो ज्ञान

की तलाश में यहाँ वहाँ भटकते रहते थे। टाइमेक्स का मुख्या भी एक थाइज़र था और Xor और मैर्केल के प्रतिनिधि उसकी बात सुनते थे। फ्रां गैलेक्सी के सारे नियम इस टाइमेक्स नामक संस्था ने ही बनाये थे। हालाँकि कुछ ग्रह जैसे मेज़ोल आदि टाइमेक्स के क्षेत्राधिकार से बाहर थे, परन्तु Xor साम्राज्य और मैर्केल साम्राज्य के सारे क्षेत्र टाइमेक्स के नियंत्रण में थे। अभी जहाँ जनक 290 गुजर रहा था वो भी टाइमेक्स के ही क्षेत्राधिकार में था।

जनक 290 को आश्चर्य हो रहा था कि धर्मा ने अपना सारा प्लान एक अनजान थाइज़र को बता दिया। यदि उसने ये बात अजय सेना को बता दी तो धर्मा को वो लोग पकड़ लेंगे। थाइज़र वैसे भी एरीपो वेव्स से सन्देश भेजते है जो जनक 290 की गति से बहुत ज्यादा तेज है। क्या धर्मा बहुत बड़ी गलती कर बैठा था?

धर्मा को भी जनक 290 का संशय की भनक पड़ गयी थी। उसने जनक 290 को टैलीपैथी की और ये बात उस थाइज़र ने भी सुनी, "मेरे मित्र मेरे स्पेसशिप चिंता मत करो। महान थाइज़र ज्ञान के भण्डार है। वो कभी भी कोई काम पीठ पीछे नहीं करते। यदि उनको मुझे पकड़वाना होगा तो वो मुझे मेरे सामने ही बोल देंगे।"

थाइज़र ने धर्मा को एक टूक देखा। उसने कहा "तुम कुछ अलग हो। यदि बुरा ना मानो तो क्या मैं तुम्हारी स्टडी कर सकता हूँ। "

धर्मा मुस्कुराया। " जी बिलकुल। मुझे ये भी बताइयेगा कि क्या मैं सन आफ गॉड हूँ या नहीं " धर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा।

थाइज़र थोड़ा मुस्कुराया। उन दोनों को जनक 290 ने धर्मा के पर्सनल रूम में बीम कर दिया। धर्मा अपने बेड पर आराम से लेट गया और थाइज़र उसको स्कैन करने लग गया। उस थाइज़र के समक्ष धर्मा की सारी

इनफार्मेशन आ गयी। धर्मा की इनफार्मेशन देख कर वो थाइज़र बेहद कंफ्यूज़ हो गया था। वो अपनी कैलक्युलेशन्स में व्यस्त हो गया। धर्मा ने उसे देखा। वो नीला पुरुष अपने ही ख्यालों में खोया हुआ था। धर्मा उठ कर बैठ गया और उसने थाइज़र को टैलीपैथी की। "आप इतना चिंतित ना हो। मेरे अंदर दो एनर्जीस है। या यूँ कहुँ दो आत्माएं।"

"हाँ ये कुछ बहुत ही अद्भुत बात है। " नीला थाइज़र बोला।

"वो इसलिए कि मैं दो अलग अलग ब्रह्माण्ड की एनर्जी समेटें हुए हूँ। "

"दो ब्रह्माण्ड..."

"हाँ महान थाइज़र। मैं म्यूवर्स में पैदा हुआ परन्तु एक दूसरे ब्रह्माण्ड यूनिवर्स पर पला पढ़ा। वहां की एनर्जी यहाँ से बहुत भिन्न है। परन्तु मैंने किसी तरह से दोनों ब्रह्मांडो की एनर्जी को अपने अंदर समेट लिया है।"

"ये तो बहुत ही विस्मित कर देने वाली बात है। मैंने किसी भी ऐसे प्राणी को पहले नहीं देखा है।"

"हाँ। बस अभी मैं इन दोनों एनर्जीस को कण्ट्रोल नहीं कर पा रहा हूँ। मुझे नहीं पता कौनसी एनर्जी कब काम करती है।"

"यानि तुम्हे ये आभास तो है कि तुम्हारे अंदर दो आत्माएं हैं परन्तु कौनसी आत्मा कब जाग्रत होती है और कोनसी कब सुप्त, इसका ज्ञान नहीं है।"

"जी महान थाइज़र। मुझे ये भी नहीं पता क्या दोनों एक साथ जागृत रहती हैं।"

"ठीक है तुम मुझे अपनी बॉडी की स्टडी करने दो मैं कोशिश करता हूँ तुम्हे कुछ बताने की।"

धर्मा पुनः लेट गया और वो नीला थाइज़र धर्मा की पूरी बॉडी को स्कैन करने में लग गया। जैसे जैसे वो धर्मा को स्कैन कर रहा था वैसे वैसे ही वो महान थाइज़र वो ज्ञान का भंडार चकित होता जा रहा था।

~~

अध्याय चौदह - प्रासीक्यूटर का केस

उस खचाखच भरे कोर्ट रूम में जज क्लाइथेरॉन ने प्रासीक्यूटर से कहा। “अपनी दलील पेश करें”

“सर ये केस बहुत ही सिंपल है, घृणित है, परन्तु सिंपल है।” उस प्रासीक्यूटर ने प्रोफेसर बोरो की होलोग्राफिक इमेज की तरफ देखा। प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो तीनो की ही पूर्ण स्पर्शनीय इमेजेज (images) आरोपी के केबिन में खड़ी थी। इधर नाना की पूर्ण स्पर्शनीय इमेज भी डिफेन्स लॉयर के स्थान पर बैठी हुई थी। इस कोर्ट रूम की प्रक्रिया का प्रसारण पूरे Xor साम्राज्य में हो रहा था।

“आरोपी प्रोफेसर बोरो मैर्केल का एजेंट है। हमारे चिर दुश्मन मैर्केल को हमारे महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद ने एक बहुत ही बुरी शिकस्त दी थी। मैर्केल की एक बहुत बड़ी सेना को महान सम्राट नोकोईविद अकेले ही लील गए थे।”

“मिस्टर प्रासीक्यूटर” जज क्लाइथेरॉन तल्ख अंदाज़ में बोला। प्रासीक्यूटर थोड़ा घबरा गया। “ये मेरा कोर्ट है यहाँ पोलिटिकल स्टंटबाजी कम और मुद्दे की बात ज्यादा की जाती है।”

“सॉरी योर ऑनर (sorry your honour)” प्रासीक्यूटर सकपकाते हुए बोला।

“कंटिन्यू (continue)” जज रूखे स्वर में बोला।

“तो मैं ये कह रहा था योर ऑनर (your honour) कि जब Xor साम्राज्य के चिर दुश्मन मैर्केल को पता चल गया कि मिलिट्री वॉर में वो Xor का कुछ नहीं बिगाड़ सकता तो उसने एक बहुत ही ओछी हरकत की।” प्रासीक्यूटर अपनी बात पूरे ध्यान से रख रहा था।

“मैर्केल ने प्रोफेसर बोरो को एक भारी रकम देकर अपनी तरफ मिला लिया।” प्रासीक्यूटर ने बोरो को एक नज़र देखा।

“प्रोफेसर बोरो को एक काम दिया गया, उसे महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के पास जो क्विड नामक घातक हथियार है उसे नष्ट करना है या उसको समझ कर उसकी तकनीक मैर्केल को देनी है।”

“ऑब्जेक्शन योर लॉर्डशिप” नाना ने कहा।

“क्या ऑब्जेक्शन है मिस्टर नाना; don”t you know law। अभी ओपनिंग स्टेटमेंट है। इसमें ऑब्जेक्शन नहीं होता।” जज क्लाइथेरॉन गुर्राते हुए बोला और नाना को बैठने का इशारा किया।

नाना चुप चाप बैठ गया। प्रासीक्यूटर के चेहरे पर एक अलग सी कुटिल मुस्कान थी। उसने नाना को टेढ़ी नज़र से देखा जैसे कह रहा हो तेरे जैसे छोटे- मोटे लॉयर को तो मैं चाय में घोल कर पी जाऊंगा।

प्रासीक्यूटर ने आगे कहा, “बोरो ने अपनी बेटी का इस्तेमाल किया। उसे पता था कि यदि वो कोई बेचारी बन कर महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के पास जाएगी तो वो उसे अपने यहाँ नौकरी दे देंगे। धीरे धीरे प्रोफेसर बोरो की बेटी ने महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद को कन्विंस कर लिया कि आरोपी बोरो को वो अपने साथ काम करने दे।”

प्रासीक्यूटर थोड़ा रुका। उसने एक नज़र नाना पर मारी। नाना अपने नोट्स लेने में बिज़ी था। प्रासीक्यूटर ने आगे कहा “प्रोफेसर बोरो के टैलेंट को देखते हुए सुप्रीम कमांडर नोकोईविद ने उसे अपने साथ स्पेस ऑब्जर्वेटरी में लगा लिया। दोनों मिलकर क्विड के घातक उपयोग के कारण पैरेलल यूनिवर्स को कनेक्ट करती हुई आर्टिफीसियल टनल पर रिसर्च कर रहे थे।”

प्रासीक्यूटर फिर प्रोफेसर बोरो की ओर देखते हुए बोला, “परन्तु प्रोफेसर बोरो के दिल में चोर था। उन्होंने धीरे धीरे सुप्रीम कमांडर

नोकोईविद के क्विड हथियार के बारे में पता लगाना शुरू कर दिया। वो उसे मैर्केल को बेचना चाहता था।”

“और इसलिए प्रोफेसर बोरो महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के साथ उस पैरेलल यूनिवर्स में भी गया ताकि उसे क्विड की ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त हो सके।”

प्रासीक्यूटर थोड़ा रुका फिर अपने एक छोटे से क्यूब रूपी यन्त्र को मानसिक सन्देश दिया और उसमे से उसने अपने नोट्स को ग्रहण किया और आगे अपनी बात रखी।

“बोरो को समझ आने लगा की नोकोईविद ने क्विड हथियार की जानकारी इतनी छुपा रखी थी कि उसे आसानी से डिक्रिप्ट नहीं किया जा सकता। उसे ये भी पता चल गया कि नोकोईविद के अलावा फ़िलहाल कोई और क्विड के बारे में नहीं जनता है।”

प्रासीक्यूटर की पूर्ण स्पर्शनीय होलोग्राफिक इमेज धीरे धीरे चल कर प्रोफेसर बोरो की पूर्ण स्पर्शनीय होलोग्राफिक इमेज के पास पहुँच गयी। “और फिर इस कुटिल प्रोफेसर बोरो ने महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद को ख़तम करने का अनोखा तरीका खोजा।”

प्रोफेसर बोरो बिलकुल शांत थे। अधिवक्ता नाना मानसिक संदेशों द्वारा अपने यन्त्र को अपने नोट्स लिखवा रहा था। प्रासीक्यूटर ने आगे कहा, “प्रोफेसर बोरो ने महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद को कन्विंस किया और वो बोमिनी में अपने दास ज़ोरो के साथ दाखिल हुआ। उसने महान सुप्रीम कमांडर को इस बात पर भी राज़ी कर लिया की वो लोग उस पैरलल यूनिवर्स में चले जाये।”

प्रासीक्यूटर ने एक पल का पॉज लिया।

“इसने उनके विमान बोमिनी में ऐसी गड़बड़ी उत्पन्न करने की कोशिश की जिससे वो सभी उसी पैरेलल यूनिवर्स में मर जाएँ।” प्रासीक्यूटर ने बहुत ही प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी थी।

नाना पूरी तरह से विस्मित था। ये प्रासीक्यूटर कुछ भी झूठ अपने ओपनिंग स्टेटमेंट में बोल रहा था और जज क्लाइथेरॉन उसे ऑब्जेक्शन लेने का मौका भी नहीं दे रहे थे। इरीट्रिया में इस प्रकार से कोर्ट प्रोसेस नहीं चलता। Xor का प्रोसेस बहुत ही अलग था। नाना ने हिम्मत करके फिर से ऑब्जेक्शन किया और जज ने नाना को बेहद गुस्से में घुरा।

“मिस्टर डिफेन्स लॉयर, मैंने आपको पहले भी कहा था की ओपनिंग स्टेटमेंट में ऑब्जेक्शन नहीं होते । हालाँकि जज के पास स्पेशल अधिकार होता है और इसलिए मैं आपको ऑब्जेक्शन रखने का मौका देता हूँ। बताईये क्या ऑब्जेक्शन है आपको।”

नाना का होलोग्राफिक इमेज अपनी जगह से खड़ा हुआ और सभी को टैलीपैथी करते हुए कहने लगा, “प्रासीक्यूटर सब सुनी सुनाई या हेयरसे एविडेंस दे रहे है कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं कर रहे। मेरा मानना है कि उन्होंने अभी जो कुछ भी कहा उसे साबित करे, तथ्यों के साथ।”

नाना ने थोड़ा पॉज लिया और प्रासीक्यूटर को घुरा और कहा, “प्रोफेसर बोरो यदि इतने कुटिल हैं कि वो मैर्केल से पैसे लेकर Xor में आतंक फैला रहे थे तो खुद क्यों मरने के लिए पैरेलल यूनिवर्स जायेंगे। प्रासीक्यूटर के ओपनिंग स्टेटमेंट अपने आप में ही अनेको विरोधाभास रखते हैं। “ नाना ने अपनी बात बहुत ही सफाई के साथ रखी थी।

“ठीक है।” जज ने कहा। “हालाँकि अभी ये ओपनिंग स्टेटमेंट हैं इससे सिर्फ ये समझने को मिलता है कि प्रासीक्यूटर क्या क्या साबित करेंगे। उन्होंने अभी जो कुछ कहा है मैंने नोट कर लिया है और मैं इन्हें वो

सब साबित करने के लिए आबद्ध करूँगा। मैंने ये विरोधाभास भी नोट कर लिया है।”

प्रासीक्यूटर को पहली बार नाना के अंदर अपना एक प्रतिद्वंदी दिखाई पड़ा। नाना ने बड़ी सफाई से प्रासीक्यूटर की सभी बातों को जो उसने ओपनिंग स्टेटमेंट में कही थी, नोट करवा दिया था और प्रासीक्यूटर को वो सब स्टेटमेंट अब सबूत के साथ साबित करने होंगे। वैसे नाना ये ऑब्जेक्शन ना भी लेता तो भी ये जज इन सब बातों को नोट कर ही लेता, परन्तु शायद विरोधाभास आदि को इतनी सख्ती से नोट नहीं करता। नाना इतना भी कच्चा वकील नहीं था। प्रासीक्यूटर को उससे सावधान रहना होगा।

प्रासीक्यूटर ने जज क्लाइथेरॉन की ओर देखा जो इशारों में उसे अपना ओपनिंग स्टेटमेंट कम्पलीट करने के लिए कह रहा था। प्रासीक्यूटर ने आगे कहा, “महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद को उस दिन से ही जब वो पैरेलल यूनिवर्स गए थे प्रोफेसर बोरो पर शक हो गया था और उनका शक यकीन में बदल गया जब प्रोफेसर बोरो ने क्विड की सीक्रेट फाइल को डिकोड करना चाहा। वो फाइल बोमिनी के सिस्टम के अंदर हिडन थी और केवल डमी फाइल ही बाहर थी। यही प्रोफेसर बोरो गलती कर बैठे।”

प्रासीक्यूटर ने बहुत ही शान से प्रोफेसर बोरो की ओर देखा जो अपराधी के केबिन में चुप चाप बैठे हुआ था। प्रोफेसर बोरो के उस होलोग्राफिक इमेज को इस प्रकार शांत बैठा देख प्रासीक्यूटर को बहुत संतुष्टि मिली।

प्रासीक्यूटर ने आगे कहा, ”प्रोफेसर बोरो पूरी तरह से महान सुप्रीम कमांडर के हाथों एक्सपोज़ हो चूका था और तब प्रोफेसर बोरो ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया।”

प्रासीक्यूटर ने कुटिलता से प्रोफेसर बोरो की ओर देखा। वो शांत बैठे थे। लेडी तारा ओर ज़ोरो भी सामान्य थे। नाना को अब तक लग रहा था कि उसे इस केस के सारे तथ्य पता थे। परन्तु अब जो प्रासीक्यूटर बोलने वाला था वो नाना के भी होश उड़ा देने वाला था।

&

“तुम्हारे अंदर तो वाकई दो आत्माओं का वास है।” थाइज़र आश्चर्यचकित होते हुए बोला।

“मैंने आपको कहा था।” धर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा।

“वैसे एक बात मैं आपको बता सकता हूँ जो शायद अभी आप भी नहीं जानते।” थाइज़र के नीले रंग की पुरुष आकृति ने शांत चित से कहा।

“क्या महान थाइज़र”

“यही कि आप म्यूवर्स में पैदा हुए और जल्द ही आपको एक पैरेलल यूनिवर्स में भेज दिया गया और आपने वहां की एनर्जी भी अपने शरीर में समेट ली।”

“ये तो मुझे पता है”

“परन्तु जो आपको नहीं पता वो ये है कि आप एक साथ दो शरीर में वास भी कर सकते है। जरुरी नहीं कि वो कोई जीवित शरीर हो आप अचेतन चीजों में भी चेतना ला सकते है।”

धर्मा विस्मित हो गया। ये नीला थाइज़र क्या बोल रहा था। उसने बहुत ही मृदु भाव से कहा “मैं समझा नहीं महान थाइज़र”

“मैं यह कह रहा हूँ सन ऑफ गॉड, कि जैसे हम थाइज़र लोग प्योर एनर्जी है और किसी भी आकर में ढल सकते है, किसी भी चेतन प्राणी

या अचेतन वस्तु में प्रवेश कर सकते हैं या कोई भी रूप ले सकते हैं” नील रंग का वो पुरुष अपनी बात रख ही रहा था कि धर्मा बीच में बोल उठा,

“हाँ महान थाइज़र आप चाहे तो कोई भी रूप ले सकते है आप कोई ग्रह भी बन सकते हैं।”

“बिलकुल ठीक वैसे ही आप के पास दो एनर्जीस है। मैं आपको इस एनर्जी को किसी भी जीवित या मृत प्राणी या वस्तु में ट्रांसफर करना सिखा सकता हूँ।”

“इसका मतलब मैं अपने इस शरीर में भी रहूँगा और किसी और शरीर या वस्तु में भी।” धर्मा हर्षित होते हुए बोला।

“यह ही नहीं चूँकि आपकी एनर्जीस एक क्वांटम एन्टेंगलमेंट से जुडी है तो चाहे आपके दो शरीर कहीं भी रहे वो हमेशा एक दूसरे से कनेक्टेड रहेंगे।”

“इसका मतलब मेरे एक शरीर ने जो कुछ देखा सुना वो मेरे दूसरे शरीर को अपने आप पता चल जायेगा।” धर्मा अति उत्साहित स्वर में बोला।

“बिलकुल और तब सब लोग मान जायेंगे की क्यों आप सन आफ गॉड हैं।” नील रंग की उस पुरुष आकृति ने बहुत ही आदर पूर्वक टैलीपैथी की।

धर्मा को अब समझ आ गया था कि क्यों मदर गॉडेस सोना को उसने अपनी और आकर्षित कर लिया था। उसके शरीर में ना सिर्फ दो एनर्जीस थी अपितु वो इन एनर्जीस को अलग अलग शरीर में डाल सकता था। वो अपने इस शरीर के अलावा किसी भी और शरीर मैं या किसी वस्तु में भी जान डाल सकता था। ये तो अति विस्मित करने वाली शक्ति थी।

“महान थाइज़र आप क्या मुझे सिखा सकते है मैं कैसे अपने शरीर की एनर्जी को किसी भी वस्तु में डाल सकता हूँ।“ धर्मा ने बहुत ही मृदु स्वर में किसी छोटे बालक की भांति उत्साहित होते हुए कहा।

“बिलकुल। मैं आपको वो योगिक क्रिया सिखाता हूँ।”

धीरे धीरे वो महान थाइज़र धर्मा को अपने शरीर की एक एनर्जी को निकाल कर दूसरे किसी शरीर या वस्तु में प्रवेश करने की कला सिखा रहा था। धर्मा तैयार हो रहा था नोकोईविद की महाशक्ति को चुनौती देने के लिए। धर्मा वाकई एक विस्मयकारी व्यक्तित्व था। उसके पास जाने अनजाने में ही वो शक्ति आ गयी थी जो शायद ना तो नोकोईविद को पता थी और ना ही प्रोफेसर बोरो को।

धर्मा अब अपने आप को सन आफ गॉड साबित करने के लिए तैयार हो गया था। इस थाइज़र ने धर्मा की बहुत ज्यादा मदद कर दी थी। धर्मा अब क्या इस शक्ति की मदद से नोकोईविद की अजय सेना और क्विड जैसे हथियार को चुनौती दे पायेगा; ये वक्त ही बताएगा। परन्तु धर्मा धीरे धीरे नोकोईविद के लिए खतरा बनता जा रहा था और नोकोईविद इन सबसे अनजान अपने प्रशासन को चलाने में और प्रोफेसर बोरो के कोर्ट ट्रायल को देखने में ही व्यस्त था।

&

प्रासीक्यूटर ने तल्ख़ अंदाज़ में कहा, “इस क्रूर प्रोफेसर बोरो ने अपनी पुत्री को जो महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के पुत्र की माँ बनाने वाली थी उसे अपने यहाँ बुला लिया। प्रोफेसर बोरो ने लेडी तारा को डॉक्टर बना कर पेश किया और अपनी ही पुत्री को कैद कर लिया।”

नाना की हवाइयां उड़ गयी। ये प्रासीक्यूटर क्या बोल रहा था। ये सब तो उसे बताया ही नहीं गया था। क्या प्रासीक्यूटर इन सब को साबित कर पायेगा? लेडी तारा ने उसे इस बारे में कुछ भी नहीं बताया था।

प्रासीक्यूटर ने नज़र भर कर नाना को देखा। उसे समझ आ गया था कि नाना को ये सब बातें नहीं बताई गयी थी। प्रासीक्यूटर ने अपने विजयी अंदाज़ में आगे कहना शुरू किया "प्रोफेसर बोरो ने फिर अपनी ही पुत्री की जान सिर्फ इस लिए ले ली क्योंकि महान नोकोईविद ने उसे क्विंड का मैन सिस्टम क्वांटम कोड नहीं बताया।"

क्या प्रोफेसर बोरो ने अपनी पुत्री की जान स्वयं ले ली। सिर्फ उस क्विंड के क्वांटम कोड के लिए। ये प्रासीक्यूटर क्या बोल रहा था? नाना को तो प्रोफेसर बोरो ने बताया था कि उन्हें ही केवल क्विंड चलाना आता था। नाना इन सब के लिए तैयार नहीं था।

जज शांत भाव से सब कुछ नोट कर रहा था। प्रोफेसर बोरो के होलोग्राफिक इमेज के चेहरे पर कोई भाव नहीं थे। वो सब कुछ चुप चाप देख रहा था। लेडी तारा हालाँकि थोड़ी अशांत हो रही थी। ज़ोरो के चेहरे पर मिश्रित भाव थे। उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस कोर्ट में आखिर चल क्या रहा था। उसने इस प्रकार किसी भी कोर्ट की कार्यवाही नहीं देखी थी।

प्रासीक्यूटर ने आगे कहा, "जब महान नोकोईविद ने वो कोड प्रोफेसर बोरो को नहीं दिया तो प्रोफेसर बोरो ने उनके पुत्र के साथ इरीट्रिया ग्रह छोड़ दिया। ताकि वो महान सुप्रीम कमांडर को ब्लैकमेल कर सके कि वो उन्हें क्विंड का कोड दे नहीं तो वो उनके पुत्र को मार डालेगा। "

प्रासीक्यूटर ने फिर प्रोफेसर बोरो की ओर देखा और कहा "इस क्रूर अपराधी ने अपनी पुत्री का खून किया और अपने नाती को गायब कर दिया। ये फिर इरीट्रिया से भाग गया। इसकी मदद की उस गद्दार जासूस

लौरा ने। ये मेज़ोल ग्रह पर छुप गया। इसे मैर्केल ने पैसे और संसाधन दिए। इसे यकीन था, एक ना एक दिन महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद टूट जायेंगे और अपने पुत्र को लेने के लिए क्विड इसे सौंप देंगे। "

नाना हैरान था। ये सब उसकी प्रिपरेशन का हिस्सा नहीं था। उसे इन सबका अपने स्टेटमेंट में खंडन करना होगा। परन्तु वो ये कैसे कर पायेगा। आखिर ये कोर्ट केस किस डायरेक्शन में जा रहा था।

प्रासीक्यूटर ने अपने स्टेटमेंट को समाप्त करते हुए कहा, "परन्तु महान सुप्रीम कमांडर नहीं टूटे। उनके लिए अपने पुत्र से ज्यादा महत्वपूर्ण Xor साम्राज्य और उसकी सुरक्षा थी। इसलिए प्रोफेसर बोरो ने बिलिवर ऑफ़ बोफ नामक संस्था बनायीं और उसके जरिये टेररिस्ट एक्टिविटी करवाई। उसका ये प्लान था कि यदि वो Xor साम्राज्य में अशांति फैला पाया तो महान सुप्रीम कमांडर नोकोईविद शायद अपने हथियार क्विड के बारे में उसे बता देंगे। परन्तु वो यहाँ भी नाकामयाब हो गया। उसे ना तो महान सुप्रीम कमांडर की पत्नी की हत्या करके, ना उनके पुत्र का अपहरण करके और ना ही टेररिस्ट गतिविधियों द्वारा क्विड के बारे में कुछ पता चला और ना ही वो क्विड उनसे ले पाया।"

प्रासीक्यूटर ने एक नज़र प्रोफेसर बोरो पर डाली और कहा "इस खूंखार और दुर्दांत अपराधी ने अनेकों जाने ली हैं और इसकी एक ही सजा है एक बहुत भयानक मौत। इसके हर जुर्म में इसका साथ दिया है इन दोनों अन्य अपराधियों ने जिनके नाम है लेडी तारा और ज़ोरो। इनकी भी वो ही सजा होनी चाहिए जो प्रोफेसर बोरो को मिलेगी। देट इस इट (that"s it) योर ऑनर।"

प्रासीक्यूटर ने अपने ओपनिंग स्टेटमेंट रख दिए थे। उसने बहुत ही साफ़ साफ़ तरीके से बता दिया था कि वो इन तीनो अपराधियों के विरुद्ध क्या साबित करेगा और इन्हे क्या सजा दिलवाना चाहता था। अब नाना

की बारी थी परन्तु वो नोकोईविद के पुत्र के अपहरण और प्रोफेसर बोरो द्वारा अपनी ही पुत्री की हत्या की बात सुनकर विचलित हो चुका था। वो कैसे अपने स्टेटमेंट दे पायेगा ये उसके लिए एक पहेली ही थी।

~~

अध्याय पंद्रह - नाना का जवाब

डेटा की धाराएँ हवा में बिना किसी रुकावट के प्रवाहित हो रही थीं, और ऐसा प्रतीत होता था की पारदर्शी पैनल कही हवा में अदृश्य धागो से बंधे थे। जटिल ग्राफ, चमकदार चार्ट, और गिरते हुए आंकड़े नोकोईविद के चारों ओर मंडरा रहे थे, जो हल्की हाथ की हरकतों के प्रति प्रतिक्रिया दे रहे थे। कमरा उन्नत तकनीक की धीमी गूंज से गूंज रहा था, एक ऐसा वातावरण बना रहा था जो मंत्र मुग्ध करने वाला और स्वप्निल था, जहाँ जानकारी केवल देखी ही नहीं, बल्कि त्रिआयामी रूप में अनुभव की जा रही थी।

उसके बड़े आलिशान केबिन में नोकोईविद अपनी ही कुछ कॅल्क्युलेशन्स को बीच में रोकता हुआ बोला, “यह तुम क्या कह रहे हो डायस।”

“सर, मुझे इरीट्रिया के कोस्ब से यह ही जानकारी प्राप्त हुई है।” डायस थोड़ा असहज होते हुए बोला। उसे पता था नोकोईविद की शातिर और पैनी निगाहो से कुछ नहीं बच सकता।

“मैं ये कॅल्क्युलेशन्स कई बार चेक कर चूका हूँ। कुछ गड़बड़ है” नोकोईविद अपने मानसिक सन्देश द्वारा उन इनफार्मेशन और डेटा को जिनके बीच वो खड़ा था, उन्हें बंद करते हुए बोला।

“सर कोस्ब की एक अधिकारी है वीवो। उसने इन्क्वायरी की थी।” डायस थोड़ा सकपकाते हुए बोला।

“परन्तु मेज़ोल प्लेनेट के नज़दीक ब्लैक होल में ऐसा भंवर उठे की कोई स्पेसशिप इरीट्रिया गृह के अंदर आ जाये, ये संभव नहीं लगता। कोई भी ऐसा क्वांटम एन्टेंगलमेंट नहीं है जो ऐसा कर सके। मैंने सभी कॅल्क्युलेशन्स चेक कर लिए हैं।” नोकोईविद कुछ सोचते हुए बोला।

“सर वीवो ने अपनी रिपोर्ट में साफ साफ़ लिखा है कि उस प्राणी के अंदर टाइमेक्स की चिप नहीं थी और उसका स्पेसशिप MV केरेस्टोर कभी इरीट्रिया में एंटर नहीं हुआ।” डायस बोला।

“इसका एक ही मतलब है डायस, मैर्केल ने बोरो के बाद हमारे खिलाफ एक नया षड़यंत्र रचा है”

“सर तो क्या इस बार मैर्केल ने किसी ऐसे प्राणी को Xor साम्राज्य में भेजा है जो इरीट्रिया के कोस्ब को चकमा देकर प्लेनेट में घुस जाए और वहां से निकल जाये। वो ऐसा क्यों करेगा। मेज़ोल से इरीट्रिया क्यों आएगा?”

“तुम नीरे मूर्ख हो डायस?” नोकोर्डविद गुर्राया। डायस का चेहरा लटक गया। वो एक आधा इंसान आधा मशीन जरूर था परन्तु वो अपने आप को पुरे साम्राज्य में सबसे इंटेलीजेंट समझता था। नोकोर्डविद ही एक ऐसा व्यक्ति था जिसे डायस अपने से ज्यादा इंटेलीजेंट मानता था। वो हमेशा इसी कोशिश में होता था की नोकोर्डविद की प्रशंसा पाए परन्तु वो विरले ही संभव होता था।

नोकोर्डविद डायस को देखते हुए आगे बोला, “बोरो मेज़ोल से अरेस्ट हुआ। उसके उस निफ़्टी जिसमे वो अरेस्ट हुआ था उसके रिकॉर्ड में था की उस स्पेसशिप में बोरो के अलावा लेडी तारा, ज़ोरो और धर्मा नाम के व्यक्ति थे।”

“और ये धर्मा कभी अरेस्ट नहीं हुआ सर“ डायस बीच में बोला।

“हाँ डायस। वीवो की रिपोर्ट के हिसाब से वो व्यक्ति जो मेज़ोल के ब्लैकहोल में फस कर इरीट्रिया आया था वो भी मेज़ोल पर था।”

“तो सर ये व्यक्ति वो धर्मा ही है”

“हाँ डायस। सबसे ज्यादा सम्भावना इसी बात की है।”

“परन्तु वो इरीट्रिया पर क्यों आएगा“ डायस थोड़ा कंफ्यूज़ होते हुए बोला।

“वो निफ़्टी चुराने के लिए, जिसमे बोरो अरेस्ट हुआ था और जिसे इरीट्रिया में अजय सेना के पास रखवाया गया था।”

“हाँ सर वो निफ़्टी” डायस मानसिक कैलकुलेशन करते हुए बोला “जनक 290 को अजय सेना की कस्टडी से चुरा लिया गया था।”

“तो ये धर्मा किसी तरह मेज़ोल से इरीट्रिया पहुंचा, और उस जनक 290 निफ़्टी को लेकर, कोस्ब को मूर्ख बना कर इरीट्रिया से निकल गया।”

डायस कुछ सोच में पड़ गया था। ये धर्मा इतना बड़ा दुस्साहस कैसे कर सकता था। ये जो कार्य उसने कर दिया था ये कोई साधारण कार्य नहीं था। मैर्केल ने इस बार बोरो के बदले किसी शातिर प्राणी को लगाया था। कहीं वो नोकोईविद और Xor साम्राज्य को अतुलनीय क्षति न पहुंचा दे।

“तुम सही सोच रहे हो डायस।” नोकोईविद एक खूंखार लहजे में बोला। “इस बार मैर्केल ने बहुत ही बड़ा गेम खेला है। ये धर्मा कोई साधारण प्राणी नहीं है”

नोकोईविद फिर अपने ही विचारों में खो गया। “ऐसा व्यक्ति जो जनक 290 पर था जब बोरो और बाकि लोगो को अरेस्ट किया गया और अरेस्ट से ठीक पहले धर्मा ने उस स्पेसशिप को छोड़ दिया। कही अनंत अंतरिक्ष में भटकने का दुस्साहस करना आसान नहीं था। थाइज़र ही एक ऐसे प्राणी थे जो ये अंतरिक्ष में भटकने का दुस्साहस कर सकते है। फिर वो अंतरिक्ष में भटकते हुए कहाँ गायब हो गया था। फिर वो बिना किसी स्पेसशिप के मेज़ोल से इरीट्रिया गृह कैसे आ गया? इरीट्रिया प्लेनेट में जनक 290 को चुराया, उसके न्यूरल मेटा डेटा में चेंज किया और उसे MV केरेस्टोर नाम दे दिया और इरीट्रिया के कोस्ब को मूर्ख बनाकर उस निफ़्टी

के साथ बाहर निकल गया। ये कोई साधारण व्यक्ति नहीं कर सकता था। क्या उस बोफ में लिखी सन आफ गॉड की भविष्यवाणी सच हो रही थी।

नहीं नहीं ये मैं क्या सोच रहा हूँ। नोकोईविद अपने ख्यालो से बाहर आते हुए बोला, “डायस तुम और मैं इरीट्रिया चलेंगे। अब से हम कुछ समय वहीँ रहेंगे। मुझे नहीं पता इस धर्मा का क्या प्लान है परन्तु मुझे आभास हो गया है ये धर्मा उस टेररिस्ट बोरो से भी खतरनाक गेम खेलने वाला है।”

“यस सर। मैं अभी Xor से इरीट्रिया जाने का प्रबंध करता हूँ।”

डायस बोला और वहां से चला गया। नोकोईविद पुनः अपने ही ख्यालो में खो गया था।

“ये धर्मा मेज़ोल से इरीट्रिया कैसे पहुंच गया? इसने जनक 290 को कैसे चुरा लिया? इसने जनक 290 का नाम बदल कर MV केरेस्टोर कैसे कर दिया? क्यों वीवो और कोस्ब के सुपर कंप्यूटर इसको पकड़ नहीं पाए? कौन था ये धर्मा? क्या ये ही वो व्यक्ति था जिसको पैरेलल यूनिवर्स से लाया गया था? ये पैरेलल यूनिवर्स से आया प्राणी कौन है?

मैर्केल एक बहुत ही शक्तिशाली दुश्मन था। वो अपनी हार का बदला नोकोईविद से लेकर ही रहेगा। अब ये युद्ध ईगो का प्रश्न बन चूका था। नोकोईविद के पास क्विड जरूर था जिसके प्रयोग से उसने मैर्केल को एक बार हरा दिया था, परन्तु मैर्केल ने अब एक ऐसा खेल खेला था जो शायद नोकोईविद की समझ से परे था। पैरेलल यूनिवर्स से आया एक ऐसा व्यक्ति जो वो सब कुछ कर सकता था जो शायद नोकोईविद स्वयं भी ना कर पाए। ये खेल अब एक खतरनाक मोड़ लेने वाला था। पहली बार कुछ ऐसा था जो नोकोईविद जैसे फ्रां गैलेक्सी के सबसे इंटेलीजेंट व्यक्ति के भी समझ से परे था।

&

नाना का होलोग्राफिक प्रतिरूप अपनी सीट से उठा और बोला, “सर प्रॉसिक्यूशन ने स्टोरी तो बहुत अच्छी बताई है, प्रोफेसर बोरो के मोटिव को भी अच्छे से पेश किया है परन्तु इस पूरी कहानी में एक बेसिक फ्लॉ (basic flaw) है। मूलभूत समस्या”

पूरा कोर्टरूम और सभी लोग इस कोर्ट प्रोसेस को देख रहे थे। नाना इरीट्रिया का सबसे सम्मानीय वकील था परन्तु वो इस वक्त Xor प्लेनेट पर था और उसे Xor के न्यायिक प्रोसेस की जानकारी नहीं थी। फिर भी नाना ने ये ठान रखा था की वो अपने क्लाइंट्स के लिए जी जान लगा देगा। उसे शायद प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो तीनो ने ही सही जानकारी नहीं दी थी। वो अनुभवी लॉयर था और इतना समझ गया था कि उसके क्लाइंट उससे बहुत कुछ छुपा रहे थे। परन्तु इसके बावजूद नाना हार नहीं मान सकता था।

वो आगे बोला, “चलिए मान लेते है प्रोफेसर बोरो ने मैर्केल से पैसे लिए। ये भी मान लेते है कि प्रोफेसर बोरो नोकोईविद से क्विड की जानकारी लेना चाहते थे। तो क्या केवल इसलिए की बोरो को क्विड की जानकारी नहीं मिली तो क्या वो अपनी बेटी की जान ले लेंगे? वो अपने ही नाती को अगवा भी कर लेंगे? और यदि ऐसा हुआ तो कहाँ हैं वो नाती।”

नाना ने इस बात पर जोर देते हुए कहा की नाती जिसका अपहरण बोरो ने किया था उसकी कोई डिटेल्स मौजूद नहीं है और ना ही प्रॉसिक्यूशन ने इस बात की कोई डिटेल्स प्रस्तुत करने की जहमत उठाई थी। जज क्लाइथेरॉन ने नाना के इस पॉइंट को नोट कर लिया था।

नाना आगे बोला “नोकोईविद अपने स्पेसशिप बोमिनी में खुद प्रोफेसर बोरो और ज़ोरो को लेकर पैरेलल यूनिवर्स गए थे, ये बात अभी प्रासीक्यूटर वकील साहब ने खुद बोली है।”

नाना ने एक नज़र प्रासीक्यूटर को देखा। वो मानसिक सन्देश द्वारा अपने नोट्स लेने में बिजी था। उसने नाना की नज़र को नज़रअंदाज कर दिया।

नाना हल्का सा मुस्कुराया और आगे बोलना चालू किया “बोरो का प्लान ये था कि नोकोईविद को पैरेलल यूनिवर्स में ही मार डाले। अब इस बात पर गौर फरमाइए, प्रोफेसर बोरो ने मैर्केल से पैसे लिए, और फिर उनका प्लान था कि वो अपने आप को मार ले। फिर वो पैसा उनके किस काम का। प्रासीक्यूटर के हिसाब से प्रोफेसर बोरो को अपनी बेटी से और अपने नाती से भी कोई प्रेम नहीं था।”

नाना एक पल के लिए रुका, उसने देखा जज क्लाइथेरॉन का होलोग्राफिक इमेज अब नाना की बातो को सीरियसली सुन रहा था और अपने नोट्स ले रहा था। नाना प्रासीक्यूटर के ओपनिंग स्टेटमेंट में ऐसे ऐसे लूप होल ढूंढ रहा था जो शायद प्रासीक्यूटर ने सपने में भी नहीं सोचे थे।

नाना ने आगे कहा “इतने समय से प्रोफेसर बोरो प्रॉसिक्यूशन की कस्टडी में है, तो क्यों नहीं मनी ट्रेल एस्टब्लिश कर पाया है प्रॉसिक्यूशन। कहा है इस बात का सबूत की मैर्केल से पैसे प्रोफेसर बोरो के पास आये। यदि प्रॉसिक्यूशन सिर्फ बनी बनायीं कहानी नहीं बनाये की प्रोफेसर बोरो मैर्केल के इशारो पर काम कर रहे थे, खुद को भी मारना चाह रहे थे, अपनी पुत्री की हत्या की थी, अपने नाती को भी अगवा कर रहे थे तो उन्हें सच्चाई साफ़ साफ़ दिख जाती।”

नाना ने फिर एक नज़र प्रासीक्यूटर को देखा। वो अब थोड़ा असहज हो रहा था। उसने नाना को हल्के में ले लिया था। नाना इतना भी कमज़ोर वकील नहीं था। धर्मा ने यदि नाना को चुना था तो उसने सही चुनाव ही किया था।

नाना ने आगे बोला, “अब मैं बताता हूँ सच्चाई क्या थी। नोकोईविद ने क्विड बना लिया था उसने मैर्केल को हरा भी दिया था और इरीट्रिया पर कब्ज़ा भी कर लिया था, परन्तु क्विड के प्रयोग से पैरेलल यूनिवर्स की टनल बन गयी। इसका मतलब ये हथियार बार बार प्रयोग में नहीं लाया जा सकता। क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो पूरी फ्रां गैलेक्सी ही नष्ट हो जाएगी। इसलिए नोकोईविद को आवश्यकता पड़ी प्रोफेसर बोरो की।”

नाना ने थोड़ा पॉज लिया। अब प्रासीक्यूटर ज्यादा ही असहज हो गया था। उसे जो अपना मास्टर स्ट्रोक लग रहा था वो अब एक बचकाने जोक से ज्यादा कुछ नहीं प्रतीत हो रहा था। नाना अपने ओपनिंग स्टेटमेंट में प्रासीक्यूटर के स्टेटेमेंट की धज्जियाँ उड़ा रहा था।

नाना आगे बोला,” प्रोफेसर बोरो को भी एस्ट्रोफिजिक्स में बहुत इंटरेस्ट था। उन्हें नोकोईविद के इस प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिला और ये उनके लिए भी एक बहुत बड़ी चुनौती थी। एक एक्ससाइटिंग चुनौती। उन्होंने नोकोईविद के साथ काम करना मंज़ूर किया। पैरेलल यूनिवर्स गए, और आखिर मेहनत से वो तरीका खोज लिया जिससे क्विड को बिना पैरेलल यूनिवर्स की टनल खोले भी प्रयोग में लाया जा सकता था।”

नाना फिर प्रोफेसर बोरो की होलोग्राफिक इमेज के पास चलते हुए गए। उसने प्रोफेसर बोरो को देखा जो मुँह नीचे किये सब कुछ सुन रहे थे। नाना बोला “फिर इस महान प्रोफेसर पर नोकोईविद ने दबाव डाला की वो उसे बता दे की कैसे बिना पैरेलल यूनिवर्स की टनल को उत्पन्न किये, क्विड का प्रयोग किया जा सकता था । परन्तु प्रोफेसर बोरो को समझ आ गया था कि यदि नोकोईविद को क्विड का ऐसा प्रयोग करना आ गया तो वो शायद पूरी फ्रां गैलेक्सी पर ही कब्ज़ा कर लेगा। जैसे उसने

इरीट्रिया पर कब्ज़ा कर लिया सिर्फ इसलिए क्योंकि उसके पिता राल्फ इरीट्रिया को पहले युद्ध में नहीं जीत पाए थे।”

नाना ने फिर प्रासीक्यूटर की तरफ देखा और बोला “तो सच्चाई ये थी की प्रोफेसर बोरो मेज़ोल में इसलिए छुप गए थे क्योंकि वरना नोकोईविद इनसे क्विड की जानकारी प्राप्त कर लेता। मैर्केल ने नाना की मदद जरूर की परन्तु केवल इतनी ताकि वो मेज़ोल में छुप सके। बाकि बिलिवर ऑफ़ बोफ आदि टेररिस्ट आर्गेनाइजेशन से यदि प्रोफेसर बोरो का डायरेक्ट कनेक्शन है तो प्रासीक्यूटर साबित करे, मनी ट्रेल साबित करे। प्रोफेसर बोरो की अरेस्ट केवल इसलिए की गयी है ताकि उन पर दबाव बनाकर नोकोईविद उनसे क्विड का सफल और सही प्रयोग जान सके।”

नाना ने ये कहा और इसी के साथ उस कोर्ट रूम में एक गहरी ख़ामोशी छा गयी। वहां मौजूद अधिकतर होलोग्राफिक इमेजेज Xor के लोगो की थी। सभी लोग प्रोफेसर बोरो से नफरत करते थे। नोकोईविद Xor के लोगो के बीच एक हीरो था। किसी को उम्मीद नहीं थी कि बोरो के पक्ष में कोई तर्क रखे भी जा सकते थे क्या? और एक इरीट्रिया जैसे अविकसित प्लेनेट से आया वकील अति विकसित Xor प्लेनेट के प्रमुख प्रासीक्यूटर के सामने क्या ही टिक पायेगा। सभी लोग इस केस को सिर्फ एक तरफ़ा केस ही समझ रहे थे। परन्तु नाना के ओपनिंग स्टेटमेंट के बाद अब लोगो के विचार थोड़े बदलने लगे थे।

नाना ने बता दिया था कि यदि कोई भी अपने पर आ जाये तो वो किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है। नाना को तो धर्मा ने चुना था, सन आफ गॉड ने और ये चुनाव गलत नहीं हो सकता था। ज़ोरो को भी अब लग रहा था कि सन आफ गॉड इसलिए खुद अरेस्ट नहीं हुए ताकि वो नोकोईविद को न सिर्फ चुनौती दे सके अपितु प्रोफेसर बोरो को भी इस

कोर्ट केस से बचा सके। ज़ोरो के मन में धर्मा के लिए इज्जत और भी ज्यादा बढ़ गयी थी।

बोरो के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। उसे पता था कि वो नोकोईविद के चुंगुल में फस चूका था। ये कोर्ट केस मात्र एक दिखावा है और नाना चाहे कितने भी अच्छे तर्क क्यों ना दे दे, ये जज नाना के पक्ष में फैसला नहीं सुनाएगा। लेडी तारा शांत थी। उसे पता था उनके पास कोई और रास्ता भी नहीं है। उन्हें इस प्रक्रिया के साथ ही आगे जाना होगा।

~~

अध्याय सोलह - अनोखी शक्ति

धर्मा अपनी यात्रा पर निकल चुका था और अधिकतर समय नीले थाइज़र से एस्ट्रल ट्रैवल और योगिक चक्र क्रिया सीखने में व्यस्त रहा। उसे यह एहसास भी नहीं हुआ कि कब वह स्पेसशिप जनक 290, प्लेनेट X141 के करीब पहुँच गया था। अब धर्मा अपनी ऊर्जा को नियंत्रित करना और जीवित या मृत शरीर में प्रवेश पाने की कला भी सीख चुका था।

"आप चाहें तो जनक 290 में प्रवेश कर सकते हैं। तब यह स्पेसशिप आपका शरीर होगा, और आपकी आत्मा इसे अपनी इच्छानुसार संचालित कर सकेगी," नीले थाइज़र ने आग्रहपूर्वक कहा। धर्मा के चेहरे पर खुशी और आशंका का मिश्रित भाव उभर आया। वह पद्मासन में बैठ गया और धीरे-धीरे अपने सातों चक्रों पर ध्यान केंद्रित करने लगा—मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, मणिपुर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्ध चक्र, आज्ञा चक्र, और सहस्त्रार चक्र। धीरे धीरे वो समस्त चक्र जाग्रत होते गए और अंततः धर्मा की आत्मा उसके शरीर से बाहर निकलने लगी। यह आत्मा किसी को दृष्टिगोचर नहीं थी और न ही किसी मशीन से पकड़ी जा सकती थी। वह आत्मा धीरे-धीरे जनक 290 के भीतर प्रवेश कर गई।

धर्मा को लगा कि वह अब एक साथ धर्मा भी था और जनक 290 भी था। वह अब एक सजीव स्पेसशिप बन चुका था। जनक 290, जो पहले एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) से संचालित निफ्टी था, अब एक जीवित प्राणी बन गया था। धर्मा अब दो शरीरों का स्वामी था—एक उसका हाड़-मांस का शरीर और दूसरा जनक 290। वह अब वह सब कुछ कर सकता था जो एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त स्पेसशिप, जिसमें मानव आत्मा हो, कर सकता था। यह एक अनोखी शक्ति थी।

धर्मा के सजीव शरीर ने थाइज़र से कहा, "यह बहुत ही अद्भुत अहसास है। मैं आपका धन्यवाद कैसे करूँ?"

"आपको मेरा धन्यवाद करने की आवश्यकता नहीं है। यह शक्ति आपकी अपनी है, जिसे आपको कभी न कभी तो महसूस करना ही था," थाइज़र ने मृदु भाव से कहा।

धर्मा की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह X141 को जीतने के लिए संकल्पित था, और ऐसा लगता था कि काइनात भी उसकी मदद कर रही थी। नीले थाइज़र से मिलना और अपनी इस अनोखी शक्ति का एहसास होना, जो त्रिआयामी दुनिया में किसी और के पास नहीं थी, धर्मा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। जनक 290 में प्रवेश के बाद उसे वह सब ज्ञान मिल गया, जो पहले उसे नहीं हो सका था। उसने जनक 290 के न्यूरल सिस्टम को समझने की कोशिश की थी, लेकिन वह कोशिश उसे मृत्यु के करीब ले आई थी। पर अब आत्मा के इस ट्रांसमाइग्रेशन के कारण उसे बिना किसी परेशानी के वह सब ज्ञात हो गया जो जनक 290 जानता था।

धर्मा ने जनक 290 से अपनी आत्मा को पुनः अपने शरीर में स्थानांतरित कर लिया, और अब उसके मानव शरीर में दोनों आत्माओं का वास हो गया था।

"अब शायद आप X141 पर कब्ज़ा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं," नीले थाइज़र ने कहा।

"शायद हाँ। इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ," धर्मा ने विनम्रता से उत्तर दिया।

"धर्मा, आपकी अनोखी शक्ति का उपयोग सदैव धर्म के मार्ग पर होना चाहिए," थाइज़र ने गंभीर स्वर में कहा।

"हाँ, महान थाइज़र, मैं भली-भांति जानता हूँ कि शक्ति का दुरुपयोग वरदान को अभिशाप में बदल देता है," धर्मा ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा।

"आप सचमुच सन ऑफ गॉड हैं," थाइज़र ने प्रशंसा भरे स्वर में कहा।

"धन्यवाद, महान थाइज़र। हम अब X141 पहुँच गए हैं," धर्मा ने जनक 290 के कमांड रूम की स्क्रीन की ओर देखते हुए कहा।

"हाँ। अब आपको वह योजना बनानी होगी जिससे आप X141 पर अपना अधिपत्य स्थापित कर सकें," थाइज़र ने मृदु स्वर में उत्साहित होकर कहा।

"वो योजना मैं पहले ही बना चुका हूँ, महान थाइज़र। और इसे क्रियान्वित करने के लिए मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता है," धर्मा ने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

"मेरी आवश्यकता? बताइए, मैं क्या कर सकता हूँ?" थाइज़र ने उत्सुकता से पूछा।

"आप इस ग्रह पर अपनी रिसर्च के लिए आए थे।"

"हाँ, और अपनी रिसर्च पूरी कर मैं प्लेनेट जॉन जा रहा था, जब आपने मुझे अपने निफ्टी में शरण दी," थाइज़र ने याद दिलाया।

"इसलिए मुझे आपके शरीर में प्रवेश करना है।"

"हाहा, समझ गया। आपको प्लेनेट X141 की जानकारी चाहिए जो मैंने इस ग्रह पर रहकर एकत्रित की है," थाइज़र ने मुस्कुराते हुए कहा।

"जी हाँ," धर्मा ने सहमति में कहा।

"बिल्कुल, सन ऑफ गॉड। अधिकतर जानकारी तकनीकी है, लेकिन कुछ आपके लिए लाभप्रद सिद्ध हो सकती है।"

"जी, महान थाइज़र।"

"वैसे, एक बात और," थाइज़र ने कहा।

"क्या, महान थाइज़र?" धर्मा ने पूछा।

"सन ऑफ गॉड, आपको किसी भी परमिशन की आवश्यकता नहीं है। आप अपनी ऊर्जा को जब चाहे, किसी भी व्यक्ति या वस्तु में प्रवेश करवा सकते हैं।"

"हाँ, महान थाइज़र, मुझे यह एहसास है। परंतु आप मेरे गुरु हैं, और गुरु की आज्ञा के बिना उनके शरीर में प्रवेश करना सबसे बड़ा अपराध होता," धर्मा ने आदरपूर्वक कहा।

"आप धन्य हैं, धर्मा। आप मुझमें प्रवेश कर सकते हैं," थाइज़र ने अनुमति देते हुए कहा।

धर्मा ध्यान मग्न हुआ और एक ही पल में उसकी एक एनर्जी उस थाइज़र में चली गयी। अब वो धर्मा के साथ साथ वो थाइज़र भी स्वयं ही था।

थाइज़र एक ऐसे प्राणी थे जो शुद्ध आत्मा के रूप में अस्तित्व में थे। वे सामान्यतः एक नीली चक्री के रूप में अनंत अंतरिक्ष में विचरण करते थे, लेकिन जब चाहें, प्रकाश की किरण बनकर प्रकाश की गति से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकते थे। वे किसी भी रूप या आकार को धारण कर सकते थे। जब धर्मा की आत्मा थाइज़र की आत्मा में विलीन हुई, तो धर्मा को इस मिलन के परिणामस्वरूप होने वाले ज्ञान का अंदाजा नहीं था। परंतु ऐसा प्रतीत होता था कि ब्रह्मांड स्वयं धर्मा पर कृपा कर रहा था।

बिना किसी विलंब के, धर्मा को थाइज़र द्वारा वर्षों में अर्जित सभी ज्ञान और सूचनाएं प्राप्त हो गईं। थाइज़र सृष्टि के आरंभ से ही अस्तित्व में थे और सृष्टि के अंत तक विद्यमान रहने वाले थे। हालांकि, धर्मा को आत्मा के इस विलय से यह रहस्य भी ज्ञात हो गया कि वह चाहें तो थाइज़र को

नष्ट कर सकता था। थाइज़र की आत्मा, जो शुद्ध ऊर्जा थी, यदि उसे उसकी मूल इकाई या परम इकाई से अलग कर दिया जाए, तो वह समाप्त हो सकता था। इस प्रकार की शक्ति अब केवल धर्मा के पास थी। केवल वही अपनी आत्मा को थाइज़र में प्रवेश करवा कर उस शुद्ध ऊर्जा को आदेश दे सकता था कि वह अपनी परम इकाई से अलग हो जाए, जिससे थाइज़र का अस्तित्व समाप्त हो जाए।

जिस प्रकार मनुष्य की आत्मा को उसके शरीर से अलग कर दिया जाए तो वह आत्मा ब्रह्मांड में विलुप्त हो जाती है, वैसे ही थाइज़र की परम इकाई को अलग कर देने पर वह शुद्ध ऊर्जा भी मृत शरीर की तरह हो जाती थी, और उसकी परम इकाई भी ब्रह्मांड में लुप्त हो जाती थी।

धर्मा अब उस रहस्य से अवगत हो गया था, जिसे पूरे ब्रह्मांड में कोई नहीं जानता था। न केवल उसके पास आत्मा के परकाया प्रवेश की शक्ति थी, बल्कि वह एकमात्र ऐसा प्राणी बन चुका था जो किसी भी थाइज़र को नष्ट कर सकता था। यह उपलब्धि नोकोईविद जैसी महाशक्ति के लिए भी संभव नहीं थी। अब नोकोईविद के समक्ष मैर्केल के साथ-साथ धर्मा जैसा एक और शक्तिशाली दुश्मन खड़ा हो चुका था। धर्मा धीरे-धीरे इतना ताकतवर बन रहा था कि वह नोकोईविद को भी झुका सके। यह युद्ध अत्यंत विस्मयकारी और अद्भुत होने वाला था।

&

धर्मा की अनोखी शक्तियों से अनजान, नोकोईविद इस समय इरीट्रिया में था। वीवो, एक ऐंजलन, अपने पंखों को कसकर दबाए हुए सतर्क मुद्रा में नोकोईविद के सामने खड़ी थी। आमतौर पर नोकोईविद इरीट्रिया की क्लाउड बिल्डिंग में रहता था, लेकिन आज वह इरीट्रिया ग्रह

से लगभग 1000 किलोमीटर ऊपर ऑर्बिट में स्थित कोस्ब के मुख्यालय में था।

"वीवो, वह प्राणी तुम्हें मूर्ख बनाकर चला गया," नोकोईविद ने गंभीर स्वर में कहा। वीवो ने कोई उत्तर नहीं दिया।

नोकोईविद के चारों ओर विभिन्न ग्राफ, डेटा, और अनेक समीकरण चमक रहे थे। "अगर तुम उस धूर्त के बहकावे में नहीं आती, तो यह साधारण सी बात नहीं चूकती कि स्पेसशिप ने इरीट्रिया की धरती से उड़ान भरी थी," नोकोईविद का स्वर उग्र था।

वीवो को अब अपनी गलती का अहसास हो रहा था। उसने धर्मा को स्कैन किया था, जनक 290 का नाम चेक किया था और डेटाबेस से मिलान भी किया था, लेकिन वह इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज कर गई थी कि अगर स्पेसशिप मेज़ोल के भंवर में फंसा था, तो वह इरीट्रिया पर पहले नहीं हो सकता था। यदि वह उड़न पथ पर ध्यान देती, तो वह भी समझ जाती कि धर्मा झूठ बोल रहा था। पर अब बहुत देर हो चुकी थी। नोकोईविद उसे क्षमा नहीं करेगा।

"तुम्हें निकाला जाता है," नोकोईविद गुस्से में बोला। उसे ऐसे मूर्ख और लापरवाह लोग बिल्कुल भी पसंद नहीं थे।

वीवो के पंख डर के मारे फड़फड़ा रहे थे। नोकोईविद का व्यक्तित्व ऐसा था कि उसकी उपस्थिति में अत्यंत शक्तिशाली प्राणी भी सहम जाते थे। वीवो की क्या बिसात थी। फिर भी उसने धीरे से कहा, "सर, मुझे सिर्फ एक मौका दीजिए। मैं धर्मा को पकड़कर आपके सामने लाऊंगी।"

नोकोईविद ने गहरी नजर से वीवो को देखा। उससे एक बड़ी गलती हो चुकी थी, लेकिन उसके चेहरे पर दृढ़ता नजर आ रही थी। शायद वह अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाह नहीं थी।

"ठीक है," नोकोईविद गंभीर स्वर में बोला। "तुझे एक वर्ष का समय दिया जाता है। धर्मा को पकड़कर मेरे सामने लाओ।"

वीवो की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे एक वर्ष की मोहलत मिल गई थी, और उसकी नौकरी कुछ समय के लिए सुरक्षित थी।

नोकोईविद उसकी खुशी देखकर समझ गया कि वह इस चुनौती के लिए तैयार थी। फिर भी, वह उसकी परीक्षा लेना चाहता था। "बताओ, तुम्हारा पहला कदम क्या होगा?"

"सर, मैं सबसे पहले उस स्थान पर जाऊंगी, जहां से इस निफ्टी MV केरस्टोर ने उड़ान भरी थी।"

"उससे क्या फायदा होगा?"

"सर, उससे यह फायदा होगा कि मैं उसके आस-पास के इलाके को छान सकूंगी। अगर धर्मा ने वहां से उड़ान भरी है, तो वहां जरूर कुछ ऐसा होगा जो मुझे उसके बारे में हिंट दे सके।"

"ओके फिर क्या करोगी"

"सर फिर मैं चेक करूँगी की कि MV केरेस्टोर में जो मियान द्रव्य भरा गया था वो कहाँ से भरवाया गया था। काफी सम्भावना है कि इरीट्रिया में ही किसी स्टेशन से वो फ्यूल भरा गया हो।"

"अच्छी शुरुआत है।" नोकोईविद ने थोड़ा प्रशंसात्मक स्वर में कहा। उसने आगे गंभीर स्वर में बोला, "यह कोई साधारण स्पेसशिप नहीं था। तुम यह भी जांच सकती हो कि इरीट्रिया पर कौन-कौन से सर्विस स्टेशन ऐसे हैं, जहाँ इस HTM स्पेसशिप की मरम्मत हो सकती है।"

वीवो थोड़ी देर तक सोच में पड़ गई। उसने इस पर ध्यान नहीं दिया था कि MV केरेस्टोर शायद इरीट्रिया पर मरम्मत के लिए लाया गया हो। लेकिन सवाल यह था कि वह स्पेसशिप इरीट्रिया में मरम्मत के लिए क्यों लाया जाएगा?

नोकोईविद ने वीवो के चेहरे पर चिंता की लकीरें देख ली थीं।

"सिंपल है, ऑफिसर। यह वही शिप है जिसमें बोरो को गिरफ्तार किया गया था और जिसे अजय सेना मेज़ोल से इरीट्रिया लेकर आई थी।"

वीवो उलझन में पड़ गई थी। डाइस भी चौंक गया था। नोकोईविद इतनी निश्चितता से यह बात कैसे कह सकता था?

नोकोईविद ने वीवो और डाइस की ओर देखा और कहा, "तुम लोग एक साधारण-सा तथ्य मिस कर गए।" उसने एक पल का विराम लिया। "वीवो, अगर तुमने थोड़ी और बारीकी से विश्लेषण किया होता, तो यह पता चल सकता था कि मेज़ोल में जिस स्पेसशिप में आतंकवादी बोरो को गिरफ्तार किया गया था, उसमें भी एक विथाउट चिप प्राणी का ट्रेस मिला था।"

वीवो और डाइस दोनों ही यह सुनकर दंग रह गए। नोकोईविद ने इतनी जल्दी और इतनी बारीकी से सारे तथ्यों की जांच कैसे कर ली थी?

वीवो को समझ में आ गया कि उसने धर्मा को बहुत जल्द ही छोड़ दिया। शायद वह धर्मा के माइंड गेम्स में फंस गई थी और उसका शिकार बन गई थी।

"कोई बात नहीं। अब तुम्हारे पास एक दिशा है। मुझे धर्मा लाकर दो," नोकोईविद ने गंभीर स्वर में कहा।

वीवो को अब किसी भी कीमत पर एक वर्ष में धर्मा को पकड़ना था। उसे सिर्फ अपनी नौकरी बचाने की परवाह नहीं थी, बल्कि वह नोकोईविद को दिखाना चाहती थी कि वह कोई साधारण ऑफिसर नहीं थी जिसके साथ कोई भी छल करके जा सके। धर्मा इस पूरी फ्रां गैलेक्सी में जहां भी हो, वीवो उसे पकड़ ही लेगी।

~~

अध्याय सत्रह - प्लेनेट X141

प्लेनेट X141 उस सौरमंडल का एक मात्र ऐसा प्लेनेट था जिस पर जीवन संभव था। परन्तु X141 प्लेनेट पर भी तीन चौथाई हिस्सा सोलर रेडिएशन का शिकार था। केवल उसके इक्वेटर के दोनों ओर का कुछ सो किलोमीटर एरिया ही रहने योग्य था।

इस प्लेनेट को कोलोनाइज़ करने का प्रारंभिक उद्देश्य यह था कि अजय सेना की उपस्थिति को गहरे अंतरिक्ष में एक स्थायी आधार के रूप में स्थापित किया जाए। X141 ग्रह मदर प्लेनेट Xor से लगभग पांच सो प्रकाश वर्ष दूर स्थित था। इस ग्रह के प्रमुख को सुप्रीम कमांडर की नियुक्ति में कोई मतदान अधिकार नहीं था और ना ही Xorian Empire की गवर्निंग काउंसिल में उनकी कोई उपस्थिति थी। इसलिए नोकोईविद का इस ग्रह पर अधिक ध्यान नहीं जाता था। इस ग्रह का प्रमुख मुख्या X141 पर स्थित अजय सेना की टुकड़ी का सैन्य कमांडर होता था।

शुरुआत में यहाँ केवल अजय सेना के सैनिकों को तैनात किया गया था। ये सारे सैनिक एक्रिमियन नमुह प्रजाति के लोग थे।

धीरे-धीरे, कुछ नदरिमान[2] (Nadriman) और मग (Mag) प्रजाति को यहाँ स्थानांतरित किया गया, जिनका एकमात्र उद्देश्य इन सैनिकों का जीवन आसान बनाना था।

इन नदरिमान और मग को आदेश दिया गया कि वे खाद्य उत्पादन, वस्त्र, उद्योग आदि विकसित करें। साथ ही, उन्हें सैनिकों को इंजीनियरिंग

---

[2] नदरिमान, मग आदि का अर्थ नावेल के प्रारम्भ में शब्दार्थ में दिया गया है।

सेवाएँ प्रदान करने के लिए भी कहा गया। धीरे-धीरे X141 पर एक पूर्ण विकसित सभ्यता विकसित हो गई थी।

हालाँकि यह मुख्य रूप से एक सैन्य अड्डा ही बना रहा, और यहाँ की आबादी लगभग 500 मिलियन तक बढ़ जाने के बावजूद, इसे अभी भी एक सैन्य अड्डा माना जाता था। यहाँ X-केज नामक एक खतरनाक जेल थी। X-केज में कैद होने का डर सभी को सताता था। वहाँ से कोई बचकर निकल नहीं सकता था।

जब धर्मा को प्रोफेसर बोरो द्वारा जनक 290 में ज्ञान स्थानांतरित किया जा रहा था, तभी से धर्मा सोचने लगा कि Xorian Empire में Nadus (नाड्स) के अलावा यदि किसी अन्य ग्रह को स्वतंत्र करने की आवश्यकता थी, तो वह X141 था। धर्मा ने इन दोनों ग्रहों को स्वतंत्र करने का व्यक्तिगत मिशन बना लिया था।

धर्मा ने एक उपकरण को मानसिक आदेश दिया, और उसके सामने X141 की पूरी क्षेत्रीय छवि बन गई। X141 पर अलग अलग कई मिलिट्री बेस थे। यहाँ विभिन्न ठिकानों पर लगभग नब्बे हज़ार (90,000) अजय सैनिक तैनात हैं। धर्मा ने 30.9124° N, 75.7873° E पर स्थित Base 4 पर ध्यान केंद्रित किया। यह वह स्थान था जहाँ अजय सैनिक की उपस्थिति सबसे कम थी – केवल हज़ार (1000) सैनिक। यह ठिकाना स्ट्रेंज सी के पास स्थित था, जो वास्तव में कुदरत का एक चमत्कार था।

इस पानी के स्रोत को लेकर कई सिद्धांत थे, और सबसे स्वीकार्य यह था कि धूमकेतु के हमलों से बर्फ इस ग्रह पर आई थी, जो धीरे-धीरे गर्मी के कारण तरल पानी में बदल गई और ग्रह की खाइयों में बस गई। अब इसे स्ट्रेंज सी कहा जाता था। इसके अलावा, एक अनोखी घटना यह थी कि साल के हर महीने में बारिश केवल इसी स्थान पर होती थी और

वह भी बार-बार होती थी। इस कारण यहाँ एक विशाल समुद्र बना हुआ था, लेकिन यह समुद्र ग्रह की सतह के केवल 2% हिस्से पर ही फैला हुआ था।

पानी जीवन के लिए आवश्यक होने के कारण, अजय सैनिको ने इस पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया था, और नागरिक केवल उन्हीं परमिटों के आधार पर पानी ले सकते हैं, जो अजय सैनिको द्वारा जारी किए जाते था। इन सैनिकों को इस ग्रह पर X-Force कहा जाता था। Rar – यानी X141 के सामान्य नागरिक, जो नदरिमान और मग प्रजाति के लोग थे – उनको लगभग हर चीज़ के लिए X-Force से परमिट लेना पड़ता था।

यह स्थिति नागरिकों के बीच असंतोष का कारण हमेशा से बनी रही थी। उनका मानना था कि ग्रह के प्राकृतिक संसाधन सभी के लिए एक समान होने चाहिए, न कि केवल X-Force के लिए। इसी तरह, जंगल, फल, खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधन भी पूरी तरह सैनिकों के नियंत्रण में थे। सैनिकों को किसी प्रकार का कर नहीं देना पड़ता था, लेकिन नागरिकों को अपनी कमाई का आधा हिस्सा कर के रूप में चुकाना पड़ता था। कर के आधार पर ही उन्हें पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने का अधिकार मिलता था।

धर्मा ने निर्णय लिया था कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि नागरिक अपने अधिकारों के लिए लड़ें। लेकिन समस्या यह थी कि इस कार्य के लिए नागरिकों को समझाना आसान नहीं था। धर्मा को निश्चित रूप से कुछ सहायता की आवश्यकता थी। लेकिन अब सवाल यह था कि वह क्या करे। धर्मा को यह तय करना था कि वह इस अत्याचारी सैन्य बल से X141 को कैसे स्वतंत्र कराएगा।

उसने फिर एक नज़र उस नीले थाइज़र को देखा और कहा, "आप वैसे भी शायद इस जनक 290 में आराम करने का सोच रहे थे”

“सन आफ गॉड, मैं आराम का तो नहीं अपितु अपनी ही कुछ रिसर्च पर काम करने के बारे में सोच रहा था”

“चलिए तो आप थोड़ा अपनी रिसर्च से ब्रेक लीजिये” धर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा।

“तो आप मेरे को गुरु दक्षिणा देने के बजाये मेरे को अपने मिशन में शामिल करने का आदेश दे रहे है”

“आदेश नहीं महान थाइज़र, सिर्फ आपसे एक रिक्वेस्ट कर रहा हूँ। धर्म के कार्य में सहायता करना भी किसी रिसर्च के समान ही पुण्य देता है”

“हाहा। मुझे आपकी बात तो माननी पड़ेगी, आखिर आपसे लिफ्ट भी तो लेनी है।” थाइज़र ने थोड़ा मज़ाकिया अंदाज़ में कहा।

धर्मा ने मन ही मन प्लान बना लिया था। X141 अब सन आफ गॉड की आंधी को झेलने वाला था। नोकोईविद के विरुद्ध युद्ध की शुरुआत शायद इसी मिलिट्री बेस से होने वाली थी।

&

वीवो इस वक्त रोन के साथ बैठी हुई थी। पूरी इरीट्रिया में HTM शिप्स का सबसे बड़ा जानकार वो ही था। उसकी कंपनी ही HTM शिप्स को ठीक कर सकती थी। रोन एक फ्लेशी था और उसको सिर्फ पैसे की ही भाषा समझ में आती थी। परन्तु वो वीवो का कॉलेज टाइम से ही फैन था और उसे हमेशा से ये ही इंतज़ार था कि ये ऐंजलन अप्सरा उसके साथ एक बार डेट पर चले।

“तो आखिर कोस्ब की इतनी बड़ी अधिकारी को इस अदने से मैकेनिक की याद आ गयी” रोन के स्वर में थोड़ा सा घमंड प्रतीत हो रहा था।

“रोन प्लीज मेरी मदद करो।”

“अपसराएं प्लीज भी बोलती है”

वीवो थोड़ा चिढ़ते हुए बोली, “रोन वो आदमी एक खूंखार टेररिस्ट है“

“नहीं वो सन ऑफ़ गॉड है। मैंने भी उसका वीडियो देखा था।”

“रोन वो लोगो को बेवकूफ बनाने में एक्सपर्ट है।” वीवो ने बहुत ही आशा से रोन को देखा। वो रोन के बहुत करीब आकर उसके गले में हाथ डालते हुए अपनी आँखे टिमटिमाने लगी।

“ठीक है यार वीवो, तुम मुझसे क्या चाहती हो”

“सिर्फ इतना की वो HTM शिप तुम्हारी कंपनी ने ठीक करके किसको दिया”

“मुझे रिकाड्र्स चेक करने पड़ेंगे “

“प्लीज करो” वीवो रोन के गले पर हल्का सी किस करते हुए बोली।

“मुझे क्या मिलेगा”

“मेरे साथ कॉफ़ी डेट”

“ये तो बहुत कम है”

“हाहा। यदि इस अप्सरा को तुम्हारा काम पसंद आया तो तुम्हे भी वो कॉफी डेट बहुत पसंद आएगी” वीवो अति मोहक अंदाज़ में बोली।

रोन की आह निकल गयी। उसने फॉरेन ही अपने एक यन्त्र को मानसिक सन्देश दिया और उनके सामने हवा में एक टेम्पररी स्क्रीन आ गयी जिसमे बहुत से डेटा आ गए। रोन उस डेटा की स्टडी करने लग गया और वीवो रोन को विस्मय से देख रही थी।

फिर रोन ने एक डेटा को अपने हाथ के हलके से इशारे से एक्सपान्ड (expand) किया और बोला, “ये देखो वीवो, ये है वो HTM शिप जनक 290”

“परन्तु मैं तो MV केरेस्टोर को ढूंढ रही हूँ”

“इस नाम का तो कोई भी स्पेसशिप नहीं है हमारे डेटाबेस में। परन्तु जनक 290 ही वो स्पेसशिप था जिसमे प्रोफेसर बोरो पकडे गए थे। ये स्पेसशिप अजय सेना के पास था और उनके पास से ही इसे चुराया गया था।”

“इसका मतलब उस धर्मा ने जनक 290 को MV केरेस्टोर बना कर पेश किया। इस प्रकार किसी स्पेसशिप का मेटा डेटा बदलना संभव ही नहीं है”

“हाँ ये तो तुम सही कह रही हो। परन्तु मैंने कहा ना वो सन आफ गॉड है”

“कट इट यार रोन। तुम इन अंधविश्वासो में मानते हो, मैं नहीं। फ्लेशी लोग इतने साइंटिफिक होते है फिर भी कैसे एक किताब पर भरोसा कर सकते है”

“क्योंकि बोफ सच्चे भगवान् का आदेश है।”

“यार रोन वो सब छोडो ये बताओ ये जनक 290 या MV केरेस्टोर को तुम्हारे पास कौन लाया। क्योंकि जिसने भी इसे चुराया था वो इसको तुम्हारी कंपनी के अलावा किसी और से ठीक नहीं करवा सकता था।”

“हाँ। ये निफ़्टी HTM प्रोपेलर शिप एक अति आधुनिक स्पेसशिप है। ये प्रकाश से सात हज़ार पांच सो गुना तेज उड़ सकता है और ये हमारी कंपनी के अलावा और कहीं ठीक नहीं हो सकते।”

“इसीलिए तो तुम्हारे पास आयी हूँ।”

“परन्तु तुमने ये चेक नहीं किया की इस HTM प्रोपेलर स्पेसशिप को मियान ईंधन कहाँ से मिला।”

“रोन ये ईंधन केवल इरीट्रिया में एक ही ऑफिसियल सोर्स पर मिलता है और उसे मैं चेक कर चुकी हूँ उसने ईंधन नहीं बेचा है। पिछले कई वर्षों में अजय सेना को छोड़ उसने ये ईंधन किसी भी प्राइवेट स्पेसशिप को नहीं दिया है”

“तो फिर मतलब साफ़ है। तुमको सिर्फ मैं ही तुम्हे तुम्हारी मंज़िल तक पहुंचा सकता हूँ। क्योंकि ये स्पेसशिप हमारी कंपनी के ही किसी एक्सपर्ट मेकेनिक ने ठीक किया होगा।”

“रोन तभी तो मैं तुम्हारे पास आयी हूँ।”

“तो मेरी सुंदर अप्सरा फ्रेंड को इस लड़की को इरीट्रिया पर ढूँढना होगा।” रोन ने गुणिका के चेहरे को ज़ूम किया।

“ये कौन है।” वीवो गुणिका के चेहरे को उस टेम्परारी स्क्रीन पर देखते हुए बोली।

“ये ही वो शख्स है जिसने MV केरेस्टोर या जनक 290 शिप को ठीक करवाया। इसने इसके पांच लाख टिक दिए।”

“क्या पांच लाख टिक।” वीवो आश्चर्यचकित हो गयी।

“हाँ। अब सोचो इतने पैसे कोई क्यों देगा। जबकि शायद जनक 290 की रिपेयर मात्र डेढ़ से दो लाख टिक में हो जाती”

“हाँ रोन। इसका मतलब वो अपनी आइडेंटिटी भी छुपाना चाहती थी।”

“हां मेरी अप्सरा। परन्तु जिस मेकेनिक ने इससे पैसे लेकर इसका वो स्पेसशिप ठीक कर दिया उसने इससे पांच लाख टिक इसीलिए ही लिए थे ताकि इसका ये सीक्रेट कभी आउट नहीं हो। इसका एड्रेस पहचान सब कुछ छुपाने की भी कीमत थी पांच लाख टिक।”

“थैंक्स रोन। परन्तु यार इतने बड़े गृह पर मैं इस लड़की गुणिका को कहाँ से ढूंढूंगी।” वीवो के चेहरे पर उदासी आ गयी थी।

रोन ने उसे देखा। वीवो गज़ब की सुन्दर ऐंजलन स्त्री थी। कॉलेज में उसके ऊपर कई लड़के लट्टू थे। रोन भी उनमे से एक था। परन्तु ऐंजलन लड़कियां जितनी सुन्दर होती थी उतनी ही घमंडी भी होती थी । वीवो ने कभी भी रोन को कॉलेज समय में भाव नहीं दिया था। रोन उसके साथ कभी कॉफ़ी डेट पर भी नहीं जा पाया था। परन्तु आज वो रोन पर आश्रित थी। समय वाकई बलवान होता है। इतनी सुन्दर अप्सरा जैसे लड़की जो कोस्ब में इतनी बड़ी अधिकारी थी, वो आज एक स्पेसशिप के मेकेनिक से मदद मांगने पर मज़बूर थी।

“मैं चाहूँ तो तुम्हे उस मेकेनिक का नाम बता सकता हूँ जिसने गुणिका के लिए ये स्पेसशिप रिपेयर किया और उससे पांच लाख टिक लिए।”

“क्या ये तो बहुत मदद होगी। शायद उस मेकेनिक से मुझे गुणिका के बारे में कुछ क्लू मिल जाये”

“क्लू नहीं पूरा एड्रेस मिल जायेगा, मेरी अप्सरा, उस मेकेनिक ने वो स्पेसशिप गुणिका के अड्डे पर जाकर ही ठीक किया था”

“क्या। फिर तो उस मेकेनिक से मैं गुणिका का एड्रेस निकलवा ही लुंगी।”

“हाँ परन्तु मुझे इसकी कीमत चाहिए।”

वीवो ने रोन को अपनी तरफ खींचते हुए बोला “मेरे पास टिक नहीं है” उसके स्वर में जो बदमाशी थी उसे रोन ने अच्छे से पहचान लिया था।

“मुझे तुमसे टिक नहीं चाहिए” रोन वीवो को अपने बाँहों में लेते हुए बोला।

“पहले उस मेकेनिक का नाम” वीवो बोली।

“जब मेरी इच्छा पूरी होगी”

“क्या चाहिए तुम्हे रोन” वीवो मोहक अंदाज़ में बोली।

“तुम्हे तो पता है”

“क्या रोन”

“एक दिन के लिए मेरी हो जाओ और वो सब कुछ करो जो मैं तुमसे कहूंगा”

वीवो कुछ सोच में पड़ गयी।

“परन्तु इस बात की क्या गारंटी है की तुम सच बोल रहे हो “

रोन ने वीवो को कस कर अपनी बाहों में भर लिया। उसने उसे एक लम्बा किस किया। वीवो ने कोई भी प्रतिरोध नहीं दर्शाया।

“इतना तो मेरा विश्वास करो” रोन वीवो से बोला। वो अभी भी उसकी बाहों में थी।

वीवो अभी कुछ सोच ही रही थी की रोन उसे बाँहों में लेते हुए बोला। “एक दिन तुम वो सब करो जो मैं कहता हूँ और उसके अगले दिन मैं वो सब कुछ करूँगा जो तुम कहोगी। बोलो मंज़ूर” रोन बोला।

वीवो ने रोन को अपनी और खींचा और उसे जोर से किस कर दिया। वीवो को किसी भी हालत में गुणिका को ढूंढना था और उसे पता था की रोन झूट नहीं बोल रहा था। वो एक फ्लेशी था और स्पेसशिप का जानकार मेकेनिक। यदि गुणिका को उस चोरी किये हुए जनक 290 को रिपेयर करने में कोई मदद कर सकता था वो रोन की निगाहों से बच नहीं सकता था। पुरे इरीट्रिया में ऐसे मेकेनिक बहुत कम थे जो HTM स्पेसशिप को ठीक कर सके और ज्यादातर सभी रोन को जानते थे।

समय क्या क्या खेल खेलता है वीवो रोन को कॉलेज में पूरी तरह से अनदेखा कर देती थी। वो उससे ज्यादा सुन्दर थी, उससे ज्यादा इंटेलीजेंट

थी और उसने इरीट्रिया की प्रशासनिक परीक्षा में टॉप किया था और कोस्ब की अधिकारी बन गयी थी। वही रोन एक तुच्छ फ्लेशी जो उससे कम इंटेलीजेंट था और एक स्पेसशिप की कंपनी में मेकेनिक था। उसे सिर्फ HTM स्पेसशिप ठीक करना आता था। वो अलग बात थी की समय जब अपना खेल दिखता है तो एक मेकेनिक एक बड़ी अधिकारी को अपने इशारो पर नचाता है जैसे अब रोन वीवो को नचा रहा था।

उसकी ज़िन्दगी का वो दिन एक स्वर्णिम दिन था जब वीवो उसके इशारो पर नाच रही थी। वो उसके साथ वो सब कुछ कर रहा था जो वो हमेशा से करना चाहता था। वीवो ने भी कोई आपत्ति नहीं की। वो रोन की सारी बाते मान रही थी। उसे धर्मा को पकड़ना था और धर्मा तक पहुँचने की कुंजी थी गुणिका। गुणिका तक उसे ये तुच्छ मेकेनिक ही पहुंचा सकता था।

समय की परन्तु एक विशेषता ये होती है कि वो चाहे अच्छा हो या बुरा वो बीत जाता है। रोन के जीवन का वो स्वर्णिम दिन भी बीत गया। अगले दिन वो वीवो को किस करने उसके पास आया तब वीवो ने उसका हाथ मरोड़ते हुए बोला “आज तू मेरा गुलाम है रोन”

“हाँ” रोन थोड़ा कराहते हुए बोला।

“तो बता वो मेकेनिक कौन है”

“मैं ही हूँ” रोन मुस्कुराते हुए बोला।

वीवो के चेहरे पर अनेकानेक भाव थे। वो खुश भी थी और थोड़ी सी दुखी भी। परन्तु उसकी ख़ुशी उसके दुःख से ज्यादा थी और उसने रोन को अपनी तरफ खींच कर एक जोरदार किस कर दिया।

~~

अध्याय अठारह - X- फोर्स

धर्मा की आत्मा इस समय दो स्थानों पर विभाजित थी — एक थाइज़र में, और दूसरी उसके अपने शरीर में। उसका वास्तविक शरीर निफ़्टी स्पेसशिप जनक 290 में बैठा हुआ था और जनक 290 इस वक्त X141 ग्रह से थोड़ी दूरी पर अंतरिक्ष में स्थित था। थाइज़र, इस वक्त, एक शुद्ध ऊर्जा के रूप में X141 ग्रह की ओर बढ़ रहा था। तकरीबन पृथ्वी के 60 मिनट के भीतर, वह जनक 290 से X141 के एक सेटेलाइट स्टेशन तक पहुंच गया, जो ग्रह पर आने वाले किसी भी बाहरी स्पेसशिप या व्यक्ति के लिए इमिग्रेशन की प्रक्रिया संभालता था।

X141 ग्रह पर बाहरी यातायात सीमित था। यह ग्रह इरीट्रिया जैसे संरक्षित नहीं था, जहाँ हर दिशा में कोस्ब का रक्षा कवच तैनात था। यहां केवल छह सेटेलाइट स्टेशन थे, जो मुख्यतः ग्रह पर किसी बड़े सैन्य हमले की चेतावनी देने के लिए स्थापित किए गए थे। थाइज़र इस समय उन्हीं में से एक सेटेलाइट स्टेशन पर पहुंच चुका था।

"आपकी X141 पर रिसर्च तो पूरी हो चुकी थी ना?" सेटेलाइट स्टेशन के अधिकारी ने कृत्रिम स्क्रीन पर डिटेल्स देखते हुए पूछा।

"हाँ, लेकिन मुझे “स्ट्रेंज सी” पर थोड़ा और अध्ययन करना है। इसके लिए मुझे बेस-4 में कुछ दिन बिताने की अनुमति चाहिए," थाइज़र ने उत्तर दिया। इस वक्त थाइज़र में उसकी अपनी आत्मा के अलावा धर्मा की दूसरी आत्मा भी मौजूद थी।

"इसके लिए मुझे चीफ जनरल मजोलिन से अनुमति लेनी होगी," अधिकारी ने कहा।

"इसमें तो बहुत समय लग जाएगा," थाइज़र ने थोड़ा खीझते हुए कहा।

"हाँ, महान थाइज़र। परंतु उनकी आज्ञा के बिना मैं आपको अनुमति नहीं दे सकता।"

"तुम जानते हो, मैं बिना अनुमति के भी जा सकता हूँ," थाइज़र ने अपनी आवाज में हल्की तीव्रता लाते हुए कहा।

"हाँ, महान थाइज़र। लेकिन मैं आपसे विनती करता हूँ कि कृपया थोड़ा समय दें।"

"ठीक है। मैं इसी सेटेलाइट स्टेशन पर प्रतीक्षा करूंगा। जितनी जल्दी हो सके, अनुमति ले लो," थाइज़र ने कहा और नीले-प्रकाशित पुरुष के रूप में सेटेलाइट स्टेशन पर बैठ गया।

हालांकि, थाइज़र को किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। वह प्रकाश की किरण में बदलकर सीधे बेस-4 तक पहुंच सकता था। लेकिन सामान्यतः, कोई भी थाइज़र उन ग्रहों पर बिना अनुमति प्रवेश नहीं करते थे, जहाँ बुद्धिमान सभ्यता निवास करती हो, खासकर यदि वे ग्रह Xor साम्राज्य या मैर्केल रेल्म के अधिकार क्षेत्र में आते हों। धर्मा कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता था, जो संदिग्ध लगे।

थाइज़र का सम्मान पूरी फ्रां गैलेक्सी में होता था और वो सभी प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ थे। यह एक ऐसी प्रजाति थी, जो चाहती तो Xor और मैर्केल साम्राज्यों को अपने अधीन कर सकती थी। लेकिन थाइज़र का लक्ष्य सत्ता या भौतिक सुखों में नहीं था; उन्हें केवल ज्ञान की खोज में रुचि थी। हालांकि, कुछ थाइज़र ऐसे भी थे जो इस पवित्र खोज से भटक गए थे। उदाहरण के लिए, टाइमेक्स के अधिष्ठाता, जिन्होंने पूरी फ्रां गैलेक्सी के लिए अपने नियम थोपे, इन उच्च आदर्शों से अलग हो गए थे।

धर्मा को जो थाइज़र मिला था, और जिसके भीतर इस समय उसकी आत्मा का वास था, वह एक ज्ञान-पिपासु प्राणी था। धर्मा ने उसे अपनी बात मानने के लिए भावनात्मक रूप से प्रभावित कर लिया था,

शायद इसे इमोशनल ब्लैकमेल कहना भी उचित होगा। इस कारण वह थाइज़र, सन ऑफ गॉड की मदद करने के लिए सहमत हो गया था। अन्यथा, कोई भी थाइज़र किसी अन्य प्राणी के लिए वह सब कुछ नहीं करता, जो यह थाइज़र कर रहा था।

यह भी संभव था कि यह थाइज़र धर्मा की बढ़ती शक्ति को भांप गया था। शायद उसने समझ लिया था कि धर्मा इतना शक्तिशाली हो सकता है कि अजय और अनश्वर माने जाने वाले थाइज़र का भी अंत कर सके। यदि उसे ये पहले से पता होता तो वह शायद धर्मा को "परकाया प्रवेश" की शक्ति के बारे में न तो बताता और न ही उसे इस अद्वितीय क्षमता का प्रयोग करना सिखाता।

क्या यह थाइज़र धर्मा से भयभीत था, इसलिए उसका सहयोग कर रहा था? या फिर यह थाइज़र कोई गहरी चाल चल रहा था, जिसमें धर्मा फंस गया था? इन सवालों का उत्तर समय के साथ ही मिलेगा।

धर्मा और थाइज़र अपने-अपने विचारों में खोए हुए थे, जब एक सैनिक ने आकर कहा, "महान थाइज़र, चीफ जनरल मजोलिन ने आपको आज्ञा दे दी है। आप स्ट्रेंज सी पर अपनी रिसर्च पूरी कर सकते हैं। आप बेस-4 जाने के लिए स्वतंत्र हैं।"

थाइज़र ने हल्के से सिर झुकाया और तुरंत अपने आप को प्रकाश की किरण में परिवर्तित कर लिया। कुछ ही क्षणों में वह बेस-4 पर पहुंच चुका था। इस दौरान, धर्मा X141 ग्रह को नोकोईविद के विरुद्ध संगठित करने और इस पर अपना बेस स्थापित करने की योजना को अंतिम रूप दे चुका था। X141 को अब धर्मा नाम के खतरे का सामना करना था।

&

इधर, कोई और भी धर्मा की तलाश में लगा हुआ था। रोन ने वीवो को गुणिका का ठिकाना बता दिया था। वह अंडरग्राउंड सिटी, जो आगामी देव और गुणिका को अब तक सबसे सुरक्षित स्थान लगती थी, लेकिन वीवो ने उसे ढूंढ निकाला था। बिना किसी देरी के, उसने डायस और अजय सेना के साथ वहां धावा बोल दिया।

अगामी देव और गुणिका अब वीवो की कैद में थे। डायस का क्रूर चेहरा गुणिका की ओर देखते हुए एक भयानक मुस्कान में तब्दील हो गया।

"इस परिंदे के पर जला डालो," डायस ने ठंडे, निर्दयी स्वर में आदेश दिया।

डायस के सैनिकों ने तत्काल आगामी देव के पंखों में आग लगा दी। वह जलन से चीखने लगा, उसका दर्द पूरे वातावरण में गूंज रहा था। डायस के चेहरे पर कोई करुणा नहीं थी; उसकी निर्दयता किसी भी नियम-कानून से परे थी।

अगामी देव की चीखें गुणिका के लिए असहनीय थीं। वह करुणा और आक्रोश से कांप रही थी, परंतु कुछ कर पाने में असमर्थ थी।

कुछ ही क्षणों में, आग ने आगामी देव के पंखों को भस्म कर दिया। उसकी पीठ पर जलने के गहरे निशान उभर आए। दर्द और वेदना से तड़पता आगामी देव, डायस और उसकी सेना की क्रूरता का प्रत्यक्ष प्रमाण बन गया।

"तुम दोनों, यदि मुझे उस आतंकवादी धर्मा का पता दे दो, तो तुम्हें इस वेदना से मुक्ति मिल जाएगी," वीवो ने कहा।

"वरना तुम्हारी भी वही हालत होगी, जो उन लोगों की हो रही है, जो तुम्हारे उस अवैध अंडरग्राउंड शहर में रहते थे," डायस भद्दी हंसी के साथ बोला। अजय सेना ने उस अंडरग्राउंड शहर पर घातक हमला किया था।

एक सुसंगठित सेना, जो पागल आक्रांता या डाकू जैसी क्रूरता दिखा रही थी—जहाँ किसी को भी मार दिया जाता था और किसी को भी दंड दिया जाता था। कई स्त्रियों का शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया था। बहुत से बच्चों ने इस अति क्रूर आक्रमण से भयभीत होकर अपनी जान गंवाई थी। जिस मियान स्टेशन से जनक 290 ने मियान ईंधन भरा था, उसे बम से उड़ा दिया गया, और उसके साथ वहां मौजूद लोग भी मारे गए। इतनी क्रूरता शायद ही किसी ने किसी प्राणी के साथ की हो। क्या आतंकवादी बोरो था, या डायस?

आगामी देव और गुणिका को उनके प्रिजन सेल में सब कुछ लाइव दिखाई दे रहा था। अब उनकी बारी थी। दोनों निर्वस्त्र थे, और आगामी देव दर्द से कराह रहा था। शायद अब गुणिका की बारी थी।

डायस ने गुणिका के नग्न शरीर को घूरते हुए कहा, "तू सुंदर तो है, मज़ा आएगा।"

वीवो, एक स्त्री होकर इस सब का हिस्सा बन रही थी, यह सबसे दुखद था। उसने डायस की किसी भी बात का प्रतिरोध नहीं किया।

गुणिका चीखी, "क्रूर डायस! तूने मुझे हाथ भी लगाया, तो अच्छा नहीं होगा। सन ऑफ गॉड से डर!"

"हाहा! वो बहरूपिया? वह तुझे बचाएगा? बता, वह कहां है?" डायस ने मजाक उड़ाया।

"तू मेरी जान भी ले ले, तो भी मैं तुझे नहीं बताऊंगी," गुणिका चीखी।

डायस ने गुणिका को उसकी गर्दन से पकड़ा और उसे बेहद भद्दी नजरों से घूरा। उसके चेहरे पर वासना के स्पष्ट संकेत थे।

"उसे छोड़ दे, डायस, प्लीज," आगामी देव दर्द से कराहते हुए बोला।

"तुम दोनों को जितनी भी यातनाएँ दी जाएं, उतनी कम हैं। कोर के कातिलों," डायस ने गुस्से में कहा। उसे वह दृश्य याद आ गया जब वह नोकोईविद के साथ कोमिंट ग्रह पर था, और इन आतंकवादियों ने वहां के लोगों पर क्रूर यातनाएँ की थीं। नोकोईविद की हिम्मत और साहस ने उसे उस दिन बचाया था।

डायस ने गुणिका को पकड़कर उसे यहां-वहां किस करना शुरू कर दिया। गुणिका तिलमिला रही थी।

"रुक जाओ, डायस!" आगामी देव तड़पते हुए बोला।

"तो बता दो, धर्मा कहां है?" वीवो ने आगामी देव को घूरते हुए पूछा। वीवो के सामने ही गुणिका का अपमान हो रहा था, लेकिन उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा।

"वीवो, तुम एक स्त्री हो, इसे रोको!" आगामी देव चीखा। वह दर्द से बेहाल होकर जमीन पर पड़ा हुआ था।

"धर्मा कहाँ हैं"

डायस ने गुणिका को जमीन पर लेटाया और उसे जितना दर्द दे सकता था, उतने दर्द के साथ उसका मान मर्दन कर रहा था।

आगामी देव से यह सब देखा नहीं गया, और वह चीख उठा, "धर्मा X141 में है! प्लीज, गुणिका को छोड़ दो!"

"X141 ?" वीवो ने विस्मय से कहा।

"वो X141 क्यों गया है?" वीवो ने आगामी देव से गुस्से में पूछा।

"वो X141 को अजय सेना की कैद से छुड़ाने गएँ है!" आगामी देव रोते हुए बोला। उसके सामने डायस अभी भी गुणिका का मान-मर्दन कर रहा था।

"क्या वह पागल है? अकेला X141 को क्या छुड़ाएगा?" वीवो थोड़ी हैरान होकर बोली।

"प्लीज, डायस को रोको," आगामी देव रोते हुए बोला।

"वो मेरे बॉस हैं, उन्हें मैं नहीं रोक सकती," वीवो ने कहा।

आगामी देव जोर-जोर से रो रहा था, और डायस तब तक नहीं रुका जब तक गुणिका डायस के आधे मानव आधे मशीन शरीर के द्वारे दिए गए अत्यधिक दर्द से बेहोश नहीं हो गई।

वीवो को धर्मा के बारे में कुछ अहम जानकारी मिल गई थी। क्या उसे यह नोकोईविद को बता देना चाहिए, या फिर धर्मा को खुद पकड़ कर लाना चाहिए? डायस ने वीवो को एक नजर देखा, और उसे समझ में आ गया कि वीवो क्या सोच रही थी।

~~

अध्याय उन्नीस - थाइज़र का श्राप

रेत के सुनसान रेगिस्तान की संध्या में, एक अजीब सी आभा उस वीरान भूमि के चारों ओर फैली हुई थी, जब थाइज़र, जो शुद्ध ऊर्जा से बना एक आकृति था, धीरे-धीरे एक चमकदार प्रकाश में प्रकट होने लगा। धीरे-धीरे, उसकी नीली परछाई एक मानवीय रूप में बदलने लगी—भव्य, अलौकिक, और स्पष्ट रूप से अन्य-लोकिक।

उसके सामने फैली हुई थी बेस 4 की सैन्य चौकी, जो उस पानी के स्त्रोत के किनारे स्थित थी जो X141 में जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत था - द स्ट्रेंज सी। यह ग्रह X141 के सबसे प्रमुख स्थानों में से एक था, जहां सभी बेस के स्थानीय लोग अपनी दुर्लभ और अनमोल जल परमिट का नवीनीकरण करवाने के लिए प्रशासनिक भवन के बाहर लंबी कतारें लगाए खड़े थे ।

भीषण सूर्य के नीचे, थके हुए लोग बिना किसी छांव के दिन भर से खड़े थे, उनकी सहनशीलता इस शुष्क ग्रह पर पानी के महत्व की गवाही दे रही थी। उनकी दुर्दशा को देखते हुए, धर्मा, जो थाइज़र के ऊर्जा रूप में समाया हुआ था, क्रोध से भर गया था। यह केवल उत्पीड़न नहीं था; यह सत्ता की उस उदासीनता का सवाल था, जिसने उसके अंतरात्मा को झकझोर दिया।

जब उसकी तीक्ष्ण दृष्टि ने दृश्य का निरीक्षण किया, तो उसने देखा कि दो सैनिक एक महिला को घसीटते हुए अपने शिविर की ओर ले जा रहे थे।

"उनका पीछा करो," धर्मा ने थाइज़र को आदेश दिया।

थाइज़र झिझका। "सन ऑफ़ गॉड, मैं किसी ग्रह के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। यह मेरा मार्ग नहीं है।"

"मुझे तुम्हारे नियम पता हैं, थाइज़र," धर्मा ने दृढ़ आवाज में कहा। "लेकिन मैं हस्तक्षेप करने आया हूं। मुझे उनके पास ले चलो।"

अनिच्छा से, थाइज़र ने धर्मा के आदेश का पालन किया। यह केवल कर्तव्य से उपजी आज्ञाकारिता नहीं थी; यह डर था। धर्मा की आत्मा एक आक्रामक शक्ति थी, जो किसी भी शरीर पर कब्जा करने में सक्षम थी। थाइज़र इस अपवित्र अनुबंध से मुक्ति की लालसा रखता था, अपनी उस गलती को बार बार कोसते हुए जिसने धर्मा को आत्मा स्थानांतरण की निषिद्ध शक्ति दे दी थी।

जब वे पास पहुंचे, तो सैनिकों ने देखा कि एक उज्ज्वल आकृति उनकी ओर बढ़ रही थी। थाइज़र की गूंजती हुई टेलीपैथिक आवाज उनके मन में पहुंची।

"इस महिला को कहां ले जा रहे हो?"

एक सैनिक ने तीखे स्वर में उत्तर दिया, "तुम्हें इससे क्या मतलब, महान थाइज़र? यह तुम्हारा मामला नहीं है।"

थाइज़र का उज्ज्वल रूप और भी तेज चमकने लगा। "उसे छोड़ दो। तुम्हारे इरादे संदिग्ध लगते हैं।"

दूसरे सैनिक ने व्यंग्य करते हुए कहा, "हम तुमसे अनुरोध करते हैं कि अपने शोध में लगे रहो और हमारे मामलों से दूर रहो।"

महिला ने मौका पाकर खुद को छुड़ाया और थाइज़र की ओर भागी। "वे मुझे अपने शिविर में ले जा रहे हैं!" वह चिल्लाई।

एक सैनिक गुर्राया, "तुम्हारे पति ने तुम्हें हमारे पास एक साल के पानी की आपूर्ति के लिए बेच दिया है। अब तुम हमारी हो।" उसने उसकी विरोध को अनदेखा करते हुए, उसे फिर से खींच लिया ।

धर्मा रुपी थाइज़र की ऊर्जा दबे हुए गुस्से से जल उठी। हालाँकि थाइज़र के अपने नैतिक नियम उसे इन आतंरिक मामलो में हस्तक्षेप से

मना कर रहे थे, लेकिन धर्मा, उसकी आत्मा में समाया हुआ था, और अडिग था। "उसे अभी छोड़ दो," थाइज़र ने आदेश दिया।

सैनिक की आवाज धमकी भरी हो गई। "हस्तक्षेप मत करो, थाइज़र। वरना..."

"वरना क्या?" थाइज़र की आवाज नियंत्रित गुस्से में गूंज उठी।

सैनिक ने अपना हाथ उठाया, और एक मानसिक सन्देश द्वारा यंत्र को सक्रिय किया जिसने उस सैनिक को एक युद्ध-कवच में लपेट दिया। ये कवच अंतरिक्ष की कठोरतम परिस्थितियों और महासागरों की गहराइयों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे, और लगभग अविनाशी थे। दूसरे सैनिक ने भी वही किया, दोनों अब सुसज्जित और शक्तिशाली हो गए।

"यहां से चले जाओ, नहीं तो हम कार्रवाई करेंगे," एक सैनिक ने आदेश दिया।

थाइज़र पीछे हटना चाहता था, लेकिन धर्मा की आत्मा ने उसे जकड़े रखा। स्थिति के बिगड़ने के कारण, थाइज़र ने आखिरकार गरजते हुए कहा, "मूर्खों! तुम मुझे धमकी देने की हिम्मत करते हो?"

सैनिकों ने थोड़ी झिझक के बाद थाइज़र पर अनेको लेजर बीम चलाई। हमला उसकी ऊर्जा रूप पर बेअसर हो गया। हालाँकि ये अनियंत्रित लेज़र बीम यहाँ वहां फ़ैल गयी थी। थाइज़र ने, धर्मा के नियंत्रण में, घातक सटीकता के साथ पलटवार किया। शुद्ध ऊर्जा की किरणें उसके हाथों से निकलकर सैनिकों के कवच को भेद गईं और उनकी जान ले ली।

लेकिन इसके परिणाम भयावह थे। महिला, सैनिकों के लापरवाह हमलों के बीच फंसकर, जमीन पर निर्जीव पड़ी थी।

थाइज़र उस दृश्य को देखता रह गया—तीन लाशें, एक सुनसान बेजान भूमि, और वह सन्नाटा जो किसी भी चीख से अधिक गूंज रहा था।

"तुमने मुझे क्या करने पर मजबूर किया, सन ऑफ गॉड?" थाइज़र ने पीड़ा में गरजते हुए कहा। "मैं ज्ञान का खोजी हूं, मृत्यु का अग्रदूत नहीं!"

"मुझे अपनी आत्मा से मुक्त करो," थाइज़र ने मांग की, उसकी आवाज क्रोध और हताशा से कांप रही थी।

धर्मा की आत्मा झिझकी। वह बिना मेज़बान के नहीं रह सकता था। धर्मा का अपना शरीर गहरे अंतरिक्ष में जनक 290 पर स्थित था, जो यहां से बहुत दूर था। धर्मा वापस अपने शरीर में लौटना नहीं चाहता था; वह X141 पर ही रुकना चाहता था। बड़ी मुश्किल से उसने इस ग्रह पर कदम रखा था।

मजबूर होकर, उसने खुद को गिरे हुए सैनिकों में से एक के शरीर में स्थानांतरित कर लिया, उसे फिर से जीवित कर दिया। परन्तु उस सैनिक का शरीर थाइज़र के प्रहार के कारण जीवन हेतु असक्षम हो चूका था।

"कृपया, मेरी मदद करो," धर्मा ने अपने नए शरीर से याचना की। यह शरीर घायल था, उसका दिल चकनाचूर हो चुका था, और बहुत सा खून बह चुका था।

अनिच्छा से, थाइज़र ने अपनी ऊर्जा का उपयोग कर अन्य दो शवों से जीवन-शक्ति खींचते हुए, धर्मा के द्वारा धारित सैनिक के शरीर को ठीक कर दिया ।

धर्मा अब खड़ा हुआ, पूर्ण रूप से स्वस्थ, और उसने सम्मानपूर्वक झुकते हुए कहा, "धन्यवाद, महान थाइज़र।"

थाइज़र की आवाज ठंडी थी। "तुम छलिया और दुष्ट हो। तुमने अपनी स्वार्थी इच्छाओं के लिए मेरी शक्तियों को विकृत कर दिया।"

धर्मा ने मौन रहना ही उचित समझा, जबकि थाइज़र बोलता रहा। "मैंने इस शरीर को इसलिए ठीक किया ताकि तुम यहां फंसे रहो। अलविदा, धर्मा। यही तुम्हारी यात्रा का अंत है।"

धर्मा कुछ कह पाता, उससे पहले ही थाइज़र एक प्रकाश की किरण में बदल गया और ब्रह्मांड में विलीन हो गया, पीछे छोड़ते हुए एक उजाड़ बेजान भूमि, निर्जीव शरीर, और एक पश्चाताप से भरी आत्मा जो अब एक नश्वर शरीर में बंधी थी।

&

वीवो और डायस अजय सेना की एक टुकड़ी के साथ X141 ग्रह की ओर प्रस्थान कर चुके थे। अभी तक वीवो ने नोकोईविद को इस मिशन की जानकारी नहीं दी थी, और डायस भी यह सुनिश्चित करना चाहता था कि उनके कब्जे में रखे गए आगामी देव और गुणिका सच बोल रहे थे या नहीं। आगामी देव और गुणिका को डायस ने अपनी कैद में रखा था, और उन्हें इस विशाल अंतरिक्ष यान में सेवा का कार्य सौंपा गया था।

दोनों की हालत काफी खराब थी, लेकिन वे धर्मा द्वारा वीवो और डायस को मिलने वाली सज़ा देखने की आशा में सब सहन कर रहे थे। गुणिका को शारीरिक यातनाओं के बाद अब डायस ने अपनी सेविका बना लिया था। यान में डायस और वीवो के साथ कुल पच्चीस अजय सैनिक थे, जो एक भव्य और सुसज्जित HTM निफ्टी अंतरिक्षयान में सवार होकर X141 की ओर बढ़ रहे थे। अनुमान था कि वे पंद्रह दिनों में वहां पहुंच जाएंगे।

ये पंद्रह दिन आगामी देव और गुणिका के लिए किसी यातना से कम नहीं थे। वे जीवित तो थे, लेकिन उनका जीवन अभिशाप बन चुका था। उन्हें बार-बार अपने सुन्दर शहर के विनाश और गुणिका पर हुए अत्याचारों की स्मृतियाँ सताती थीं। इसके बावजूद, उनके मन में धर्मा पर अडिग विश्वास था। वे जानते थे कि धर्मा, जिसे वे "सन ऑफ गॉड" मानते थे, इन क्रूर पापियों को उनके कर्मों की सज़ा जरूर देगा।

दिन धीरे-धीरे बीत रहे थे, और अब वे X141 के निकट पहुँच चुके थे। तभी उनके स्पेसशिप को एक मानसिक संदेश प्राप्त हुआ।

"कोई थाइज़र हमसे संपर्क करना चाहता है," यान के कृत्रिम मस्तिष्क ने डायस को सूचित किया।

"थाइज़र?" डायस ने सोच में डूबते हुए कहा। "उसे हमारे यान में आने की अनुमति दो।"

कुछ ही क्षणों में, एक नीली आभा ने यान के भीतर आकार लिया। वह थाइज़र, अपने पूर्ण नील स्वरूप में, एक मानव जैसी आकृति में प्रकट हुआ। डायस और वीवो उस दृश्य से विस्मित रह गए।

"महान थाइज़र, मैं डायस हूँ, Xor साम्राज्य का रक्षा मंत्री। आप इस समय अजय सेना के फ्लीट 201 के वॉर स्पेसशिप में हैं। बताएं, हम आपकी क्या सहायता कर सकते हैं?" डायस ने आदरपूर्वक कहा।

थाइज़र एक ज्ञान-पिपासु प्राणी थे, और हर कोई स्वाभाविक रूप से उसका सम्मान करता था। यहां तक कि आगामी देव और गुणिका भी विस्मय में थे, क्योंकि यह पहली बार था जब वे किसी थाइज़र को इतने करीब से देख रहे थे।

"मुझे प्लेनेट जॉन जाना है। क्या आप मुझे वहां छोड़ सकते हैं?" थाइज़र ने विनम्रता से कहा।

"बिलकुल, महान थाइज़र। लेकिन हमें पहले X141 पर एक आतंकवादी को पकड़ना है। उसके बाद हम आपको प्लेनेट जॉन छोड़ देंगे," डायस ने उत्तर दिया।

"आतंकवादी? कौन? वह धर्मा—"सन ऑफ गॉड"?" थाइज़र ने अचानक पूछा।

यह सुनकर आगामी देव और गुणिका हतप्रभ रह गए। थाइज़र को धर्मा के बारे में कैसे पता था?

"हां, वह दुष्ट जो स्वयं को “सन ऑफ गॉड” कहता है," डायस ने तिरस्कारपूर्ण स्वर में कहा।

थाइज़र थोड़ा सोच में पड़ गया। उसे वो तीन लाशे याद आ गईं।

"वह दुष्ट है, और उसने मुझसे वह शक्ति सीख ली है जो उसे अत्यंत खतरनाक बना देती है," थाइज़र ने गंभीरता से कहा।

"कौन सी शक्ति?" डायस ने बेचैनी से पूछा।

"आत्मा के माइग्रेशन की शक्ति। धर्मा के शरीर में दो आत्माएं हैं, और मैंने उसे अनजाने में वह विद्या सिखा दी जिससे वह अपनी आत्मा को किसी भी सजीव या निर्जीव शरीर में स्थानांतरित कर सकता है।"

डायस, वीवो, आगामी देव, और गुणिका सभी यह सुनकर अवाक रह गए। हालांकि, आगामी देव और गुणिका को धर्मा की शक्तियों का आभास था, लेकिन धर्मा की आत्मा के ट्रांसफर की शक्ति उनके लिए भी नई और चौंकाने वाली जानकारी थी।

"क्या यह सच है? महान थाइज़र, कृपया विस्तार से बताएं," डायस ने घबराहट भरे स्वर में कहा।

थाइज़र थोड़ी देर तक सोचता रहा। वह तय नहीं कर पा रहा था कि उसे डायस को क्या बताना चाहिए। धर्मा के प्रति उसके मन में गहरा आक्रोश था। धर्मा ने उसे उस पाप में धकेल दिया था जो थाइज़र के लिए अकल्पनीय था। उसने धीरे-धीरे कहा, "धर्मा ने मुझसे आत्मा को स्थानांतरित करने की विद्या सीखी है। वह किसी को भी अपना गुलाम बना सकता है। और धर्मा ही इस ब्रह्मांड में एकमात्र प्राणी है जो..."

"जो क्या?" डायस ने अधीरता से पूछा।

"जो थाइज़र को भी समाप्त कर सकता है।"

यह सुनकर डायस के चेहरे का रंग उड़ गया। थाइज़र को अजय और अमर माना जाता था। कहा जाता था कि थाइज़र शुद्ध ऊर्जा के रूप हैं, जिन्हें नष्ट नहीं किया जा सकता। धर्मा के पास यह शक्ति कहाँ से आई?

थाइज़र का अंत केवल इस ब्रह्मांड के अंत के साथ होना था। ऐसे प्राणी जिन्हे मारने की शक्ति किसी के पास नहीं होनी चाहिए, उसे समाप्त करने की क्षमता रखने वाला धर्मा कौन हो सकता था? क्या यह धर्मा किसी और की चाल थी—शायद मैर्केल की? और धर्मा के पास यह अभूतपूर्व शक्ति कहाँ से आई थी?

वह धर्मा जो इरीट्रिया में बिना किसी को भनक दिए प्रवेश कर सकता था, जनक 290 को चुरा सकता था, और कोस्ब जैसे महान एजेंसी को मूर्ख बनाकर आसानी से बच निकल सकता था। आखिर वह कौन था?

डायस ने वीवो की ओर देखा। वीवो को थाइज़र की बातें कल्पनाओं से अधिक कुछ नहीं लग रही थीं। उसे यकीन था कि धर्मा के पास इतनी शक्तियां नहीं हो सकतीं। जरूर यह धर्मा का ही कोई नया मानसिक खेल था। वीवो पहले भी धर्मा के माइंड गेम का शिकार हो चुकी थी, लेकिन उसने ठान लिया था कि वह दोबारा नहीं फंसेगी।

दूसरी ओर, आगामी देव और गुणिका के चेहरों पर आशा की नई चमक थी। उनकी बांछें खिल उठी थीं। धर्मा, उनका उद्धारकर्ता, उनकी नजरों में इस क्रूर नोकोईविद शासन को समाप्त करने की अंतिम उम्मीद था। धर्मा वाकई "सन ऑफ गॉड" था, और उसके पास धीरे-धीरे वे सारी शक्तियां आ रही थीं जो उसे अपने मिशन में सफल बनाएंगी।

कहानी अब एक खतरनाक मोड़ लेने वाली थी।

"यदि आप सच कह रहे हैं, तो हमें सुप्रीम कमांडर के पास जाना चाहिए और उन्हें यह सब बताना चाहिए," डायस ने चिंता भरे स्वर में कहा।

"मैं सिर्फ इन सब झंझटों से मुक्ति चाहता हूँ। कृपया मुझे प्लेनेट जॉन पर छोड़ दीजिए," थाइज़र ने निराशा भरे स्वर में कहा।

"मैं आपको प्लेनेट जॉन तक छोड़ दूँगा। लेकिन कृपया, आप मेरे साथ सुप्रीम कमांडर के पास चलिए। यह बेहद जरूरी है।"

थाइज़र कुछ क्षणों के लिए गहरे विचार में डूब गया। नोकोईविद फ्रां गैलेक्सी का सबसे बुद्धिमान प्राणी था। उसने "क्विड" जैसे घातक हथियार का निर्माण किया था, जो अब तक किसी थाइज़र ने भी नहीं बनाया था। अगर इस ब्रह्मांड में कोई धर्मा को सज़ा दे सकता था, तो वह केवल नोकोईविद ही था।

शायद भाग्य ने थाइज़र को नोकोईविद के माध्यम से अपने अपमान और क्षति का प्रतिशोध लेने का अवसर दिया था।

थाइज़र ने कुछ क्षणों की चुप्पी के बाद कहा, "ठीक है। लेकिन वादा कीजिए कि सुप्रीम कमांडर से मिलने के बाद आप मुझे प्लेनेट जॉन पर छोड़ देंगे।"

"बिलकुल, महान थाइज़र। सुप्रीम कमांडर से मिलकर जैसा वह निर्देश देंगे, हम वैसा ही करेंगे," डायस ने भरोसे से कहा।

वीवो इस स्थिति से बिल्कुल असहज महसूस कर रही थी। वह तो धर्मा को पकड़ने के लिए X141 ग्रह पर आई थी। इतना करीब आकर वापस लौटने का विचार उसे कतई स्वीकार नहीं था।

"मैं X141 जाऊंगी। अगर आप लोगों को वापस लौटना है, तो जाइए," उसने दृढ़ता से कहा।

"तुम मूर्ख हो क्या, वीवो? क्या तुमने नहीं सुना कि महान थाइज़र ने क्या कहा? धर्मा अब किसी असाधारण शक्ति का स्वामी बन चुका है," डायस ने झुंझलाते हुए जवाब दिया।

"सर, कृपया मुझे प्लेनेट X141 जाने की अनुमति दें," वीवो ने आग्रह किया।

डायस कुछ देर के लिए सोच में पड़ गया। अंततः उसने कहा, "ठीक है, वीवो। हम तुम्हें X141 के सैटेलाइट स्टेशन पर उतार देंगे, और फिर तुरंत सुप्रीम कमांडर से मिलने के लिए रवाना हो जाएंगे।"

डायस को किसी अनहोनी का पूर्वाभास हो रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे इस बार नोकोईविद को अपनी बराबरी का कोई विरोधी मिल गया हो। उसने वीवो को X141 के सैटेलाइट स्टेशन पर छोड़ा और अपनी फ्लीट 201 को वापस इरीट्रिया की ओर मोड़ लिया।

आगामी देव और गुणिका धर्मा से मिलने के लिए व्याकुल थे, लेकिन उनका इंतजार अब और लंबा होने वाला था। दूसरी ओर, थाइज़र नोकोईविद से मिलने को उत्सुक था। उसे पूरा विश्वास था कि इस गैलेक्सी में यदि कोई धर्मा जैसी घातक शक्ति को चुनौती दे सकता है, तो वह केवल नोकोईविद ही था।

उधर, वीवो के भीतर क्रोध और बेचैनी की ज्वालाएं भड़क रही थीं। उसे धर्मा की अद्भुत शक्तियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, और यह अज्ञानता उसकी दृढ़ता को और तीव्र बना रही थी।

कहानी अब एक ऐसे मोड़ पर पहुँच चुकी थी, जहाँ हर कदम इस गाथा को रक्तरंजित अंत की ओर धकेलने वाला था।

~~

अध्याय बीस - एम्ब्रोस की एंट्री

सैनिक एम्ब्रोज़, जनरल मजोलीन के सामने खड़ा था। मजोलीन एक विशाल, भव्य तख़्त पर विराजमान था, जो एक सुदृढ़ और अभेद्य केबिन के भीतर सुरक्षित था। चारों ओर सशस्त्र अंगरक्षक सतर्क खड़े थे। उसकी सुरक्षा में कोई कमी नहीं थी।

"इस सैनिक ने अपने ही सहकर्मी और एक रार महिला की हत्या कर दी है," मेजर जनरल ने कठोर स्वर में कहा।

X141 पर ऐसा जघन्य अपराध पहली बार हुआ था। किसी को याद नहीं था कि पिछली बार कब किसी सैनिक ने अपने साथी की जान ली हो।

"दो सैनिक एक तुच्छ रार महिला के कारण भिड़ गए, और इस सैनिक ने क्रोध में अपने साथी के साथ-साथ उस महिला को भी मार डाला। इतना नृशंस कृत्य करने वाले को मृत्युदंड मिलना चाहिए," मेजर जनरल ने एम्ब्रोज़ पर कड़ी नज़र डालते हुए कहा।

जनरल मजोलीन का चेहरा क्रोध से तमतमाने लगा। "सैनिक एम्ब्रोज़, सच-सच बताओ कि वहां क्या हुआ था।"

एम्ब्रोज़ ने एक पल के लिए उसकी ओर देखा। उसकी आत्मा में धर्मा का वास था। धर्मा ने मन ही मन सोचा कि यदि वह मजोलीन के शरीर में प्रवेश कर सके, तो X141 को अपने नियंत्रण में लेना सरल हो जाएगा। यह एक अनोखा अवसर था।

"तू बोल क्यों नहीं रहा? अगर तूने कुछ नहीं कहा, तो तुझे मैं क्रूरतम दंड दूंगा," जनरल ने धमकी भरे स्वर में कहा।

धर्मा ने एम्ब्रोज़ के शरीर को त्याग दिया, और एम्ब्रोज़ का शरीर जमीन पर ढेर हो गया। धर्मा की आत्मा ने मजोलीन के केबिन में प्रवेश

करने की कोशिश की, लेकिन उसे हैरानी हुई—यह केबिन किसी अद्भुत सामग्री से बना था, जिसे कोई भी किरण या ऊर्जा भेद नहीं सकती थी। धर्मा की आत्मा असफल रही।

आखिरकार, धर्मा फिर से एम्ब्रोज़ के शरीर में लौट आया, और एम्ब्रोज़ की चेतना वापस आ गई। यह दृश्य देखकर सभी सैनिक हैरान थे।

"यह तमाशा क्या है, एम्ब्रोज़?" मजोलीन ने क्रोध से गुर्राते हुए कहा।

एम्ब्रोज़ ने एक शब्द भी नहीं कहा। वहाँ उपस्थित सभी लोग स्तब्ध थे। यह सैनिक, जिसने जनरल मजोलीन जैसे सख्त और शक्तिशाली व्यक्ति को चुनौती दी थी, अब जवाब देने के बजाय केवल बेहोशी का नाटक कर रहा था। उसकी यह हरकत मानो मजोलीन के क्रोध को और भड़काने का काम कर रही थी।

"मैं रार के लोगों पर और अत्याचार नहीं देख सकता। हमें यहाँ लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करनी होगी। कुछ मुट्ठी भर सैनिक करोड़ों नागरिकों के भाग्य विधाता नहीं बन सकते," एम्ब्रोज़ ने शांत लेकिन दृढ़ स्वर में कहा।

"एम्ब्रोज़!" मजोलीन ने क्रोध से गला फाड़ते हुए चीख लगाई। "तू पागल हो गया है क्या?"

वहाँ उपस्थित मेजर जनरल, जो एम्ब्रोज़ के खिलाफ आरोप पेश कर रहा था, इस अभूतपूर्व बेबाकी से हक्का-बक्का रह गया। पूरी सभा जैसे सन्न हो गई। एम्ब्रोज़ ने केवल अपने साथी सैनिक की हत्या नहीं की थी, बल्कि वह अब खुलेआम ग्रहद्रोह कर रहा था। X141 पर मजोलीन के खिलाफ कुछ भी कहना सीधे ग्रहद्रोह के समान था।

मजोलीन की आँखों में जलते हुए क्रोध की तीव्रता का वर्णन कर पाना कठिन था। उसकी आँखों से मानो आग की लपटें निकल रही थीं। यह स्पष्ट था कि एम्ब्रोज़ ने उसे व्यक्तिगत रूप से चुनौती दी थी।

"यह बगावत है," मजोलीन ने दाँत पीसते हुए कहा। उसकी आवाज़ में भारी गुस्सा और अपमान झलक रहा था।

एम्ब्रोज़ को दंड देना मजोलीन के लिए अब केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उसका व्यक्तिगत बदला बन गया था। एक साधारण मौत एम्ब्रोज़ के लिए बहुत छोटी सज़ा होती। उसे ऐसा दंड दिया जाना था, जिससे उसकी चुनौती का उदाहरण बन सके। मजोलीन को अपनी शक्ति और क्रूरता का प्रदर्शन करना था—उस तरह से, जिसे X141 के लोग कभी न भूलें।

"इसे X-केज में डाल दो और विरलनाक की खोज पर भेज दो। जब तक इसके प्राण न निकल जाएं, इसे वहीं रहना होगा।"

मजोलीन ने एक गहरी, ठंडी सांस भरी, मानो खुद को संयमित करने की कोशिश कर रहा हो। उसकी आँखों में क्रोध और अपमान का ज्चार उमड़ रहा था। उसने अपने सिंहासन के बगल में रखे क्यूब नुमा यन्त्र को उठाया और उसे पूरी ताकत से नीचे पटक दिया। उसकी आवाज़ सभा में गूँज़ उठी।

"निर्णय हो चुका है," उसने गरजते हुए कहा, उसकी आवाज़ में निरंकुशता की गूँज थी। "इस धूर्त बागी का चेहरा अब और सहन नहीं किया जा सकता। इसे यहाँ से तुरंत हटा लो। इसकी सजा इतनी कठोर होगी कि यह अपनी बगावत के लिए हर पल पछताएगा।"

मजोलीन ने एक तेज, सधे हुए इशारे से अपने चारों ओर खड़े अंगरक्षकों को आदेश दिया। उनके लिए यह इशारा पर्याप्त था— मजोलीन चाहते थे कि यह बागी, एम्ब्रोज़, अब उनकी नज़रों से ओझल हो जाए।

सैनिकों ने तुरंत एम्ब्रोज़ की ओर बढ़ना शुरू किया। उनकी आँखों में कठोरता और क्रूरता थी। उन्होंने एम्ब्रोज़ के कंधों पर कसकर पकड़ बनाई और उसे खींचकर बाहर ले जाने लगे।

सभा में मौजूद अन्य अधिकारी और सैनिक, जो अभी तक इस अभूतपूर्व घटना से सन्न थे, एक बार फिर मजोलीन की शक्ति और निरंकुशता का प्रदर्शन देखकर स्तब्ध रह गए।

"यह बागी केवल अपना अंत लेकर आया है," मजोलीन ने ठंडी और सख्त आवाज़ में कहा, मानो उसके शब्द पत्थर की दीवारों में दर्ज हो रहे हों। "इसकी कहानी सबके लिए चेतावनी बनेगी।"

एम्ब्रोज़ को बाहर घसीटते हुए ले जाया गया। सभा कक्ष में एक अजीब-सी खामोशी छा गई। सैनिकों के भारी कदमों की गूँज धीरे-धीरे कम होती गई, और मजोलीन अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया, उसके चेहरे पर एक क्रूर संतोष का भाव उभर रहा था।

"अब कोई और मूर्खता करने की हिम्मत नहीं करेगा," उसने धीरे से कहा, मानो खुद से बात कर रहा हो। लेकिन उसकी आवाज़ इतनी धीमी नहीं थी कि सभा के अन्य लोग इसे सुन न सकें।

सैनिकों ने बाहर जाते हुए एम्ब्रोज़ को कसकर पकड़ रखा था, लेकिन एम्ब्रोज़ के चेहरे पर न तो डर था और न ही पछतावा। उसकी आँखों में अब भी एक दृढ़ता झलक रही थी, मानो वह मजोलीन को चुनौती देने का फैसला कर चुका हो, चाहे इसके लिए उसे कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

धर्मा, जो अब एम्ब्रोज़ के शरीर में था, सोच में डूब गया। यह केबिन आखिर किस चीज़ से बना था, जिसे उसकी आत्मा भी पार नहीं कर पाई? यह सामग्री उसकी शक्तियों को कमजोर कर सकती थी। अब उसे इस रहस्यमय पदार्थ की खोज भी करनी थी।

सैनिकों ने एम्ब्रोज़ को मजबूती से पकड़ते हुए ट्रक के पिछले हिस्से में डाल दिया। ट्रक अंदर से लोहे की मोटी परतों से ढका हुआ था, मानो किसी युद्ध की स्थिति के लिए तैयार किया गया हो। उसमें पहले से ही पंद्रह सैनिक बैठे थे, सभी की नज़रें अब एम्ब्रोज़ पर टिकी थीं।

एम्ब्रोज़ के हाथों में लगी लेज़र हथकड़ियाँ चमक रही थीं, जो उसकी हर हरकत को नियंत्रित कर रही थीं। ट्रक के इंजन की गर्जना के साथ वह अपने गंतव्य, X-केज, की ओर तेजी से बढ़ चला। अंदर का माहौल भारी और तनावपूर्ण था। किसी को भी समझ नहीं आ रहा था कि एम्ब्रोज़ ने ऐसा जघन्य अपराध क्यों किया।

कुछ देर तक सिर्फ ट्रक के इंजन और सैनिकों के सांसों की आवाजें गूंजती रहीं। आखिरकार, इस चुप्पी को एक सैनिक ने तोड़ा।

"तो, क्या वो लड़की इतनी खास थी?" उसने व्यंग्यात्मक स्वर में पूछा। "उसके लिए तूने अपने साथी को मार डाला?"

सैनिक की आवाज़ में तंज और भद्दापन था। उसकी आँखों में वह घृणा झलक रही थी, जो रार जाति के लोगों के प्रति सत्ताधारी सैनिकों में आम थी।

एम्ब्रोज़ ने कोई जवाब नहीं दिया। वह शांत बैठा रहा, उसकी आँखें सीधे सामने की ओर देख रही थीं, मानो उस सवाल का कोई अस्तित्व ही न हो।

"अरे, बोल भी! हमें भी तो पता चले कि ऐसी क्या बात थी उस रार लड़की में!" दूसरे सैनिक ने हँसी उड़ाते हुए कहा। "यहाँ रार औरतों की कमी थोड़े ही है। जब चाहो, जिसे चाहो उठा लो," तीसरे सैनिक ने ठहाका लगाते हुए कहा।

एम्ब्रोज़ ने अपनी आँखें धीरे-धीरे उनकी ओर घुमाईं। उसके चेहरे पर एक अद्भुत ठहराव था, लेकिन उसकी आँखों में गुस्से की एक दबी हुई लहर साफ देखी जा सकती थी।

"तुम्हारी यही सोच मुझे नफरत से भर देती है," एम्ब्रोज़ ने गुस्से से कहा। उसकी आवाज़ में ऐसा बल था, मानो वह उनके दिलों को चीर देना चाहता हो। "हम सैनिक हैं, और हमारी भूमिका रार जैसी कमजोर जातियों का दमन करना नहीं, बल्कि उनकी रक्षा करना होनी चाहिए।"

एक सैनिक उसकी तरफ झपटा और एक जोरदार घूंसा उसके चेहरे पर जड़ दिया। एम्ब्रोज़ का सिर एक ओर झुक गया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

"अबे! संत कब से बन गया तू?" सैनिक चिल्लाया।

बाकी सैनिकों ने इस पर ठहाके लगाए, मानो उन्होंने कोई मज़ाक सुना हो।

"यह पागल हो गया है," एक ने कहा।

"अपने ही साथी को मार डाला और अब रार की तरफदारी कर रहा है," दूसरे ने जोड़ा।

एम्ब्रोज़ ने कोई जवाब नहीं दिया। उसकी खामोशी ने माहौल को और भी भारी बना दिया। ट्रक के झटकों के बीच सैनिकों के ठहाके धीरे-धीरे शांत होने लगे।

ट्रक के भीतर बैठे सभी सैनिक विस्मय और अविश्वास में थे। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि एम्ब्रोज़ जैसे प्रतिष्ठित सैनिक के साथ ऐसा क्या हुआ कि उसने अपनी सारी मर्यादाएँ तोड़ दीं।

जैसे-जैसे ट्रक X-केज के करीब पहुंचा, माहौल में एक गहरी गंभीरता और भय की लहर दौड़ने लगी। ट्रक के भीतर बैठे सैनिकों की बातों में भी एक अलग किस्म की खामोशी घुलने लगी थी। खिड़कियों से

बाहर का नजारा भयावह था—रेडिएशन से झुलसे हुए परिदृश्य में हर चीज़ मृतप्राय लग रही थी। सोलर रेडिएशन के लगातार कहर से वहां के पत्थर तक बेजान और भुरभुरे हो चुके थे।

एम्ब्रोज़ अपने स्थान पर स्थिर बैठा था, लेकिन उसके भीतर एक अदृश्य ज्वाला धधक रही थी। उसका चेहरा शांत था, मगर उसकी आँखों में एक ऐसी दृढ़ता झलक रही थी, जो सैनिकों के व्यंग्य और अपमान को भी झुठला रही थी। उसके मन में विचारों का भंवर चल रहा था—रार के लोगों के प्रति अन्याय, उनकी बेबसी, और सत्ता की क्रूरता। वह जानता था कि उसकी चुप्पी सैनिकों को भ्रमित कर रही थी, लेकिन वह इसे टूटने नहीं देना चाहता था।

रार—जिसे इन सैनिकों ने हमेशा एक निम्न जाति समझा, जिन्हें केवल सेवा और मनोरंजन का साधन माना जाता था— उनके लिए एम्ब्रोज़ का इस तरह खड़ा होना अविश्वसनीय था। यह सैनिकों की कल्पना से परे था कि कोई उनके जैसे प्रतिष्ठित सैनिकों के खिलाफ जाकर रार के अधिकारों की बात कर सकता था।

जब तक ट्रक X-केज की सीमा पर पहुंचा, सैनिक एम्ब्रोज़ की चुप्पी और उसकी बदलती मानसिकता को लेकर पूरी तरह हतप्रभ थे। उनका व्यंग अब धीरे-धीरे अनकहे सवालों में बदल रहा था।

X-केज कोई साधारण जेल नहीं थी। यह X141 ग्रह की सबसे खतरनाक और कुख्यात जगह थी। सोलर रेडिएशन की भयानक मार ने इस ग्रह को एक जीते-जागते नरक में बदल दिया था। जीवन केवल कुछ गिने-चुने डोम और बेसों तक सीमित था, जो उन्नत तकनीक से संरक्षित थे। इन संरक्षित क्षेत्रों से बाहर, रेडिएशन किसी भी जीवित चीज़ को पल भर में नष्ट कर सकता था।

X-केज इस विनाशकारी रेडिएशन के केंद्र में स्थित थी। इसे इस तरह से बनाया गया था कि कैदियों को केवल उनके अपराधों की सजा नहीं मिले, बल्कि वे रेडिएशन की बेतहाशा मार से धीरे-धीरे अपनी मौत का सामना करें। यहाँ की दीवारें, फर्श, और छत तक एक ही संदेश देती थीं—यहाँ से कोई वापस नहीं जा सकता।

रेडिएशन से भरे इस क्षेत्र की सीमा पर ट्रक आकर रुक गया। यह बिंदु X-केज का प्रवेश द्वार था, जहां से आगे जाने का मतलब था, मौत को सीधा चुनौती देना। ट्रक के ड्राइवर ने एक मानसिक सन्देश से एक यन्त्र के द्वारा टेलीपैथी के माध्यम से X-केज के वार्डन को संदेश भेजा।

वार्डन, जो इस नर्क की व्यवस्था का संरक्षक था, संदेश मिलते ही सक्रिय हो गया। उसने तुरंत एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए वाहन को ट्रक की ओर रवाना किया। यह वाहन रेडिएशन के खतरनाक क्षेत्र से गुजरने में सक्षम था और खासतौर पर ऐसे कैदियों को लाने के लिए बनाया गया था, जिनके लिए न्याय से ज्यादा सजा का मतलब था।

एम्ब्रोज़ को ट्रक से उतारा गया और उस विशेष वाहन में बिठा दिया गया। उसकी हथकड़ियाँ अब और कस दी गई थीं। जैसे ही वाहन ने X-केज की ओर अपनी यात्रा शुरू की, सैनिकों की निगाहें एम्ब्रोज़ पर थीं। वे जानते थे कि इस कैदी का अंत कितना क्रूर और असहनीय होगा, लेकिन एम्ब्रोज़ का शांत और अडिग चेहरा उनके भीतर भी एक अनजाना असंतोष जगा रहा था।

एम्ब्रोज़ की यात्रा अब X-केज की ओर बढ़ रही थी, लेकिन उसकी आँखों में अब भी एक चमक थी—एक अदम्य इच्छाशक्ति, जो उसे हर कठिनाई के बावजूद जीवित रहने के लिए प्रेरित कर रही थी।

"जनरल मजोलीन का आदेश है कि कैदी एम्ब्रोज़ को विरलनाक के खनन कार्य पर लगाया जाए, जब तक इसके प्राण नहीं निकल जाते,"

ट्रक ड्राइवर ने यह संदेश X-केज के चीफ वार्डन को भेज दिया। कुछ ही देर में मजोलीन का हस्ताक्षरित आदेश भी वार्डन के पास पहुँच गया।

एम्ब्रोज़ को अब तक यह समझ नहीं आया था कि "विरलनाक" क्या था और उसका खनन कैसे किया जाता था। लेकिन वह इतना जानता था कि अगर जनरल मजोलीन ने यह सजा दी थी, तो यह किसी साधारण सजा से कहीं ज्यादा खौफनाक होगी। यह सजा मृत्यु से भी अधिक भयावह और क्रूर थी।

&

जैसे ही वीवो ने सैटेलाइट स्टेशन के कर्मचारियों से पूछा, उसकी आवाज़ में अधिकार झलक रहा था, लेकिन भीतर बेचैनी की हल्की खलिश भी थी।

"क्या इस ग्रह पर “धर्मा” नाम का कोई व्यक्ति आया है? ऐसा कोई, जिसके शरीर में टाइमेक्स की चिप न हो?" उसने अपनी आवाज़ को सख्त बनाए रखा।

"नहीं, वीवो मैडम। ऐसा कोई भी व्यक्ति हमारे ग्रह पर नहीं आया," इंचार्ज ने आत्मविश्वास भरे स्वर में जवाब दिया।

वीवो ने एक गहरी सांस ली। वह समझ चुकी थी कि धर्मा, जो कोस्ब जैसी सुदृढ़ और सावधान संस्था को चकमा देकर इरीट्रिया से निकल सकता था, उसके लिए X141 में प्रवेश पाना भी कोई बड़ी बात नहीं होगी। लेकिन यहाँ, इस ग्रह की विषम परिस्थितियाँ हर अजनबी के लिए चुनौती थीं।

X141 एक जीवन विरोधी ग्रह था। यहाँ लोगो के पास जीवित रहने के लिए केवल कुछ सीमित और संरक्षित क्षेत्र थे। मिलिट्री बेस कैंप्स और स्ट्रेंज सी के आसपास के इलाके ही रेडिएशन से बचाव में सक्षम थे।

बाकी ग्रह, घातक सोलर रेडिएशन की मार झेलते हुए, जीवन के लिए पूरी तरह असंभव था।

वीवो की नजरें इंचार्ज पर टिकी थीं। एक विचार उसके भीतर कौंधा। उसने तेज़ स्वर में पूछा, "क्या तुम लोगों ने स्ट्रेंज सी के आसपास कोई असामान्य गतिविधि देखी है?"

कुछ पलों की चुप्पी के बाद, इंचार्ज ने जवाब दिया, "नहीं, मैडम। लेकिन एक थाइज़र था जो स्ट्रेंज सी में असामान्य दिलचस्पी ले रहा था। वह यहाँ से जाने के बाद फिर लौट आया था, शायद कुछ खास खोजने के लिए।"

यह सुनते ही वीवो के भीतर खतरे की घंटियां बजने लगीं। धर्मा के बारे में उसकी आशंका और पुख्ता हो गई। उसने अपने आप से सोचा: "क्या धर्मा ने उस थाइज़र को चकमा देकर उसके साथ बेस 4 तक पहुंचने का रास्ता बना लिया है?"

"मुझे तुरंत बेस 4 जाना है। इसकी व्यवस्था करो," वीवो ने आदेशात्मक स्वर में कहा।

एक कर्मचारी ने झिझकते हुए कहा, "मैडम, बिना जनरल मजोलीन की अनुमति के हम ऐसा नहीं कर सकते।"

वीवो का गुस्सा अब उबाल पर था। उसने तेज़ी से पलटकर कहा, "मूर्ख! मेरे पास Xor साम्राज्य के रक्षा मंत्री डायस की आज्ञा है। मुझे बेस 4 पर भेजने में देरी मत करो।"

लेकिन अधिकारी शांत और दृढ़ स्वर में बोला, "क्षमा करें, मैडम। हमें पहले जनरल मजोलीन से अनुमति लेनी होगी।"

X141 पर मजोलीन का वर्चस्व हर बात में प्रतीत हो जाता था। वीवो को अब यह स्पष्ट हो चुका था कि X141 पर भले ही Xor साम्राज्य

का झंडा लहरा रहा हो, लेकिन असल में यहाँ मजोलीन की हुकूमत का ही बोलबाला था। उसकी अनुमति के बिना कुछ भी संभव नहीं था।

गुस्से को काबू में करते हुए वीवो ने खुद को शांत किया और जनरल मजोलीन की आज्ञा का इंतजार करने लगी।

कुछ ही क्षणों में एक कर्मचारी ने सूचना दी, "जनरल मजोलीन आपसे बात करना चाहते हैं। मैं उन्हें कनेक्ट कर रहा हूँ। आप उनसे सम्मानपूर्वक बात करेंगी।"

वीवो ने ठंडी आवाज़ में जवाब दिया, "ठीक है।" कुछ पलों बाद, सेटेलाइट स्टेशन के भीतर जनरल मजोलीन की पूर्ण-आकार की, स्पर्शनीय होलोग्राफिक छवि उभर आई। उसकी उपस्थिति से वातावरण में एक भयावह अधिकार झलक रहा था।

कर्मचारी ने वीवो को झुकने का संकेत किया। न चाहते हुए भी, वीवो ने झुककर मजोलीन के चरणों का स्पर्श किया और उसने उसके कदमों को चूमा, जैसे कि X141 के रीति-रिवाजों के अनुसार हर व्यक्ति के लिए आवश्यक था, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो अजय सैनिक नहीं थे। यह एक कड़ी और निर्विवाद परंपरा थी, जिसे सागर से लेकर आकाश तक सभी को सम्मानपूर्वक मानना पड़ता था। यह जनरल मजोलीन के सम्मान का प्रतीक था और एक ऐसी परंपरा जो शरणागत को अपनी स्थिति स्वीकार करने और आदेशों का पालन करने का स्पष्ट संदेश देती थी।

वीवो के लिए यह अत्यधिक अपमानजनक था, लेकिन धर्मा को पकड़ने के लिए उसे यह कड़वा घूंट पीना ही था।

"तुम किसे ढूंढ रही हो?" मजोलीन की कठोर और गंभीर आवाज़ गूँज उठी।

"मैं धर्मा नाम के एक आतंकवादी को ढूंढ रही हूँ। वह इरीट्रिया से बचकर X141 में आ गया है," वीवो ने संयम के साथ जवाब दिया।

मजोलीन ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और अपनी आवाज़ में एक कुटिल मुस्कान लाते हुए कहा, "कोई ऐंजलन स्त्री हमारे ग्रह पर आई है, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। और तुम कोस्ब की अधिकारी हो, यह तो और भी बड़ा सम्मान है।"

वीवो ने उसकी घूरती नजरों को महसूस किया। उसका गुस्सा उफान पर था, लेकिन उसने खुद को शांत रखा।

"धन्यवाद," वीवो ने ठंडी आवाज़ में कहा।

"बेस 4 पर जाने की अनुमति अवश्य मिलेगी। लेकिन पहले तुम्हें मेरे महल में कुछ समय बिताना होगा। मैं देखना चाहता हूँ कि ऐंजलन स्त्रियाँ कैसी होती हैं। मैंने तुम्हारे बारे में सुना है, लेकिन अनुभव कभी नहीं किया," मजोलीन ने अपनी कुटिलता और बढ़ाते हुए कहा।

यह सुनकर वीवो का गुस्सा फूट पड़ा। उसने प्रतिरोध करते हुए कहा, "जनरल मजोलीन, मैं कोस्ब की अधिकारी हूँ।"

मजोलीन ने उसकी बात काटते हुए गर्जना की, "इज्जत दे रहा हूँ, तो इज्जत ले लो। भूलो मत, तुम कहाँ खड़ी हो। अगर मेरी सेना की सार्वजनिक वधु नहीं बनना चाहती हो, तो तुरंत मेरे महल में आ जाओ।"

इसके साथ ही मजोलीन ने कनेक्शन काट दिया। उसकी होलोग्राफिक छवि धीरे-धीरे गायब हो गई।

वीवो ने महसूस किया कि इस क्रूर ग्रह पर वह बिल्कुल अकेली और मजबूर थी। डायस की अनुपस्थिति में, यहाँ का हर रीति-रिवाज और हर व्यक्ति उसके खिलाफ था।

धर्मा को पकड़ने के लिए उसे मजोलीन के महल में जाना ही होगा। उसकी आँखों में क्रोध के अंगारे थे, और भीतर एक ऐसा तूफान उमड़ रहा था, जिसे रोक पाना अब असंभव था।

~~

अध्याय इक्कीस - X-केज

एम्ब्रोज़ के शरीर में समाई धर्मा की आत्मा ने आखिरकार देखा कि X-केज अपनी कुख्याति के लिए बदनाम क्यों थी। यह केवल एक जेल नहीं थी—यह एक जीवित नर्क था, जहाँ हर सांस लेना एक संघर्ष था और हर गुजरता क्षण इंसानियत के पतन का गवाह बनता था। यहाँ के अंधेरे कोनों में केवल छायाएँ नहीं, बल्कि हिंसा, यातना और अनकहे डर बसे थे।

हवा में जंग, पसीने और किसी तीव्र, झनझनाने वाली गंध का भारीपन था, जो नथुनों में जलन पैदा करती थी। यह जेल, धातु और पत्थर का एक विशाल ढांचा, इस उजाड़ ग्रह के बीमार सुर्ख आकाश के नीचे एक मरते हुए जानवर की तरह खड़ा था। यहां की गुरुत्वाकर्षण शक्ति सामान्य से कुछ अधिक थी, जिससे हर हरकत भारी लगती थी, हर सांस जैसे फेफड़ों में पत्थर घसीटने जैसा महसूस होती थी।

दीवारें अदृश्य जेनरेटरों की धड़कन से गूंज़ती थी, और मद्धम रोशनी अनियमित अंतराल पर टिमटिमाती थी, धारदार परछाइयां बनाती थी, जिससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता था कि कोई देख रहा था या नहीं। और कोई हमेशा देख रहा होता था।

सामान्यतः नए कैदी पहले पहले चुप रहते थे — परिस्थितियां जांचते हुए, इंतजार करते थे। एम्ब्रोज़ ने देखा बाकि कैदियों की आंखें मंद रोशनी में चमकती थी, कुछ साइबरनेटिक रूप से संशोधित, कुछ एकदम शून्य, भावहीन। कुछ के शरीर पर पुराने झगड़ों के निशान थे, कहीं कटे अंगों की जगह घटिया यांत्रिक जोड़ लगे थे। गाड्र्स, भारी एक्सो-सूट्स में लिपटे, मशीन जैसी सटीकता से चलते थे। उनके हेलमेट के काले वाइज़र में कोई इंसानियत नहीं झलकती थी। वे तभी बोलते थे जब कोई आदेश देना हो—या कोई चेतावनी। शायद दोनों।

खाना—अगर इसे खाना कहा जाए—स्लेटी रंग का एक बेस्वाद गाढ़ा तरल, जो छत से निकलने वाली नलियों से धातु की नांद में गिरता था। कुछ कैदी जल्दी से सिर झुकाकर खाते थे। कुछ ऐसे खाते थे जैसे वे शिकारी हों, अपने सड़े-गले या कृत्रिम दांतों का नंगा प्रदर्शन करते हुए।

कोठरियां दीवारों में बनी ताबूत जैसी संकरी कैप्सूल थी, ठंडी, नम और कभी-कभी हल्के विद्युत झटकों से गूंजती हुईं—बस ये याद दिलाने के लिए कि तुम किसी जीवित चीज़ के अंदर कैद हो, किसी ऐसी जगह, जो तुम्हारे चारों ओर सांस लेती थी।

रात को, तापमान तेजी से गिरता था और वेंट्स से बर्फीली हवा निकलती थी। ये जेल उन सभी हजारों कैदियों की कराहों और दर्द से भिनभिनाती रहती थी जो यहाँ से कभी बाहर नहीं निकले थे।

X-केज के अंदरूनी हिस्सों की निगरानी अनेकों ड्रोन करते थे। कोई वार्डन नहीं था—सिर्फ वार्डन की आवाज़, जो किसी अनजान जगह से गूंजती थी, दरारों में से रिसते हुए। कभी यह हंसती थी। कभी यह चीखती थी।

X-केज के निचले स्तर के बारे में एक भयंकर अफवाह थी। अफवाह यह थी कि निचले स्तर पर एक ऐसी जगह थी जहां से कैदी गायब हो जाते थे, जहां रोशनी लाल होती थी, और दीवारें हिलती थी। कोई सवाल नहीं करता था। उस स्तर पर जिसको ले जाय जाता था यदि वो जीवित वापस आ गया तो उसके किसी पिछले जन्म के पुण्य की दुहाई दी जाती थी।

इन सबसे ऊपर, इस पूरी जेल से बाहर, ग्रह की उग्रता हावी थी। काले धूल के तूफान जेल की दीवारों से टकराते थे, एक जीवित चीज़ की तरह दहाड़ते हुए, वेंटिलेशन शाफ्ट में सरसराते हुए इस जेल के कैदियों

को यह याद दिलाते थे कि इन दीवारों के बाहर, इस जेल से भी बदतर कुछ था—और वह थी यह दुनिया खुद।

एम्ब्रोज़ को एक संकरी, दमघोंटू कोठरी में ठूंस दिया गया। धातु की दीवारें ठंडी और गीली थीं, उन पर समय की क्रूरता के निशान थे—गहरी खरोंचें, धुंधले खून के धब्बे और उन कैदियों की गूँज जो उससे पहले यहाँ तड़प चुके थे। उसे इसी कोठरी में रात बितानी थी। लेकिन सुबह? सुबह उसे निचले स्तर पर ले जाया जाएगा—जहाँ विरलनाक खदानें थीं, एक नरक जो शायद मृत्यु से भी बदतर था।

एम्ब्रोज़ के भीतर छिपी चेतना, धर्मा, ने इस जगह का असली स्वरुप पहचान लिया था। यह कोई जेल नहीं थी—यह एक भट्टी थी, जहाँ इंसानियत को धीरे-धीरे जलाया जाता था। किसी भी जीवित प्राणी को यहाँ रखना ही सबसे बड़ा अन्याय था, सबसे बड़ा पाप।

एम्ब्रोज़ की नसों में क्रोध उबाल मारने लगा। उसने अपनी पूरी ताकत से गूँजती हुई गर्जना की—एक कसम, एक घोषणा जो इस नर्क की दीवारों तक टकराकर वापस गूँजी।

"मैं वादा करता हूँ, जल्द ही यहाँ के सभी कैदियों को आज़ाद करूँगा! यह अत्याचार अब खत्म होगा!"

लेकिन उसकी आवाज़ बस ठंडी दीवारों से टकराकर रह गई। आस-पास के कैदी, जो पहले से ही इस यातना के अभ्यस्त थे, उसकी बात को महज़ एक नए कैदी की बचकानी बकवास समझकर अनसुना कर गए। उनके लिए यह पहली बार नहीं था जब किसी ने आज़ादी की बात की थी... और पहली बार नहीं जब किसी की उम्मीद को चकनाचूर होते देखा था।

पर शायद एम्ब्रोज़ को एहसास नहीं था कि इस जेल में हर शब्द सुना जाता था, हर साँस पर नज़र रखी जाती थी। वार्डन और उसके यांत्रिक

गुप्तचर हर चीज़ पर निगरानी रखते थे। अगले ही क्षण, कोठरी की दीवारों में लगे छिपे हुए विद्युत-प्रवाह सक्रिय हो गए।

"आर्घ!!"

एम्ब्रोज़ का पूरा शरीर झनझना उठा। तेज़, दर्दनाक झटके उसकी हड्डियों तक गूंज गए। उसकी माँसपेशियाँ अकड़ गईं, और वो फ़र्श पर तड़पता, छटपटाता हुआ गिर पड़ा।

"यह जेल नहीं है," धर्मा ने भीतर से महसूस किया, "यह यातना का एक अंधकारमय यंत्र है, जो हर उम्मीद को कुचल देता है।"

लेकिन दर्द के बावजूद, एम्ब्रोज़ फिर चीखा।

"सुन लो, वार्डन! यह सब बहुत जल्द खत्म होगा! अगर तुम अपनी जान बचाना चाहते हो, तो यह ज़ुल्म अभी रोक दो!"

लेकिन जवाब में, झटकों की तीव्रता और बढ़ा दी गई।

एम्ब्रोज़ पूरी रात यूँ ही तड़पता रहा। हर झटके के साथ, उसकी चेतना धुंधली पड़ती गई। लेकिन दर्द के बीच एक विचार लगातार जलता रहा—कैसे वह इस बेजान, सूखी और मृत्यु से घिरे ग्रह को अपने ही बंधन से मुक्त करेगा?

अँधेरी कोठरी में दर्द से तड़पते हुए भी, उसकी आँखों में विद्रोह की लौ जल रही थी।

&

जनरल मजोलीन के लिए ऐंजलन स्त्रियाँ किसी दुर्लभ खजाने से कम नहीं थीं—उनकी सुंदरता, उनकी कोमलता, उनका दुर्लभ अस्तित्व। उन्हें बस दूर से देखने का सपना भी कई लोगों के लिए असंभव था। मगर आज, वो न सिर्फ एक ऐंजलन महिला को अपने कब्जे में रखे हुए था, बल्कि उसे अपने पाशविक सुख का साधन बना चुका था।

वीवो, जिसे किसी भी कीमत पर धर्मा को पकड़ना था और उसने शायद इसकी बहुत ही बड़ी कीमत चूका दी थी। वीवो मजोलीन की कैद में थी—असहाय, मजबूर, लेकिन भीतर से बुझी नहीं थी।

मजोलीन के हाथों से गुजर चुकी कितनी ही लड़कियाँ अंधकार में खो गई थीं, मगर आज वह जानता था कि यह क्षण बाकी सबसे अलग था। वीवो की मौजूदगी ने उसमें एक नए प्रकार की उत्तेजना जगा दी थी—एक विजयी क्रूरता, एक बीमार संतोष।

लेकिन वीवो के भीतर आग जल रही थी।

मजोलीन ने एक बार फिर वीवो के नग्न शरीर पर नजर डाली, और उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने एक बार फिर खुद को वीवो के साथ मिला लिया, मानो स्वर्गीय आनंद का अनुभव कर रहा हो। जैसे-जैसे वह वीवो के शरीर में डूबता गया, उसकी सुख की अनुभूति और गहरी होती चली गई।

कई लोगों के लिए किसी ऐंजलन स्त्री को करीब से देखना ही एक सपना था, लेकिन जनरल मजोलीन उससे कहीं बढ़कर, इस कोमल स्त्री को अपनी वासना का शिकार बनाकर परम आनंद का अनुभव कर रहा था। उसे नहीं पता था कि वीवो किसे ढूंढने के लिए उसके ग्रह पर आई थी, लेकिन जिसने भी उसे यहाँ भेजा था, मजोलीन उसका अनगिनत बार धन्यवाद कर रहा था।

मजोलीन तब तक वीवो का आनंद उठाता रहा जब तक कि वह पूरी तरह थककर चूर नहीं हो गया।

मजोलीन ने वीवो को घृणित संतोष से देखा, उसकी आँखों में न कोई पछतावा था, न कोई शर्म। केवल वहशी भूख थी—वर्चस्व की, नियंत्रण की। वीवो उस बिस्तर पर पूर्णतः नग्न और निश्चल लेटी थी, पर

उसकी आँखों में एक अजीब-सी कठोरता थी। उसकी देह शायद मजोलीन के हाथों की कैद में थी, मगर उसकी आत्मा अब भी मुक्त थी।

मजोलीन भारी सांसें लेते हुए उस आलीशान बिस्तर से उठ बैठा। वह थका हुआ था, मगर संतुष्ट। उसने वीवो को बिस्तर पर निर्विकार पड़ी देखा, उसका नग्न शरीर एकदम स्थिर था, मगर उसकी आँखों में एक अनकही घृणा झलक रही थी।

वीवो ने धीमी, मगर ठंडी आवाज़ में कहा, "क्या मैं अब जा सकती हूँ?"

मजोलीन के होंठों पर एक जहरीली मुस्कान फैल गई। उसने अपने निजी संग्रह से एक छोटी गोली निकाली, उसे निगलते ही उसकी साँसें स्थिर हुईं, और उसकी आँखों में वही वासना की भूख फिर से लौट आई।

उसने वीवो की ओर देखा, उसकी दृष्टि में वही वहशियत थी जो वीवो पहले ही पहचान चुकी थी।

"अभी एक और राउंड बाकी है।"

वीवो ने एक गहरी सांस ली और अपनी आँखें बंद कर लीं। बाहर इस बंजर ग्रह की हवाएँ चीख रही थीं, जैसे उसके दर्द का अक्स बनकर वो यहाँ से वहां घूम रही हो। वीवो जानती थी कि यह रात अभी खत्म नहीं हुई थी। वीवो यह भी जानती थी कि अभी कुछ दिनों तक मजोलीन उसे छोड़ने वाला नहीं था, लेकिन उसके भीतर एक दृढ़ निश्चय था, एक अविचलित संकल्प—धर्मा को हर हाल में पकड़ना था। उसकी आँखों में एक जलती हुई लौ थी, और यही लौ उसे हर हाल में आगे बढ़ने की शक्ति दे रही थी। वह जानती थी कि धर्मा को पकड़ने के बाद, मजोलीन को वह सजा देगी जिसकी कल्पना भी उसने कभी नहीं की थी। वह सजा, जो इस जघन्य क्रूरता का बदला होगी, और मजोलीन के लिए एक भीषण यातना से कम नहीं होगी।

वीवो के भीतर जो आग धधक रही थी, अब उसका उद्देश्य केवल धर्मा से बदला लेना भर नहीं था, बल्कि जनरल मजोलीन को यह दिखाना था कि ऐंजलन स्त्रियाँ कितनी शक्तिशाली थी।

मजोलीन ने घोर भूल कर दी थी। उसने वीवो को एक निर्बल शिकार समझ लिया, लेकिन वह नहीं जानता था कि उसके सामने एक ऐसी ज्वाला खड़ी थी, जो धीरे-धीरे अपने प्रचंड रूप में आने वाली थी। और जब वह क्षण आएगा, तो मजोलीन को अपनी गलती की कीमत चुकानी पड़ेगी—बहुत भारी कीमत।

यह कहानी अब एक खूंखार मोड़ पर खड़ी थी—वीवो की आँखों में वह आग थी, जो शायद मजोलीन देख ही नहीं पाया था।

वह समझ नहीं सका था कि यह सिर्फ बीतने वाले पल नहीं थे, बल्कि वे पल थे जब उसकी जघन्यता की सजा तय हो रही थी।

~~

अध्याय बाइस- एम्ब्रोज़ का दांव

एम्ब्रोज़ रात भर उस विद्युत यातना के झटकों को सहता रहा, और जब सुबह की पहली किरण ने उसकी पीड़ा को कुछ समय के लिए समाप्त किया, तो उसे समझ आया कि यह केवल शुरुआत थी। कुछ ही पलों में घोषणा की गई,

"सभी कैदी फॉरेन मैन ग्राउंड पर आ जाएं।"

एम्ब्रोज़ को इसका मतलब ठीक से समझ में नहीं आया, लेकिन बाकी कैदियों की तरह, वह भी मजबूरी में मैन ग्राउंड की ओर बढ़ गया। उसकी हालत इतनी बुरी थी कि उसके लंगड़ाते कदमों से पता चल रहा था कि रातभर के विद्युत झटकों ने उसके शरीर पर गहरा असर डाला था। मैन ग्राउंड पर पहुंचते ही, उसने एक विशाल चबूतरे पर खड़ा एक व्यक्ति देखा, जो उसकी तरह न जाने कितने कैदियों के लिए निराशा और भय का कारण था—यह था वार्डन।

वार्डन ने अपनी गहरी और गूंजती आवाज में चीखते हुए कहा, "तुम लोगों में से आज पंद्रह लोग नीचले स्तर पर जाएंगे।"

वहां खड़ी भीड़ में लगभग पंद्रह सौ कैदी थे, और सब जानते थे कि आज उन में से पंद्रह की बलि चढ़ेगी। सभी मन ही मन यही प्रार्थना कर रहे थे कि उस पंद्रह नाम की सूची में उनका नाम ना हो। परन्तु एम्ब्रोज़ की आँखों में एक आग थी, और वह किसी भी हालत में हार मानने वाला नहीं था।

वार्डन द्वारा नामों की घोषणा से पहले, एम्ब्रोज़ ने अपनी आवाज को जितनी जोर से हो सकती थी, फैलाया, "वार्डन, मैंने कहा था कि यह सब बंद कर दो! मेरे शरीर में सन ऑफ गॉड की आत्मा का वास है। अगर तुम इसे अभी बंद कर दो, तो मैं तुम्हे माफ कर दूंगा!"

यह सुनकर वहां खड़े सभी कैदी हतप्रभ रह गए। क्या यह मूर्ख कैदी, जो कुछ समय पहले एक सैनिक था, सचमुच ऐसा बोल रहा था?

वार्डन ने एम्ब्रोज़ को देखा और जोर जोर से हंसते हुए कहा, "लगता है, इलेक्ट्रिक शॉक ने तुम पर कुछ ज्यादा असर कर दिया।"

सभी कैदी भी उसके पीछे हंसने लगे, यह सोचते हुए कि कैसे एम्ब्रोज़ इतनी बुरी हालत में होते हुए भी इतनी नासमझ बातें कर रहा था।

एम्ब्रोज़ की आवाज गूंज उठी, "मूर्ख वार्डन! अगर तूने अभी मेरी बात नहीं मानी, तो तुझे इसका भयानक अंजाम भुगतना पड़ेगा। तू सच में पछताएगा!"

उसकी चुनौती भरी गर्जना ने पूरे मैदान में सन्नाटा भर दिया। वार्डन, जो अब तक मज़ाकिया अंदाज़ में था, अचानक गंभीर हो गया। उसके चेहरे के भाव बदल गए—आँखों में क्रूरता और होठों पर एक खतरनाक चमक उभर आई। वह कुछ कदम आगे बढ़ा और भीड़ की ओर घूरते हुए बोला,

"नीचले स्तर पर जाने वाले कैदियों में पहला नाम—एम्ब्रोज़!"

उसका स्वर किसी निर्दयी शासक की तरह कठोर और निर्मम था।

लेकिन एम्ब्रोज़ पीछे हटने वालों में से नहीं था। उसने घुटनों तक दर्द में डूबे अपने घायल शरीर को संभाला और पूरी ताकत से दहाड़ा,

"मूर्ख वार्डन! आज पहला और आखिरी नाम सिर्फ मेरा ही होगा! तुझे लगता है कि निचले स्तर से कोई भी कैदी जिंदा वापस नहीं आ सकता? तो मैं तेरा ये घमंड तोड़कर दिखाऊंगा! मैं नीचे जाऊंगा और अपनी जीत के साथ लौटूंगा।"

वार्डन के होंठों पर एक कुटिल मुस्कान फैल गई। उसकी आँखों में एक शैतानी चमक थी, जैसे उसने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा हो जो अपनी मौत को गले लगाने के लिए उतावला हो।

"तो देखता हूँ, सन ऑफ गॉड, क्या तू भी बाकी कैदियों की तरह मिट्टी में मिल जाएगा, या सच में कोई चमत्कार कर पाएगा," वार्डन मन ही मन बुदबुदाया।

अब सबकी निगाहें एम्ब्रोज़ पर थीं। उसकी नियति तय हो चुकी थी।

"आज इस सन ऑफ गॉड का हमारी जेल में पहला दिन है इसलिए हम इनकी इच्छा पूरी करते हैं," वार्डन ने बड़ी बेदर्दी से कहा, "इसलिए ये अकेले ही निचले स्तर पर जाएंगे।"

एम्ब्रोज़ ने फिर भी अपनी आवाज उठाते हुए कहा, "मूर्ख वार्डन, मैं इस जेल के सभी कैदियों को आज़ाद कर दूंगा!"

उसकी आवाज में एक ऐसी शक्ति थी, जैसे वह किसी बड़े युद्ध का ऐलान कर रहा हो।

वार्डन ने हंसी के साथ कहा, "पहले आज शाम तक निचले स्तर से वापस तो आ जाओ!" फिर मुस्कुराते हुए बोला, "हाँ, यह वादा है। अगर तुम जीवित वापस आ गए, तो तुम्हें अच्छा खाना दूंगा और एक दिन के लिए पूरा आराम करने दूंगा।"

उस पल वहां खड़े सभी कैदी हतप्रभ थे। अब तक वे जान चुके थे कि एम्ब्रोज़ एक अजय सैनिक था, जिसने एक और अजय सैनिक की जान ली थी। वह भी एक रार लड़की के लिए। इसके अलावा, उसने जनरल मजोलीन को भी चुनौती दी थी, और उसी कारण उसे विरलनाक के खनन का दंड मिला था। लेकिन अब उसने खुद ही निचले स्तर जाने की स्वीकृति दे दी थी । उसे पता होना चाहिए था निचले स्तर पर जाना मतलब एक निश्चित मौत। उसने क्यों फिर जानते बूझते मृत्यु को गले लगा लिया था। यही सब बाकी कैदियों के लिए एक बड़ा रहस्य बन चुका था।

लेकिन वार्डन की सोच कहीं और थी। एम्ब्रोज़ के उस दृढ निश्चय ने उसे विचलित कर दिया था। वह शायद बोफ के बारे में जानता था। उसने कुछ कथाएँ सुन रखी थीं, जिनमें कहा गया था कि इरीट्रिया के लोग एक "सन ऑफ गॉड" के बारे में बात करते थे, जो किसी अन्य दुनिया से आएगा और पापों का अंत करेगा। क्या ये कथाएँ सच थीं? क्या एम्ब्रोज़ सच में वही "सन ऑफ गॉड" था? वार्डन की सोच में कुछ संकोच था, पर फिर उसने खुद को समझाया कि वह इस ख्यालों में क्यों उलझ रहा है। एम्ब्रोज़ की बातों में फंसकर वह क्या बेमतलब की किवदंतियाँ सोच रहा था?

यह सोचते हुए, वार्डन ने इशारा किया, और एक ड्रोइड ने एम्ब्रोज़ को खींचते हुए एक छोटे जीप जैसे वाहन में डाल दिया। एम्ब्रोज़ को अब नीचले स्तर पर भेजा जा रहा था, जहां उसकी परीक्षा अभी शुरू होने वाली थी।

&

वीवो इस वक्त उस विशाल और भव्य महल में अकेली घूम रही थी। महल, जो अपनी अद्भुत नक्काशी और विशाल स्तंभों के कारण किसी स्वप्नलोक से कम नहीं था, अब उसके लिए एक सोने का पिंजरा बन चुका था। जनरल मजोलीन अपने अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बैठक में व्यस्त था, और यह अवसर वीवो के लिए अनमोल था। उसे हर हाल में धर्मा का सुराग खोजना था।

हालाँकि इस महल में उसे अपमान और पीड़ा ही मिली थी, लेकिन अनजाने में ही उसे पूरे ग्रह के महत्वपूर्ण स्थानों और गतिविधियों की जानकारी भी मिल रही थी। इस वक्त, वीवो महल के रणनीतिक विभाग में थी, जहाँ उसके सामने मजोलीन का व्यक्तिगत सचिव, मैक्स, बैठा था।

मैक्स ने अब तक कभी भी किसी ऐंजलन स्त्री को इतने करीब से नहीं देखा था। पूरी फ्रां गैलेक्सी में ऐंजलन स्त्रियों की सौंदर्य की कहानियाँ प्रसिद्ध थीं। कहा जाता था कि साक्षात देवता भी ऐंजलन स्त्रियों के प्रेम और स्नेह के वशीभूत हो जाते थे, तो साधारण पुरुषों की तो बात ही क्या थी।

मैक्स को यह पता था कि जनरल मजोलीन के आदेशानुसार वीवो उसके पास तब तक रहेगी, जब तक मजोलीन का उस पर मोहभंग न हो जाए। लेकिन मैक्स के मन में एक और लालसा थी—काश, उसके बाद वीवो पर उसका अधिकार होता! हालाँकि, उसे इस बात का संदेह था कि मजोलीन उसे यह अवसर देगा या नहीं। इसलिए, उसे खुद ही वीवो को मोहित करना होगा। यदि वह वीवो को रिझा पाया, तो शायद यह सुंदर अप्सरा उसकी भी इच्छाएँ पूरी कर दे।

वीवो उसकी आँखों में छिपी भूख को भाँप चुकी थी, और उसने तय कर लिया कि वह इस मौके का पूरा लाभ उठाएगी। वह मोहक अंदाज़ में मुस्कुराई और अपनी आवाज़ को हल्का मधुर बनाते हुए बोली,

"मैक्स, क्या तुम मुझे इस ग्रह पर हाल ही में हुई किसी असामान्य घटना के बारे में बता सकते हो?"

मैक्स को यदि वीवो को रिझाना था, तो उसे उसके साथ अधिक समय बिताना होगा। उसने थोड़ा दिखावटी सोचने का नाटक किया, फिर सिर हिलाते हुए कहा, "नहीं, सुंदरी, ऐसी कोई खास बात तो याद नहीं आ रही।"

वीवो ने उसे ध्यान से देखा और फिर धीमे से झुकते हुए बोली, "थोड़ा सोचो... जैसे थाइज़र का स्ट्रेंज सी पर आना।"

वीवो के इतनी करीब आने से मैक्स का ध्यान पूरी तरह से बँट चुका था। वह उसके चेहरे को ही निहार रहा था, उसकी मदहोश कर देने वाली खुशबू से सम्मोहित हो गया था।

"देखो, यदि तुम मेरे काम आ सको, तो शायद मैं भी तुम्हारे किसी काम आ सकूँ," वीवो ने धीमे से कहा, उसके शब्दों में एक रहस्यमय मिठास थी।

मैक्स को ऐसा लगा जैसे वह किसी स्वप्न में हो। वह और करीब आया, लेकिन जैसे ही उसने हाथ बढ़ाया, वीवो अचानक पीछे हट गई।

"छोड़ो, मैं मजोलीन से ही पूछ लूँगी। वैसे भी, वह तुमसे ज्यादा जानता होगा," वीवो ने लापरवाह अंदाज़ में कहा और मुड़कर जाने लगी।

"रुको! नहीं, नहीं... एक पल ठहरो, अप्सरा!" मैक्स घबरा कर बोला और झटपट अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ।

वीवो के कदम रुक गए। वह दरवाजे की चौखट पर खड़ी होकर उसकी ओर देख रही थी।

"थाइज़र तो अक्सर आते रहते हैं किसी न किसी रिसर्च के लिए," मैक्स बोला, "पर... हाँ, एक दिलचस्प घटना जरूर हुई थी।"

वीवो ने रुचि दिखाई, "क्या?"

"हमारे एक अजय सैनिक ने एक दूसरे अजय सैनिक को मार डाला... एक रार लड़की के लिए।" मैक्स ने चुटीले अंदाज़ में कहा, "लड़कियाँ ऐसा क्यों करवा देती हैं?"

वीवो हल्का-सा मुस्कुराई, "लड़के मूर्ख होते हैं।"

वह समझ चुकी थी कि मैक्स से उसे ज़्यादा महत्वपूर्ण जानकारी नहीं मिलेगी। वह जाने के लिए मुड़ी ही थी कि मैक्स फिर बोल उठा,

"अरे, वो मूर्ख सैनिक तो जनरल मजोलीन को ही चुनौती दे बैठा! कहने लगा—"रार लड़की को आज़ाद करो!" जाहिर है, उसे X-केज भेज

दिया गया। लेकिन सोचो... जब एक अजय सैनिक किसी रार लड़की के लिए ऐसा कर सकता है, तो ऐंजलन स्त्री के लिए तो यहाँ दंगे मच जाएंगे!"

वीवो ठिठक गई।

"एक अजय सैनिक ने जनरल मजोलीन को चुनौती दी?" उसने आश्चर्य से पूछा।

"हाँ," मैक्स मुस्कुराया, "रार लड़की के लिए। तो सोचो, तुम्हारे लिए क्या कुछ हो सकता है?"

वीवो विचारमग्न हो गई। रार इस ग्रह के मूल निवासी थे, लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं था। सैनिक जब चाहें उन्हें प्रताड़ित कर सकते थे। ऐसे में, एक अजय सैनिक ने अपने ही साथी को मार डाला... सिर्फ एक रार लड़की के लिए?

क्या इसका धर्मा से कोई संबंध हो सकता था?

मैक्स ने देखा कि वीवो गहरी सोच में डूबी हुई थी। उसने इस मौके का फायदा उठाते हुए फॉरेन को मानसिक संदेश भेजा, और देखते ही देखते आर्टिफिशियल स्क्रीन पर खबर चलने लगी—

"कैसे एम्ब्रोज़ नामक अजय सैनिक ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया—उसे ग्रह-द्रोह के लिए सजा दी गई!"

वीवो ने स्क्रीन पर एम्ब्रोज़ की तस्वीर देखी। यह धर्मा नहीं था... पर कहीं न कहीं, वीवो को एक अजीब-सा एहसास हुआ कि यह व्यक्ति किसी न किसी तरह धर्मा से जुड़ा हुआ था।

धर्मा उस थाइज़र के साथ X141 पर आया, और उसी समय यह अजय सैनिक बगावत कर बैठा। यह महज़ एक संयोग नहीं हो सकता था।

वीवो ने मैक्स की ओर देखा, जो अब भी उसे घूरे जा रहा था। अचानक, वीवो ने उसका कॉलर पकड़कर अपनी ओर खींचा और उसके होंठों पर एक ज़ोरदार चुम्बन दे दिया।

मैक्स के लिए यह एक अविश्वसनीय सपना था। उसके जन्मों की अभिलाषा जैसे पूरी हो गई थी।

वीवो हल्के से मुस्कुराई और फुसफुसाई, "गुड जॉब, मैक्स।"

मैक्स अभी तक उस चुम्बन के प्रभाव में ही खोया हुआ था।

"तुम मुझे इस सैनिक एम्ब्रोज़ की पूरी जानकारी दो।"

"अभी देता हूँ!" मैक्स लगभग लड़खड़ाते हुए बोला।

वीवो अपने ही विचारों में खो गई थी। उसे एम्ब्रोज़ से मिलना ही होगा। पर अगर वह जेल में था, तो उससे भला कैसे संपर्क किया जाए?

उसे जनरल मजोलीन को अपने जाल में फँसाना होगा।

मजोलीन जैसा क्रूर व्यक्ति आसान शिकार नहीं था, पर वीवो के पास कोई और रास्ता भी नहीं था। उसे लगने लगा कि धर्मा तक पहुँचने की कुंजी एम्ब्रोज़ के पास ही थी।

~~

अध्याय तेईस - विरलनाक

प्रासीक्यूटर, डिफेन्स लॉयर नाना के ओपनिंग स्टेटमेंट से हिल गया था। उसने अपनी पूरी तैयारी कर ली थी—आज उसे कोर्ट में अपने गवाह पेश करने थे। उसका पहला गवाह था कैप्टेन क्रोव। कोर्टरूम में उसकी पूर्ण स्पर्शनीय होलोग्राफिक इमेज मौजूद थी, जो हूबहू असली लग रही थी।

प्रासीक्यूटर ने क्रोव की ओर देखा और अपनी दलील शुरू की, "कैप्टेन क्रोव, आपने प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो को गिरफ्तार किया था। क्या आप अदालत को बता सकते हैं कि उन्हें कहाँ और क्यों गिरफ्तार किया गया?"

क्रोव के चेहरे पर हल्की टेंशन उभर आई। उसने जज को देखा और फिर सभा की ओर देखते हुए टेलीपैथी के ज़रिए अपनी बात रखनी शुरू की, "माय लॉर्ड, प्रोफेसर बोरो एक घोषित आतंकवादी हैं। उन्होंने कई गंभीर अपराध किए हैं। उन्होंने मैर्केल से पैसे लेकर “बिलीवर्स ऑफ बोफ” नामक संगठन बनाया, जिसने पूरे Xor साम्राज्य में अराजकता फैलाई। उनके नेतृत्व में इरीट्रिया के जनरल कोर और कोमिंट ग्रह पर क्रूर हमले किए गए। यहाँ तक कि उन्होंने सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के बेटे का अपहरण भी किया था।"

क्रोव नर्वस तो था, मगर उसने अपनी बात स्पष्टता से रखी।

प्रासीक्यूटर ने नाना की ओर देखा। उसे यकीन था कि चाहे नाना का ओपनिंग स्टेटमेंट कितना भी दमदार क्यों न हो, अंततः वह ही जीतेगा—उसके पास ठोस सबूत और गवाह थे।

क्रोव ने आगे कहा, "हमें रक्षा मंत्री डायस का आदेश मिला कि प्रोफेसर बोरो मेज़ोल ग्रह पर छिपे हुए हैं। हमारे एक जासूस ने यह सूचना भेजी थी। हम तुरंत मेज़ोल पहुंचे।"

नाना शांत भाव से सारी बातें नोट कर रहा था। इस केस का लाइव टेलीकास्ट पूरे फ्रां गैलेक्सी में हो रहा था। Xor साम्राज्य के नागरिक इसे देख रहे थे, हालांकि दूर ग्रहों पर स्थित लोग इसे कुछ देरी से देख पा रहे थे।

क्रोव ने गवाही जारी रखी, "जब हम मेज़ोल पहुंचे, तो हमें पता चला कि प्रोफेसर बोरो और उनके साथी वहाँ से फरार हो चुके थे।

फिर क्रोव ने प्रोफेसर बोरो की ओर घूरते हुए कहा, "उन्होंने हमारे जासूस को बेरहमी से मार डाला था। मगर हमने तुरंत एरीपो वेव्स का जाल फैलाया और जनक 290 स्पेसशिप का पता लगा लिया, जिससे हमने उन्हें गिरफ्तार किया।"

प्रासीक्यूटर आगे बढ़ा, "माय लॉर्ड, कैप्टेन क्रोव के बयान से स्पष्ट हो गया कि कैसे और क्यों प्रोफेसर बोरो, यह निर्दयी आतंकवादी, पकड़ा गया।"

जज क्लाइथेरॉन ने प्रासीक्यूटर की ओर देखा। प्रासीक्यूटर चुपचाप अपनी सीट पर बैठ गया। फिर जज ने नाना को देखा और कहा, "योर क्रॉस एग्जामिनेशन, प्लीज़।"

नाना अपनी सीट से उठा और क्रोव के सामने जाकर खड़ा हुआ।

"आपने कहा कि प्रोफेसर बोरो मैर्केल से पैसे ले रहे थे?"

क्रोव ने नाना को घृणा भरी निगाहों से देखा। यह तुच्छ इरीट्रिया वासी Xor ग्रह के अजय एक्रिमिनिया रेस के सैनिक को क्रॉस-एग्जामिन करेगा? मगर यह कोर्ट था, और उसे कानून की प्रक्रिया का सम्मान करना था। उसने कहा, "जी हाँ, मैंने यही कहा था।"

नाना ने शांत स्वर में पूछा, "क्या आपने कोई मनी ट्रेल देखी? क्या आपके पास सबूत हैं कि प्रोफेसर बोरो की टाइमेक्स चिप पर मैर्केल से टिक ट्रांसफर हुए?"

क्रोव झेंप गया। "वकील साहब, कोई भी इतना मूर्ख नहीं होगा कि मैर्केल जैसी दुश्मन सभ्यता से सीधे अपनी टाइमेक्स चिप में टिक ट्रांसफर करवाए!"

नाना ने ठंडे लहजे में कहा, "तो फिर प्रोफेसर बोरो ने मैर्केल से टिक कैसे लिए?"

क्रोव झुंझला गया। "जनक 290 स्पेसशिप, जो मैर्केल ने बोरो को दिया था—क्या यह काफी नहीं?"

नाना ने बिना हड़बड़ाए पूछा, "प्रोफेसर बोरो पर आतंकवादी संगठन खड़ा करने का आरोप है। क्या एक स्पेसशिप का गिफ्ट मिलना इसका पर्याप्त प्रमाण है?"

"ऑब्जेक्शन, माय लॉर्ड!" प्रासीक्यूटर बीच में कूद पड़ा।

"ओवररुल्ड," जज ने ठंडे स्वर में कहा।

नाना ने फिर क्रोव की ओर रुख किया, "तो, कैप्टेन क्रोव, क्या सिर्फ एक स्पेसशिप से यह साबित हो जाता है कि प्रोफेसर बोरो ने आतंकवादी संगठन बनाया?"

क्रोव कुछ पल के लिए चुप हो गया। वह प्रासीक्यूटर की ओर देखने लगा, मानो मदद की उम्मीद कर रहा हो।

जज क्लाइथेरॉन ने कड़े स्वर में कहा, "कैप्टेन क्रोव, कृपया डिफेंस लॉयर के सवाल का जवाब दें।"

"यस, लॉर्डशिप," क्रोव थोड़ा घबराकर बोला, "नहीं, सिर्फ एक स्पेसशिप पर्याप्त प्रमाण नहीं है।"

नाना ने जज की ओर देखा और कहा, "योर लॉर्डशिप, प्रासीक्यूटर के इस गवाह के बयान से यह स्पष्ट नहीं होता कि प्रोफेसर बोरो आतंकवादी संगठन चला रहे थे। कैप्टेन क्रोव ने सिर्फ रक्षा मंत्री डायस के कहने पर उन्हें गिरफ्तार किया, कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया।"

प्रासीक्यूटर तुरंत बोल उठा, "और कोमिंट ग्रह पर हमला? गवर्नर कोर की हत्या?"

नाना ने बिना किसी भाव के जवाब दिया, "कोमिंट ग्रह पर हमला और इरीट्रिया के गवर्नर कोर की हत्या तब हुई जब प्रोफेसर बोरो आपकी हिरासत में थे। क्या उन पर यह आरोप लगाया जा सकता है? क्या इसका मतलब यह है कि वे आपकी जेल से यह नेटवर्क चला रहे थे?"

प्रासीक्यूटर स्तब्ध रह गया। उसे यकीन था कि कैप्टेन क्रोव की गवाही और जनक 290 स्पेसशिप का मैर्केल से संबंध ही पर्याप्त होगा, मगर नाना ने उसकी पूरी दलील को ध्वस्त कर दिया था।

अब प्रासीक्यूटर को एहसास हुआ कि उसने नाना को हल्के में लेकर बहुत बड़ी गलती कर दी थी।

&

एम्ब्रोज़ को जबरदस्ती एक ट्रक में ठूँसकर उस निर्जन, जलते हुए रेगिस्तानी मैदान में लाया गया। हवा में बारीक धूल और विकिरण की तपिश थी, जो किसी भी जीव के लिए प्राणघातक थी। वहाँ बिना सुरक्षा उपायों के कुछ ही मिनटों तक जीवित रहना असंभव था। लेकिन इस समय, एम्ब्रोज़ के शरीर में धर्मा की आत्मा थी—एक जागरूक चेतना, जो मौन रहकर सब कुछ अवलोकन कर रही थी।

सैनिकों ने उसे एक भारी, मोटे कपड़े का स्पेशल रेडिएशन सूट पहनाया। एक सैनिक आगे बढ़ा और कठोर स्वर में चीखा, "ये सूट तुझे सिर्फ़ एक घंटे तक ज़िंदा रख सकता है। एक घंटे में गुफा से वह क्रिस्टल निकालकर बाहर ला, वरना तेरा शरीर भी इस तपते रेगिस्तान की राख में बदल जाएगा!"

सैनिक ने रेगिस्तान की गरम ज़मीन पर खड़े एक विशाल पत्थर की गुफा की ओर इशारा किया। एम्ब्रोज़ की आँखें उस दिशा में उठीं। गुफा अंधेरी और भयावह थी, मानो अपने भीतर किसी रहस्यमयी दानव को छिपाए बैठी हो।

दूसरा सैनिक आगे आया और फुंफकारते हुए बोला, "गुफा के अंदर स्टैलेक्टाइट्स (stalac + tites) और स्टैलेग्माइट्स (stalag + mites) हैं। स्टैलेक्टाइट्स (stalac + tites) गुफा की छत से नीचे लटकते हैं, और स्टैलेग्माइट्स (stalag + mites) ज़मीन से ऊपर उगते हैं—वे सभी विषैले हैं। उन्हें छूते ही शरीर गलकर गिर जाएगा। तुझे बस एक चीज़ लानी है—एक पारदर्शी क्रिस्टल, जिसे विरलनाक कहते हैं।"

सैनिक ने हवा में चुटकी बजाई, और एक होलोग्राफ़िक छवि उभर आई—एक चमकता हुआ, क्रिस्टल-क्लियर पदार्थ।

पहले सैनिक ने व्यंग्य से हँसते हुए कहा, "जितना ज़्यादा क्रिस्टल तू ले आएगा, उतने ही दिन तुझे इस नर्क में वापस नहीं आना पड़ेगा। सोच ले, अपनी मौत को कितना करीब चाहता है?"

एम्ब्रोज़ के दिमाग़ में कई सवाल उठे—अगर ये क्रिस्टल इतना ज़रूरी था, तो मशीनों से इसे क्यों नहीं लाया जाता? क्यों कैदियों को इस जानलेवा काम के लिए भेजा जाता है? लेकिन यह सवाल करने का समय नहीं था।

अचानक, ट्रक का दरवाज़ा ज़ोर से खुला, और सैनिकों ने उसे बेरहमी से बाहर धकेल दिया। एम्ब्रोज़ गर्म रेगिस्तानी ज़मीन पर औंधे मुँह गिरा। उसके चारों ओर सिर्फ़ जलती हुई रेत और दूर तक फैला मृत सन्नाटा था।

उसने कोई समय बर्बाद नहीं किया। वह तुरंत गुफा की ओर दौड़ा। हर क्षण महत्वपूर्ण था। अगर वह देरी करता, तो सूट की सीमा समाप्त हो जाती, और वह रेडिएशन के कहर में जलकर भस्म हो जाता।

गुफा के करीब पहुँचते ही, उसने एक अजीब सरसराहट सुनी—मानो कोई भारी वस्तु बालू में घिसट रही हो। एक क्षण के लिए उसके कदम रुके। उसने अपनी साँस रोकी और चारों ओर देखा।

कुछ नहीं।

लेकिन तभी...

गुफा के द्वार के पास की रेत हिली। धीरे-धीरे, वहाँ से एक विशाल, डरावना जीव उभरा—एक ऐसा साँप, जिसे साँप कहना भी शायद गलत होगा। उसकी त्वचा खुरदुरी, पत्थर जैसी थी, और उसकी आँखें सुलगते अंगारों की तरह चमक रही थीं। उसने अपनी कुंडली को धीरे-धीरे फैलाया और फन ऊँचा उठाया।

अब एम्ब्रोज़ समझ चुका था—यह कोई साधारण जीव नहीं था। यह गुफा का रक्षक था।

तभी, सैनिकों का टेलीपैथिक संदेश उसके मस्तिष्क में गूँजा:

"एम्ब्रोज़, यह कोई सामान्य प्राणी नहीं है। यह एक रेडिएशन-संक्रमित रेप्टाइल है, जो जीवित प्राणियों को निगल जाता है। यही जीव विरलनाक क्रिस्टल का स्रोत है। जब यह किसी को खाता है, तो पाचन क्रिया के बाद क्रिस्टल उसके मल के रूप में निकलता है।"

एक क्षण के लिए एम्ब्रोज़ को झटका लगा। तो यही कारण था कि वे कैदियों को यहाँ भेजते थे! वे सिर्फ़ चारे के रूप में इस्तेमाल किए जाते थे, ताकि यह दैत्य अपना पेट भर सके और क्रिस्टल निकले।

सैनिक का स्वर और भी क्रूर हो गया, "हर बार हम पंद्रह कैदियों को भेजते हैं। उनमें से सात-आठ यह जीव खा जाता है, और बाक़ी बचे

लोग गुफा से विरलनाक लाकर हमारी सेवा करते हैं। लेकिन तूने होशियारी दिखाई और अकेले जाने की जिद की। अफ़सोस, अब यह प्राणी भी भूखा रहेगा, और हमें क्रिस्टल भी नहीं मिलेगा।"

एम्ब्रोज़ ने ट्रक की ओर देखा। वह धीरे-धीरे धूल के गुबार में विलीन हो रहा था। सैनिक उसे छोड़कर चले गए थे।

अब वह पूरी तरह अकेला था।

रेगिस्तान की तपती ज़मीन। जानलेवा रेडिएशन। और सामने खड़ा वह दैत्याकार प्राणी।

एम्ब्रोज़ जानता था—अगर वह किसी तरह इस राक्षस से बच भी गया, तो भी बिना ट्रक के वह X-केज तक नहीं पहुँच सकता था। और जब सूट का समय ख़त्म होगा, तो उसकी मृत्यु निश्चित थी।

उसने साँप की जलती आँखों में देखा।

यह साक्षात् मृत्यु का दूत था।

परंतु इस क्षण, एम्ब्रोज़ मात्र एक साधारण मनुष्य नहीं था। उसके भीतर थी धर्मा की आत्मा—सन ऑफ गॉड।

ये चुनौतियाँ किसी सामान्य मानव को भयभीत कर सकती थीं, लेकिन जिसे नोकोईविद को हराना था, वह ऐसी तुच्छ कठिनाइयों से विचलित नहीं हो सकता था। उसे हर हाल में इन बाधाओं को पार करना था। लेकिन प्रश्न यह था—वह इस दैत्याकार प्राणी को वश में कैसे करे? और आखिर यह विरलनाक नामक क्रिस्टल था क्या?

धर्मा इस पर बाद में विचार कर सकता था, लेकिन अभी प्राथमिकता एम्ब्रोज़ के शरीर को बचाने की थी। सौभाग्य से, धर्मा के लिए यह कोई असंभव कार्य नहीं था—वह आसानी से इस राक्षसी रेप्टाइल के शरीर में प्रवेश कर सकता था और उसे अपने नियंत्रण में ले सकता था।

धर्मा की आत्मा ने एम्ब्रोज़ का शरीर त्याग दिया और तेजी से उस रेप्टाइल में प्रविष्ट होने के लिए लपकी।

परंतु...

जैसे ही धर्मा ने उसके भीतर प्रवेश करने की कोशिश की, एक अदृश्य बाधा ने उसे धक्का देकर बाहर फेंक दिया।

धर्मा हक्का-बक्का रह गया। यह कैसे संभव था? वह दोबारा प्रयास करता है, लेकिन वही परिणाम—वह उस जीव के शरीर में घुस ही नहीं पा रहा था!

उसे तत्काल एम्ब्रोज़ के शरीर में लौटना पड़ा।

यह असंभव था।

धर्मा के होश उड़ चुके थे।

अब तक उसने ऐसा कभी अनुभव नहीं किया था। उसका सोल-ट्रांसमाइग्रेशन कभी असफल नहीं हुआ था। यह तो मानो किसी अज्ञात शक्ति ने उसे रोक दिया हो।

तभी उसे एहसास हुआ—विरलनाक।

तो यही वह पदार्थ था जिसकी पारदर्शी दीवार ने जनरल मजोलीन को अपने कवच में जकड़ रखा था। यही वह तत्व था, जो किसी भी ऊर्जा को भेदने से रोक सकता था।

मतलब, इस रेप्टाइल के शरीर से उत्पन्न होने वाला विरलनाक ही वह रहस्यमयी शक्ति थी, जो किसी भी आत्मा या ऊर्जा को उसके भीतर प्रवेश करने से रोक रही थी।

धर्मा का दिमाग़ घूमने लगा।

तो इस प्राणी को हराने का उसका पारंपरिक तरीका यहाँ बेकार था।

और यह जीव भूखा था। बेहद भूखा।

उसकी रक्त-लाल आँखों में ज्वालाएँ सुलग रही थीं।

यह विशाल दैत्य अब पूरी तरह तैयार था एम्ब्रोज़ को निगलने के लिए।

धर्मा, जो अब तक इस चुनौती को अपनी दिव्य शक्ति के कारण तुच्छ समझ रहा था, अब समझ चुका था कि हालात उसकी सोच से कहीं अधिक गंभीर थे।

एम्ब्रोज़ का बचना असंभव प्रतीत हो रहा था।

एक ओर जलता हुआ रेगिस्तान, सिर पर प्रचंड सूर्य की घातक विकिरणें और दूसरी ओर यह दैत्याकार प्राणी, जो अब अपनी भूख शांत करने के लिए आगे झुक रहा था।

आज एम्ब्रोज़ का अंत निश्चित था।

और उसके साथ ही, सन ऑफ गॉड पर से लोगों का विश्वास भी डगमगाने वाला था।

X-141 की चुनौती इतनी सरल नहीं थी, जितनी धर्मा ने अनुमान लगाई थी।

अंतरिक्ष की गहराइयों में, जनक-290 पर बैठा धर्मा का वास्तविक शरीर भी हतप्रभ था।

उसे अपनी दूसरी ऊर्जा के बारे में हर चीज़ तुरंत महसूस हो जाती थी।

अब एम्ब्रोज़ में स्थित उसकी आत्मा और जनक-290 पर स्थित उसका स्वयं का शरीर—दोनों ही भीतर तक हिल चुके थे।

रेप्टाइल ने भयंकर हुंकार भरी। उसकी धधकती आँखों में अब कोई संशय नहीं था।

अब यह भूखा जीव एम्ब्रोज़ को पूरी तरह निगलने के लिए तैयार था।

आज एम्ब्रोज़ का अंत तय था।

और, साथ ही, धर्मा की पराजय भी।

~~

अध्याय चौबीस - नाना का पलटवार

प्रासीक्यूटर हल्के झिझक के साथ खड़ा हुआ और बोला, "माई लॉर्ड, मेरा अगला गवाह है—जार्विस।"

अचानक, हवा में नीली चमक फैली और एक स्पर्शनीय होलोग्राफिक छवि कोर्ट में प्रकट हुई। यह जार्विस था—मेंढक जैसे चेहरे वाला, लम्बे टेंटाकल्स से घिरा एक जीव।

प्रासीक्यूटर ने उसकी ओर देखा और कठोर स्वर में कहा, "जार्विस, अपने बारे में कोर्ट को बताओ।"

जार्विस ने सिर झुकाकर जज क्लाइथेरॉन को प्रणाम किया। उसकी पतली टाँगें भय से काँप रही थीं। उसने धीमे स्वर में कहा,

"मैं मिनिस्टर ऑफ़ डिफेंस, डायस सर के साथ काम करता हूँ। मैंने ही सबसे पहले डायस सर को जनक-290 के बारे में बताया था, जो पैरेलल यूनिवर्स से आया था।"

वह थोड़ी देर रुका। उसकी आँखें प्रासीक्यूटर की ओर उठीं, जैसे यह उम्मीद कर रही हों कि आगे क्या कहना है।

प्रासीक्यूटर ने उसे कड़ी निगाहों से देखा और आदेश दिया,"जार्विस, सब कुछ शुरू से और साफ़-साफ़ बताओ।"

जार्विस पहले से भी अधिक नर्वस हो गया। उसके टेंटाकल्स हवा में घबराहट से लहरा रहे थे। उसने थूक निगला और कांपती आवाज़ में कहा,

"मैं बहुत समय से डायस सर के साथ काम कर रहा हूँ। इरीट्रिया ग्रह पर स्थित एक सैटेलाइट स्टेशन में मेरी पोस्टिंग है, जहाँ मैं मुख्य रूप से पैरेलल यूनिवर्स की टनल पर रिसर्च करता हूँ।

प्रासीक्यूटर की नज़र अचानक नाना पर पड़ी। नाना चुपचाप अपने नोट्स ले रहा था। लेकिन प्रासीक्यूटर जानता था—नाना कोई मामूली वकील नहीं था।

यह केस अब केवल न्याय का प्रश्न नहीं था, यह उसके अहंकार की लड़ाई बन चुका था।

लेकिन, नाना के लिए भी यह सिर्फ एक केस नहीं था। भले ही वह धर्मा के कहने पर यह लड़ाई लड़ रहा था, पर अब उसे सिद्ध करना था कि पूरे Xor साम्राज्य में उसके जैसा वकील कोई नहीं था।

जार्विस ने अपनी नज़रे झुका लीं और कहा, "डायस सर ने मुझे बताया था कि प्रोफेसर बोरो नाम का एक आतंकवादी इरीट्रिया ग्रह पर कुछ गड़बड़ करने वाला था। इसलिए मैंने पैरेलल यूनिवर्स की टनल पर रिसर्च करते हुए प्रोफेसर बोरो पर भी नज़र रखना शुरू किया।"

वह एक पल को रुका।

पूरी अदालत सन्नाटे में थी।

जार्विस ने गहरी साँस ली और कहा, "फिर मैंने देखा कि एक यान—जनक 290—पैरेलल यूनिवर्स की टनल से बाहर निकला। मैंने तुरंत उसे हैक कर लिया और पता चला कि वह मेज़ोल ग्रह की ओर जा रहा था।"

प्रासीक्यूटर के चेहरे पर एक विकट मुस्कान फैल गई।

जार्विस ने आगे कहा,

"चूँकि यह यान टाइमेक्स में रजिस्टर्ड नहीं था, इसलिए मुझे पूरा यकीन हो गया कि यह प्रोफेसर बोरो का ही स्पेसशिप था। मैंने डायस सर को सूचित कर दिया। फिर, डायस सर ने अपनी अजय सेना को आदेश दिया और कैप्टन क्रोव ने प्रोफेसर बोरो को गिरफ्तार कर लिया।"

जज ने नाना की ओर देखा और कहा, "योर विटनेस, प्लीज़।"

नाना अपनी कुर्सी से उठा।

उसकी चाल में जबरदस्त आत्मविश्वास था। उसके चेहरे पर एक गहरी शांति थी, लेकिन उसकी आँखों में एक बिजली सी चमक रही थी।

उसने पहले प्रासीक्यूटर की ओर देखा।

प्रासीक्यूटर की हथेलियाँ पसीने से भीग गईं।

नाना फिर धीरे से जार्विस की ओर मुड़ा और सधे हुए स्वर में बोला,

"जार्विस, तुम यह कैसे कह सकते हो कि प्रोफेसर बोरो एक आतंकवादी हैं?"

जार्विस चौंक गया।

उसने अचकचाते हुए कहा,

"प्रोफेसर बोरो तो Declared Terrorist हैं!"

नाना ने तुरंत एक गहरी नज़र डाली और सवाल दागा, "किसने डिक्लेअर किया?"

अचानक अदालत में सन्नाटा छा गया।

जार्विस बुरी तरह घबरा गया। उसने नजरें इधर-उधर दौड़ाई, फिर धीमे स्वर में कहा,

"डायस सर ने... शायद। मुझे ठीक से नहीं पता।"

नाना अब पूरी तरह से हमले के मूड में था।

उसने गंभीर होकर जज क्लाइथेरॉन की ओर देखा और दृढ़ स्वर में कहा,

"माई लॉर्ड, प्रासीक्यूटर के पास कोई ठोस सबूत नहीं है। न कोई गवाह, न कोई मनी ट्रेल, न कोई अपराध साबित करने योग्य प्रमाण। वे बस हवा में आरोप लगा रहे हैं!"

उसने कुछ क्षण रुककर प्रासीक्यूटर की ओर कदम बढ़ाए और तीखे स्वर में कहा,

"इनकी पूरी योजना यही थी कि कोई भी मामूली सा सबूत पेश कर दिया जाए और लेडी तारा इसे चुनौती न दे सकें।"

प्रासीक्यूटर का चेहरा फक पड़ गया।

नाना ने उसे घूरते हुए कहा,

"इसीलिए जब माई लॉर्ड ने यह आदेश दिया कि बिना वकील यह केस नहीं चलेगा, तो प्रासीक्यूटर ने यह सुनिश्चित किया कि Xor प्लेनेट का कोई भी वकील यह केस न ले।

प्रासीक्यूटर सुन्न था।

उसे महसूस हो रहा था कि उसकी पूरी रणनीति ध्वस्त हो चुकी थी।

अब, पूरी फ्रां गैलेक्सी देख रही थी कि कैसे एक छोटा वकील—नाना—प्रासीक्यूटर को चारों खाने चित्त कर रहा था।

नाना को अब पूरा विश्वास हो गया था कि यह केस वह जीत चुका है।

ज़ोरो अत्यंत प्रसन्न था। आखिर, सन ऑफ गॉड ने उनके बचाव के लिए ऐसा वकील भेजा था, जो अंततः उन्हें बचा ही लेगा।

लेडी तारा के चेहरे पर मिश्रित भाव थे।

और प्रोफेसर बोरो?

वह एकदम शांत था। मानो उसे पहले से ही अंदाज़ा हो कि नोकोईविद के सामने नाना अब भी एक बच्चा है।

नोकोईविद कच्ची गोलियाँ नहीं खेलता।

उसका हर दांव नपा-तुला होता है।

तभी प्रासीक्यूटर उठा।

उसका चेहरा अब भी तनाव से भरा था, लेकिन उसकी आँखों में एक आखिरी उम्मीद की चमक थी।

उसने गहरी साँस ली और बोला, "माई लॉर्ड, मेरा अंतिम गवाह अभी बाकी है।"

नाना अब पूरी तरह से आत्मविश्वास से भर चुका था।

उसे यकीन था कि अब चाहे जो भी गवाह हो, वह उसे भी पानी-पानी कर देगा।

लेकिन...

जैसे ही उसने उस आखिरी गवाह का नाम सुना, उसके होश उड़ गए।

कोई था...

कोई ऐसा, जिसे देखकर नाना की आत्मा कांप गई।

कौन था वह गवाह?

&

थाइज़र, डायस, आगामी देव, और गुणिका इस समय बोमिनी में नोकोईविद के सामने खड़े थे। नोकोईविद ने डायस पर अपनी पैनी नज़रें गड़ाईं और गुर्राया, "तुम्हें यह अत्याचार करने का आदेश किसने दिया?"

फिर उसने आगामी देव और गुणिका की ओर देखा और गंभीर स्वर में कहा, "अगर तुम इनसे सच उगलवाना चाहते थे, तो इन्हें मेरे पास लाना चाहिए था। बोमिनी के भीतर कोई भी बात छुपी नहीं रह सकती!"

डायस की जुबान पर ताला लग चुका था। नोकोईविद के सामने कुछ भी कहने की उसकी हिम्मत नहीं थी।

आगामी देव और गुणिका पहली बार नोकोईविद से मिल रहे थे। उनकी हालत दयनीय थी, मगर उन्हें उम्मीद नहीं थी कि नोकोईविद डायस को इस अत्याचार के लिए फटकार लगाएगा।

डायस सहमा हुआ, भीगी बिल्ली-सा खड़ा रहा।

तभी, नोकोईविद ने एक मानसिक संदेश भेजा, और पलक झपकते ही बोमिनी ने आगामी देव और गुणिका के मन की सारी बातें जान लीं। कुछ ही क्षणों में, बोमिनी ने नोकोईविद को जवाब भेजा—

"ये दोनों सच बोल रहे हैं। धर्मा X141 पर ही है... और उसके शरीर में दो आत्माएँ हैं।"

मगर थाइज़र का मन बोमिनी भी नहीं पढ़ सकता था।

नोकोईविद ने थाइज़र पर अपनी पैनी दृष्टि डाली और कहा, "महान थाइज़र, डायस ने बताया कि तुमने ही धर्मा को आत्मा स्थानांतरण की विद्या सिखाई है।"

थाइज़र, जो इस समय अपनी नीली पुरुष आकृति में था, अत्यंत विनम्र स्वर में बोला, "जी हाँ, सुप्रीम कमांडर।"

इस क्षण, उसकी आखिरी उम्मीद सिर्फ नोकोईविद ही था। वह जानता था कि धर्मा को हराने वाला कोई है, तो वह केवल और केवल नोकोईविद ही हो सकता है।

थाइज़र जैसी महाशक्ति को नोकोईविद के सामने याचना करते देख, आगामी देव और गुणिका आश्चर्यचकित थे।

अब तक उन्होंने नोकोईविद के बारे में केवल प्रोफेसर बोरो से सुना था, लेकिन अब उन्हें समझ आ रहा था कि वह वास्तव में एक महान और प्रतापी नेता था—एक ऐसा योद्धा, जो किसी भी चुनौती से नहीं घबराता।

थाइज़र ने सिर झुकाते हुए कहा, "महान सुप्रीम कमांडर, मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। मैंने धर्मा को यह विद्या सिखा दी, और अब वह लगभग अजेय हो चुका है।"

नोकोईविद ने उसकी आँखों में देखा और कुछ कदम आगे बढ़ते हुए पूछा, "तो आप मुझसे क्या चाहते हैं, महान थाइज़र?"

"मैं चाहता हूँ कि आप किसी भी तरह धर्मा को पकड़ लें, सुप्रीम कमांडर," थाइज़र की आवाज़ में गहरा आग्रह था।

नोकोईविद ने गंभीरता से जवाब दिया, "मैं उसे अवश्य पकड़ लूँगा। लेकिन इसके लिए तुम्हें कुछ दिन मेरे साथ, बोमिनी के भीतर रहना होगा, ताकि मैं धर्मा की शक्ति को पूरी तरह समझ सकूँ।"

"मैं तैयार हूँ, सुप्रीम कमांडर," थाइज़र ने दृढ़ता से कहा। धर्मा को रोकने के लिए वह किसी भी हद तक जाने को तैयार था।

नोकोईविद ने इसके बाद डायस की ओर घूरकर देखा और आदेशात्मक स्वर में कहा, "इन दोनों को"—उसने आगामी देव और गुणिका की ओर इशारा किया—"Xor भेज दो। इन पर वहीं मुकदमा चलेगा।"

डायस ने अनमने ढंग से सिर हिलाया।

"और तुम्हें, डायस..." नोकोईविद की आवाज़ गरजी, "मिनिस्टर ऑफ डिफेंस के पद से तुरंत हटा दिया जाता है। तुम्हारे ऊपर भी मुकदमा चलेगा!"

डायस के होश उड़ गए। उसकी आँखों में भय साफ झलक रहा था।

नोकोईविद न्यायप्रिय था, और उसके साम्राज्य में किसी को यह अधिकार नहीं था कि वह किसी भी प्राणी पर अत्याचार करे।

डायस अब अवाक् खड़ा था। उसे पता था कि नोकोईविद का फैसला पत्थर की लकीर था—जिसे कोई नहीं बदल सकता था।

दूसरी ओर, आगामी देव और गुणिका अब पूरी तरह से नोकोईविद के कायल हो चुके थे। उन्हें एहसास हुआ कि प्रोफेसर बोरो ने उनके सामने नोकोईविद की गलत छवि पेश की थी।

नोकोईविद जैसा न्यायप्रिय शासक इरीट्रिया में तो कभी था ही नहीं।

उन्होंने कोलार्क के किस्से सुने थे—एक ऐसा तानाशाह, जिसने अनगिनत अत्याचार किए। वह पूरी तरह स्वार्थी था। मगर नोकोईविद?

वह तो अपने ही मंत्री को, बिना किसी हिचकिचाहट के, न्याय के कटघरे में खड़ा कर चुका था।

अब एक तरफ आगामी देव और गुणिका नोकोईविद के प्रति आदर से भर चुके थे, और दूसरी ओर, नोकोईविद अपनी पैनी दृष्टि से थाइज़र को घूर रहा था।

उसे इस महान ज्ञान-सागर से वह रहस्यमयी कला सीखनी थी, जिससे धर्मा ने आत्मा स्थानांतरण की शक्ति प्राप्त की थी।

उसे इस शक्ति का तोड़ खोजना था।

यह कहानी अब एक ऐसे मोड़ पर थी, जहाँ कोई नहीं जानता था कि आगे क्या होगा—कौन किस पर क्या चाल चलेगा।

रोमांच अपने चरम पर था, और यह महाकाव्य अब अपने अंतिम मुकाम की ओर बढ़ रहा था।

~~

अध्याय पच्चीस - विकिरणीय जल्लाद

उस दैत्याकार अर्द्ध-छिपकली, अर्द्ध-सर्प प्राणी ने विकृत क्रोध से फुफकार भरी। उसकी लंबी, कांटेदार जीभ हवा में लहराई और झटके से एम्ब्रोज़ की ओर लपकी। विकीर्णित पत्थर के ऊँचे-नीचे टीलों के बीच एम्ब्रोज़ ने घबराते हुए एक ओर छलांग लगाई, परन्तु उसकी थकी हुई मांसपेशियाँ दर्द से चीख उठीं। रातभर चले संघर्ष और विकिरण भरे वातावरण ने उसके शरीर को लगभग निष्प्राण कर दिया था। लेकिन वह इतनी आसानी से हार मानने वाला नहीं था। धर्मा की आत्मा, जो एम्ब्रोज़ के भीतर प्रविष्ट थी, उसे हर हाल में जीवित रखना चाहती थी।

रेगिस्तान में विकिरण की तपिश से हवा तक झुलस रही थी। हल्की-सी भी हरकत करने पर उड़ती लाल धूल चुभती हुई प्रतीत होती थी। यहाँ जीवन का कोई नामोनिशान नहीं था—सिर्फ मौत थी, जो अलग-अलग रूपों में अपने शिकार की प्रतीक्षा कर रही थी। और इस समय, वह मौत एक विशाल, भूख से विक्षिप्त सर्प-छिपकली के रूप में एम्ब्रोज़ के ठीक सामने थी।

यह राक्षसी प्राणी, जिसे कैदी “विकिरणीय जल्लाद” कहते थे, आमतौर पर हर दिन कई मानवों को अपना शिकार बनाता था। लेकिन आज केवल एक ही मनुष्य आया था—एम्ब्रोज़। वह जल्द से जल्द इसे निगल कर अपनी भूख को थोड़ा शांत करना चाहता था।

एम्ब्रोज़, अंतरिक्ष में युद्ध लड़ने का अनुभवी योद्धा था, लेकिन इस धरती पर, इस क्रूर वातावरण में, उसकी युद्ध क्षमता की आज परीक्षा थी। धर्मा, जो एक समानांतर ब्रह्मांड से आया था, समझ चुका था कि अब और विलंब नहीं किया जा सकता। उसे तुरंत कार्यवाही करनी होगी।

धर्मा के निर्देश पर एम्ब्रोज़ ने अपनी समस्त शक्ति बटोरी और एक तीव्र छलांग लगाई। वह उस सर्प-छिपकली के विशाल सिर के ऊपर से कूदकर दूसरी ओर आ गिरा। पर यह केवल अस्थायी राहत थी। दैत्याकार प्राणी भयंकर क्रोध में फुफकारता हुआ मुड़ा। उसकी आँखों में रक्तिम ज्वाला भड़क उठी थी। अब यह खेल नहीं था; यह उसके गुस्से का विस्फोट था।

एम्ब्रोज़ ने अपनी स्थिति का तेजी से विश्लेषण किया। भागने के लिए मैदान खुला था, लेकिन यह लंबे समय तक बचने का विकल्प नहीं था। वह तेजी से गुफा की ओर भागा, जहाँ वह बच सकता था—या फिर मौत के एक नए जाल में फँस सकता था।

सर्प-छिपकली बौखला उठा। वह अपने शिकार के इस अनपेक्षित प्रतिरोध से चिढ़ गया था। अब तक उसके कैदी शिकार धीमे-धीमे भागते थे, वे थकते थे, और अंततः उसके पेट में समा जाते थे। लेकिन यह मनुष्य; यह उससे तेज था, चालाक था।

गुफा का प्रवेश द्वार संकरा था, लेकिन अंदर गहराई में ठंडक और अंधकार था। गुफा की छत से स्टेलेक-टाइट्स (Stalac + tites) और फ़र्श पर स्टेलेग-माइट्स (Stalag + mites) की घातक धारियाँ उभरी हुई थीं। एम्ब्रोज़ को सैनिकों की बातें याद आईं—यह विषैले खनिजों से बनी थीं, जो किसी भी जैविक पदार्थ को गलाने में सक्षम थीं। लेकिन एम्ब्रोज़ के पास कोई और चारा नहीं था। उसने हिम्मत जुटाई और भीतर कूद पड़ा।

सूट ने उसे क्षणिक सुरक्षा प्रदान की, पर धीरे-धीरे उसके बाहरी परतें गलने लगीं। समय बहुत कम था। गुफा के भीतर वह अत्यधिक सतर्कता से छलांग लगाता रहा, जबकि वह दैत्याकार प्राणी अपने विशालकाय शरीर को मोड़ता हुआ आराम से रेंगता चला आ रहा था। यह उसकी गुफा थी, उसका घर। यहाँ हर मोड़, हर संकरी राह उसे ज्ञात थी।

गुफा के अंधकार में एक हल्की रहस्यमयी रोशनी चमक रही थी। एम्ब्रोज़ की आँखें सिकुड़ गईं—यह क्या था? वह क्रिस्टलीय पत्थरों की मंद रोशनी थी—विरलनाक!

यह दुर्लभ क्रिस्टल था, जिसकी शक्ति अपार थी। एम्ब्रोज़ ने अंतिम दाँव खेलते हुए छलांग लगाई और विरलनाक को अपनी मुट्ठी में दबा लिया।

यह विरलनाक उसी दैत्याकार प्राणी के शरीर से निष्कासित एक अवशेष था। यह सर्प-छिपकली रुपी दानव इसी गुफा में निवास करता था, और यदि वह भूखा न हो, तो किसी भी मनुष्य को यह विरलनाक ले जाने से नहीं रोकता था। उसे भली-भांति ज्ञात था कि उसका भोजन नियमित रूप से इसी कारण मिलता था—क्योंकि उसके शरीर से त्यागे गए इस दुर्लभ पदार्थ को लोग ले जाते थे। परंतु आज परिस्थितियाँ भिन्न थीं। इस बार केवल एक ही मनुष्य आया था, और उसकी उपस्थिति उसकी भूख मिटाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। अब वह भूखा दैत्य अपनी आवश्यकता पूरी किए बिना इस बहुमूल्य पदार्थ को ले जाने नहीं देगा।

दैत्याकार प्राणी एक क्षण को रुका, परन्तु फिर उसने झटके से एम्ब्रोज़ को अपने विशाल जबड़ों में भर लिया। मौत तय थी... लेकिन एम्ब्रोज़ अकेला नहीं था। धर्मा की आत्मा उसके भीतर थी। जैसे ही सर्प-छिपकली ने विरलनाक सहित उसे निगला, धर्मा की आत्मा उस दानवी शरीर में प्रवेश कर गई।

विरलनाक की ऊर्जा ने उस प्राणी की त्वचा में अणु-स्तर पर सूक्ष्म छिद्र कर दिए, जिससे धर्मा की आत्मा उसे नियंत्रित कर सकी।

सर्प-छिपकली अब अपनी ही देह में परायापन महसूस कर रहा था। उसके विचार कुंद हो रहे थे, उसके शरीर पर उसका नियंत्रण ढीला पड़ रहा था। और अब, धर्मा ने उसे आदेश दिया।

अब वह विशाल दानवी प्राणी, जिसने हमेशा मानवों को मौत के घाट उतारा था, एम्ब्रोज़ को सुरक्षित मुंह में दबाए X-केज की ओर बढ़ रहा था।

सैनिकों ने दूर से इस दृश्य को देखा और भयभीत हो उठे। ऐसा कभी नहीं हुआ था। यह दानव इस प्रकार क्यों उनकी X-केज की तरफ चला आ रहा था? इससे पहले वे अपनी बंदूकों की ओर झपटते, विशाल सर्प ने मुख्य द्वार के अंदर धीरे से एम्ब्रोज़ को उनके सामने गिरा दिया। उसका शरीर निर्जीव प्रतीत हो रहा था, पर उसकी मुट्ठी में विरलनाक था।

कुछ ही पलों में, धर्मा की आत्मा ने सर्प के शरीर को त्यागकर फिर से एम्ब्रोज़ के भीतर प्रवेश कर लिया।

सैनिक हतप्रभ थे। उस दैत्याकार प्राणी को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था—वह अचानक यहाँ कैसे पहुँचा? वह पूरी तरह भ्रमित था। उधर, सैनिकों में भी हलचल मच गई। वे हैरान थे कि यह भयानक सर्प-छिपकली इस सुरक्षित स्थान के भीतर कैसे आ गई। क्या यह एम्ब्रोज़ की कोई चाल थी?

अचानक स्थिति भांपते हुए सैनिकों ने तुरंत द्वार बंद करने का आदेश दिया, और उस दैत्य पर अंधाधुन्द फायर किया। परंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन लेज़र प्रहारों का विरलनाक के रचयिता उस प्राणी पर कोई असर नहीं हुआ। भूख से व्याकुल उस दैत्य ने बिजली की गति से दो सैनिकों को अपना ग्रास बना लिया। वो धीरे धीरे उन्हें चबा चबा कर खा रहा था। उसकी भूख थोड़ी सी शांत हुई थी। इससे पहले कि वह किसी और को अपना शिकार बनाता, दरवाजा बंद हो चुका था। वो दैत्याकार सर्प - छिपकली दरवाजे के बाहर हो गया था। वो लोग अब सुरक्षित थे।

परन्तु उस दैत्याकार प्राणी को इतनी दूर लाने पर कैसे इस एम्ब्रोज़ ने विवश कर दिया। अब सभी सैनिक विस्मय और भय से एम्ब्रोज़ की ओर देख रहे थे, जो दर्द से कराह रहा था। परंतु उनके सामने केवल एक घायल कैदी नहीं, बल्कि एक असंभव उपलब्धि को हासिल करने वाला योद्धा पड़ा था। एम्ब्रोज़ ने न केवल विरलनाक प्राप्त कर लिया था, बल्कि बिना किसी सुरक्षा कवच के, उस दैत्याकार प्राणी को छलपूर्वक भ्रमित कर X-केज के भीतर पहुँचने में सफलता हासिल कर ली थी। यह एक ऐसा कारनामा था, जिसे आज तक कोई भी अंजाम नहीं दे सका था।

एम्ब्रोज़ की आँखें धीरे-धीरे खुलीं, और उसने अपने चारों ओर विस्मय में खड़े सैनिकों को देखा।

"मुझे अंदर ले चलो," उसने धीरे से कहा, उसकी आवाज़ थकी हुई, लेकिन उसकी आँखों में एक नई चमक थी।

आज इतिहास रचा गया था।

&

यह रात जनरल मजोलीन के लिए एक अद्भुत अनुभव बनने वाली थी। वीवो के साथ वह अपनी रात को रंगीन बना रहा था, लेकिन वीवो का मन कहीं और था। उसका पूरा ध्यान केवल एम्ब्रोज़ पर केंद्रित था।

मजोलीन ने वीवो के शरीर का आनंद लेते हुए महसूस किया कि वह वास्तव में वहाँ मौजूद नहीं थी—उसके ख्यालों में कोई और था। जनरल मजोलीन वीवो के शरीर में अपने आप को समाहित करते हुए धीरे से उसके कान में फुसफुसाया, "तुम मुझे बता सकती हो कि तुम्हें किससे मिलना है?"

यह दुर्लभ अवसर था—एक ऐसा क्षण जिसने वीवो को एक नई चाल चलने का मौका दिया। उसने अपनी गहरी नीली आँखों में चमक भरते

हुए, मोहक मुस्कान के साथ कहा, "अगर आपने मुझे उससे मिला दिया, तो आपको खुद समझ आ जाएगा कि ऐंजलन स्त्रियों के लिए पूरी फ्रां गैलेक्सी क्यों दीवानी है।"

मजोलीन का हाथ एक पल के लिए रुका। उसकी आँखें वीवो के चेहरे पर टिकी रहीं। उसके पास वीवो का शरीर था, लेकिन शायद उसका पूर्ण समर्पण नहीं। और शायद, उसे भी इसी चीज़ की तलाश थी। उसने गहरी नज़र से वीवो को घूरते हुए कहा, "बोलो, तुम्हें क्या चाहिए?"

वीवो ने अपनी मुस्कान को और अधिक मोहक बनाते हुए उत्तर दिया, "मुझे X-केज में जाना है। मुझे एम्ब्रोज़ से मिलना है।"

"X-केज?" मजोलीन के चेहरे की रंगत बदल गई। वह झटके से बिस्तर से उठकर खड़ा हो गया। वीवो के शब्दों ने उसके भीतर एक आशंका को जन्म दे दिया था। "पर क्यों?"

उसके दिमाग में अनगिनत विचार दौड़ने लगे। X-केज, वह स्थान जिसे पूरे Xor साम्राज्य में एक रहस्य की तरह रखा गया था। सभी जानते थे कि वहाँ जाने का अर्थ मृत्यु है, परंतु वहाँ भीतर क्या होता था—विरलनाक की खुदाई कैसे होती थी—यह कोई नहीं जानता था।

मजोलीन जानता था कि नोकोईविद एक न्यायप्रिय शासक था। अगर उसे पता चल गया कि मजोलीन ने X-केज को विरलनाक के लालच में मौत की घाटी बना रखा है, तो वह मजोलीन को भी उसी गहरे अंधेरे में फेंक देगा।

वीवो ने उसकी बेचैनी को ताड़ लिया। वह धीरे-धीरे उठी और उसके करीब आकर उसका नग्न शरीर अपनी गर्म बाँहों में समेट लिया। उसकी नर्म साँसें मजोलीन के कानों को छू गईं, "आप जो सोच रहे हैं, शायद मैं समझ गई हूँ।"

मजोलीन की आँखें संदेह से सिकुड़ गईं। "क्या?"

"मैं आपके किसी रहस्य को उजागर करने नहीं आई हूँ, मेरे हुज़ूर। मुझे सिर्फ एम्ब्रोज़ से मिलना है।"

"एम्ब्रोज़?" मजोलीन के माथे पर शिकन पड़ गई।

वीवो ने शरारत भरी मुस्कान के साथ कहा, "हाँ, वही सैनिक जिसने आपको चुनौती दी थी। जो अचानक रार का पक्षधर बन गया था।"

मजोलीन के भीतर एक बेचैनी पैदा होने लगी। उसने अपनी आवाज़ को कठोर बनाते हुए पूछा, "उससे तुम्हें क्या काम?"

वीवो उसके चेहरे को पढ़ रही थी। उसने अपनी कोमल उँगलियाँ मजोलीन के सीने पर फेरते हुए कहा, "अरे मेरे हुज़ूर, आप नहीं जानते। एम्ब्रोज़ सिर्फ एक मोहरा है। असली खेल तो धर्मा खेल रहा है।"

"धर्मा?" मजोलीन का माथा और सिकुड़ गया। "यह धर्मा कौन है?"

वीवो ने अपनी आँखों में रहस्य घोलते हुए उत्तर दिया, "एक सनकी, जो खुद को “सन ऑफ गॉड” कहता है। उसने मुझे भी मूर्ख बनाया, और मैं उसे पकड़ने आई हूँ।"

मजोलीन की आँखें अब गहरी सोच में डूब गई थीं।

"लेकिन इसका एम्ब्रोज़ से क्या संबंध?" उसने गंभीर स्वर में पूछा।

वीवो ने अब आखिरी प्रहार करने का निर्णय लिया। उसने मजोलीन को करीब खींचा और उसके कानों में फुसफुसाई, "बहुत गहरा संबंध है, मेरे हुज़ूर। सोचिए, एम्ब्रोज़, जो आपके अजय सैनिकों में से एक था, जिसे हर प्रकार की सुविधा प्राप्त थी, अचानक अपने ही साथी सैनिक की हत्या क्यों कर देगा?"

मजोलीन के दिल की धड़कन तेज़ हो गई।

वीवो ने उसकी आँखों में आँखें डालते हुए कहा, "और सोचिए, यह जानते हुए भी कि आप उसे X-केज में डाल सकते हैं, उसने आपको खुलेआम चुनौती दी। क्यों?"

अब मजोलीन को भी लगने लगा था कि वीवो सही कह रही है। एम्ब्रोज़ इतनी बड़ी धृष्टता बिना किसी ठोस कारण के नहीं कर सकता था।

वीवो ने उसे और अधिक उलझाने के लिए अपना मोहक अंदाज़ अपनाया। वह उसकी बाँहों में समा गई और गहरी सांस लेकर बोली, "इसलिए मेरे साथ चलिए X-केज और एम्ब्रोज़ से मिलिए। देखते हैं, क्या वह वाकई धर्मा के इशारों पर काम कर रहा है या नहीं?"

मजोलीन अब पूरी तरह आश्वस्त हो चुका था। इस ऐंजलन स्त्री की बातों में सच्चाई थी। उसे एम्ब्रोज़ को ठीक से खंगालना होगा। मजोलीन ने उसकी आँखों में जो अजीब सी चमक देखी थी, वह किसी बड़े खतरे का संकेत दे रही थी। अगर एम्ब्रोज़ को समय रहते रोका नहीं गया, तो वह मजोलीन के लिए सबसे बड़ा संकट बन सकता था।

वीवो ने मजोलीन के चेहरे पर विचारों की हलचल पढ़ ली थी। उसे पता था कि उसका दांव सफल हो चुका था। उसने मजोलीन को कस कर चूमा और मोहक मुस्कान के साथ कहा, "कल आप अपना वादा निभाइएगा—मुझे X-केज ले जाना। और मैं अभी अपना वादा निभाती हूँ—आपका तनाव दूर करने का।"

मजोलीन अब पूरी तरह वीवो के वश में था। एम्ब्रोज़, धर्मा, X-केज—सब कुछ धुंधला पड़ने लगा। उसने वीवो को अपनी बाँहों में उठाया और बिस्तर की ओर बढ़ा।

उस रात मजोलीन ने अपने जीवन की सबसे मधुर रात बिताई। वीवो ने उसे वह सुख दिया जो उसने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।

लेकिन मजोलीन यह भूल गया था कि जिस जिस्म को वह अपनी बाहों में समेटे हुए था, वह जल्द ही एक जहरीली नागिन में बदलने वाला था।

मजोलीन का अंत निकट था।

यह कहानी अब रक्त से लिखी जाने वाली थी।

~~

अध्याय छब्बीस- थाइज़र की मौत

नोकोईविद और थाइज़र, दोनों बोमिनी के एक अति विकसित, उन्नत तकनीक से परिपूर्ण कक्ष में आमने-सामने बैठे थे। नोकोईविद ने थाइज़र का पूर्ण अध्ययन कर लिया था, और उसके सहयोग से कुछ ही दिनों में उसने यह रहस्य जान लिया कि धर्मा ने अपनी आत्मा को दूसरों के शरीर में स्थानांतरित करने की विधि कैसे सीखी थी।

नोकोईविद ने थाइज़र की ओर गहरी दृष्टि से देखते हुए कहा, "महान थाइज़र, आपके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद। यदि आप मदद न करते, तो धर्मा के रहस्यों तक पहुँचना इतना आसान न होता।"

थाइज़र इस प्रशंसा से थोड़ा अचंभित हुआ। वह स्वयं को बहुत विकसित और सर्वज्ञानी समझता था, फिर भी नोकोईविद का ज्ञान और बुद्धिमत्ता किसी भी अन्य प्राणी से कहीं अधिक थी। उसने विनम्र स्वर में कहा, "सुप्रीम कमांडर, यदि आप थोड़ी और स्पष्टता देंगे तो मुझे और बेहतर समझने में सहायता मिलेगी।"

"निश्चित रूप से, महान थाइज़र।"

नोकोईविद अपने स्थान से उठा, उसकी आँखें गहरी सोच में डूबी थीं। एक मानसिक संकेत देते ही हवा में एक आर्टिफिशियल स्क्रीन उभर आई, जिसमें असंख्य आँकड़े, समीकरण और ऊर्जा चक्रों का विस्तृत जाल प्रदर्शित होने लगा। थाइज़र भी उस त्रिआयामी स्क्रीन में प्रकट हो रही समस्त सूचनाओं को अवशोषित कर रहा था।

नोकोईविद ने गंभीरता से कहा, "धर्मा ने तुम्हारे शरीर में प्रवेश किया और तुम्हारी आत्मा से अपनी आत्मा का संलयन किया।"

थाइज़र चुपचाप इस बात को समझने का प्रयास कर रहा था। यद्यपि वह सृष्टि का सबसे विकसित प्राणी था, परंतु नोकोईविद का

बौद्धिक स्तर और विश्लेषण क्षमता अप्रतिम थी। ऐसा लगता था मानो वह स्वयं सात आयामी ईथर की चुनौती स्वीकार करने की क्षमता रखता हो।

"इस आत्मा के मिलन से तुम्हारी समस्त जानकारियाँ धर्मा को प्राप्त हो गईं," नोकोईविद ने अपना विश्लेषण जारी रखा। "लेकिन इससे एक और महत्वपूर्ण घटना घटी—तुम्हारे भीतर धर्मा की समस्त जानकारी भी समाहित हो गई।"

थाइज़र की आँखों में अचानक उत्सुकता झलकने लगी। उसने तेज स्वर में कहा, "और अब आपने वह समस्त जानकारी मुझसे निकाल ली है!"

नोकोईविद की आँखों में एक शरारती चमक थी। "बिल्कुल सही, महान थाइज़र। और जानते हो इससे मुझे सबसे बड़ा क्या लाभ हुआ?"

थाइज़र ने जिज्ञासु स्वर में पूछा, "क्या, सुप्रीम कमांडर?"

नोकोईविद मुस्कुराया, लेकिन उसकी मुस्कान में एक रहस्यमयी आभा थी। "अब मैं केवल धर्मा की ही नहीं, बल्कि तुम्हारी भी समस्त जानकारियों का स्वामी बन चुका हूँ।"

थाइज़र के चेहरे का रंग फीका पड़ने लगा। उसे नहीं पता था कि नोकोईविद ने उसके मन की कौन-कौन सी बातें जान ली थीं। थाइज़र, जिसे अब तक कोई भी शक्तिशाली प्राणी छू तक नहीं सकता था, पहली बार भयभीत था।

इससे पहले कि नोकोईविद आगे कुछ कहता, थाइज़र ने झटके से अपनी हथेली उठाई और उस पर लगी लेज़र किरणें नोकोईविद की ओर प्रक्षेपित कर दीं। लेकिन इससे पहले कि वे किरणें नोकोईविद तक पहुँचतीं, बोमिनी ने उन्हें वहीं रोक दिया। थाइज़र अवाक रह गया।

थाइज़र ने तुरंत अपने आप को ऊर्जा के प्रकाश में परिवर्तित कर कक्ष से बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहा।

नोकोईविद की गूँजती आवाज़ आई, "मूर्ख थाइज़र, बोमिनी से बिना उसकी अनुमति के कोई भी बाहर नहीं जा सकता।"

थाइज़र के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा झटका था। उसके साथ इस स्वर में पहले कभी किसी ने बात नहीं की थी। वह पूरी तरह नोकोईविद के नियंत्रण में था।

थाइज़र नीली आकृति के पुरुष के रूप में प्रस्तुत हो गया। "मुझे क्षमा कर दीजिए, सुप्रीम कमांडर!" उसने याचना की।

नोकोईविद का स्वर अब और भी कठोर हो चुका था। "नहीं, तुझे क्षमा नहीं मिलेगी, मैर्केल के एजेंट!"

थाइज़र अब पूरी तरह से घबराया हुआ था। वह एक अजय और अनश्वर प्राणी था, फिर भी वह लालच में फँस चुका था।

नोकोईविद ने उसकी ओर एक ठंडी दृष्टि डाली और कहा, "तूने मुझे कमजोर समझने की भूल की, थाइज़र। मैं फ्रां गैलेक्सी का सबसे बुद्धिमान प्राणी हूँ, और यह उपाधि मैंने यूँ ही नहीं पाई है।"

थाइज़र अब समझ गया था कि नोकोईविद को समस्त सत्य ज्ञात हो चुका था। उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उसकी सबसे गहरी छिपी हुई बातें भी नोकोईविद इतनी आसानी से जान जाएगा।

थाइज़र विचारों में डूब गया। उसे याद आया कि प्रोफेसर बोरो के पकड़े जाने की खबर मिलते ही मैर्केल ने उससे संपर्क किया था। मैर्केल को यकीन था कि प्रोफेसर बोरो, लेडी तारा और ज़ोरो गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन धर्मा अभी भी स्वतंत्र था। उसे ढूंढकर अपने उद्देश्यों के लिए उपयोग करना मैर्केल की योजना थी।

थाइज़र ने धर्मा को ढूंढ लिया था, और थाइज़र चुप चाप किसी बहाने से X141 प्लेनेट चला गया जहाँ धर्मा जाना चाहता था। थाइज़र को पता था यदि वो धर्मा से किसी बहाने से मिलेगा तो धर्मा उससे X141

प्लेनेट के बारे में पूछेगा। थाइज़र इसी बहाने धर्मा को नोकोईविद के खिलाफ भड़कायेगा और मैर्केल से मिलने के लिए राज़ी कर लेगा।

जब थाइज़र धर्मा से मिला तो उसे महसूस हुआ कि धर्मा के पास दो अद्भुत ऊर्जा स्त्रोत थे। उसने सोचा कि यदि वह धर्मा को इन ऊर्जा स्त्रोतों का सही उपयोग सिखा दे, तो धर्मा नोकोईविद को पराजित कर सकता था।

परंतु जब धर्मा की आत्मा का थाइज़र से मिलन हुआ, तब उसे आभास हुआ कि धर्मा नोकोईविद को भले ही हरा दे, लेकिन वह कभी भी मैर्केल के हाथों की कठपुतली नहीं बनेगा।

अब थाइज़र चाहता था कि वह किसी भी तरह धर्मा से मुक्त हो जाए। उसने निर्दोष हत्या का बहाना बनाया और धर्मा को छोड़कर चला गया। लेकिन तभी उसके मन में एक नई योजना आई—क्यों न वह नोकोईविद और धर्मा को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर दे? इससे मैर्केल को सीधा लाभ मिलेगा।

परंतु थाइज़र ने नोकोईविद को हल्के में लेने की भूल कर दी थी। नोकोईविद अब न केवल उसकी समस्त योजनाओं को जानता था, बल्कि उसके ऊर्जा स्त्रोतों को नियंत्रित करना भी सीख चुका था।

नोकोईविद ने बोमिनी को मानसिक संदेश दिया, और पहली बार, थाइज़र की शुद्ध ऊर्जा से उसकी आत्मा को अलग कर दिया गया। एक ऐसा कार्य जो इससे पहले कभी नहीं हुआ था—थाइज़र का अंत।

नोकोईविद ने ना सिर्फ उस मैर्केल के एजेंट थाइज़र का अंत कर दिया था अपितु वो धर्मा की आत्मा-संचरण शक्ति - soul migration power - का तोड़ निकाल चुका था। धर्मा के विरुद्ध युद्ध के लिए वह पूरी तरह से तैयार था। नोकोईविद ने ऐसे ही नहीं पूरी मैर्केल रेल्म को अकेले हरा दिया था। नोकोईविद ज्ञान का वो भंडार था जिसके सामने

थाइज़र जैसे अजय और अनश्वर प्राणी ने अभी अपने प्राण त्यागे थे। जो थाइज़र को मृत्यु दे सकता था उसके लिए धर्मा कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं था। नोकोईविद अब आ रहा था और जल्दी ही धर्मा को नोकोईविद का सामना करना था। ये कहानी अब अपने आखरी मुकाम पर थी।

&

एम्ब्रोज़ इस वक्त चीफ वार्डन के आलीशान कमरे में था, जहाँ उसे वे सभी चिकित्सा सुविधाएँ मिल रही थीं, जो किसी भी कैदी के लिए मात्र एक सपना हो सकती थीं। उसने धीरे-धीरे आँखें खोलीं और खुद को एक भव्य कक्ष में पाया। यह दृश्य X-केज जैसी भयावह जगह में असंभव सा प्रतीत हो रहा था। कमरे में एक नर्स और कई रोबोट मौजूद थे।

एम्ब्रोज़ जैसे ही उठने का प्रयास करने लगा, नर्स ने कोमल स्वर में कहा, "कृपया अभी लेटे रहिए, आप गंभीर रूप से घायल हैं। कम से कम एक दिन का पूरा आराम आवश्यक है।"

वह पुनः बिस्तर पर लेट गया और विचारों में खो गया। कल शाम उसकी भिड़ंत एक सर्पाकार विशालकाय छिपकली से हुई थी, और वह किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा था। गुफा में मौजूद स्टेलेक्टाइट्स और स्टेलेग्माइट्स ने उसके सूट को इस कदर गला दिया था कि उसका शरीर तक प्रभावित हुआ था। यदि वह अंतिम समय में स्वयं को बचाकर X-केज के मुख्य द्वार तक न पहुँचता, तो शायद आज वह जीवित नहीं होता।

इन्हीं विचारों में खोए एम्ब्रोज़ का ध्यान तभी टूटा जब तीन वार्डन और स्वयं चीफ वार्डन कमरे में दाखिल हुए। एम्ब्रोज़ ने शिष्टाचारवश उठने का प्रयास किया, लेकिन चीफ वार्डन ने उसके कंधे पर हाथ रखकर उसे लेटे रहने का संकेत दिया।

"एम्ब्रोज़, तुम एक अजय सैनिक थे, और तुमने वह कर दिखाया जिसकी हममें से किसी को भी उम्मीद नहीं थी।" चीफ वार्डन के स्वर में अप्रत्याशित गर्व था।

एम्ब्रोज़ ने संकोच से कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन चीफ वार्डन ने उसे रोकते हुए आगे कहा, "मैं और ये तीनों वार्डन भी अजय सैनिक थे, फिर भी हमने तुम पर अत्याचार किए। हम उसके लिए शर्मिंदा हैं।"

एम्ब्रोज़ थोड़ा असहज हुआ। "कृपया ऐसा मत कहिए," उसने धीमे स्वर में उत्तर दिया।

"नहीं, मुझे कहना ही होगा, एम्ब्रोज़... तुम शायद वास्तव में “सन ऑफ गॉड” हो।" चीफ वार्डन का स्वर अप्रत्याशित रूप से कोमल था।

एम्ब्रोज़ चुप रहा।

"हम चारों ने मिलकर यह निर्णय लिया है कि आज से हम तुम्हारे आदेशों का पालन करेंगे। अब से तुम हमारे लीडर हो।"

एम्ब्रोज़ स्तब्ध रह गया। क्या चीफ वार्डन सच कह रहा था या यह कोई और चाल थी?

तभी धर्मा की आत्मा, जो एम्ब्रोज़ के भीतर समाहित थी, एक पल के लिए उसके शरीर से निकलकर चीफ वार्डन के भीतर प्रविष्ट हो गई। एम्ब्रोज़ का शरीर निष्प्राण हो बिस्तर पर गिर पड़ा। यह देख सभी वार्डन और नर्सें भयभीत रह गए। नर्स घबराकर डॉक्टर को बुलाने के लिए दौड़ी, लेकिन तभी धर्मा की आत्मा वापस एम्ब्रोज़ के शरीर में लौट आई, और वह पुनः चेतन हो गया।

कमरे में उपस्थित सभी लोग स्तब्ध रह गए। यह क्या हुआ था?

उन कुछ क्षणों में, जब धर्मा की आत्मा चीफ वार्डन के भीतर थी, उसने महसूस किया कि चीफ वार्डन सच्चे हृदय से अपनी बात कह रहा था।

दरअसल, उन्होंने अपनी आँखों से उस भयानक दैत्याकार प्राणी को देखा था, जो विरलनाक का एकमात्र स्रोत था, और जिसने एम्ब्रोज़ को अपने विशाल जबड़ों में सुरक्षित दबाकर X-केज तक पहुँचाया था। उनके ड्रोन ने इस पूरे दृश्य को रिकॉर्ड किया था।

विरलनाक—वह रहस्यमयी क्रिस्टल, जिससे बने हथियार और ढाल अजेय थे।

जनरल मजोलीन विरलनाक के खनन के पीछे था, ताकि संपूर्ण आकाशगंगा में केवल उसी के पास अजेय हथियार हों—ऐसे हथियार, जिनका वार कोई सहन नहीं कर सकता था और ऐसी ढालें, जिन्हें भेदा नहीं जा सकता था। इसी उद्देश्य से, उसने इस भयानक प्राणी को कभी मारा नहीं, बल्कि उसे जीवित रखा और कैदियों को उसका भोजन बनाया, ताकि वह इस आहार का आदी हो जाए और विरलनाक की निरंतर आपूर्ति बनी रहे।

मजोलीन की इस निर्दयता ने अनगिनत निर्दोष लोगों की बलि ले ली थी।

लेकिन एम्ब्रोज़—उसने उस अजय प्राणी को अपने अधीन कर लिया था।

एक ऐसा व्यक्ति, जो विरलनाक के स्रोत को वश में कर सकता था... जिसने अपनी मर्जी से X-केज में प्रवेश किया था... उसे अपना नेता मानना, चीफ वार्डन को उचित लगा।

उसे विश्वास हो गया था कि केवल एम्ब्रोज़ ही उन्हें जनरल मजोलीन के अत्याचारों से मुक्त कर सकता था।

दूसरी ओर धर्मा का चिर दुश्मन नोकोईविद अब धर्मा की शक्तियों का तोड़ खोज चुका था। थाइज़र का अंत कर उसने साबित कर दिया था कि वह दिन दूर नहीं जब वह धर्मा की दोनों ऊर्जाओं को भी सरलता से नष्ट

कर सकेगा। हालाँकि नोकोईविद की चुनौती के लिए धर्मा भी पूरी तरह तैयार था।

धर्मा को नोकोईविद को चुनौती देने के लिए अपना अभियान X141 से ही शुरू करना था, और उसने इसकी पहली चाल चल दी थी।

अब यह संघर्ष एक रोमांचक और जटिल मोड़ पर पहुँच चुका था। रहस्य एक-एक करके उजागर हो रहे थे, और युद्ध की लपटें तेज़ होती जा रही थीं।

आखिरकार, इस टकराव में कौन विजयी होगा? यह तो केवल समय ही बताएगा...

~~

अध्याय सताइस - लेडी तारा

नाना के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं। जैसे ही प्रासीक्यूटर ने अगले गवाह का नाम पुकारा, पूरा कक्ष स्तब्ध रह गया—"लेडी तारा!"

प्रोफेसर बोरो, जो अब तक अपनी जगह शांत बैठा था, चौंक कर सीधा हो गया। उसकी आँखों में अविश्वास का भाव था, मानो यह नाम सुनकर उसका पूरा अस्तित्व हिल गया हो। ज़ोरो, जिसने खुद को हर परिस्थिति के लिए तैयार कर रखा था, वो अंदर तक झकझोर गया।

लेडी तारा का पूर्ण स्पर्शनीय होलोग्राफिक इमेज अपराधी के केबिन से निकलकर गवाह के कठघरे में प्रकट हो गया।

उसकी आभा में वही शालीनता थी, वही मोहक मुस्कान, वही अनछुए रहस्य, जिसने कभी प्रोफेसर बोरो को अपने मायाजाल में फँसा लिया था। पर आज, वह एक अलग भूमिका में थी। नाना को तुरंत समझ आ गया कि यह नोकोईविद की चाल थी!

प्रोफेसर बोरो ने नोकोईविद को शायद बहुत ही हल्के में ले लिया था। लेकिन नोकोईविद की रणनीति वहाँ तक पहुँच चुकी थी, जहाँ किसी और की कल्पना भी नहीं जा सकती थी। यह एक सोची-समझी योजना थी—प्रासीक्यूटर केस पेश करेगा, लेडी तारा बोरो की तरफ से लड़ेगी और अंततः, बोरो को सजा हो जाएगी।

इस तरह, न केवल बोरो का अंत निश्चित हो जाता, बल्कि लेडी तारा का रहस्य भी सुरक्षित रहता।

परंतु, इस न्यायप्रिय जज क्लाइथेरॉन ने इस योजना में अनजाने में एक दरार डाल दी थी। खेल अब वैसा नहीं रहा जैसा कि नोकोईविद ने सोचा था।

लेडी तारा ने एक दृष्टि प्रोफेसर बोरो की ओर डाली। उसके चेहरे का रंग उड़ चुका था। एक पल के लिए वह उसे वैसे ही देखती रही—शांत, स्थिर, पर उसकी आँखों में अबूझ भाव था। फिर उसने प्रासीक्यूटर और जज क्लाइथेरॉन की ओर देखा, जैसे संकेत दे रही हो कि वह अपनी गवाही देने के लिए तैयार है।

"लेडी तारा," प्रासीक्यूटर ने एक तीखी मुस्कान के साथ कहा, "क्या आप शुरू से लेकर अंत तक सबकुछ स्पष्ट रूप से बता सकती हैं?"

लेडी तारा ने बिना एक पल गँवाए उत्तर दिया, "बिल्कुल। मैं इस पूरे खेल के हर पहलू को जानती हूँ।"

प्रोफेसर बोरो को अब कोई संदेह नहीं था—उसका खेल समाप्त हो चुका था।

प्रोफेसर बोरो जानता था कि नोकोईविद के शासन में उसके लिए कोई न्याय नहीं था—सिर्फ सजा थी। लेकिन उसे इस बात का अफ़सोस नहीं था कि वह पराजित हो गया।

उसे अफ़सोस था कि लेडी तारा, नोकोईविद की एजेंट निकली।

वह स्तब्ध था, क्योंकि उसे एहसास हो गया था कि उसने अपने सबसे बड़े रहस्य उसी को सौंप दिए थे, जिसने उसे धोखा दिया। उसने खुद को इस काबिल बना लिया था कि उसकी अनुमति के बिना कोई भी उससे कोई भी जानकारी नहीं निकाल सकता था - नोकोईविद का बोमिनी भी नहीं - लेकिन उसने लेडी तारा के मोहजाल में फँसकर वह सारी जानकारियाँ खुद ही सौंप दी थीं।

आज, उसके सामने उसकी सबसे बड़ी गलती लेडी तारा के रूप में खड़ी थी—शानदार, निश्चल और तैयार, इस पूरी कहानी से पर्दा उठाने के लिए।

Xor साम्राज्य ही नहीं, पूरी फ्रां गैलेक्सी इस रोमांचक मोड़ का साक्षी बन रही थी। अदालत के चारों ओर सन्नाटा था, लेकिन हर स्क्रीन, हर प्रसारण केंद्र पर लाखों आँखें टिकी हुई थीं—सभी यह देखने के लिए उत्सुक थे कि लेडी तारा क्या कहने वाली थी।

लेडी तारा ने एक गहरी साँस ली और बोलना शुरू किया, "इस कहानी की शुरुआत तब होती है जब नोकोईविद ने इरीट्रिया पर विजय प्राप्त की थी।"

उसका स्वर दृढ़ था, उसकी आँखें स्थिर, और उसकी उपस्थिति किसी अनकहे रहस्य की तरह लग रही थी।

"इस कब्जे से वे सभी लोग सबसे ज्यादा असंतुष्ट थे जो कोलार्क के शासन में महत्वपूर्ण पदों पर थे—और उन्हीं में से एक था प्रोफेसर बोरो।"

बोरो का चेहरा लटक गया।

लेडी तारा की आवाज़ में कोई विशेष भाव नहीं था, लेकिन उसकी बातों का भार वातावरण को भारी कर रहा था।

"बोरो जानता था कि नोकोईविद एक न्यायप्रिय नेता है, लेकिन उसके लिए यह न्यायप्रियता किसी अभिशाप से कम नहीं थी। उस समय बोरो अपने पास अनगिनत ऐंजलन पुरुषों को गुलाम बनाकर रखता था। ऐंजलन स्त्रियाँ उसकी हरम का हिस्सा थीं। यहाँ तक कि कुछ फ्लेशी लोग भी उसके अधीन उसी तरह जीवन व्यतीत कर रहे थे, जैसे बेड़ियों में जकड़े पशु।"

उसने यह कहते हुए ज़ोरो की ओर देखा।

ज़ोरो भी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए खड़ा रहा।

चुपचाप।

न उसका चेहरा कोई भाव प्रकट कर रहा था, न उसकी आँखें कुछ कह रही थीं। परंतु यह स्पष्ट था कि वह भी इस गवाही के प्रभाव से अछूता नहीं था।

लेडी तारा ने बिना रुके आगे कहा, "नोकोईविद ने जब सत्ता संभाली, तो उसने सबसे पहला कार्य यह किया कि गुलामी की इस प्रथा को पूर्ण रूप से अवैध घोषित कर दिया। प्रोफेसर बोरो के लिए यह किसी झटके से कम नहीं था। उसे अपने सभी गुलामों को मुक्त करना पड़ा।"

बोरो की साँसें भारी हो गईं।

"लेकिन बोरो जानता था कि उसे नोकोईविद को किसी भी तरह अपने वश में करना होगा। वह अपने प्रभाव और शक्ति को दोबारा पाना चाहता था। और इसके लिए उसने सबसे खतरनाक चाल चली—उसने अपनी ही पुत्री का इस्तेमाल किया।"

बोरो की आँखें क्षणभर के लिए बंद हो गईं।

उसका मन अतीत की गहराइयों में डूब चुका था।

उसकी पत्नी अब इस दुनिया में नहीं थी। और उसकी पुत्री...

हाँ, वह अपनी पुत्री से प्रेम करता था, परंतु क्या वह स्वयं से अधिक प्रेम करता था?

"उसने अपनी पुत्री को यह विश्वास दिलाया कि नोकोईविद एक अत्याचारी राजा है, और उसे हराने के लिए वह अपने पिता का साथ दे।"

बोरो की उँगलियाँ मुट्ठी में कस गईं।

"बोरो ने अपनी पुत्री को उन्हीं गुलामों के पास भेजा, जिन्हें उसने स्वतंत्र किया था, और वहीं से वह नोकोईविद तक पहुँची।"

अदालत में सभी स्तब्ध थे।

लेकिन कहानी यहाँ समाप्त नहीं हुई थी।

"इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रोफेसर बोरो की पुत्री नोकोईविद को अपने रूप और मायाजाल में फँसाने गई थी," लेडी तारा ने आगे कहा, "लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उसने नोकोईविद के व्यक्तित्व, उसकी करुणा, और उसकी न्यायप्रियता को देखा—और वह स्वयं ही उसकी विचारधारा से प्रभावित हो गई।"

अब अदालत में हलचल होने लगी थी।

बोरो का चेहरा बुझ चुका था।

"यही वह समय था जब मैर्केल ने नोकोईविद पर हमला किया," लेडी तारा ने अपनी बात जारी रखी, "और नोकोईविद ने उसे पराजित कर दिया। लेकिन यह वही क्षण था जब प्रोफेसर बोरो की पुत्री ने पहली बार नोकोईविद से एक अनुरोध किया—क्विड हथियार को रोकने का अनुरोध।"

लेडी तारा ने कुछ क्षणों के लिए विराम लिया।

अदालत में सन्नाटा था।

प्रोफेसर बोरो का चेहरा अब किसी परछाईं की तरह लग रहा था—एक छवि, जो कभी प्रबल थी, अब बिखर रही थी।

जज भी समझ नहीं पा रहा था कि कैसे यह केस अब एक अजीब मोड़ ले चुका था।

लेडी तारा की गवाही ने पूरे मुकदमे का रुख मोड़ दिया था।

&

एम्ब्रोज़ धीरे-धीरे उन दवाइयों के असर से अब बेहतर महसूस कर रहा था। उसका शरीर अभी भी कमजोर था, लेकिन चेतना अब पूरी तरह लौट चुकी थी। उसके सामने चीफ वार्डन और तीन अन्य वार्डन अनुशासित

मुद्रा में खड़े थे, उनकी आँखों में आदर और एक नया विश्वास झलक रहा था। वे उसके अगले आदेश की प्रतीक्षा कर रहे थे।

एम्ब्रोज़ ने चारों की आँखों में झाँककर देखा और समझ गया कि अब ये लोग उन कैदियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाएँगे, जो X-केज में कैद थे। सत्ता का समीकरण बदल चुका था।

उसने गहरी साँस ली और संयमित स्वर में पूछा, "हमारे पास कितने कैदी हैं?"

चीफ वार्डन ने तुरंत उत्तर दिया, "तकरीबन पंद्रह सौ, सन ऑफ गॉड।"

एम्ब्रोज़ कुछ क्षणों तक सोचता रहा, फिर निर्णायक स्वर में बोला, "हमें उन्हें मुक्त करना होगा।"

चीफ वार्डन सहित सभी वार्डन एक-दूसरे की ओर देखने लगे। उनके चेहरे पर चिंता की हल्की लकीरें उभर आईं।

"बिल्कुल, एम्ब्रोज़। आप जैसा कहेंगे, हम वैसा ही करेंगे... परंतु..." चीफ वार्डन के स्वर में अनिश्चितता थी।

एम्ब्रोज़ उनकी दुविधा समझ गया। उसने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे पता है कि तुम लोग क्यों चिंतित हो।"

उसने चारों वार्डन को एक बार फिर देखा, फिर अत्यंत संयत और मृदु स्वर में कहा, "जनरल मजोलीन को यह कतई पसंद नहीं आएगा कि हमने इन अपराधियों को छोड़ दिया।"

चीफ वार्डन ने उसकी आँखों में आँखें डालकर कहा, "यही नहीं, सन ऑफ गॉड... मजोलीन उन्हें छोड़ने नहीं देगा। बल्कि वह इन सभी को बेरहमी से मौत के घाट उतार देगा।"

एक पल के लिए सन्नाटा छा गया।

"यहाँ वे सुरक्षित हैं," चीफ वार्डन ने आगे कहा, "लेकिन बाहर की दुनिया में, वे ज्यादा बड़े खतरे में होंगे।"

एम्ब्रोज़ ने सहमति में सिर हिलाया। चीफ वार्डन गलत नहीं था। X-केज एक अभेद्य किला था। इस पर हमला करना आसान नहीं था। ऊपर से, यहाँ का रेडिएशन इतना प्रबल था कि कोई भी सामान्य सैनिक इस माहौल में टिक नहीं सकता था। जितने भी वाहन इस विकिरण-भरे रेगिस्तान को पार कर सकते थे, वे सभी इस वक्त X-केज के भीतर मौजूद थे।

परंतु, एक और गंभीर समस्या थी।

"लेकिन चीफ वार्डन, बिना बाहरी समर्थन के हमारी रसद कुछ ही दिनों में समाप्त हो जाएगी," एम्ब्रोज़ ने चिंतित स्वर में कहा।

"हाँ, सन ऑफ गॉड। हमें मजोलीन पर हमला करना होगा," चीफ वार्डन सहमत हुआ, फिर एक पल रुका और झिझकते हुए आगे बोला, "परंतु..."

एम्ब्रोज़ ने उसकी झिझक भाँप ली। वह शांति से बोला, "बिना डर और झिझक के कहो।"

चीफ वार्डन ने गहरी साँस ली और कहा, "मजोलीन के पास भारी मात्रा में विरलनाक है। उसकी सेना के हथियार और ढाल, दोनों इसी विरलनाक से बने हैं। हम उनका मुकाबला नहीं कर सकते।"

एम्ब्रोज़ के माथे पर शिकन उभर आई। विरलनाक, वह दुर्लभ खनिज जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों की नींव था।

कुछ क्षणों की गंभीरता के बाद उसने धीरे से कहा, "हमारे पास भी विरलनाक का स्रोत है।"

"हाँ, परंतु वह युद्ध में हमारे किसी काम नहीं आएगा," चीफ वार्डन ने स्पष्ट किया, "हमारे पास बहुत थोड़ी मात्रा में विरलनाक है, बस उतना

ही जितना आप कल लाए थे। और हर रोज हम मजोलीन को विरलनाक भेजते रहे हैं।"

एम्ब्रोज़ सोच में पड़ गया। परिस्थिति उससे अधिक जटिल थी, जितना वह सोच रहा था।

अचानक, उसके मन में एक विचार आया। उसने गंभीर स्वर में कहा, "यदि मैं रार की जनता को विद्रोह के लिए उकसाऊँ?"

ये सुनते ही चीफ वार्डन के चेहरे पर एक बोझिल मुस्कान आ गयी थी, "सन ऑफ गॉड, ये जनता जो मजोलीन के नाम से ही काँप उठती है, वे आपकी बात क्यों सुनेंगे?"

"कोशिश तो करके देख ही सकता हूँ," एम्ब्रोज़ ने आत्मविश्वास से कहा।

चीफ वार्डन कुछ नहीं बोला, बस गहरी साँस ली।

"आप कोशिश कर सकते हैं," वह अंततः बोला, "लेकिन याद रखें, जब मजोलीन को पता चलेगा कि X-केज अब उसके नियंत्रण में नहीं है, तो वह हम पर पूरी ताकत से हमला करेगा। यह किला उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही विरलनाक का मुख्य स्रोत है।"

"तुम सही कह रहे हो," एम्ब्रोज़ ने सहमति में सिर हिलाया, "हमें हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाना होगा।"

तभी चीफ वार्डन को कुछ याद आया। वह अचानक सतर्क हो गया।

"एक और समस्या है, सन ऑफ गॉड। कुछ ही देर में मजोलीन का एक आदमी विरलनाक लेने आने वाला है। हमें उसे क्या जवाब देना है?"

एम्ब्रोज़ एक बार फिर गहरे विचार में पड़ गया। उसने X-केज के वार्डन का समर्थन जीत लिया था, लेकिन यह सिर्फ पहली जीत थी। मजोलीन को हराने के लिए उसे एक ठोस रणनीति बनानी होगी।

और इसके बाद ही X-141 को अपने नियंत्रण में लिया जा सकता था।

यहीं से उसे नोकोईविद के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी थी।

एक महा युद्ध बस शुरु होने ही वाला था।

~~

अध्याय अठाइस - मजोलीन और एम्ब्रोज़

लेडी तारा ने अपनी गवाही को आगे बढ़ाया, उनकी आवाज़ में अटल दृढ़ता और कहानी के हर शब्द में एक रहस्यमयी गुरुत्व था। "नोकोईविद ने मैर्केल को युद्ध में सहजता से पराजित कर दिया था। इतनी शक्तिशाली सभ्यता की दुर्दशा देख फ्रां गैलेक्सी में भय की लहर दौड़ गई। हर कोई थर्रा उठा, हर ग्रह, हर राज्य, हर योद्धा इस अजेय शक्ति के आगे नतमस्तक हो गया।"

बोरो, ज़ोरो, और नाना—तीनों स्तब्ध थे। वे पूरी तन्मयता से लेडी तारा की कथा सुन रहे थे, जैसे उनके शब्दों में अतीत की घटनाएँ पुनः जीवंत हो उठी थीं।

लेडी तारा ने आगे कहा, "नोकोईविद अब इस पूरे ब्रह्मांड का एकमात्र अधिपति बन चुका था और ठीक इसी समय, प्रोफेसर बोरो की बेटी उसके प्रभाव में आकर अपना दिल हार बैठी थी। यह प्रेम केवल एक साधारण आकर्षण नहीं था; यह एक बंधन था जिसने इतिहास की धारा को मोड़ दिया। जल्दी ही उनकी शादी हुई, और कुछ समय बाद ही, उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।"

बोरो चुपचाप खड़ा था, उसकी आँखों में बीते वर्षों की स्मृतियाँ तैर रही थीं।

"लेकिन प्रोफेसर बोरो केवल एक पिता ही नहीं था; वह एक महत्वाकांक्षी वैज्ञानिक भी था। उसने इस रिश्ते का लाभ उठाया और नोकोईविद को मना लिया कि उसे उनके अनुसंधान में कार्य करने की अनुमति दी जाए। धीरे-धीरे, उसने अपनी योजनाएँ बुननी शुरू कर दीं," लेडी तारा ने गंभीर स्वर में कहा।

सभा में सन्नाटा था।

"बोरो हमेशा से शक्ति और ज्ञान का पुजारी था। उसके पास अनेक स्त्रियाँ थीं, उसकी इच्छाओं की पूर्ति करने वाली गुलाम महिलाएँ। परंतु जब वह नोकोईविद के अधीन था, वह एक पिंजरे में कैद पक्षी के समान तड़प रहा था और तभी मैं उसकी दुनिया में आई।"

बोरो की साँसें तेज़ हो गईं।

"मैं केवल एक साथी नहीं थी; मैं एक परछाईं थी, जिसे नोकोईविद ने उसके हर कदम पर निगरानी रखने के लिए भेजा था। मेरा रूप और सौंदर्य उसके लिए एक मायाजाल था, और वह उसमें पूरी तरह उलझ गया। धीरे-धीरे, उसने अपने रहस्य मुझसे साझा करने शुरू कर दिए। यहाँ तक कि उसने मुझे यह भी बताया कि मैर्केल ने उसे भारी धनराशि देने की पेशकश की थी—बस क्विड के रहस्य जानने के लिए।"

बोरो ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं, पर उसकी आँखों में अपराधबोध झलकने लगा।

"परंतु नोकोईविद मूर्ख नहीं था। उसे बोरो की नीयत पर संदेह हो गया था और यही कारण था कि उसने मुझे बोरो के पास भेजा। मैंने उसकी हर योजना पर नज़र रखी। जब मैर्केल और बोरो के बीच सौदेबाज़ी हो रही थी, तब मैंने उनकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली और उसे नोकोईविद तक पहुँचा दिया।"

बोरो की आँखों में अब नफरत थी। उसने पहली बार किसी महिला पर भरोसा किया था, और वही उसकी सबसे बड़ी भूल बन गई थी।

"लेकिन नोकोईविद को तब तक पूरा यकीन नहीं हुआ, जब तक कि बोरो ने सबसे घृणित कार्य नहीं किया—अपनी ही पुत्री की हत्या।"

सभा में सन्नाटा छा गया।

उसने अपनी ही पुत्री की नृशंस हत्या केवल इसलिए कर दी ताकि वह धर्मा को टाइमेक्स चिप से जोड़ने से रोक सके। उसे हर हाल में धर्मा

के अस्तित्व को गुप्त रखना था, उसकी पैदाइश को इतिहास से मिटा देना था, ताकि किसी को यह पता न चले कि वह कौन है और उसका असली वारिस कौन है।

परंतु नियति को यह स्वीकार नहीं था। उसके लाख प्रयासों के बावजूद, वह अपनी योजना को पूरी तरह अंजाम नहीं दे सका। जब प्रोफेसर बोरो धर्मा को लेकर बीम हो रहा था, ठीक उसी क्षण नोकोईविद वहाँ पहुँच गया। समय ठहर सा गया, दो प्रतिद्वंद्वी शक्तियाँ आमने-सामने थीं—एक जिसने अपने ही खून को मिटाने की साजिश रची थी, और दूसरा, जो अपनी पत्नी की आखरी निशानी को खोना नहीं चाहता था ।

नाना और ज़ोरो भी स्तब्ध थे।

"परंतु बोरो इतनी आसानी से नहीं पकड़ा गया। वह अपने नाती को अगवा कर ले गया और मैर्केल की सहायता से मेज़ोल ग्रह पर छिप गया। लेकिन उसका सबसे बड़ा रहस्य अब भी अनसुलझा था—उसने नोकोईविद के पुत्र को पैरेलल यूनिवर्स में कहीं छुपा दिया था।"

बोरो की आँखों में अब भय उभर आया था।

"यही कारण था कि मैं उसके साथ साये की तरह बनी रही। उसने कहा था कि एक दिन वह नोकोईविद के पुत्र को वापस लाएगा।"

प्रोसिक्यूटर पहली बार बीच में बोल पड़ा, "परंतु लेडी तारा, यह योजना अजीब नहीं थी?"

लेडी तारा के होंठों पर एक रहस्यमयी मुस्कान आ गई। "यही तो इस कहानी का सबसे बड़ा खुलासा है।"

सभा में सिहरन दौड़ गई।

लेडी तारा ने अपना रहस्यमय एकालाप चालू रखा, "क्विड हथियार केवल नोकोईविद के डीएनए से सक्रिय हो सकता था। प्रोफेसर बोरो इस तथ्य को जानता था। लेकिन उसने एक और रहस्य खोज

निकाला—यह हथियार नोकोईविद के पुत्र के डीएनए से भी सक्रिय हो सकता था। बस उसे एक निश्चित आयु तक पहुँचना था। और इसी कारण, बोरो ने उसे पैरेलल यूनिवर्स में भेज दिया।"

बोरो और ज़ोरो पूरी तरह स्तब्ध थे।

"ज़ोरो को मूर्ख बनाना तो आसान था। उसने बोरो के कहने पर धर्मा को “सन ऑफ गॉड” मान लिया था," लेडी तारा ने तिरस्कारपूर्ण स्वर में कहा।

अब सच्चाई सामने आ चुकी थी।

"फिर बोरो ने धर्मा को पैरेलल यूनिवर्स से वापस बुलाया और उसे जनक 290 के सेरिब्रल ट्रांसफर में डाल दिया। उसका उद्देश्य स्पष्ट था—धर्मा को कोई जानकारी नहीं देनी थी, बल्कि उसके डीएनए की सारी जानकारी जनक 290 में भरनी थी।"

ज़ोरो को अब याद आ गया कि कैसे बोरो धर्मा को इनफॉर्मेशन ओवरडोज से मारने की योजना बना रहा था, और कैसे उसने धर्मा को अंततः अंतरिक्ष में धकेल दिया था।

लेडी तारा ने आगे बढ़कर अदालत में सारे सबूत पेश किए—मनी ट्रेल, रिकॉर्डिंग, और गोपनीय दस्तावेज़।

नाना के पास कोई तर्क नहीं था। लेडी तारा की गवाही निर्णायक थी। प्रोफेसर बोरो की हर चाल बेनकाब हो चुकी थी।

और तभी पूरी दुनिया को पता चला—धर्मा, जिसे वे अब तक एक सामान्य विद्रोही समझ रहे थे, असल में नोकोईविद का पुत्र था।

परंतु यह खुलासा एक भयानक युद्ध के मध्य हुआ था।

क्योंकि ठीक इसी समय, प्लेनेट X-141 पर, धर्मा और नोकोईविद एक-दूसरे के खून के प्यासे बनकर भयंकर युद्ध में भिड़े हुए थे।

&

"सर, जनरल मजोलीन स्वयं आए हैं!"

एक सिपाही ने घबराई आवाज़ में चीफ वार्डन को कॉल किया।

"क्या? जनरल मजोलीन स्वयं X-केज तक आ पहुँचे हैं?"

चीफ वार्डन का चेहरा पीला पड़ गया। उसके भीतर एक भय की लहर दौड़ गई थी।

एम्ब्रोज़, चीफ वार्डन और बाकी तीन वार्डन कुछ क्षणों के लिए स्तब्ध रह गए। यह कैसे संभव था कि मजोलीन को इतनी जल्दी पता चल गया कि एम्ब्रोज़ ने उस प्राणी से विरलनाक निकाल लिया है? और यह भी कि एम्ब्रोज़ अब एक कैदी नहीं, बल्कि X-केज के विद्रोहियों का नेता बन चुका है?

सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मजोलीन को इतनी जल्दी यह सब कैसे मालूम हो गया! किसी ने भी यह आशंका तक नहीं की थी कि X-केज में विद्रोह की योजनाएँ इतनी जल्द उजागर हो जाएँगी।

एम्ब्रोज़ ने परिस्थिति की गंभीरता को भाँपते हुए गहरी साँस ली और कहा, "शायद हम कुछ ज़्यादा ही सोच रहे हैं। जो कुछ भी कल X-केज में हुआ, उसकी भनक किसी बाहरी व्यक्ति को नहीं लगी होगी।"

चीफ वार्डन और अन्य वार्डन ने सहमति में सिर हिला दिया।

"हम मजोलीन के सामने वैसे ही व्यवहार करेंगे जैसे कि कुछ हुआ ही नहीं।" एम्ब्रोज़ ने सावधानीपूर्वक कहा, "मैं जो विरलनाक लेकर आया हूँ, उसे मजोलीन को मत देना। कह देना कि कल खनन नहीं हो पाया... क्योंकि सभी कैदी मारे गए।"

"ठीक है, सन ऑफ गॉड। जैसा आप कहें!"

एम्ब्रोज़ ने एक पल विचार किया, फिर कहा, "मुझे जेल में डाल दो।"

चीफ वार्डन ने संकेत किया, और एक वार्डन ने एम्ब्रोज़ को पकड़कर उसकी प्रिजन सेल में बंद कर दिया।

चीफ वार्डन स्वयं मजोलीन को लेने के लिए विकिरणीय रेगिस्तान तक गया और उसे विशेष वाहन में X-केज तक सुरक्षित लेकर आया।

लेकिन मजोलीन अकेला नहीं आया था। उसके साथ थी... परम-सुंदरी ऐंजलन स्त्री—वीवो।

वीवो का नाम X-केज में हर कोई जानता था, लेकिन उसे प्रत्यक्ष देखने का अवसर किसी को अब तक नहीं मिला था। चीफ वार्डन ने पहली बार उसे सामने से देखा और क्षणभर के लिए मंत्रमुग्ध हो गया।

वीवो की सुंदरता अविश्वसनीय थी—इतनी सम्मोहक कि वह किसी को भी अपने वश में कर सकती थी। परंतु उसकी वास्तविक शक्ति केवल उसकी मोहकता में नहीं, बल्कि उसकी चतुराई और प्रभावशाली मानसिकता में थी।

यह भी कोई छिपी बात नहीं थी कि वीवो, जनरल मजोलीन की विशेष कृपापात्र थी।

मजोलीन ने X-केज में प्रवेश करते ही आदेश दिया, "मुझे और वीवो को एम्ब्रोज़ से मिलना है!"

"जी... एम्ब्रोज़ से?"

चीफ वार्डन की आवाज़ काँप गई।

"हाँ! क्यों? कोई समस्या है?"

मजोलीन की गहरी, उग्र दृष्टि ने उसे चुप करा दिया।

"न-नहीं, हुज़ूर।"

चीफ वार्डन ने तुरंत स्थिति सँभालने की कोशिश की। "कृपया मेरे केबिन में बैठें। मैं अभी एम्ब्रोज़ को बुलवाता हूँ।"

मजोलीन ने हामी भरी।

वह विरलनाक से बने प्रोटेक्टिव सूट में था। यह सूट इतना शक्तिशाली था कि कोई भी शक्ति, कोई भी अस्त्र मजोलीन को हरा नहीं सकता था।

मजोलीन और वीवो चीफ वार्डन के कमरे में बैठे। जल्द ही एम्ब्रोज़ को उनके सामने लाया गया।

एम्ब्रोज़ के शरीर पर घावों के ताज़े निशान थे। यह साफ़ था कि पिछले दो दिनों में उसे X-केज में अत्यधिक यातना दी गई थी।

यह दृश्य देखकर मजोलीन संतुष्ट हुआ।

एम्ब्रोज़ के भीतर मौजूद धर्मा की आत्मा ने वीवो को पहचान लिया।

उसने तुरंत भाँप लिया कि वीवो वही स्त्री थी जिसने इरीट्रिया में उसे जाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब वह मजोलीन के साथ थी।

यह अजीब था।

एम्ब्रोज़ को संदेह हुआ कि शायद वीवो के पास विरलनाक का संरक्षण नहीं था। यदि ऐसा था, तो धर्मा की आत्मा उसके शरीर में प्रवेश कर सकती थी।

एक पल में, एम्ब्रोज़ का शरीर निष्प्राण होकर ज़मीन पर गिर पड़ा।

मजोलीन, चीफ वार्डन और वीवो स्तब्ध रह गए।

उसी क्षण, धर्मा की आत्मा एम्ब्रोज़ के शरीर से निकलकर वीवो के भीतर समा गई!

वीवो की आँखें एक पल के लिए चमकीं।

उसे सच्चाई का आभास हो गया।

वह समझ गई कि एम्ब्रोज़ कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि धर्मा की चेतना से युक्त सन ऑफ गॉड है।

धर्मा की आत्मा को उसकी यादों की गहराइयों तक पहुँचना था, इसलिए उसने वीवो के भीतर रहते हुए उसके भीतर के हर रहस्य को समझ लिया।

कुछ क्षण बाद, धर्मा की आत्मा वापस लौटकर एम्ब्रोज़ के शरीर में समा गई।

एम्ब्रोज़ की आँखें खुलीं, और उसने गहरी साँस ली।

मजोलीन ने संदेह भरी नज़रों से उसे देखा।

"तुझे यह बार-बार निष्प्राण होने का शौक कब से लग गया?" मजोलीन ने गुर्राते हुए पूछा।

एम्ब्रोज़ ने उसकी बात अनसुनी करते हुए कहा, "तेरे कुशासन के दिन अब समाप्त होने वाले हैं, मजोलीन! मैं सन ऑफ गॉड हूँ। मेरी शरण में आ जा, तुझे जीवनदान मिल सकता है।"

मजोलीन का चेहरा क्रोध से तमतमा उठा।

उसने इशारा किया, और एक सिपाही ने एम्ब्रोज़ के चेहरे पर ज़ोरदार मुक्का मारा।

हालाँकि, यह सिपाही X-केज का था। वे सभी अब एम्ब्रोज़ को अपना नेता मानते थे, लेकिन जनरल मजोलीन के सामने वे अपनी निष्ठा प्रकट नहीं करना चाहते थे।

वीवो अब भी एम्ब्रोज़ को एकटक देख रही थी।

वह नपे-तुले कदमों से आगे बढ़ी और कहा, "अगर तू ही सन ऑफ गॉड है, तो धर्मा कौन है?"

एम्ब्रोज़ ने बिना किसी झिझक के उत्तर दिया, "मैं ही धर्मा हूँ, और मैं ही एम्ब्रोज़!"

वीवो की आँखों में विस्मय फैल गया।

"यह क्या बकवास है? तू धर्मा कैसे हो सकता है?"

"मैं ही धर्मा हूँ, और मैं ही एम्ब्रोज़।"

वीवो उलझन में पड़ गई।

मजोलीन की आँखों में क्रोध की लपटें जल उठीं। उसने दाँत पीसते हुए चीखकर कहा, "तो इस तथाकथित "सन ऑफ गॉड" का अंत कर देते हैं! इसे तुरंत विरलनाक के खनन पर भेजो, आज और अभी!"

एम्ब्रोज़ ने ठंडे, मगर तीखे स्वर में उत्तर दिया, "मूर्ख मजोलीन, मैं तुझे चेतावनी देता हूँ—अगर तूने अभी मेरे सामने आत्मसमर्पण नहीं किया, तो मैं तुझे खत्म कर दूँगा।"

मजोलीन की मुट्ठियाँ भिंच गईं। उसकी साँसें तेज़ हो गईं, और चेहरा क्रोध से लाल पड़ गया। अचानक उसने अपनी कलाई ऊपर उठाई, हथेली सीधी की, और उसकी जैव-यांत्रिक कलाई से विरलनाक ऊर्जा का एक घातक प्रक्षेपण निकलने को हुआ। लेकिन तभी, चीफ वार्डन घबराते हुए आगे बढ़ा और ऊँची आवाज़ में बोला, "सर! कृपया इसे मत मारिए। इसे हम विरलनाक के खनन पर भेज देंगे। वैसे भी, आज हम खनन नहीं कर पाए।"

मजोलीन की आँखें कुछ क्षणों के लिए सिकुड़ गईं। फिर, एक कुटिल मुस्कान के साथ उसने अपना हाथ नीचे कर लिया और ठहाका मारते हुए कहा, "ठीक है! इसे अकेले भेज दो। देखते हैं, ये सन ऑफ गॉड कितना शक्तिशाली है!"

फिर उसकी दृष्टि वीवो पर पड़ी। उसकी आँखों में एक व्यंग्यात्मक चमक थी। उसने व्यंग्य से कहा, "तो तुम इससे मिलना चाहती थी, ना? लो, मैंने तुम्हें मिला दिया। मैंने अपना वादा पूरा कर दिया। पर मुझे समझ नहीं आता, इस पागल से मिलकर तुम्हें आखिर क्या मिला?"

वीवो अभी भी स्तब्ध थी। उसके अंदर एक अजीब सी हलचल हो रही थी। धर्मा की आत्मा ने उसे छुआ था। उसे महसूस हो रहा था कि एम्ब्रोज़

झूठ नहीं बोल रहा था—वह वास्तव में धर्मा की आत्मा के साथ सन ऑफ गॉड था।

अब वीवो के भीतर एक संघर्ष शुरू हो चुका था। वह यहाँ धर्मा से बदला लेने आई थी, लेकिन अब उसे लगने लगा कि जिस धर्मा से वह बदला लेना चाहती थी, उसका अस्तित्व उसके सामने किसी भौतिक रूप में नहीं था। लेकिन उसकी चेतना यहाँ थी—एम्ब्रोज़ के भीतर।

वीवो को धर्मा से सच जानना था। उसे हर हाल में धर्मा की चेतना को पकड़कर नोकोईविद के सामने पेश करना था। लेकिन यह कैसे संभव होगा? धर्मा को पकड़ना असंभव था, तो क्या उसे एम्ब्रोज़ को ही पकड़कर ले जाना होगा?

उसका मन इसी उधेड़बुन में डूबा था। उसने आखिरकार मजोलीन से कहा, "मुझे एक दिन X-केज में रहने दो। मैं एम्ब्रोज़ के साथ कुछ समय बिताना चाहती हूँ।"

मजोलीन चौंक गया। "क्या तुम पागल हो गई हो? यह सनकी कुछ भी बकवास कर रहा है!"

वीवो ने संयत स्वर में उत्तर दिया, "मुझे पता है, मेरे हुज़ूर। लेकिन मुझे कुछ समय इसके साथ गुज़ारने दो।"

मजोलीन के चेहरे पर अविश्वास उभर आया। उसकी आँखें संकीर्ण हो गईं। फिर, एक भद्दी हँसी के साथ उसने कहा, "ठीक है, मंज़ूर है। लेकिन उसके बाद तुझे मुझे उतना ही प्रसन्न करना होगा जितना कल रात किया था!"

वीवो ने अपने मोहक अंदाज़ में मुस्कुराते हुए मजोलीन को अपनी बाहों में भर लिया और धीरे से फुसफुसाई, "बिल्कुल, मेरे हुज़ूर। शायद उससे भी ज्यादा..."

मजोलीन की आँखों में वासना की चमक बढ़ गई। वह पूरी तरह वीवो के जाल में आ चुका था। उसने चीफ वार्डन को एक आदेशात्मक दृष्टि से देखा और कहा, "ठीक है, आज यह यहाँ रह सकती है। लेकिन इस बार, विरलनाक लेकर वीवो खुद आएगी, मेरे पास।"

चीफ वार्डन ने सिर झुका दिया। उसके चेहरे पर एक तनाव था, लेकिन उसने सहमति में सिर हिला दिया।

वीवो की आँखें अब एम्ब्रोज़ पर टिकी थीं। आज की रात उसके लिए निर्णायक थी। उसे एम्ब्रोज़ से वह सारी सच्चाई जाननी थी और उसे धर्मा को पकड़ कर नोकोईविद के सामने पेश करना था, जिसके लिए उसने इतनी जद्दोजहद उठाई थी।

~~

अध्याय उन्नतीस - सिविल वार

वीवो इस वक्त एम्ब्रोज़ के छोटे से प्रिजन कैप्सूल के पास खड़ी थी। उसकी आँखों में संदेह और जिज्ञासा की एक अजीब चमक थी। उसने विस्मय से पूछा, "धर्मा, तुमने यह कैसे कर लिया?"

एम्ब्रोज़ के शरीर के भीतर इस वक्त धर्मा की चेतना समाई हुई थी। धर्मा को अब भी विश्वास नहीं हो रहा था कि वीवो इतनी जल्दी उसकी बात मान लेगी। क्या उसे एक बार फिर से वीवो के शरीर में प्रवेश करना चाहिए? शायद तभी वह उसकी पूरी सच्चाई जान पाएगा। परंतु इससे पहले कि वह कोई निर्णय लेता, वीवो अचानक बोल उठी—

"एम्ब्रोज़ एक निहायत ही क्रूर और निर्मम अजय सैनिक था। न जाने कितनी रार स्त्रियों की अस्मिता उसने भंग की और कितने ही रार पुरुषों को घोर यातनाएँ दीं। ऐसा आदमी जनरल मजोलीन के विरुद्ध आँख तक नहीं उठा सकता था... और अब वह विद्रोह की आवाज़ उठा रहा है?"

धर्मा को समझ आ गया कि वीवो को शायद यह एहसास हो चुका था कि एम्ब्रोज़ अब जीवित नहीं है, और किसी तरह धर्मा ने उसके शरीर पर कब्ज़ा कर लिया है। धर्मा कुछ क्षणों के लिए वीवो के शरीर में समाया था, और उसी दौरान उसे यह आभास हुआ था कि वीवो विशेष रूप से उसे ढूँढते हुए यहाँ आई थी।

"तुम वाकई असाधारण रूप से कुशाग्र हो," धर्मा ने शांत स्वर में कहा।

वीवो हल्के से मुस्कुराई, लेकिन उसकी आँखों में अभी भी सतर्कता झलक रही थी।

धर्मा ने आगे कहा, "परंतु, क्या सिर्फ मुझे पकड़ने के लिए ही तुमने इतना दुस्साहस किया?"

यह सुनकर वीवो के चेहरे पर हल्की शिकन उभर आई। उसने गहरी साँस ली और फिर धीमे स्वर में कहा, "शायद मैंने तुम्हें गलत समझ लिया था। मुझे लगा कि तुम भी टेररिस्ट बोरो की तरह हो—एक घातक आतंकवादी, जिससे पूरे साम्राज्य को खतरा है।"

धर्मा के भीतर एक अजीब-सा गर्व जाग उठा। वीवो ने अपना सर्वस्व इस साम्राज्य की रक्षा के लिए न्योछावर कर दिया था। उसे लगा कि उसके हाथों से एक बड़ा आतंकवादी निकल गया है। धर्मा को पकड़ने के लिए उसने जो कठोर परिश्रम किया, वह किसी साधारण योद्धा के बस की बात नहीं थी।

जब तक वीवो जैसे लोग नोकोईविद के शासन के प्रति इतनी निष्ठा रखते हैं, तब तक यह शासन तंत्र अडिग और अटूट रहेगा। इसे गिराना आसान नहीं होगा। इरीट्रिया के लोग भी नोकोईविद साम्राज्य के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार थे। इससे स्पष्ट था कि यह शासन तंत्र और Xor साम्राज्य एक बेहद मजबूत नींव पर खड़ा था।

एम्ब्रोज़ धीरे-धीरे वीवो के पास आया। लेकिन यह सिर्फ एम्ब्रोज़ नहीं था—उसके भीतर कहीं धर्मा की चेतना भी मौजूद थी। उसकी आवाज़ एम्ब्रोज़ के माध्यम से गूंज उठी, "मेरी कहानी बेहद अजीब है, वीवो। मुझे प्रोफेसर बोरो एक समानांतर ब्रह्मांड (parallel universe) से यहाँ लेकर आए थे। उन्होंने मुझे नोकोईविद के शासन का अंत करने के लिए चुना था।"

वीवो के चेहरे के भाव पल भर में बदल गए। उसकी आँखों में हल्का संशय और आक्रोश उमड़ने लगा। उसने कठोर स्वर में कहा, "मैं तुम्हें सुप्रीम कमांडर नोकोईविद के महान शासन के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करने दूँगी!"

धर्मा के चेहरे पर हल्की मुस्कान उभर आई। "यही कारण है कि तुम्हारी और मेरी राहें अलग हैं, वीवो," उसने शांत लेकिन दृढ़ आवाज़ में कहा।

वीवो ने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं। उसकी आँखों में अब सिर्फ एक ही लक्ष्य था। "मैं तुम्हें पकड़कर नोकोईविद के समक्ष ले जाऊँगी!" उसने चुनौती भरे स्वर में कहा।

धर्मा कुछ पलों के लिए सोच में पड़ गया। हल्की खामोशी के बाद उसने गहरी साँस ली और ठहराव से कहा, "ठीक है, एक काम करते हैं। पहले X141 को जनरल मजोलीन के इस क्रूर शासन से बचाते हैं। यहाँ के रार लोगों को उनका अधिकार दिलाते हैं। उसके बाद... अगर तुम्हारे पास शक्ति होगी, तो मुझे बंदी बनाकर ले जाना। और अगर ताकत मुझमें होगी, तो मैं तुम्हें रोक लूँगा।"

वीवो कुछ क्षणों तक खामोश रही। उसकी आँखों में उथल-पुथल साफ झलक रही थी। क्या वह धर्मा के प्रस्ताव को मान ले? क्या यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है?

फिर, एक धीमे लेकिन दृढ़ स्वर में उसने कहा, "ठीक है। तो क्या है तुम्हारी योजना?"

&

एम्ब्रोज़, वीवो, चीफ वार्डन और अन्य वार्डन इस समय चीफ वार्डन के केबिन में एकत्रित थे। रात असहनीय रूप से लंबी प्रतीत हो रही थी, और उनके चेहरे पर चिंता की स्पष्ट रेखाएँ उभर आई थीं। जनरल मजोलीन के क्रूर शासन का अंत करना कोई साधारण कार्य नहीं था। मजोलीन के पास विरलनाक की शक्ति से सुसज्जित अनेकों हथियार और अभेद्य ढालें थीं। X-केज के वार्डन और योद्धा पराक्रमी तो थे, परंतु

मजोलीन के सामने टिक पाना उनके लिए असंभव प्रतीत हो रहा था। लेकिन एम्ब्रोज़ ने मन ही मन एक निर्णय ले लिया था।

"एक बात बताइए," एम्ब्रोज़ ने विचारमग्न स्वर में कहा, "यदि हम मजोलीन को मार भी दें, तो क्या होगा? कोई और उसकी जगह ले लेगा।"

चीफ वार्डन ने सिर झुकाकर गहरी सांस ली, फिर दृढ़ स्वर में बोले, "हाँ, सन ऑफ गॉड। यह सत्य है। आपको सिर्फ मजोलीन को हराना नहीं है, बल्कि उसे इस तरह पराजित करना होगा कि लोगों को आप पर विश्वास हो जाए।"

एम्ब्रोज़ ने गंभीरता से सिर हिलाया। वीवो, जो अब तक शांत थी, सभी की आँखों में झाँकते हुए बोली, "मेरे विचार से हमें अब मजोलीन पर सीधा हमला कर देना चाहिए।"

चीफ वार्डन ने उसकी बात सुनकर धीमे स्वर में उत्तर दिया, "हमने यह पहले भी सोचा था, वीवो। लेकिन X-केज के भीतर हम अधिक सुरक्षित हैं। बाहर, बेस पर, हम मजोलीन का सामना नहीं कर सकते।"

"पर जब तक एम्ब्रोज़ मजोलीन से आर-पार की लड़ाई नहीं करेगा, तब तक लोग उस पर विश्वास नहीं करेंगे," वीवो ने अपने तर्क को मजबूती से रखा।

"यह तो निश्चित मृत्यु को आमंत्रित करने जैसा होगा," एक वार्डन ने शंका व्यक्त की।

"हम मजोलीन को हरा नहीं सकते," एक अन्य वार्डन ने चिंतित स्वर में कहा, "उसके पास विरलनाक से निर्मित हथियार हैं, और हमारे पास ऐसा कुछ नहीं।"

वीवो ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया, "यही कारण है कि इस युद्ध में बलिदान देना ही होगा।"

सभी लोग उसे आश्चर्य से देखने लगे। वीवो, जिसकी सुंदरता स्वर्ग की अप्सराओं को भी मोहित कर सकती थी, इस क्षण एक युद्धनीति की विशेषज्ञ की भांति बात कर रही थी। उसकी शब्दावली और उसकी दृढ़ता ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एम्ब्रोज़ ने गंभीरता से उसकी ओर देखा और धीमे किंतु सशक्त स्वर में कहा, "हाँ, वीवो। पर यह बलिदान सिर्फ मेरा होगा, केवल मेरा।"

"नहीं, सन ऑफ गॉड," चीफ वार्डन बीच में ही कठोर स्वर में बोले, "यह केवल आपका बलिदान नहीं होगा, हम सब बलिदान देंगे। हमारा जीवन पहले ही व्यर्थ हो चुका है। हम यहाँ केवल अपने भाइयों को उस दैत्याकार सर्प-छिपकली का भोजन बनते देखने के लिए हैं, मजोलीन के लिए विरलनाक का खनन करने के लिए हैं। यह जीवन लानत से भरा हुआ है।"

वीवो विस्मय से भर उठी। एम्ब्रोज़ के भीतर जो धर्मा की आत्मा प्रविष्ट हो चुकी थी, उसने इन लोगों पर ऐसा प्रभाव कैसे डाल दिया था? आखिर धर्मा ने इन लोगों को इतना मोहित कैसे कर लिया था?

उसे यह ज्ञात नहीं था कि विरलनाक का सृजन करने वाला वह सर्प-छिपकली इन वार्डन और कैदियों के लिए भयावह आतंक का प्रतीक था। मजोलीन, जो विरलनाक के विशाल भंडार का स्वामी था, स्वयं भी उस भयानक प्राणी का सामना करने का साहस नहीं जुटा पाया था। और एम्ब्रोज़... एम्ब्रोज़ ने उस प्राणी को वश में कर लिया था! यह दृश्य देखकर X-केज के लोग यह मानने लगे थे कि जीत निश्चित रूप से एम्ब्रोज़ की होगी। बस प्रश्न यह था—कब और कैसे?

"यदि आप अनुमति दें, तो मैं एक सुझाव देना चाहूँगा," चीफ वार्डन ने कुछ झिझकते हुए कहा।

"बिल्कुल, बोलिए," एम्ब्रोज़ ने सहजता से उत्तर दिया।

"सन ऑफ गॉड, आप जानते हैं कि यहाँ जितने भी कैदी हैं, उन्हें विरलनाक की खदानों में काम करने के लिए भेजा जाता है।"

"हाँ, और यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम अपने भाइयों को मजोलीन के स्वार्थ के लिए इस निर्दयी मृत्यु की ओर धकेलते हैं।"

"जी, सन ऑफ गॉड। पर यदि हम इन कैदियों को राजी कर लें कि वे मजोलीन के विरुद्ध युद्ध करें, तो वे सहर्ष तैयार हो सकते हैं।"

एम्ब्रोज़ ने भौंहें सिकोड़ीं। "मैं समझा नहीं, चीफ वार्डन।"

"मैं यह कह रहा हूँ, सन ऑफ गॉड, कि यहाँ के कैदी जानते हैं कि वे कुछ ही दिनों में मृत्यु को प्राप्त होंगे। ऐसे निरर्थक मृत्यु को प्राप्त होने से अच्छा है कि वे आपके नाम पर युद्ध करें—रार की स्वतंत्रता के लिए युद्ध करें।"

वीवो इस विचार से उत्साहित हो उठी। यह बात पूरी तरह से उचित प्रतीत हो रही थी। अब समय आ चुका था कि मजोलीन के खिलाफ सीधा युद्ध छेड़ा जाए।

"परंतु आप ही तो कह रहे थे कि हम मजोलीन का सामना नहीं कर सकते?" एम्ब्रोज़ ने आश्चर्य से पूछा।

चीफ वार्डन ने गंभीरता से उत्तर दिया, "जी, सन ऑफ गॉड। लेकिन सोचिए, यदि हम मृत्यु को प्राप्त भी हो गए, तो क्या? हम कम से कम रार के लोगों में चेतना तो जगा पाएँगे।"

इससे पहले कि एम्ब्रोज़ कुछ कह पाता, वीवो ने उत्साह से कहा, "हाँ, धर्मा, यही उचित है। यदि X-केज ने ठान लिया, तो ये लोग भले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाएँ, परंतु वे एक बार तो युद्ध कर ही पाएँगे।"

एम्ब्रोज़ गहरी सोच में डूब गया।

“और यदि आप उस सर्प-छिपकली को मोहित करके उसे भी युद्ध में शामिल कर लें, तो शायद यह युद्ध और भी अधिक हमारे पक्ष में झुक जाएगा।” एक वार्डन ने धीमे से कहा।

एम्ब्रोज़ ने उस वार्डन की ओर देखा, फिर वीवो की तरफ निगाहें घुमाईं। वीवो को अब भी समझ नहीं आ रहा था कि ये लोग किस सर्प-छिपकली की बात कर रहे थे।

एम्ब्रोज़ ने चीफ वार्डन को आँखों ही आँखों में इशारा किया, और चीफ वार्डन ने तुरंत वीवो के सामने वह वीडियो चला दिया, जिसमें एक विशालकाय दानव एम्ब्रोज़ को अपने मुँह में दबाए X-केज की ओर बढ़ रहा था। लेकिन, अगले ही क्षण, उसने एम्ब्रोज़ को सहर्ष ही X-केज के दरवाजे के भीतर डाल दिया था।

वीवो की आँखें अविश्वास से फैल गईं। ऐसा प्राणी उसने पहले कभी नहीं देखा था।

“यह प्राणी ही विरलनाक का रचयिता है। इस पर किसी भी हथियार का असर नहीं होता।” एम्ब्रोज़ ने शांत भाव से कहा।

“क्या?” वीवो विस्मय से बोली।

“हाँ। यह रेडिएशन के म्यूटेशन से बना ऐसा प्राणी है, जिसके पाचन तंत्र से विरलनाक उत्पन्न होता है। इसे मारा नहीं जा सकता। यह केवल भूख से ही मर सकता है। अन्यथा, संसार के सभी हथियार इस पर बेअसर हैं।”

“और तुमने इस प्राणी को अपने इशारों पर नचा लिया?” वीवो के स्वर में आश्चर्य और प्रसन्नता दोनों झलक रहे थे।

एम्ब्रोज़ अब भी शांत खड़ा रहा।

“फिर सोच क्या रहे हो?” वीवो ने उत्साहित स्वर में कहा। “इस प्राणी को साथ लो और हमला कर दो बेस 4 पर। इसी बहाने इस प्राणी को उन दुष्ट सैनिकों का अच्छा भोजन भी मिल जाएगा।”

एम्ब्रोज़ ने मन ही मन कुछ निर्णय लिया और गंभीर स्वर में बोला, “वीवो, पर एक शर्त है। मजोलीन के विरुद्ध युद्ध तुम लीड करोगी। तुम X141 को आज़ादी दिलाओगी।”

वीवो ने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया, “बिलकुल, सन ऑफ गॉड। लेकिन मैं यह युद्ध आपके नाम पर लड़ूँगी—सन ऑफ गॉड धर्मा के नाम पर।”

चीफ वार्डन और अन्य वार्डन के मन में हर्ष भी था और भय भी। यह क्षण उनके जीवन का सबसे निर्णायक क्षण था।

एम्ब्रोज़ और वीवो अब उन सभी कैदियों के साथ एक ऐसे युद्ध पर निकलने वाले थे, जो X141 में पहले कभी नहीं हुआ था—एक सिविल वार।

~~

अध्याय तीस - बेस 4 पर कब्जा

एम्ब्रोज़ और वीवो विशेष ट्रक में बैठकर उस गुफा के पास आ गए, जहाँ वह सर्प-छिपकली अब भी भूख से व्याकुल थी। उनके पीछे, अन्य ट्रकों में अनेक कैदी भी लाए गए थे। चीफ वार्डन और अन्य अधिकारी भी वहाँ उपस्थित थे। यह एक ऐतिहासिक रात थी—एक ऐसी रात, जिसका साक्षी बनने के लिए सभी आतुर थे।

अब वह सर्प-छिपकली, जो कभी मात्र एक क्रूर जीव थी, वीवो के नेतृत्व में युद्ध के लिए तैयार थी।

एम्ब्रोज़ ने वीवो को गले लगाया और फिर चीफ वार्डन तथा वीवो की ओर देखते हुए दृढ़ स्वर में कहा, "अब से मैं इस सर्प-छिपकली में ही वास करूँगा, जब तक हम मजोलीन को हरा नहीं देते।"

उन दोनों के चेहरे पर विस्मय स्पष्ट था। उन्हें नहीं पता था कि एम्ब्रोज़ के पास कौन-सी शक्ति थी, परंतु वीवो को धर्मा पहले ही बता चुका था कि वह अपनी आत्मा को इस सर्प-छिपकली में प्रविष्ट कराएगा। यह कैसे संभव होगा, यह वीवो को ज्ञात नहीं था, लेकिन उस क्षण को देखने की उत्सुकता उसमें प्रबल थी।

एम्ब्रोज़ ने विरलनाक क्रिस्टल अपने हाथ में लिया और गुफा की ओर बढ़ने लगा। उसकी चाल में एक विचित्र निश्चिंतता थी, जो वहाँ खड़े हर व्यक्ति को विस्मय से भर रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वह मृत्यु के द्वार की ओर नहीं, बल्कि किसी पवित्र उद्देश्य की पूर्ति के लिए जा रहा हो।

चारों ओर सन्नाटा छा गया। वीवो, चीफ वार्डन, अन्य अधिकारी और कैदी, सभी अपने भीतर एक अजीब सा रोमांच अनुभव कर रहे थे।

जैसे-जैसे एम्ब्रोज़ आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे जय-जयकार के स्वर उठने लगे।

गुफा के सिरहाने पहुँचते ही एम्ब्रोज़ ने देखा कि सर्प-छिपकली ने अपनी रक्त-संचारित आँखें खोलीं। जैसे ही उसकी दृष्टि एम्ब्रोज़ पर पड़ी, एक क्रूरता से भरी स्मृति उसके भीतर जाग उठी—यह वही व्यक्ति था, जिसने पिछली बार उसकी भूख को छलपूर्वक टाला था।

इस बार नहीं।

गर्जना की एक प्रचंड ध्वनि पूरे क्षेत्र में गूँज उठी। गुफा की दीवारें तक उस कंपन से थर्रा उठीं। कैदियों के चेहरे भय और प्रत्याशा के मिश्रण से जकड़ गए।

और फिर, एक ही झपट्टे में, सर्प-छिपकली ने एम्ब्रोज़ को अपने मुँह में समेट लिया।

परंतु, यह कोई आम बलिदान नहीं था।

एम्ब्रोज़ ने कोई विरोध नहीं किया, कोई युद्ध-कौशल नहीं दिखाया। उसने अपनी नियति को स्वीकार कर लिया था।

धर्मा ने मन ही मन कहा, "एम्ब्रोज़, तुम्हारे इस शरीर ने अतीत में कई अपराध किए हैं। ऐसे पाप, जिनके लिए शायद कोई क्षमा नहीं। लेकिन आज, तुमने X-141 की आज़ादी के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। शायद यही तुम्हारे प्रायश्चित का मार्ग हो।"

सर्प-छिपकली ने एम्ब्रोज़ के शरीर को अपने शक्तिशाली जबड़ों से चबा डाला, लेकिन विरलनाक क्रिस्टल के कारण उसके आंतरिक अंगों में एक अत्यंत सूक्ष्म अणु-छिद्र बन गया। यही वह मार्ग था जिससे धर्मा की आत्मा उस सर्प-छिपकली में प्रविष्ट हो गई।

एम्ब्रोज़ का शरीर समाप्त हो चुका था, परंतु धर्मा अब एक नए स्वरूप में जन्म ले चुका था—वह सर्प-छिपकली, जो कभी केवल विनाश का प्रतीक थी, अब न्याय का एक नया अवतार बन गई थी।

वह रचनाकार, वह विध्वंसक, वह विरलनाक का स्वामी—अब वही सर्प-छिपकली था - वही धर्मा था।

एक भयंकर हुंकार गूँज उठी।

सभी लोग स्तब्ध थे।

सर्प-छिपकली वीवो की ओर बढ़ी, जो अभी भी अपने विशेष ट्रक में बैठी थी। जब विरलनाक की रचयिता सर्प-छिपकली ने वीवो को देखा, तो पुनः एक विकट गर्जना की। वीवो शायद समझ गई थी कि वह क्या कहना चाह रही थी। यह अब कोई साधारण जीव नहीं था—यह धर्मा था।

वीवो ने विकिरण-रोधी सूट पहना हुआ था। वह ट्रक से उतरी और बिना किसी भय के आगे बढ़ी। जैसे ही वह सर्प-छिपकली के समीप पहुँची, उसने उसे अपने विशाल मस्तक पर स्थान दे दिया।

मानो समस्त ब्रह्मांड के समक्ष घोषणा कर रही हो कि वीवो ही अब इस युद्ध की नेता है। युद्ध की ज्वाला प्रज्वलित हो चुकी थी।

वीवो ने पूरे जोश से उद्घोष किया, "धर्मा—सन ऑफ गॉड के नाम पर, हम मजोलीन का अंत करने के लिए तैयार हैं!"

चीफ वार्डन, अन्य अधिकारी और समस्त कैदी एक साथ गरज उठे, "बिलकुल तैयार हैं!"

उनके जीवन में कोई सुख नहीं था, कोई उद्देश्य नहीं था। लेकिन वीवो की इस छवि—एक सर्प-छिपकली के शीर्ष पर खड़ी उनकी नायिका—ने उन्हें जीवन का एक लक्ष्य दे दिया था। उनके जीने-मरने का अब केवल एक ही अर्थ था—वीवो के नेतृत्व में जनरल मजोलीन को परास्त करना।

वीवो ने एक अंतिम हुंकार भरी, "आज रात हमारा पहला हमला होगा बेस-4 पर! आज हम स्ट्रेंज सी पर कब्जा कर लेंगे! वह जल अब रार के लोगों के लिए मुक्त होगा!"

वीवो के इस घोषणा के साथ ही पूरा समूह उन्माद में भर गया। वे अपने-अपने विशेष ट्रकों में बैठकर युद्ध के उद्घोष करने लगे।

"कूच करो!" वीवो ने सर्प-छिपकली के ऊपर से आदेश दिया।

सर्प-छिपकली तेजी से आगे लहराने लगी, उसके पीछे-पीछे कैदियों और अधिकारियों के ट्रक भी चल पड़े।

आज रात बेस-4 पर विजय निश्चित थी।

यह दृश्य X-141 ग्रह की कल्पना से परे था—एक ऐसा क्षण, जिसने इस ग्रह की नियति को सदा के लिए बदल देने की ठानी थी। शायद धर्मा को दूसरी दुनिया से लाए जाने का यही कारण था। वह जो कर रहा था, वह उसके अलावा कोई और कर भी नहीं सकता था।

प्रोफेसर बोरो ने उसे अपनी साज़िशों के लिए "सन ऑफ गॉड" बनाया था—शायद मात्र एक मोहरा, एक प्रयोग। परंतु, जैसा कि सात आयामी ईथर-सोना ने धर्मा को बताया था, वही सत्य अब मूर्त रूप ले रहा था। धर्मा के भीतर कुछ ऐसा था, जो पूरे फ्रां गैलेक्सी की जड़ों को हिला देने की क्षमता रखता था।

आज X-141 ग्रह यह देखेगा कि पृथ्वी पर पला-बढ़ा एक साधारण मानव क्या कुछ कर सकता है। धर्मा ने कभी झूठ नहीं बोला। उसने स्वयं को हमेशा वही दिखाया जो वह था—एक साधारण, परंतु अडिग मनुष्य।

&

बेस-4 की रात

बेस-4 के अजय सैनिक गहरी नींद में थे, बेफिक्र और निश्चिंत। उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उन पर कोई हमला हो सकता है। जैसे हर रात, इस आखिरी पहर में भी वे बेखौफ सो रहे थे। हालाँकि, एक चौकी पर दो सैनिक जाग रहे थे।

उनका ध्यान अपने कृत्य में लिप्त था—कुछ रार महिलाओं को कैद कर उन्होंने उन्हें अपनी वासनाओं का शिकार बना रखा था। वे मदिरा के नशे में चूर, नग्न स्त्रियों पर अपनी दुष्ट इच्छाएँ थोप रहे थे। तभी, एक तीव्र गर्जना ने उनकी तंद्रा तोड़ी।

"मेरा वाहन भूखा है और तुम दोनों को इस कुकृत्य का दंड वही देगा!"

यह वीवो की गरजती हुई आवाज़ थी।

सैनिक ठिठक गए। उनके सामने अप्सरा-सी सुंदर वीवो खड़ी थी। उनकी वासनाओं को जैसे नया केंद्र मिल गया। लेकिन इससे पहले कि वे उसकी ओर बढ़ पाते, उनके सामने मौत आ खड़ी हुई—भूख से विक्षिप्त दैत्याकार सर्प-धर्मा।

सैनिकों ने अभी अपने मिलिट्री आर्मर की ओर हाथ भी नहीं बढ़ाया था कि धर्मा ने अपनी लपलपाती जीभ निकाली और पलक झपकते ही उन्हें अपने विशाल जबड़ों में समा लिया। एक पल में वे उसका भोजन बन चुके थे। हड्डियों के चरमराने की आवाज़ गूँज उठी। धर्मा का पेट थोड़ा शांत हुआ।

रार स्त्रियाँ यह दृश्य देखकर भयभीत हो उठीं। उनके लिए यह दानव अविश्वसनीय था। और यह स्त्री कौन थी, जो इस राक्षस के साथ आई थी?

"डरो मत," वीवो ने शांत स्वर में कहा, "मैं वीवो हूँ। मैं रार को जनरल मजोलीन के क्रूर बंधन से मुक्त करूँगी।"

स्त्रियाँ फूट-फूटकर रो पड़ीं। उनमें से एक ने सिसकते हुए कहा, "हमारे परिवारों को एक वर्ष के पानी के बदले इन दुष्ट सैनिकों के हवाले कर दिया जाता था।"

वीवो ने संतोषपूर्वक सिर हिलाया।

"अब से यह सब खत्म। स्ट्रेंज सी का पानी सभी के लिए होगा," उसने आश्वासन दिया।

वीवो ने उन्हें उनके कपड़े लौटाए और सम्मान सहित वहाँ से विदा किया। इस बीच, चीफ वार्डन, अन्य वार्डन और कुछ कैदी भी चौकी पर आ पहुँचे। उन्होंने मृत सैनिकों के आर्मर सूट पहन लिए। अब, उनके पास वही कवच था जो अजय सैनिकों को अजेय बनाता था।

वीवो ने हवा में छलांग लगाई और धर्मा के विशाल सर्पाकार शरीर पर जा बैठी। उसने देखा—ऐसी कई चौकियाँ थीं।

"धर्मा, अब इन्हें खत्म करो," उसने कहा।

क्षण भर में धर्मा ने बेस-4 की कई चौकियों पर हमला कर दिया। सैकड़ों अजय सैनिक सोते - सोते ही सर्प-छिपकली के पेट में समा गए। धर्मा के लिए यह दावत थी।

X-केज के कैदियों ने मारे गए लापरवाह सैनिक जो कवच और हथियारों को दूर रख कर सोते सोते मारे गए; उनके वो कवच और हथियार पहन लिए। अब, युद्ध का बिगुल बज चुका था। बेस-4 में ज्यादा सैनिक नहीं थे, और जो थे, वे विरलनाक की रचयिता इस सर्प-राक्षस को देखकर ही कांप उठे।

युद्ध का पलड़ा वीवो की ओर झुकने लगा।

धर्मा ने वीवो को अपने मुँह में दबा लिया ताकि गलती से कोई सैनिक उसे नुकसान न पहुँचा दे। धर्मा पर किसी भी प्रहार का असर नहीं हो रहा था। वह अपने दानवीय रूप में अजय सैनिकों को मौत के घाट उतारता जा रहा था।

कुछ कैदी मारे गए, लेकिन अधिकतर सैनिक धर्मा के भय और आकस्मिक हमले के कारण समर्पण करने में असमर्थ थे। वे पलायन करने लगे।

सुबह होते-होते बेस-4 और स्ट्रेंज सी पर अजय सैनिकों के बजाय X-केज के योद्धाओं का कब्जा हो चुका था।

वीवो की सेना ने इतिहास बदल दिया था।

धर्मा ने वीवो को अपने मुँह से बाहर निकाला और उसकी नजर अपने विशाल पूँछ की ओर ले जाने का संकेत दिया। वीवो ने पीछे देखा तो विरलनाक के अनेकों क्रिस्टल चमक रहे थे। धर्मा के लिए यह दावत कुछ ज्यादा ही भारी पड़ गई थी।

"समझ गई," वीवो मुस्कुराई।

उसने तुरंत ही विरलनाक के सभी क्रिस्टल एकत्रित कर लिए। धर्मा जानता था कि मजोलीन से लड़ने के लिए वीवो को विरलनाक की ढाल की जरूरत होगी।

यह रात एक नई सुबह लेकर आई थी।

अब X-केज के पास युद्ध करने के लिए अजय सैनिकों के कवच थे। वीवो के पास पर्याप्त विरलनाक था। धर्मा, वीवो, चीफ वार्डन और कई कैदी अब वापस X-केज की ओर लौट रहे थे। वहाँ उन्हें अपनी अगली योजना बनानी थी।

बेस-4 पर अब X-केज के एक वार्डन जुपिटर का शासन था। वीवो ने उसे वहाँ की जिम्मेदारी सौंप दी और कई कैदियों को, जो अब

अजय सैनिकों के आर्मर और उन्नत हथियारों से लैस थे, बेस-4 की सुरक्षा और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए वहीं तैनात किया गया था। उन्हें न केवल बेस पर कब्जा बनाए रखना था, बल्कि किसी भी संभावित हमले या मजोलीन की पलटवार योजना के खिलाफ सतर्क रहना था। इन कैदियों को अब साधारण बंदी नहीं, बल्कि एक संगठित और सशस्त्र शक्ति का हिस्सा माना जा सकता था, जो स्वतंत्रता के लिए अपने नए संघर्ष की रक्षा कर रहे थे। बाकी सैनिकों के साथ वीवो X-केज लौट गई। वहाँ उसे न केवल विरलनाक से बना अभेद्य कवच तैयार करना था, बल्कि मजोलीन के खिलाफ अगली रणनीति भी बनानी थी।

युद्ध की पहली चोट वीवो ने मजोलीन को दे दी थी।

स्ट्रेंज सी और बेस-4 को छीनकर उसने यह जता दिया था कि यह युद्ध घातक होने वाला है।

मजोलीन के शिविर तक उसके सिपाहियों ने बेस-4 पर हुए हमले की खबर पहुँचा दी। जैसे ही यह समाचार मजोलीन के कानों तक पहुँचा, उसके भीतर उग्र क्रोध की ज्वाला भड़क उठी। वह अपराजेय अजय सैनिक, जिन पर उसकी सेना की रीढ़ टिकी थी, अब कायरों की तरह अपने ही बेस को छोड़कर भाग खड़े हुए थे? यह अस्वीकार्य था। जो अजय सैनिक किसी तरह अपनी जान बचाकर उसके समक्ष उपस्थित हुए, उन्हें उम्मीद थी कि वे अपनी सफाई देकर दंड से बच सकते हैं। लेकिन मजोलीन के लिए उनकी असफलता से बड़ा कोई अपराध नहीं था।

मजोलीन ने अपनी चमकती लाल आँखों से उन भगोड़े सैनिकों को देखा, और बिना एक शब्द कहे, अपने हाथ को हल्का-सा उठाया। पल भर में ही उनकी चीखों से पूरा कक्ष गूंज उठा। उसकी क्रूर शक्ति ने उन्हें वहीं भस्म कर दिया—उनका अस्तित्व पल भर में धुएँ में बदल गया। मजोलीन

के लिए कायरता से बड़ी कोई गद्दारी नहीं थी, और ऐसे भगोड़ों के लिए उसकी सेना में कोई जगह नहीं थी।

लेकिन असली प्रश्न यह था कि यह हमला हुआ कैसे? वीवो... मजोलीन के मस्तिष्क में यह नाम गूँज उठा। क्या यह सब उसी की साजिश थी? क्या एम्ब्रोज़ तो महज़ एक बहाना था? क्या वीवो का असली उद्देश्य उससे व्यक्तिगत बदला लेना था?

लेकिन सबसे अधिक जो बात उसे विचलित कर रही थी, वह थी सर्प-छिपकली।

वीवो को X-केज के बारे में इतनी गहराई से सब कुछ कैसे पता चल गया? वह इस जेल की सच्चाई जानने क्यों आई थी? और सबसे अहम, उसने उस दैत्याकार सर्प-छिपकली को अपने नियंत्रण में कैसे ले लिया? वह प्राणी, जो स्वयं ही एक विनाशकारी शक्ति था, अब वीवो का आदेश मानने को कैसे बाध्य हो गया?

मजोलीन को लगने लगा कि यह कोई साधारण विद्रोह नहीं था। यह एक षड्यंत्र था, एक ऐसा खेल जिसमें वीवो ने उसकी योजनाओं को तहस-नहस करने की ठान ली थी। यह विचार ही उसे विचलित करने के लिए पर्याप्त था, लेकिन एक बात स्पष्ट थी—यह युद्ध अब व्यक्तिगत हो चुका था।

जनक 290 में स्थित धर्मा का शरीर इन सभी घटनाओं को तत्काल अनुभव कर रहा था। उसकी चेतना किसी भी साधारण मानव से कहीं अधिक उन्नत थी, और उसका अस्तित्व स्वयं क्वांटम इंटेंगलमेंट के नियमों से बंधा हुआ था। उसकी दो शक्तिशाली ऊर्जाएँ—एक सर्प-छिपकली के रूप में X141 ग्रह पर और दूसरी मानव रूप में जनक 290 में—हमेशा एक-दूसरे से जुड़ी रहती थीं।

अब समय आ गया था।

धर्मा ने अपने शरीर को X141 पर बुलाने का निश्चय कर लिया। जनक 290 को धर्मा का आदेश प्राप्त हुआ और वो बेहद तेजी के साथ X141 ग्रह की तरफ बढ़ चला। उसे जल्द से जल्द X141 ग्रह पर X-केज के पास लैंड होना था। इंजन गरज उठे, आकाश में ऊर्जा की लपटें उठीं, और जनक 290 पूरी शक्ति के साथ X141 के X-केज की ओर बढ़ चला।

उधर, सर्प-छिपकली के रूप में धर्मा अपने अंधकारमय गुफा-आवास में गहन विश्राम की अवस्था में था। उसने उस रात इतना अधिक और विलासपूर्ण भोजन किया था कि उसका विशालकाय शरीर भारी लगने लगा था। लेकिन उसके भीतर ऊर्जा का एक भंवर घूम रहा था—एक ऐसा प्रवाह जो उसे अगले युद्ध के लिए तैयार कर रहा था।

कुछ ही क्षणों में जनक 290 ने X141 के वायुमंडल को भेद दिया और X-केज के निकट उतर गया। वीवो को शायद अहसास हो गया था कि धर्मा उससे मिलने अब आने वाला था। उसे नहीं पता था कि धर्मा ये सब कैसे कर पा रहा था परन्तु धर्मा ने वीवो को अपना पूरा प्लान बता दिया था। धर्मा को पता था कि वीवो को अब धर्मा के दूसरे शरीर की जरुरत भी पड़ेगी।

जनक 290 के X-केज के पास लैंड करते ही उसके विशाल द्वार एक गहरी, गूँजती ध्वनि के साथ खुले। धातु की प्लेटों के बीच से उठती भाप हवा में घुल गई, और जहाज का भीतर का चमकता हुआ नारंगी प्रकाश अंधकारमय X141 की धरती पर फैल गया।

वीवो एक क्षण भी नहीं रुकी।

जैसे ही द्वार खुले, उसने पूरी शक्ति से उड़ान भरी। उसकी गति इतनी तीव्र थी कि उसके पीछे की धूल और हवा झंझावत की तरह हिल उठी। उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था—एक अनजानी, अपरिभाषित उत्तेजना से भरा हुआ।

उसे धर्मा से मिलना था। तुरंत।

उसका साँसों से भरा हुआ शरीर झटके से जनक 290 के भीतर प्रविष्ट हुआ। अंदर एक अजीब सन्नाटा था—शांत, लेकिन ऊर्जा से भरा हुआ। चमकते संकेतक और नियंत्रण पैनल धीरे-धीरे धड़क रहे थे, जैसे किसी जीवित मशीन का हृदयस्पंदन हो।

और वहाँ, धातु की ठंडी रोशनी के बीच खड़ा था धर्मा।

वही धर्मा, जिसे वह खोज रही थी।

वीवो के भीतर एक विस्फोट हुआ—भावनाओं का, विचारों का, और एक अजीब-सी राहत का। उसके होंठों से कोई शब्द नहीं निकला, लेकिन उसकी आँखें बोल रही थीं।

"धर्मा..."

और अगले ही पल, बिना किसी संकोच के, उसने उसे अपने बाहों में जकड़ लिया।

"तुम सच में “सन ऑफ गॉड” हो," उसने बेहद कोमल स्वर में कहा।

लेकिन धर्मा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसकी आँखें स्थिर थीं, उसकी अभिव्यक्ति शांत और निर्विकार। उसकी आंतरिक चेतना पहले से ही युद्ध की योजनाएँ बना रही थी।

"अपना विरलनाक ले आओ। हमें जनक 290 में तुम्हारे लिए एक ऐसा आर्मर बनाना होगा जो अभेद्य हो," धर्मा ने दृढ़ स्वर में कहा।

वीवो ने कोई प्रतिवाद नहीं किया, लेकिन उसके होंठों पर हल्की मुस्कान थी।

फिर, बिना किसी चेतावनी के, उसने धर्मा को फिर से कसकर गले लगा लिया। इस बार उसका आलिंगन मात्र सम्मान का नहीं था, यह किसी और गहरी भावना से भरा था।

शायद यह प्रेम था।

धर्मा का व्यक्तित्व ही कुछ ऐसा था—वह जिसे छूता, उसे अपने प्रभाव में बाँध लेता। उसकी उपस्थिति में रहना किसी अदृश्य शक्ति के प्रभाव में आने जैसा था।

जनक 290 पर वीवो पहली बार उससे मिली थी। लेकिन इस बार, इस मिलन ने उसे धर्मा के प्रति सच्चे प्रेम में डाल दिया था।

~~

अध्याय इक्कतीस – विद्रोह की चिंगारी

मजोलीन अपने महल के नियंत्रण-कक्ष में बैठा उन दृश्यों को देख रहा था जो सैकड़ों ड्रोन कैमरों ने कैप्चर किए थे।

वीडियो की हर फ्रेम में बेस-4 का विनाश साफ़ झलक रहा था—कैसे वीवो और वह दैत्याकार सर्प-छिपकली वहाँ कहर बनकर टूट पड़े थे। आग, ध्वंस, और रक्त—हर ओर सिर्फ अराजकता थी। रार की उन स्त्रियों ने यह खबर इतनी तेजी से फैलाई कि अब समस्त रार की जनता वीवो को एक देवी मानने लगी थी।

"एक देवी, जो कालजयी सर्प पर आरूढ़ है।"

अब, पूरी रार जाति यही मानने लगी थी कि वह मजोलीन को मारकर उन्हें आज़ादी दिलाएगी।

सब कुछ बदल रहा था।

रार के लोगों के लिए स्ट्रेंज-सी का पानी अब मुफ्त में उपलब्ध था। इस एक घटना ने मजोलीन के पूरे सत्ता-संतुलन को हिलाकर रख दिया। बड़ी संख्या में रार के लोग बेस-4 पर एकत्र होने लगे थे। यहाँ तक कि मजोलीन के महल में काम करने वाले रार नागरिकों की भी निष्ठा संदिग्ध हो चली थी।

मजोलीन के भीतर बेचैनी बढ़ने लगी।

"यदि X-केज के कैदी विद्रोह कर सकते हैं, तो रार के ये करोड़ों लोग भी बगावत पर उतर सकते हैं।"

बेस-4 की हार मजोलीन के लिए केवल एक सैन्य पराजय नहीं थी, यह उसके सम्राज्य की नींव को हिला देने वाली चोट थी।

लेकिन यह सिर्फ शुरुआत थी।

वीवो ने उस पर ऐसा वार किया था जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। वह नागिन... जिसे मजोलीन ने केवल भोग की वस्तु समझा था... उसने मजोलीन से सबसे बड़ा बदला ले लिया था।

"क्या यह खबर नोकोईविद तक पहुँच सकती है?"

मजोलीन की आँखें सख़्त हो गईं। वह केवल एक ही व्यक्ति से डरता था—नोकोईविद।

"विरलनाक मेरे पास है, लेकिन फिर भी नोकोईविद की छाया से मैं भयभीत हूँ।"

अब एक ही विकल्प बचा था—इस विद्रोह को जल्द से जल्द कुचल देना।

परंतु सबसे बड़ा सवाल...

"उस सर्प-छिपकली ने वीवो का आदेश क्यों माना?"

मजोलीन को अब भी यह पहेली परेशान कर रही थी।

"वीवो सिर्फ एम्ब्रोज़ से मिलने का बहाना बनाकर गई थी... लेकिन फिर वह उस सर्प-छिपकली को वश में कैसे कर पाई?"

और फिर, एम्ब्रोज़ कहाँ गया?

वह इस पूरे हमले के वीडियो में कहीं दिख ही नहीं रहा था।

"क्या वह सचमुच “सन ऑफ गॉड” था? या फिर..."

मजोलीन की सोच में एक नया शक उभरने लगा।

तभी मैक्स कमरे में दाखिल हुआ।

"सर, वीवो किसी “धर्मा” नाम के व्यक्ति को ही ढूंढ रही थी।"

मजोलीन की नजरें संकीर्ण हो गईं।

"मुझे पता है... उसने मुझसे भी यही कहा था।"

मैक्स कुछ संकोच के साथ आगे बढ़ा—"सर, हो सकता है कि धर्मा और एम्ब्रोज़ एक ही व्यक्ति हों।"

मजोलीन के भीतर एक झटके से सब कुछ जुड़ने लगा।

"हाँ... X-केज में एम्ब्रोज़ भी ऐसा ही कुछ कह रहा था..."

"और सर, मैंने कुछ और भी पता किया है।"

"क्या?"

"प्रोफेसर बोरो।"

"कौन?"

"सर, प्रोफेसर बोरो पर Xor प्लेनेट में आतंकवाद के आरोप में मुकदमा चल रहा है। लेकिन असली खबर यह है कि उसने एक “धर्मा” नाम के व्यक्ति को पैरेलल यूनिवर्स से बुलाया।"

मजोलीन की आँखें चौड़ी हो गईं।

"और यह धर्मा हमारे प्लेनेट पर कल रात एक स्पेसशिप से लैंड हुआ है।"

मजोलीन गुस्से से खड़ा हो गया—

"क्या? हमारे प्लेनेट पर कोई स्पेसशिप लैंड हुआ और मेरे सैटेलाइट स्टेशन ने मुझे बताया तक नहीं?"

मैक्स घबराया, लेकिन खुद को संभालते हुए बोला—

"सर, बताया तो था... लेकिन आप बेस-4 से लौटे सैनिकों को मृत्युदंड देने में व्यस्त थे।"

मजोलीन की मुट्ठियाँ भिंच गईं।

"मैक्स!"

मैक्स थोड़ा सहम गया लेकिन फिर भी अपनी बात रखी—

"सर, यह धर्मा कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। इसके पास सम्मोहन करने की कोई शक्ति है।"

"मतलब?"

"मतलब सर, यह लोगों को अपने वश में कर सकता है।"

मजोलीन गहरी सोच में पड़ गया।

"इसका मतलब... उसने वीवो को मोहित कर लिया? और शायद... उस दैत्य सर्प-छिपकली को भी?"

मैक्स ने सिर हिलाया।

"हाँ सर, और शायद यही कारण था कि एम्ब्रोज़ बार-बार निष्प्राण हो जाता था... यह उसकी शक्ति का कोई साइड इफेक्ट हो सकता है।"

मजोलीन की आँखों में संदेह का एक और बीज उग गया।

"लेकिन एम्ब्रोज़ वीडियो में कहीं भी नहीं दिखा। वह आखिर गया कहाँ?"

मैक्स ने एक कुटिल मुस्कान के साथ जवाब दिया—

"शायद धर्मा ने उसे रास्ते से हटा दिया हो।"

मजोलीन की भौहें चढ़ गईं।

"क्या कह रहे हो, मैक्स? मैं कुछ समझ नहीं पा रहा!"

"सर, यह सारा खेल धर्मा और वीवो का है। वे शायद विरलनाक को हथियाना चाहते थे... और नोकोईविद को चुनौती देना चाहते हैं।"

मजोलीन का माथा ठनका।

"अगर यह सच है, तो हमें जल्द से जल्द इन्हें रोकना होगा।"

मैक्स आगे झुका—

"सर, आपको सिर्फ धर्मा और वीवो को मारना नहीं है, बल्कि उन्हें रार की जनता के सामने पूरी तरह बर्बाद करना है।"

मजोलीन की आँखों में एक दंभी चमक उभर आई।

"हाँ... मैं इन दोनों को रार की जनता के सामने तड़प-तड़पकर मरता हुआ देखूंगा।"

"ताकि रार के लोगों को उनकी औकात हमेशा याद रहे।"

“ठीक है फिर।” मजोलीन की आँखों में अंगारे दहक उठे। उसने कुटिल स्वर में कहा, “सबसे पहले बेस 4 को मुक्त किया जाएगा, और फिर X-केज पर मजोलीन का कहर टूटेगा।”

मजोलीन ने कुछ अत्यंत भयानक सोच लिया था।

&

सुबह का वक्त था। बेस 4 पर रार के लोग भारी संख्या में एकत्र हो चुके थे। पहली बार उन्होंने स्ट्रेंज सी को अपना मान लिया था। किसी को नहीं पता था कि X-केज के कैदियों ने यह असंभव कार्य कैसे कर दिखाया। अब उन्हें “धर्म सेना” कहा जा रहा था—वीवो ने उन्हें यही नाम दिया था।

धर्म सैनिक अति उत्साहित थे। वे धर्मा और वीवो के लिए अपने प्राण तक न्योछावर करने को तत्पर थे। वीवो, जो अब उस विशालकाय सर्प-छिपकली को अपना वाहन बना चुकी थी, उनके लिए किसी देवी से कम नहीं थी। कई रार लोग भी अब धर्म सेना में सम्मिलित होने के लिए आतुर थे।

जनरल मजोलीन और अजय सेना के क्रूर शासन का अंत समीप था।

इस समय बेस 4 पर पांच सौ धर्म सैनिक तैनात थे, जिनका नेतृत्व जुपिटर नामक वार्डेन कर रहा था। वहीं, तकरीबन एक मिलियन रार के लोग भी आ चुके थे। उनके पास हथियार नहीं थे, लेकिन जो भी सामग्री उपलब्ध थी, उसे ही वे युद्ध उपकरण की भांति उपयोग करने को तैयार थे।

वे दृढ़ निश्चय कर चुके थे—बेस 4 और स्ट्रेंज सी पर उनका अधिकार अब कोई नहीं छीन सकता। उन्हें ज्ञात था कि जनरल मजोलीन पलटवार अवश्य करेगा। रात के अंधेरे में धर्म सैनिकों ने अजय सेना पर

अचानक हमला कर उन्हें पराजित कर दिया था, किंतु मजोलीन की शक्ति से वे सभी भली-भांति परिचित थे। जुपिटर को भी इस बात का आभास था कि मजोलीन का प्रतिशोध इतनी सरलता से टाला नहीं जा सकेगा।

लेकिन वे सब अपनी अंतिम सांस तक लड़ने के लिए तैयार थे। उन्हें भान था कि आज का दिन बलिदान का दिन होगा। और उनकी आशंका शीघ्र ही सत्य सिद्ध हुई।

मजोलीन आ गया।

वह विरलनाक के चमचमाते आर्मर में सुसज्जित था, अपने विशेष यान में सवार। उसके साथ थे उसके दस सर्वाधिक वफादार अंगरक्षक, जो विरलनाक के शस्त्रों और कवच से सुसज्जित थे। साथ ही थी दस हजार अजय सैनिकों की विशाल बटालियन। मजोलीन को केवल बेस 4 पर पुनः अधिकार नहीं चाहिए था, बल्कि धर्म सेना के हर एक सैनिक की लाशें बिछानी थीं।

उसके शानदार विमान के पीछे दस विरलनाक सैनिक और दस हजार अजय सैनिक उड़ते हुए आ रहे थे। यह सेना किसी के भी हृदय में भय उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त थी।

बेस 4 पर खड़े जुपिटर को अब यह भली-भांति समझ आ गया था कि उसकी और धर्म सेना के बलिदान देने की घड़ी आ पहुँची है। लेकिन अब पीछे हटने का प्रश्न ही नहीं था। रार के लोग, जो कभी मजोलीन का नाम सुनकर थर-थर कांपते थे, आज उसकी सेना को आकाश में मंडराते देखकर भी नहीं घबराए। उन्होंने भी इस असंभव युद्ध में भाग लेने का निश्चय कर लिया था, भले ही परिणाम पराजय ही क्यों न हो।

धर्मा ने X-141 पर जीवन का नया संचार कर दिया था। वह “सन ऑफ गॉड” था, और उसकी प्रेरणा ने लोगों को सच्चाई और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर दिया था। मजोलीन ने कभी स्वप्न में भी नहीं

सोचा था कि उसकी सताई हुई यह आम जनता इतनी हिम्मत जुटा सकेगी कि उसके सामने डटकर खड़ी हो जाए—मृत्यु का आलिंगन करने के लिए तैयार।

धर्मा ने जैसे इन लोगों पर कोई जादू कर दिया था। जो व्यक्ति स्वयं विरलनाक के रचयिता दानव सर्प-छिपकली को धर्म की राह पर ला सकता था, उसके लिए मनुष्यों को धर्म के मार्ग पर ले आना कोई कठिन कार्य नहीं था। यही शक्ति धर्मा को नोकोईविद से भी अधिक शक्तिशाली बनाती थी।

धर्मा जिसे छू लेता, उसे धर्म की राह पर ले आता था। आज उसने धर्म सैनिकों और रार के लोगों को इतना प्रेरित कर दिया कि वे मजोलीन के विरुद्ध अपने प्राण न्योछावर करने को तत्पर हो गए।

मजोलीन को लगा था कि उसकी सेना को देखकर ये लोग भयभीत हो जाएंगे। परंतु न तो बेस 4 पर तैनात धर्म सैनिक डरे, और न ही वे रार के लोग जो वहाँ एकत्रित हुए थे। इस दुस्साहस ने मजोलीन के क्रोधाग्नि को और अधिक भड़का दिया था।

"कीड़ों! तुम में से आज एक भी जीवित नहीं बचेगा!" मजोलीन ने अपने विमान से प्रचंड उद्घोष किया।

"जय जय धर्मा! जय धर्म सेना!" यह उद्घोष मजोलीन के शब्दों का उत्तर बनकर गूंज उठा।

मजोलीन को इस दुस्साहस की कल्पना तक नहीं थी।

एक महायुद्ध होने वाला था। ऐसा युद्ध, जो X-141 पर पहले कभी नहीं हुआ था। यह धर्म युद्ध था।

&

और दूसरी ओर...

धर्मा ने जनक-290 की सहायता से वीवो के विरलनाक का एक अभेद्य आर्मर तैयार कर लिया था।

धर्मा और वीवो इस वक्त जनक 290 के भीतर थे।

“वीवो, यह विरलनाक से निर्मित एक दिव्य कवच है। यह तुम्हें मजोलीन के समान विरलनाक की ऊर्जा की शक्ति प्रदान करेगा। तुम्हारे सटीक प्रहार उसे हिला सकते हैं।” धर्मा ने गंभीर स्वर में कहा।

वीवो ने अपने नए कवच को देखा और अपनी असीम शक्ति का अहसास किया। उसके मन में आत्मविश्वास की लहर दौड़ गई। उसने भावुक होकर धर्मा को कसकर गले लगा लिया।

“तुम भी अपने लिए ऐसा ही कवच बना लोगे, धर्मा।” वीवो ने प्रेमपूर्वक कहा।

“निश्चित रूप से, वीवो। मैं भी अपना विरलनाक आर्मर तैयार करूंगा। लेकिन तुम्हें अब अपने सैनिकों के साथ प्रस्थान करना होगा। जनरल मजोलीन कभी भी बेस 4 पर आक्रमण कर सकता है।” धर्मा ने शांत लेकिन दृढ़ स्वर में उत्तर दिया।

“हाँ, हमें उसके आक्रमण का उत्तर देना होगा। उसके पाप का घड़ा भर चुका है।” वीवो के शब्दों में क्रोध और संकल्प था।

“और उसका अंत तुम्हारे ही हाथों लिखा है, वीवो।” धर्मा ने कहा।

“हाँ, उसे एक स्त्री के सम्मान भंग का दंड अवश्य मिलेगा।”

“और वह भी समस्त रार वासियों के सामने।”

“बिल्कुल, धर्मा।”

धर्मा ने वीवो की ओर नज़र भरकर देखा। वह पूरी तरह तैयार थी। उसे यकीन था कि यह विरलनाक कवच उसे मजोलीन के विरुद्ध लड़ने की शक्ति देगा। लेकिन जो धर्मा नहीं जानता था, वह यह कि वीवो को

असली शक्ति इस कवच से नहीं, बल्कि इस बात से मिल रही थी कि धर्मा उसके साथ था।

वीवो ने धर्मा को जोर से गले लगाया और ऊँची आवाज़ में बोली, “जीत धर्म सेना की होगी!”

“धर्म सेना?” धर्मा ने आश्चर्य से दोहराया।

“हाँ, धर्मा। आज से हम सभी धर्म सैनिक हैं—तुम्हारे सैनिक!” वीवो के स्वर में अटूट विश्वास झलक रहा था।

धर्मा को हर्ष भी हुआ और गर्व भी। वह जिस मिशन पर अकेले चला था, उसमें अब अनगिनत लोग जुड़ गए थे। लेकिन उसकी राह यहीं नहीं रुकती थी। उसे केवल X-141 को मुक्त नहीं कराना था, बल्कि पूरे Xor साम्राज्य में धर्म और सच्चाई का संदेश फैलाना था।

वह “सन ऑफ गॉड” था। उसने ठाना था कि वह लोगों को प्रेरित करेगा ताकि वे धर्म और सत्य के मार्ग पर चलें।

यह नियति थी। वह व्यक्ति, जो स्वयं किसी ग्रंथ को नहीं मानता था, जिसने कभी बोफ नहीं पढ़ी थी, जो किसी धर्म की पुस्तक में विश्वास नहीं करता था—वही आज धर्म के नाम पर एक नए युग की नींव रख रहा था। शायद सोना ने ठीक ही कहा था कि धर्मा की नियति ही थी कि वह इस ब्रह्मांड में जन्म ले और लोगों को सही राह दिखाए।

यदि वह नोकोईविद का पुत्र बनकर पला-बढ़ा होता, तो शायद उसे X-141 के लोगों का कष्ट कभी समझ नहीं आता, जैसे नोकोईविद ने कभी नहीं समझा।

नोकोईविद न्यायप्रिय था, किंतु उसने रार के लोगों के दुख-दर्द को महसूस करने की कोशिश नहीं की। यही अंतर था धर्मा और नोकोईविद में। नोकोईविद अत्यंत बुद्धिमान और शक्तिशाली था, परंतु धर्मा

करुणामय था। धर्मा वह था जो अपनी नेक नियति और पवित्र हृदय से लोगों के जीवन को परिवर्तित कर सकता था।

धर्मा की आंधी अब नोकोईविद के साम्राज्य में एक बड़ा बदलाव लाने वाली थी। यह पिता-पुत्र का संघर्ष पूरे फ्रां गैलेक्सी को बदल कर रख देगा।

हालांकि अभी न धर्मा को ज्ञात था कि नोकोईविद उसका पिता है, और न ही नोकोईविद को पता था कि धर्मा उसका पुत्र है।

दोनों पक्ष अब एक निर्णायक युद्ध की ओर बढ़ रहे थे—एक रक्तपिपासु संघर्ष, जिसमें केवल एक ही विजेता बच सकता था।

~~

अध्याय बत्तीस - महासंघर्ष

मजोलीन के उस उच्च श्रेणी के विमान ने पहला हमला किया। विरलनाक की प्रलयंकारी ऊर्जा बेस-4 पर बरस पड़ी। कुछ ही पलों में अलग-अलग मोर्चों पर तैनात धर्म सैनिकों की इहलीला समाप्त हो गई। जुपिटर सहित सभी सकते में थे। यही था मजोलीन—शक्ति और विनाश का देवता।

यदि सुप्रशिक्षित अजय सैनिक भी उसकी सेना के सामने टिक न सकें, तो X-केज से मुक्त हुए ये धर्म सैनिक कितनी देर ठहरते? पहले ही हमले ने यह स्पष्ट कर दिया कि मजोलीन की सेना के समक्ष धर्म सैनिक और रार के लोग कुछ ही क्षणों में हथियार डाल देंगे। परंतु मजोलीन यह नहीं समझ पाया कि धर्म का जादू क्या था।

धर्मा के पास एक अनुपम शक्ति थी—लोगों को धर्म की राह पर ला खड़ा करने की शक्ति। यह वही शक्ति थी, जो मनुष्य के भीतर से मृत्यु का भय मिटा देती थी। जिसे खोने का भय न हो, वह मृत्यु को भी X-केज की भांति सहर्ष स्वीकार कर लेता है। धर्म सैनिक एम्ब्रोज़ के जज़्बे से सराबोर थे, और रार के लोग वीवो जैसी देवी को देख चुके थे—उस एक स्वरूप ने उन्हें पूरी तरह बदल दिया था।

मजोलीन के हमले का घोर प्रतिरोध हुआ। धर्म सैनिकों को पता था कि मजोलीन का विमान और उसके विरलनाक से सुसज्जित दस अंगरक्षक उनके घातक हथियारों की मार से अछूते रहेंगे। इसलिए उन्होंने उसके दस हज़ार अजय सैनिकों पर धावा बोल दिया—उन सैनिकों पर, जिन्हें मजोलीन मात्र अपनी सेना का भय स्थापित करने के लिए लाया था।

किसी ने भी कल्पना नहीं की थी कि ये तुच्छ प्राणी मजोलीन के प्रहार के बाद भी प्रतिरोध करने का साहस करेंगे। मजोलीन को विश्वास था कि वे तुरंत आत्मसमर्पण कर देंगे। परंतु हुआ इसके विपरीत—धर्म

सैनिकों ने अजय सेना पर हमला कर दिया। यह एक अचेतन प्रहार था, और कुछ अजय सैनिक इसकी चपेट में आ गए।

जनरल मजोलीन क्रोध से फट पड़ा। उसने हमले को और भी घातक बना दिया।

उसका विमान बेस-4 में घूम-घूमकर विरलनाक की ऊर्जा का प्रलय बरसा रहा था। उसके दस विरलनाक सैनिक भी अकल्पनीय तबाही मचा रहे थे। असंख्य रार नागरिक मारे जा रहे थे। कुछ ही देर में हजारों की जान जा चुकी थी। लेकिन इसके बावजूद कोई पीछे नहीं हटा—सभी अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तत्पर थे।

मजोलीन इस दृश्य के लिए तैयार नहीं था। वह रार के लोगों के बीच भय स्थापित करने आया था, पर वे पहले ही भय से मुक्त हो चुके थे। वे मृत्यु को आलिंगन करने को तत्पर थे।

वह एक क्षण को ठहर गया। उसके विरलनाक सैनिक और अजय सेना रार के नागरिकों को निशाना बना रहे थे, धर्म सैनिक भी मारे जा रहे थे। फिर भी कोई नहीं भागा—वे वहीं खड़े थे, मृत्यु को गले लगाने को तैयार।

जुपिटर, जो उनका नेतृत्व कर रहा था, तब मजोलीन की ओर देखते हुए बोला—

"तुम नहीं समझोगे, जनरल मजोलीन। ये धर्म सैनिक हैं। अब इन्हें केवल मारा जा सकता है, हराया नहीं।"

जुपिटर के शब्दों ने मजोलीन को भीतर तक हिला दिया। X141 में बगावत हो चुकी थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि एक ही दिन में सब कुछ इतना बदल कैसे सकता था। कल रात तक वीवो उसकी विलासिता का मात्र एक साधन थी, यह पूरा ग्रह उसके इशारों का गुलाम था। और आज? लोग मृत्यु को हंसकर गले लगा रहे थे।

मजोलीन शायद यह लड़ाई जीत जाता, लेकिन वह X141 का युद्ध हार चुका था। धर्मा और वीवो ने लोगों को उसके विरुद्ध खड़ा कर दिया था।

गुस्से से उसकी चेतना धधक उठी। यह पराजय उसे स्वीकार नहीं थी।

"तुम लोगों को यदि मृत्यु ही चाहिए, तो मृत्यु ही मिलेगी!" वह दहाड़ा।

उसके विमान से प्रलयंकारी प्रहार बरसने लगे। एक सटीक आघात ने जुपिटर के प्राण हर लिए।

उसके विरलनाक सैनिक और अजय सेना ने भी निर्मम संहार शुरू कर दिया। धीरे-धीरे, बेस-4 लाशों का मैदान बन गया। हजारों रार नागरिकों और धर्म सैनिकों का रक्तभूमि पर बह चुका था।

लेकिन फिर भी, न कोई पीछे हटा, न कोई भयभीत हुआ। वे अंतिम सांस तक प्रतिरोध कर रहे थे। उन्हें अपने अंत का भान था, फिर भी विचलित नहीं थे। शायद यही धर्म सेना की वास्तविक विजय थी।

मजोलीन मार तो रहा था, पर हर गिरती लाश के साथ उसे अपनी हार का एहसास हो रहा था। X141 उसके हाथ से फिसल चुका था। अब वह जो चाहे कर ले, उसकी सत्ता पहले जैसी नहीं रह सकती थी।

नोकोईविद को इस विद्रोह की सूचना जल्द ही मिल जाएगी, और तब उसका राज़ खुल जाएगा। वीवो ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा था। उसकी वीवो के प्रति वासना ने उसे उसका ग्रह, उसका साम्राज्य छीन लिया था।

उसे वीवो को बहुत पहले ही वापस भेज देना चाहिए था।

इन्हीं विचारों में डूबे मजोलीन ने अचानक देखा—उसके दो विरलनाक सैनिक धराशायी हो चुके थे।

यह असंभव था!

विरलनाक से सुसज्जित सैनिकों को मार पाना नामुमकिन था। ऐसा कोई अस्त्र इस संसार में बना ही नहीं था।

इसका केवल एक ही अर्थ हो सकता था—वीवो!

मजोलीन की नज़रें आसमान की ओर उठीं।

दैत्याकार सर्प-छिपकली पर शान से सवार वीवो वहाँ आ चुकी थी।

उसके शरीर पर विरलनाक का एक स्वप्निल कवच चमक रहा था—एक ऐसा कवच, जो संभवतः मजोलीन को भी टक्कर दे सकता था।

पर यह कैसे संभव था?

वीवो ने इतनी जल्दी इतना विरलनाक कहाँ से एकत्रित कर लिया? उसे यह विधा इतनी शीघ्र किसने सिखा दी?

मजोलीन को नहीं पता था कि जनक 290—प्रोफेसर बोरो का वही विमान—इसमें संलग्न था। उसके भीतर शस्त्रों से संबंधित समस्त जानकारियाँ थीं... शायद मजोलीन से भी अधिक उन्नत।

और जब जनक 290 को विरलनाक जैसा पदार्थ मिल गया, तो वह उससे महाविनाशक अस्त्र बनाने के लिए तत्पर था।

"मजोलीन!" वीवो की गर्जना गूँजी।

"तूने बहुत अन्याय कर लिया। हिम्मत है तो मुझसे युद्ध कर! मैं तेरे इन सैनिकों को नहीं मारना चाहती।"

मजोलीन का चेहरा सफ़ेद पड़ गया।

उसकी कल्पना के विपरीत, रार की बहुत सी जनता भी वहाँ आ चुकी थी।

उन्हें पता था कि मजोलीन की सेना बेस-4 पर रार के लोगों को चुन-चुनकर मार रही थी। फिर भी, वे अब इसे अपने जीते जी वापस

मजोलीन के हाथों में जाने नहीं देना चाहते थे। वे सभी, अपने प्राणों की आहुति देने के लिए वहाँ आ रहे थे।

शायद यही जनचेतना मजोलीन को सबसे अधिक कचोट रही थी।

"मूर्ख वीवो! तू मेरी गुलाम थी और गुलाम ही रहेगी!" मजोलीन गुर्राया।

उसके लिए अपनी हार स्वीकार करना असहनीय था।

"तुच्छ प्राणी!" वीवो ने घृणा से कहा। "यदि तुझमें हिम्मत है, तो मेरे साथ अकेले युद्ध कर! आ, अपने विमान से नीचे और सिर्फ हमारे बीच हो जाए अंतिम संग्राम!"

दैत्याकार सर्प-छिपकली पर सवार वीवो किसी देवी से कम नहीं लग रही थी। उसकी ललकार में जो अटूट विश्वास था, उसने रार के लोगों के हृदयों में एक नई ऊर्जा भर दी।

मजोलीन के अंगरक्षक और उसकी अजय सेना भी स्तब्ध खड़े थे। वे भी मजोलीन का उत्तर सुनना चाहते थे। आखिर, मजोलीन विरलनाक के कवच से सुसज्जित था—और उसे अकेली वीवो चुनौती दे रही थी। उसे इस चुनौती को स्वीकार करना ही चाहिए।

मजोलीन की सेना ने अपने हमले रोक दिए।

मजोलीन को तुरंत एहसास हुआ कि विद्रोह की चिंगारी अब उसकी सेना में भी फैल चुकी थी। वीवो, जो उस दैत्य सर्प-छिपकली पर गर्व से बैठी थी, अब सबकी नजरों में एक नई नेता बन चुकी थी।

वीवो फिर चीखी, "मूर्ख मजोलीन! तेरी अपनी सेना भी तुझ पर संदेह कर रही है। मुझसे युद्ध कर! यदि तुझे X141 वापस चाहिए, तो तुझे पहले मुझे हराना होगा!"

अब मजोलीन बुरी तरह फँस चुका था।

रार की जनता वहाँ एकत्र हो चुकी थी।

उसके अपने विरलनाक अंगरक्षक और अजय सैनिक भी मजोलीन को वीवो से युद्ध करते देखना चाहते थे। उनके नेता में इतनी शक्ति तो होनी ही चाहिए कि वह अपने सामर्थ्य पर एक युद्ध जीत सके।

अब उसे अकेले वीवो से युद्ध करना था।

यदि उसे अपनी सत्ता वापस चाहिए थी, तो उसे वीवो को हराना होगा।

परंतु सच्चाई यह थी कि मजोलीन मानसिक रूप से पहले ही पराजित हो चुका था।

वीवो के पास धर्मा का साहस था।

जिस धर्मा को पकड़ने के लिए वीवो ने अनगिनत बलिदान दिए थे, उसी धर्मा ने वीवो को एक अकल्पनीय शक्ति प्रदान कर दी थी।

"सन ऑफ गॉड" के प्रभाव ने ऐसा परिवर्तन ला दिया था कि मजोलीन का वर्षों का काला साम्राज्य एक ही दिन में ढह गया।

मजोलीन भारी मन से अपने विमान से नीचे उतरा और वीवो के सामने आकर हवा में उत्तोलित हो गया।

वीवो, जो उस दैत्य सर्प-छिपकली पर सवार थी, उसकी ओर देखती हुई स्वयं भी आकाश में उठी।

दैत्य सर्प-छिपकली चुपचाप यह सब देख रहा था।

नीचे, चारों ओर बिखरी लाशों को वह धीरे-धीरे खाकर अपनी भूख शांत कर रहा था। लेकिन अब, धर्मा के प्रभाव में, वह शायद जीवित प्राणियों का भक्षण नहीं करेगा।

अब मजोलीन और वीवो आमने-सामने थे।

मजोलीन के भीतर भय और बेचैनी एक साथ उमड़ पड़ी।

उसके मन में एक प्रश्न गूंजने लगा—

"यह सब कब और कैसे हुआ? मेरे हाथों से बाज़ी कब निकल गई?"

वीवो ने वह सब कैसे कर दिखाया जो नोकोईविद भी नहीं कर पाया था?

"मूर्ख मजोलीन, जो तू सोच रहा है, वही सत्य है," वीवो की आवाज़ गूँज उठी, उसकी आँखों में एक ज्वाला थी।

मजोलीन ने ठहाका लगाया, उसकी आवाज़ में तिरस्कार घुला था। "तुच्छ स्त्री! तू मेरी दासी थी और दासी ही रहेगी!"

वीवो ने घृणा से मजोलीन को देखा, उसकी ललकार में एक अदम्य दृढ़ता थी। "तेरे इसी अहंकार को चूर-चूर करने आई हूँ! तूने धर्मा का प्रभाव देख लिया, मजोलीन। देख, तेरे वही गुलाम, तेरी वही सेना, जिन पर तूने वर्षों तक अत्याचार किया, आज तेरे ही विरुद्ध खड़े हैं।"

मजोलीन ने नीचे देखा—रार के नागरिक, X-केज के योद्धा और उसके अपने अजय सैनिक, सभी की आँखों में अब वही भय नहीं था, जो पहले हुआ करता था।

उनकी निगाहें अब उसे एक पराजित, दयनीय नेता के रूप में देख रही थीं। वर्षों तक जिनसे वह अपने पैरों में गिरवाकर निष्ठा की शपथ दिलवाता था, वे आज उसे घृणा से देख रहे थे। मजोलीन को अपने भीतर कुछ दरकता हुआ महसूस हुआ।

यह वीवो थी जिसने उसकी सत्ता को उसकी मुट्ठी से फिसला दिया था। उसकी आँखों में दहकते अंगारे थे। अब उसे बस एक ही चीज़ चाहिए थी—बदला।

"अब बहुत हुआ!" मजोलीन ने गर्जना की और अपनी पूरी शक्ति समेटकर वीवो पर घातक प्रहार किया।

यह प्रहार इतना तीव्र था कि वीवो बच नहीं सकती थी। परंतु धर्मा था—उसका रक्षक, उसका संरक्षक। विशाल सर्प-छिपकली ने आगे बढ़कर वह प्रहार स्वयं पर ले लिया।

मजोलीन ने वर्षों की साधना से जो सबसे विनाशकारी हथियार बनाया था—जो किसी महाविनाशकारी परमाणु विस्फोट से भी अधिक विध्वंसक था—उसे वह सर्प-छिपकली अपने भीतर समेटकर फट गई।

एक प्रचंड विस्फोट हुआ, मगर वह समस्त ऊर्जा सर्प-छिपकली के भीतर ही समाहित रह गई।

"नहीं!" वीवो की चीख गूंज उठी।

वह सर्प-छिपकली सिर्फ उसका वाहन नहीं था, उसमें स्वयं धर्मा की आत्मा थी। लेकिन धर्मा ने स्वयं अपना बलिदान देकर वीवो को बचा लिया था। यह विरलनाक के निर्माता का अपने ही निर्माण से अंत था। और जाते-जाते, उसने अपने अनगिनत पापों का प्रायश्चित भी कर लिया था।

इस दृश्य ने वीवो को उन्मत्त कर दिया।

मजोलीन को संभलने का कोई अवसर न मिला। वीवो ने अपनी समस्त शक्ति समेटकर विरलनाक ऊर्जा के प्रचंड प्रहार उस पर बरसाने शुरू कर दिए।

मजोलीन छटपटा उठा। उसके विरलनाक कवच की परतें एक-एक कर टूटने लगीं।

वह भागने की फिराक में अपने विमान की ओर लपका, लेकिन जैसे ही उसने उसमें कदम रखा, उसने मैक्स को अपनी सीट पर बैठा पाया।

"नहीं, बॉस।" मैक्स ने शांत स्वर में कहा, उसकी आँखों में कोई भय नहीं था। "आप लड़ाई छोड़कर नहीं भाग सकते। आपने ही कहा था कि आपको भगोड़े पसंद नहीं।"

इतना कहते ही मैक्स ने विमान के नियंत्रण अपने हाथ में ले लिए और मजोलीन से दूर उड़ गया— उसे वहीं छोड़ गया सत्ता और पराजय के एक युग का अंत लिखने के लिए।

मजोलीन के अपने लोग अब उसके खिलाफ थे। जिनके सामने वह स्वयं को अजय सम्राट मानता था, वे ही उसकी पराजय की पटकथा लिख रहे थे।

वीवो ने उसकी कलाई कसकर पकड़ ली। उसकी आँखों में तीव्र अग्नि जल रही थी।

"मजोलीन, आज तेरा अंत निश्चित है," वीवो गरजी। "तू अपने किए का दंड पाएगा!"

वीवो ने पूरी शक्ति से उसका विरलनाक कवच चकनाचूर कर दिया। उसके पैरों ने मजोलीन को धक्का देकर धरती पर गिरा दिया।

वह लहूलुहान पड़ा, उसकी दंभ भरी आँखों में अब भय का साया था।

उधर, सर्प-छिपकली के बलिदान के बाद, धर्मा की आत्मा ने वीवो के भीतर प्रवेश कर लिया था। लेकिन उसने कोई आदेश नहीं दिया— वह केवल उसके साथ था, उसकी शक्ति का हिस्सा।

वीवो ने अपने कवच को उतार फेंका। "मजोलीन, अब हम दोनों बिना विरलनाक के हैं।"

मजोलीन स्तब्ध रह गया। उसकी सेना उसे छोड़ चुकी थी, उसका विश्वासपात्र मैक्स उसका विरोधी बन चुका था, और रार के लोग उसे खून के प्यासे शिकारी की तरह घूर रहे थे।

"अब भी तुझमें हिम्मत है, तो मुझे हरा दे!" वीवो ने ललकारा।

एक अप्सरा-सी सुंदर स्त्री, जिसे मजोलीन ने केवल एक भोग की वस्तु समझा था, आज उसकी ही जनता के सामने उसे चुनौती दे रही थी। पूरी रार नगरी गूंज रही थी—वीवो की जय-जयकार से।

मजोलीन के अंगरक्षक, जो अब तक उसकी ढाल बने थे, आगे बढ़े और बोले, "मजोलीन, यदि तूने वीवो से युद्ध नहीं किया, तो हम ही तुझे मार डालेंगे!"

मजोलीन सन्न रह गया। उसके अपने ही योद्धा, जो उस पर जीवन न्योछावर करने को तैयार रहते थे, अब उसे जबरन युद्ध में धकेल रहे थे। वह जानता था कि वह वीवो से हार जाएगा।

भीड़ उन्माद में थी। हर तरफ से वीवो की जय-जयकार हो रही थी।

मजोलीन के कदम डगमगाने लगे। अचानक वह घुटनों के बल गिर पड़ा। उसकी आँखों में दया की भीख थी।

उसने वीवो के पैर पकड़ लिए और हताश स्वर में गिड़गिड़ाया, "मुझे क्षमा कर दो, वीवो! तुम इस ग्रह की सुप्रीम कमांडर हो। मैं तुम्हें अपनी पूरी सत्ता सौंपता हूँ।"

भीड़ एक क्षण को स्तब्ध रह गई।

वीवो ने अपने पैर से मजोलीन के चेहरे पर एक प्रहार किया और उसे दूर धकेल दिया।

"मूर्ख! मैं तेरी तरह सत्ता की भूखी नहीं हूँ। अब इस ग्रह का भाग्य रार की जनता तय करेगी!"

"और मजोलीन का भी!" भीड़ ने एक साथ गर्जना की।

मजोलीन के अजय सैनिक और विरलनाक धारी अंगरक्षक भी सहमति में बोले, "हाँ, मजोलीन का न्याय रार की जनता करेगी!"

वीवो ने जनता की आँखों में एक अलग ही वहशीपन देखा। वे प्रतिशोध की ज्वाला में जल रहे थे। लेकिन अब वीवो मात्र एक योद्धा नहीं थी—उसमें धर्मा की आत्मा थी।

वीवो ने मजोलीन को पकड़कर आकाश में उड़ान भरी। वह हवा में स्थिर खड़ी थी, जबकि मजोलीन उसकी पकड़ में छटपटा रहा था। उसके अंगरक्षक और सैनिक भी हवा में मंडरा रहे थे, और नीचे पूरी रार की जनता एकत्रित थी।

वीवो ने ऊँचे स्वर में कहा, "मजोलीन एक क्रूर अत्याचारी था! आज भी वह रार के लोगों को मिटाने आया था। लेकिन हमने उसे दिखा दिया कि मृत्यु से भी बड़ा दंड होता है—असफलता का दंड!"

मजोलीन ने पहली बार महसूस किया कि उसका सबसे बड़ा भय यदि सच हो जाए, तो कैसा लगेगा। उसने अपनी आँखों के सामने अपनी सत्ता के पतन को देखा—जिसे उसने वर्षों तक निर्मम शक्ति से बनाए रखा था, वह एक ही दिन में धूल में मिल चुकी थी।

वीवो के शब्दों ने वहां मौजूद हर व्यक्ति में जोश भर दिया। पूरा मैदान "वीवो की जय!" के नारों से गूंज उठा।

"हमने मजोलीन के विरलनाक का घमंड तोड़ दिया!" वीवो ने ऊँची आवाज़ में कहा। "हमने यह साबित कर दिया कि जब लोग अपने डर से मुक्त हो जाएँ, तो वे क्या-क्या कर सकते हैं। उसकी वर्षों की काली सत्ता एक ही दिन में समाप्त हो गई!"

भीड़ का उत्साह चरम पर था। वे जश्न मना रहे थे, अपनी स्वतंत्रता का उद्घोष कर रहे थे। लेकिन तभी वीवो की आवाज़ में गंभीरता आ गई।

"परंतु हमें मजोलीन के उदाहरण से यह भी सीखना होगा कि हमें हमेशा धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए। हम धर्म के सैनिक हैं।"

यह सुनते ही वहां सन्नाटा छा गया। सभी आश्चर्यचकित थे।

मजोलीन ने वीवो पर घोर अत्याचार किए थे। उसने न जाने कितने निर्दोषों की हत्या करवाई थी। आज भी, वह वीवो को मारने ही वाला था। इसके बावजूद, क्या वीवो सच में उसे मृत्यु-दंड नहीं देना चाहती?

मजोलीन स्वयं भी इस निर्णय से स्तब्ध था। अंदर तक अपमान और ग्लानि से भर गया था। काश, उसे मृत्यु मिल जाती! यह वेदना, यह तिरस्कार... मृत्यु से भी अधिक पीड़ादायक था।

वीवो ने भीड़ की ओर देखा और शांत स्वर में कहा, "मैं मजोलीन को आप सब को सौंप रही हूँ। अब आप सबको तय करना होगा कि इसे क्या सजा दी जाए।"

"इसका फैसला तो नया चुना गया प्रधान ही करेगा!" भीड़ में से किसी ने आवाज़ लगाई।

"हाँ! यही सही रहेगा!" पूरी जनता एक स्वर में बोल उठी।

"तब तक मजोलीन X-केज में रहेगा," चीफ वार्डन ने घोषणा की।

"हाँ! बिलकुल सही!"

मजोलीन ने सिर झुका लिया। पराजय की इस घड़ी में भी, उसे लगा कि यही उसके पापों का वास्तविक प्रायश्चित था।

चीफ वार्डन उसे लेकर X-केज की ओर बढ़ा। उसी क्षण, धर्मा का वास्तविक शरीर भी वहां आ गया।

वीवो के भीतर समाहित उसकी आत्मा अपने मूल शरीर में लौट आई। अब उसकी दोनों ऊर्जाएँ उसके अपने शरीर में एकीकृत हो चुकी थीं।

वीवो ने आगे बढ़कर धर्मा को कसकर गले लगा लिया। पूरी जनता "वीवो और धर्मा की जय!" के नारे लगाने लगी।

वे नहीं जानते थे कि धर्मा कौन था, लेकिन वे यह जानते थे कि उसने जो कर दिखाया, उसकी कल्पना भी किसी ने कभी नहीं की थी।

आगामी देव और गुणिका ने अपने आप से एक वादा किया था— यदि धर्मा ने X141 को स्वतंत्र कराया, तो वे उसकी कथा, *"सन ऑफ गॉड"*, को हर घर तक पहुँचाएँगे।

अभी वे Xor प्लेनेट की किसी जेल में थे, लेकिन जिस क्षण उन्हें इस विजय का समाचार मिलेगा, वे अपने वचन को निभाने के लिए प्रयासरत हो जायेंगे।

X141 पर अब सब कुछ बदल चुका था।

मैक्स, उत्साहित और विनम्र भाव से, वीवो और धर्मा के पास आया और बोला, "आप हमारे साथ मजोलीन पैलेस में रहिए। इसका नाम आज से "धर्म-दुर्ग" होगा।"

वीवो और धर्मा ने एक-दूसरे को देखा, फिर एक स्वर में बोले, "धन्यवाद, मैक्स, लेकिन हम वहाँ कैसे रह सकते हैं?"

वे शायद आगे कुछ कहते, इससे पहले ही वहाँ खड़ी रार की जनता एक साथ गरज उठी—

"जब तक हमारे यहाँ चुनाव नहीं हो जाते, तब तक वीवो ही हमारी केयरटेकर प्रधान रहेगी!"

इस घोषणा के साथ, वहाँ मौजूद विरलनाक अंगरक्षक और अजय सैनिक भी ज़ोर-ज़ोर से उद्घोष करने लगे।

पूरी सभा में एक नई ऊर्जा दौड़ गई थी। हर कोई वीवो को अपना नेता मान चुका था।

वीवो ने धर्मा की ओर देखा। उसने वह कर दिखाया था, जो शायद नोकोईविद भी नहीं कर सकता था।

वीवो की आँखों में धर्मा के लिए सम्मान ही नहीं, एक नई भावना भी जाग उठी थी।

यह केवल एक युद्ध की कहानी नहीं थी—यह एक क्रांति थी, जिसने लोगों को भीतर से बदल दिया था।

यह था धर्मा का प्रभाव। उसकी छवि अब केवल X141 पर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण *फ्रां गैलेक्सी* पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली थी।

लेकिन युद्ध अभी समाप्त नहीं हुआ था।

धर्मा का एक अंतिम युद्ध अभी बाकी था—उस महान योद्धा से, जिसमें मजोलीन जैसी कोई कमजोरी नहीं थी।

महान नोकोईविद—उसका पिता।

~~

अध्याय तैंतीस - महा-निर्वाण

धर्म-दुर्ग के समक्ष बोमिनी खड़ा था, और उसी क्षण नोकोईविद ने मैक्स को संदेश भिजवाया।

मैक्स के भीतर एक तीव्र बेचैनी जाग उठी। क्या नोकोईविद को पहले ही इस स्थान पर हुई घटनाओं का पता चल चुका था? पर यह कैसे संभव था? इतनी शीघ्रता से नोकोईविद Xor ग्रह से X141 तक कैसे पहुँच गया?

चिंता की लकीरें उसके माथे पर उभर आईं। वह घबराए कदमों से धर्मा और वीवो के पास पहुँचा और व्याकुल स्वर में बोला, "सुप्रीम कमांडर नोकोईविद आ चुके हैं। वे धर्म-दुर्ग की ओर बढ़ रहे हैं!"

"क्या?" वीवो विस्मित हो उठी।

धर्मा के चेहरे पर एक सधी हुई गंभीरता छा गई। उसकी देह में प्रवाहित दोनों ऊर्जाएँ जैसे एकाएक सजीव हो उठीं। उसे आभास हो गया था—अब समय आ गया है, जब उसे नोकोईविद को सीधे चुनौती देनी होगी।

वीवो ने स्क्रीन पर बोमिनी द्वारा भेजी गई नोकोईविद की छवि को निहारते हुए कहा, "महान सुप्रीम कमांडर अकेले आए हैं? उनकी सेना कहाँ है?"

मैक्स ने गहरी साँस ली। "वे अकेले ही आए हैं," उसने ठोस स्वर में उत्तर दिया।

धर्मा, वीवो और मैक्स, तीनों मजोलीन कक्ष में एकत्रित थे। नोकोईविद का इस प्रकार अप्रत्याशित रूप से उनके ग्रह पर आना एक अकल्पनीय घटना थी।

धर्मा ने बिना किसी संकोच के आदेश दिया, "उन्हें सह सम्मान यहाँ ले आओ।"

वीवो के चेहरे पर एक मिश्रित भाव उमड़ पड़ा। उसने व्यंग्य और अविश्वास भरे स्वर में कहा, "तो क्या तुम उनके सामने आत्मसमर्पण करने जा रहे हो?"

धर्मा की आँखों में एक दृढ़ चमक उभरी। "नहीं, वीवो। पर वे हमारे अतिथि हैं, और मेहमान का स्वागत करना हमारी परंपरा है।"

वीवो के भीतर भावनाओं का द्वंद्व उमड़ने लगा। धर्मा ने उसकी मनःस्थिति को भाँप लिया। वह जानता था कि यह युद्ध केवल बाहरी शक्तियों का नहीं, बल्कि भीतर उठते संघर्षों का भी था।

शांत स्वर में उसने वीवो से कहा, "तुम चिंता मत करो। बस अपने कर्तव्य का पालन करो।"

वीवो ने धर्मा को देखा। उसकी आँखों में असमंजस और तीव्र अंतर्द्वंद्व झलक रहा था। जिस व्यक्ति को पकड़ने के लिए उसने अपना सर्वस्व दाँव पर लगा दिया था, उसी के प्रति अब उसका हृदय कोमल हो उठा था। क्या वह धर्मा को नोकोईविद के हाथों सौंप सकती थी?

लेकिन उसका अपना कर्तव्य? उसका अपना साम्राज्य?

नोकोईविद Xor साम्राज्य का सर्वेसर्वा था, और वह स्वयं कोस्ब की अधिकारी। उसके लिए कर्तव्य सर्वोपरि था, परंतु मन उसे धर्मा के विरुद्ध जाने की अनुमति नहीं दे रहा था। वह पूरी तरह असमंजस में थी।

धर्मा ने उसकी आँखों में झाँका और बेहद संयमित स्वर में कहा, "मैं वादा करता हूँ, तुम्हें अपने कर्तव्य से भटकने नहीं दूँगा।"

वीवो का दिल एक पल को ठहर गया। उसने धर्मा को देखा, और अगले ही क्षण उसे कसकर गले लगा लिया। उसे स्वयं समझ नहीं आया कि धर्मा में ऐसा क्या था, जो हर किसी को अपने प्रभाव में बाँध लेता था।

धर्मा ने मैक्स की ओर देखा, और बिना कुछ कहे ही मैक्स समझ गया कि अब उसे क्या करना है।

उधर, धर्म-दुर्ग के द्वार पर एक ऐसी भेंट होने जा रही थी, जिसकी परिणति पूरे ब्रह्मांड को चकित कर देने वाली थी...

&

नोकोईविद का विमान - बोमिनी - किसी भी दृष्टि से केवल एक साधारण यान नहीं था; यह यांत्रिकी और तकनीक का एक ऐसा चमत्कार था, जिसे फ्रां गैलेक्सी की सबसे अद्भुत खोजों में गिना जाता। इसकी सतह पर चमकती ऊर्जा तरंगें किसी रहस्यमय जीव की भाँति गति कर रही थीं। हर भाग अपने आप में एक जटिल प्रणाली का हिस्सा था, जो उसे अद्वितीय बनाती थी।

बोमिनी, अत्याधुनिक यांत्रिकी और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्वितीय उदाहरण, अब नोकोईविद की बेल्ट के बकल का रूप धारण करके उसकी शक्ति का प्रतीक बना हुआ था ।

नोकोईविद इस वक्त धर्मा के सामने खड़ा था। उसके साथ वीवो भी थी, जबकि मैक्स और बाकी सभी उसके पीछे खड़े थे।

नोकोईविद ने अपनी पैनी दृष्टि धर्मा पर गड़ा दी।

"तो, तुम ही हो धर्मा," उसने गहरी और प्रभावशाली आवाज़ में कहा।

धर्मा ने पहली बार नोकोईविद को अपने सामने देखा। वह एक ऐसा व्यक्तित्व था, जो मात्र उपस्थिति से ही भय और सम्मान उत्पन्न कर सकता था। लेकिन धर्मा को तुरंत ही एहसास हो गया कि नोकोईविद का शासन मात्र डर और आतंक पर आधारित नहीं था। वह जनरल मजोलीन की तरह क्रूर और निर्दयी तानाशाह नहीं था।

नोकोईविद का शासन तंत्र प्रशासनिक सिद्धांतों के उन मूलभूत स्तंभों पर टिका था, जो किसी भी अंतरतारकीय सभ्यता को समृद्ध और सुव्यवस्थित बनाते हैं। यह एक अनुशासित, सुव्यवस्थित और कठोर लेकिन न्यायसंगत ढांचे के भीतर कार्य कर रहा था, और वीवो जैसी निष्ठावान अधिकारी इसी शासन तंत्र का सबूत थी।

नोकोईविद की आँखों में एक तीखी चमक उभरी।

"मैंने पता किया," उसने कहा, "तुमने X-141 में जो किया, वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं कर सकता।"

फिर वह वीवो की ओर मुड़ा। उसकी आँखों में अविश्वास और जिज्ञासा का मिश्रण था।

"तुमने यह सब कैसे कर लिया?" उसने तीखे स्वर में पूछा। "तुम तो धर्मा को पकड़ने आई थी। फिर तुमने मजोलीन के साम्राज्य में आग क्यों लगा दी?"

वीवो के स्वर में हल्की झिझक थी, लेकिन उसके शब्दों में सच्चाई थी।

"सर, वह क्रूर तानाशाह था," उसने धीमे से कहा।

कुछ पल के लिए मौन छा गया। फिर नोकोईविद के होंठों पर हल्की मुस्कान आई।

"और तुमने बहुत ही अच्छा काम किया," उसने प्रशंसात्मक स्वर में कहा।

धर्मा ने गंभीरता से उसे टोकते हुए कहा, "हालाँकि, यह काम आपको करना चाहिए था।"

नोकोईविद के चेहरे पर कड़ा भाव आ गया। उसे यह पसंद नहीं आया कि कोई उसे इस प्रकार चुनौती दे।

"क्या कहना चाहते हो तुम?" वह उग्रता से बोला।

धर्मा ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया, "आपने इस ग्रह को पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि यह आपके चुनावों में कोई योगदान नहीं देता था।"

वीवो की आँखों में भय था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह किसका पक्ष ले। उसका दिल धर्मा की बातों से सहमत था, लेकिन उसका दिमाग नोकोईविद के प्रति निष्ठावान था।

धर्मा ने आगे कहा, "आपका शासन तंत्र मजबूत तो है, लेकिन इसमें करुणा की कमी है।"

नोकोईविद धर्मा के शब्दों से चौंक गया। उसके साम्राज्य में उसे किसी ने इस प्रकार का भाषण पहले कभी नहीं दिया था।

"कोई भी साम्राज्य महान तब बनता है जब उसका प्रशासन सभी लोगों का ध्यान रखे, न कि केवल ताकतवर और प्रभावशाली वर्ग का," धर्मा ने अपनी बात समाप्त की।

नोकोईविद की आँखों में क्रोध उमड़ने लगा।

"क्या तू मैर्केल का एजेंट है?" उसने ग़ुस्से से पूछा।

धर्मा ने ठोस और गंभीर स्वर में उत्तर दिया, "नहीं, मैं “सन ऑफ गॉड” हूँ।"

इस उत्तर ने नोकोईविद को अंदर तक हिला दिया। पहली बार कोई ऐसा व्यक्ति उसके सामने था, जो उसके व्यक्तित्व से भयभीत नहीं था।

"यदि तुझे लगता है कि अपनी आत्मा संचरण की शक्ति से मेरा नाश कर देगा, तो तू मूर्ख है," नोकोईविद ने तीखे स्वर में कहा।

"नहीं, नोकोईविद," धर्मा ने शांत भाव से उत्तर दिया। "मेरा इरादा आपको हानि पहुँचाने का नहीं है।"

नोकोईविद ने आँखें संकरी कीं। "तो फिर तू मेरे साम्राज्य में क्यों आया है? बोरो के साथी!"

"मैं तो सिर्फ आपको यह बताने आया हूँ कि जहाँ भी अत्याचार होगा, मैं उसका अंत करूँगा। और इसकी शुरुआत हो चुकी है—X-141 अब आज़ाद है," धर्मा ने घोषणा की।

नोकोईविद का क्रोध चरम पर पहुँच गया। "मूर्ख! X-141, Xor साम्राज्य का अभिन्न अंग है। इस अपराध का दंड मैं तुझे दूँगा!"

"यदि यह सच होता, तो आप इस ग्रह को मजोलीन के अत्याचारों के अधीन नहीं रहने देते," धर्मा ने दृढ़ स्वर में उत्तर दिया।

वीवो इस टकराव से विचलित थी। उसका अंतर्मन धर्मा की बातों से सहमत था, लेकिन वह नोकोईविद की शक्ति को भी जानती थी।

फिर उसने साहस बटोरकर आगे कदम बढ़ाया और दृढ़ स्वर में बोली, "महान Xor साम्राज्य के सुप्रीम कमांडर नोकोईविद, मैं वीवो, X-141 की प्रधान, आपको आदेश देती हूँ कि आप इस समय X-141 छोड़कर चले जाएँ।"

नोकोईविद को ऐसा झटका लगा, मानो किसी ने उसके पैरों तले ज़मीन खींच ली हो।

"वीवो!" वह चिल्लाया।

लेकिन वीवो ने उसकी चीख की परवाह नहीं की। "मैंने अपना निर्णय ले लिया है। मैं यहीं रहूँगी और इस ग्रह की जनता की सेवा करूँगी। X-141 अब Xor साम्राज्य का हिस्सा नहीं रहेगा।"

नोकोईविद का क्रोध भड़क उठा। "मैं तेरा संपूर्ण नाश कर दूँगा, वीवो!"

परन्तु धर्मा का प्रभाव ही ऐसा था। वीवो, जो शायद नोकोईविद के सामने सिर तक नहीं उठा सकती थी, अब उसे चुनौती देने की हिम्मत कर रही थी।

नोकोईविद ने वहाँ खड़े विरलनाक कवचधारी अंगरक्षकों को देखा, जो अब वीवो के साथ खड़े थे।

"तुम लोग जानते हो कि अगर मैंने X-141 पर हमला किया, तो तुम मेरा मुकाबला नहीं कर पाओगे," उसने क्रोध में कहा।

एक अंगरक्षक आगे बढ़ा और बोला, "हाँ, लेकिन आपको यह नहीं पता कि कल रार की जनता ने क्या किया।"

नोकोईविद सोच में पड़ गया। धर्मा ने इन लोगों पर ऐसा कौन-सा जादू कर दिया था?

अंगरक्षक ने आगे कहा, "रार के लोग केवल मरने के लिए आए थे। हम उन्हें मार रहे थे, और वे मर रहे थे। लेकिन उनकी हर गिरती लाश हमें बता रही थी कि हम वह युद्ध हार रहे हैं। अंततः मजोलीन युद्ध हार गया।"

नोकोईविद सकते में था। धर्मा ने एक ऐसी लड़ाई छेड़ दी थी, जिसका कोई समाधान उसके पास नहीं था। क्या वह वास्तव में हार गया था?

उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि धर्मा इस युद्ध को इस हद तक मोड़ देगा कि जीतने का कोई और विकल्प ही न बचे। क्या X-141 के लोग मरने के लिए तैयार थे? ऐसे लोगों को कौन हरा सकता था जो जीवन के मोह को त्याग चुके हों? धर्मा ने ऐसा क्या कर दिया था? यह एक ऐसी स्थिति थी, जिसका कोई हल नोकोईविद के पास नहीं था।

"आपने कभी X-141 को अपना नहीं माना। यहाँ के लोगों पर अत्याचार होते रहे और आप आँखें मूँदकर बैठे रहे। आपको इरीट्रिया पर

कब्ज़ा सिर्फ अपने पिता के बदले के लिए करना था," धर्मा का स्वर गंभीर था, उसकी आँखों में तीव्र आक्रोश झलक रहा था।

नोकोईविद शांत हो गया था।

"आप बुद्धिमान हैं, शक्तिशाली भी हैं, पर आपमें वह करुणा नहीं है जो किसी साम्राज्य को महान बनाती है। आप वीवो को X-141 का प्रशासन सौंप दें। वीवो से सीखें कि एक राज्य का संचालन कैसे किया जाता है," धर्मा ने अपना एकालाप जारी रखा।

नोकोईविद को अब यह स्पष्ट हो चुका था कि X-141 उसके हाथों से फिसल चुका था। उसे एहसास हुआ कि धर्मा कोई साधारण विरोधी नहीं था। नोकोईविद ने बोरो जैसे आतंकवादी को हराया था, वह मैर्केल को युद्ध में अकेले परास्त कर सकता था, परंतु धर्मा ने जो परिस्थितियाँ उत्पन्न कर दी थीं, वे उसकी समझ से परे थीं।

उसे कुछ समय चाहिए था। यह पहली बार था जब वह समझ नहीं पा रहा था कि अगला कदम क्या होना चाहिए। धर्मा की चुनौती उसके लिए अब तक की सबसे कठिन चुनौती थी। धर्मा के पास विरलनाक के अत्याधुनिक हथियार थे, दो शक्तिशाली ऊर्जा स्त्रोत थे, आत्मा संचरण की विलक्षण शक्ति थी, लेकिन उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी करुणा थी। उसका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली था कि वह किसी को भी धर्म के मार्ग पर ला खड़ा करता था। उसका चरित्र उज्ज्वल और अडिग था। शायद यही कारण था कि थाइज़र भी धर्मा की असलियत समझ गया था। धर्मा किसी के अधीन नहीं हो सकता था। शायद वह वास्तव में “सन ऑफ गॉड” था।

पर क्या नोकोईविद हार मान ले? क्या वह X-141 और इरीड्रिया को स्वतंत्र कर दे? क्या यह संभव था कि धर्मा उसे पराजित कर दे? नहीं,

यह नहीं हो सकता! नोकोईविद आज तक कोई युद्ध नहीं हारा था और यह महायुद्ध तो वो कतई नहीं हार सकता था। धर्मा का अंत आवश्यक था। धर्मा जैसे व्यक्ति का फ्रां गैलेक्सी में अस्तित्व शायद उसके लिए सबसे बड़ा खतरा था। यदि धर्मा विजयी हो गया, तो नोकोईविद ने वर्षों में जो कुछ भी हासिल किया था, वह सब व्यर्थ चला जाएगा।

उसे धर्मा को समाप्त करना होगा। अभी बहुत कम लोग धर्मा को जानते थे, और यही सही समय था उसका अंत करने का। धर्मा की मृत्यु ही नोकोईविद की सत्ता को अटूट बनाएगी। उसने एक क्रूर और भयावह योजना बना ली थी। नोकोईविद कभी नहीं हारता। उसे धर्मा का अंत करना होगा, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए...

शायद धर्मा ने नोकोईविद को कम आँका था। परंतु नोकोईविद वह शक्ति था, जो जब अपने पर आता था, तो सात आयामी प्राणी सोना को भी परास्त कर सकता था। धर्मा तो पृथ्वी से आया एक साधारण मानव मात्र था।

~~

अध्याय चौंतीस - आखरी दांव

“ठीक है, धर्मा।” नोकोईविद की आवाज़ में एक अजीब ठहराव था, जो उसकी गंभीरता को स्पष्ट कर रहा था। उसकी आँखें गहरी सोच में डूबी हुई थीं।

धर्मा, वीवो, चीफ वार्डन, और अन्य सभी वहाँ निःशब्द खड़े थे। चारों ओर पसरी गहरी ख़ामोशी इस बात की गवाही दे रही थी कि यह क्षण अत्यधिक नाज़ुक था। कोई भी कुछ कहने या करने का साहस नहीं कर पा रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे पूरा वातावरण ठहर गया हो।

नोकोईविद ने अपनी दृष्टि वीवो की ओर घुमाई और स्थिर स्वर में कहा, “वीवो, तुम X141 का प्रशासन चलाओ। तुम्हें मैंने एक वर्ष का समय दिया था धर्मा को पकड़कर लाने का, और अभी उस समय की समाप्ति में काफी समय शेष है। मैं तुमसे तब मिलूंगा जब यह अवधि समाप्त हो जाएगी।”

धर्मा और वीवो दोनों इस निर्णय से अचंभित थे। नोकोईविद क्या सोच रहा था, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। परंतु वे चुप रहे, उनके पास और कोई विकल्प नहीं था।

नोकोईविद आगे बढ़ा, उसकी आवाज़ में एक अलग ही धार थी। “यदि तुम्हारे प्रशासन में मजोलीन के शासन से अधिक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला, तो मैं वचन देता हूँ कि X141 को Xor साम्राज्य से मुक्त कर दूंगा।”

वीवो के चेहरे पर आशा की एक हल्की चमक उभरी, परंतु उसके भीतर भय भी व्याप्त था। उसने पहले कभी प्रशासन की इतनी बड़ी

ज़िम्मेदारी नहीं संभाली थी। दूसरी ओर, धर्मा के चेहरे पर एक स्थिर विश्वास था। उसकी आँखों में दृढ़ता थी जो बिना कुछ कहे यह स्पष्ट कर रही थी कि वीवो इस कार्य को उत्कृष्ट रूप से निभाएगी। धर्मा के इसी विश्वास ने वीवो के भीतर आत्मविश्वास जगा दिया। उसे एहसास हुआ कि यह केवल एक ज़िम्मेदारी नहीं थी, बल्कि एक क्रांति की नींव थी।

कुछ क्षणों के मौन के बाद, नोकोईविद ने गंभीर स्वर में कहा, “परंतु मुझे विरलनाक चाहिए। मुझे इस पर शोध करना है।”

धर्मा और वीवो दोनों के चेहरे पर अचानक तनाव उभर आया। उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा, जैसे उनके भीतर कोई अनकही आशंका जन्म ले रही हो।

नोकोईविद ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा, “इस ग्रह पर जितना भी विरलनाक उपलब्ध है, उसका आधा हिस्सा मुझे चाहिए।”

अब वीवो और धर्मा असहज हो उठे। यह माँग केवल एक साधारण शोध का अनुरोध नहीं था। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि नोकोईविद किस योजना के तहत विरलनाक लेना चाहता था। नोकोईविद नई चीज़ों पर शोध करने के लिए जाना जाता था, परंतु विरलनाक की महत्ता केवल शोध तक सीमित नहीं थी। यह X141 का सबसे दुर्लभ और मूल्यवान पदार्थ था, जिसकी उत्पत्ति अब संभव नहीं थी। यदि आधा विरलनाक नोकोईविद के हाथों में चला जाता, तो उसकी शक्ति X141 के समस्त संसाधनों से भी अधिक हो जाती।

धर्मा और वीवो की दुविधा को अनदेखा करते हुए, नोकोईविद ने तीखे स्वर में कहा, “मूर्खों, मैं पूछ नहीं रहा, आदेश दे रहा हूँ। शांति से आधा

विरलनाक मेरे बोमिनी में पहुँचा दो, अन्यथा यह ग्रह, इसकी जनता और स्वयं यह विरलनाक—कुछ भी शेष नहीं रहेगा।”

अब धर्मा और वीवो के भीतर गहरा क्रोध उमड़ आया, परंतु उन्होंने स्वयं को नियंत्रित किया। नोकोईविद को भड़काना बुद्धिमानी नहीं थी।

कुछ क्षणों बाद, नोकोईविद ने एक और रहस्य उजागर किया। “यदि विरलनाक मैर्केल के हाथ लग गया, तो यह मेरे साम्राज्य के लिए घातक सिद्ध होगा। और मैं इतनी बड़ी चूक नहीं कर सकता।”

धर्मा और वीवो अब कुछ शांत हुए। उन्हें नोकोईविद की इस बात में तर्क दिखने लगा।

नोकोईविद ने आगे जोड़ा, “मुझे इस पदार्थ पर गहन शोध करना है और यह भी सुनिश्चित करना है कि यदि यह वास्तव में अक्षय है, तो इसे Xor सेना के पास भी होना चाहिए।”

धर्मा और वीवो मौन थे। उनके विचारों में हलचल थी। आज तक मजोलीन ने इस पदार्थ के रहस्य को छुपाकर रखा था, क्योंकि उसे भय था कि नोकोईविद इसे हथिया लेगा। परंतु अब, नोकोईविद को सब पता था। विरलनाक को उससे छुपाना असंभव था।

धर्मा ने गंभीर स्वर में कहा, “ठीक है, हम आपको विरलनाक का आधा हिस्सा दे देंगे। परंतु आपको यह वचन देना होगा कि इस हथियार का प्रयोग तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि Xor साम्राज्य का अस्तित्व ही खतरे में ना आ जाये।”

धर्मा के इन शब्दों ने नोकोईविद को भीतर तक झकझोर दिया। एक पल के लिए उसका चेहरा सख्त पड़ गया। उसे अपनी मृत पत्नी की अंतिम इच्छा याद आ गई। विवाह के समय उसकी पत्नी ने उससे यही वचन

लिया था कि वह क्विंड का उपयोग केवल तब करेगा जब Xor साम्राज्य के अस्तित्व पर संकट मंडराएगा।

धर्मा ने उससे वही वचन माँगा था।

नोकोईविद इसे दोहराने के लिए तैयार नहीं था, परंतु एक अनजानी शक्ति ने उसे मजबूर कर दिया। वह अनायास ही बोल पड़ा, “ठीक है, धर्मा। मैं वचन देता हूँ कि मैं विरलनाक के हथियार का प्रयोग तब तक नहीं करूँगा जब तक कि Xor साम्राज्य की रक्षा के लिए इसका उपयोग अनिवार्य न हो जाए।”

धर्मा और वीवो अवाक् रह गए। स्वयं नोकोईविद को भी समझ नहीं आया कि उसने यह वचन क्यों दिया। परंतु उसके भीतर कहीं एक छवि उभर रही थी—धर्मा में उसे अपनी मृत पत्नी की झलक दिखाई दे रही थी।

यह दृश्य विलक्षण था। तीनों, धर्मा, वीवो और नोकोईविद, अपने-अपने कर्तव्यों में बंधे थे। उनके दृष्टिकोण अलग थे, उनकी प्राथमिकताएँ भिन्न थीं, परंतु यह स्पष्ट था कि इस क्षण ने कुछ ऐसा तय कर दिया था जिसकी गूंज पूरे ब्रह्मांड में सुनाई देगी।

आगे क्या होगा? यह प्रश्न इस समय तीनों के ही मन में गूंज रहा था, परंतु इसका उत्तर किसी के पास नहीं था।

&

उस रात किसी की भी आँखों में नींद नहीं थी। मजोलीन अब X-केज में कैद था, और रार की जनता अपने नए भविष्य की आशाओं में झूम रही थी। उनके लिए यह किसी उत्सव से कम नहीं था—आख़िरकार, वीवो

जैसी दृढ़ और न्यायप्रिय नेता अब उनकी प्रधान बन चुकी थी। लेकिन इस खुशी के बीच, वीवो पर एक बड़ी जिम्मेदारी भी आ गई थी। उसे जल्द ही चुनावों की व्यवस्था करनी थी, ताकि शासन व्यवस्था स्थायी रूप से स्थापित हो सके।

दूसरी ओर, धर्मा का मन बेचैन था। उसे नोकोईविद की नियत पर संदेह था। बार-बार उसका मन हुआ कि अपनी शक्तियों का उपयोग कर नोकोईविद के शरीर में प्रवेश करे और उसकी सच्चाई जान ले। परंतु उसने ऐसा नहीं किया—उसकी अंतरात्मा ने उसे रोका। धर्मा जानता था कि शक्ति का दुरुपयोग करना सही नहीं होगा, चाहे परिस्थिति कितनी भी विकट क्यों न हो।

उधर, नोकोईविद के मन में केवल एक ही उद्देश्य था—विरलनाक को अधिक से अधिक मात्रा में इकट्ठा करना। वह लगातार अपने बोमिनी में विरलनाक संचित कर रहा था। इस खोज में वह पूरी रात व्यस्त रहा—वह X-केज तक गया, यहाँ तक कि उस भयावह सर्प-छिपकली की गुफा में भी। अब तक उसने शायद ही कभी X141 ग्रह में इतनी रुचि दिखाई थी, जितनी अब दिखा रहा था। धीरे-धीरे, उसने यह भी पता लगा लिया कि वहाँ कुल कितना विरलनाक शेष था। मजोलीन को भी अब कोई और विकल्प नहीं बचा था—उसने नोकोईविद के सामने सभी भेद खोल दिए। मजोलीन समझ चुका था कि अब सच्चाई छिपाने का कोई लाभ नहीं था। नोकोईविद तो चाहें तो जबरदस्ती भी यह जानकारी उससे निकलवा सकता था।

कुछ ही समय में, नोकोईविद ने इस ग्रह पर मौजूद आधे से अधिक विरलनाक अपने कब्जे में कर लिया था। वह रातभर इस दुर्लभ पदार्थ पर

शोध करता रहा। उसकी आँखों में न तो थकान थी, न ही संकोच—बस एक जुनून था, इस शक्ति को पूरी तरह समझने का।

सुबह होते ही, पूरे सम्मान और वैभव के साथ वीवो के राज्याभिषेक की रस्म पूरी हुई। अब वह X141 की आधिकारिक प्रधान बन चुकी थी। इस ऐतिहासिक क्षण पर, नोकोईविद ने अपना निर्णय सुनाया।

"सुनो X141 के नागरिकों!" उसकी आवाज़ पूरे आकाश में गूँज उठी। "मैं, Xor साम्राज्य का सुप्रीम कमांडर, आज घोषणा करता हूँ कि अब से वीवो ही इस राज्य की प्रधान है। यदि वीवो ने इस ग्रह का शासन ठीक से चलाया, तो मैं वचन देता हूँ कि X141 को Xor साम्राज्य से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त होगी। तब तुम एक अलग देश, एक स्वतंत्र साम्राज्य के रूप में स्थापित होगे।"

नोकोईविद के इन शब्दों ने मानो पूरी रार नगरी को उत्साह से भर दिया। चारों ओर तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साही जयकारों की गूँज उठी। जनता उल्लास में झूम उठी, क्योंकि पहली बार उन्हें स्वतंत्रता की एक वास्तविक आशा दिखी थी।

लेकिन इस समस्त खुशी और उल्लास के बीच, धर्मा के मन में अभी भी एक प्रश्न गूंज रहा था—क्या नोकोईविद सच में अपने वचन पर खरा उतरेगा?

&

पूरे ग्रह पर एक नई चेतना की लहर दौड़ रही थी। यह चेतना थी स्वतंत्रता की, जागरूकता की, और एक नए युग की शुरुआत की। वीवो और धर्मा के इस धर्म युद्ध ने X141ग्रह पर वह कर दिखाया था, जिसकी

कल्पना किसी ने कभी नहीं की थी। यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि एक नए युग का जन्म था। लेकिन वीवो स्वयं नहीं जानती थी कि वह इस युद्ध का हिस्सा कैसे बन गई। कैसे उसने धर्म सेना बना ली, और अब वह एक पूरे ग्रह का प्रशासन सँभालने जा रही थी।

दूसरी ओर, धर्मा ने फ्रां गैलेक्सी पर जो कर दिखाया था, वह सचमुच किसी "सन ऑफ गॉड" की लीला लगती थी। कोई साधारण प्राणी इस तरह के चमत्कार नहीं कर सकता था। वीवो के लिए अब धर्मा केवल एक सबल पुरुष नहीं था—वह उसकी शक्ति, उसका सहारा, उसके अस्तित्व का आधार बन चुका था। धर्मा के साथ होते ही उसे लगता कि वह कुछ भी हासिल कर सकती है, कोई भी चुनौती उसके लिए असंभव नहीं थी।

वीवो अपने चैंबर में बैठी धर्मा को अपलक निहार रही थी। उसके प्रति उसका प्रेम और समर्पण अतुलनीय था। उसने ऐसा कभी किसी पुरुष के लिए महसूस नहीं किया था। धर्मा ने न केवल उसकी आत्मा को छुआ था, बल्कि उसे एक नया जीवन भी दिया था।

परंतु धर्मा इस प्रेम की बाढ़ से अनजान था। उसका मन केवल एक ही चीज़ में उलझा था—नोकोईविद। उसे उस पर संदेह था। उसने वीवो से कहा, "मुझे नहीं पता कि नोकोईविद के मन में क्या चल रहा है, परंतु मैं पूर्णतः संशय में हूँ।"

वीवो ने धर्मा को गहरी नज़र से देखा। उसे एहसास हुआ कि धर्मा किसी गहरे अंतर्द्वंद्व में था। नोकोईविद जैसा शासक इतनी आसानी से X141को स्वतंत्र कर देगा, यह बात विश्वास करने योग्य नहीं थी। अगर यह खबर पूरी फ्रां गैलेक्सी में फैल गई, तो धर्मा का नाम अमर हो जाएगा।

और यदि इरीट्रिया के नागरिक भी स्वतंत्रता की माँग करने लगे, तो नोकोईविद के हाथ से सत्ता फिसल सकती थी।

और फिर, यदि इस फैसले के कारण नोकोईविद Xor का चुनाव हार गया, तो उसका साम्राज्य खतरे में पड़ सकता था। फ्लोरमान कोन्ताना जैसे सुदृढ़ नेता को भी Xor के लोगों के क्रोध का सामना करना पड़ा था, और नोकोईविद के पिता राल्फ को भी। नोकोईविद यह सब भली-भाँति जानता था। वह X141को स्वतंत्र करने का निर्णय लेकर बहुत बड़ा जोखिम उठा रहा था।

"यदि तुम्हें उस पर इतना संदेह है, तो तुम उसकी चेतना में प्रवेश क्यों नहीं कर लेते?" वीवो ने अकस्मात् कहा।

धर्मा चौंक गया। उसे पता था कि वह अपनी आत्मा को ऊर्जा रूप में परिवर्तित करके किसी अन्य शरीर में प्रवेश कर सकता था। परंतु वह असमंजस में था। "क्या यह शक्ति का दुरुपयोग नहीं होगा?" धर्मा ने शंका प्रकट की।

वीवो ने उसकी आँखों में झाँका और दृढ़ता से कहा, "कैसा दुरुपयोग? तुमने मेरे शरीर में भी प्रवेश किया था, चीफ वार्डन के शरीर में भी।"

धर्मा कुछ क्षण चुप रहा और फिर बोला, "हाँ, परंतु अब जब मैं सोचता हूँ, तो लगता है कि मैंने शायद गलत किया। मुझे ऐसे किसी के भी शरीर में प्रवेश नहीं करना चाहिए।"

वीवो का स्वर मृदु लेकिन सशक्त था। "तुम गलत नहीं कर रहे हो, धर्मा। यह तुम्हारी शक्ति है। यह तुम्हें स्वयं परमपिता परमेश्वर ने दी है।

किसी अन्य प्राणी के पास यह शक्ति नहीं है। तुम इसका उपयोग सत्य की खोज के लिए कर सकते हो।"

धर्मा ने गहरी नज़र से वीवो को देखा। अगले ही पल, वीवो ने उसे कसकर आलिंगन में भर लिया। धर्मा को पहली बार इस स्पर्श में एक अलग ही सुकून महसूस हुआ। उसने धीरे-धीरे अपनी बाहों को वीवो के चारों ओर लपेट लिया। इस क्षण में उसने निर्णय ले लिया—वह नोकोईविद के शरीर में प्रवेश कर उसकी सच्चाई जानकर रहेगा।

तभी, एक संदेशवाहक ने आकर सूचना दी, "नोकोईविद आपसे मिलने आया है।"

कुछ ही क्षणों में नोकोईविद वीवो और धर्मा के सामने खड़ा था। उसकी पैनी नज़रें दोनों को भेदती हुई प्रतीत हो रही थीं। उसने वीवो को एक क्षण के लिए घूरा और कहा, "तुम्हें प्रशासन पर ध्यान देना चाहिए। कब तक इस “सन ऑफ गॉड” का हाथ थामे रहोगी?"

वीवो को यह टिप्पणी अपमानजनक लगी, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। धर्मा भी शांत रहा।

नोकोईविद ने आगे कहा, "मैंने आधा विरलनाक बोमिनी में स्थानांतरित कर लिया है। मैंने आधा ही किया है, क्योंकि मैं अपने वादे का पक्का हूँ।"

धर्मा और वीवो अभी भी चुप थे।

फिर नोकोईविद ने धर्मा को चुनौती देते हुए कहा, "तुम इरीट्रिया को भी स्वतंत्र करना चाहते हो? तो तुम्हें परीक्षा देनी होगी।"

धर्मा थोड़ा चौंका, "कैसी परीक्षा?"

"बोमिनी के अंदर तुम्हें अपनी शक्ति का प्रमाण देना होगा।" नोकोईविद ने रहस्यमय स्वर में कहा।

वीवो और धर्मा दोनों ही सतर्क हो गए। वीवो को बोमिनी के कई किस्से पता थे। वहाँ नोकोईविद अजय था।

"तुम्हारे पास आत्मा स्थानांतरण की शक्ति है," नोकोईविद ने कहा। "तो आओ, प्रयोग करके देखो कि मैं क्या सोच रहा हूँ।"

धर्मा और वीवो स्तब्ध थे।

"क्या तुम दोनों यही योजना बना रहे थे कि धर्मा मेरे शरीर में प्रवेश कर मेरी सच्चाई जानेगा?" नोकोईविद ने व्यंग्य से कहा।

धर्मा और वीवो के होश उड़ गए।

"तुम दोनों मेरे सामने बच्चे हो। मैं बिना पूरी तैयारी के कहीं नहीं जाता। मैं नोकोईविद हूँ, कोई कच्चा खिलाड़ी नहीं।"

नोकोईविद के चेहरे के भाव तेजी से बदल रहे थे। उसकी आँखों में एक ठंडी क्रूरता उभर आई थी, जो अब स्पष्ट रूप से झलकने लगी थी। वीवो और धर्मा को अहसास हो गया था कि कुछ भयानक घटित होने वाला है।

वे X141 ग्रह पर अपनी धर्म सेना के साथ खड़े थे, और वीवो के पास विरलनाक से निर्मित शस्त्र एवं अभेद्य कवच था। फिर भी, वे एक निहत्ते नोकोईविद के सामने एक अनजानी आशंका से घिर गए थे। ऐसा पहली बार नहीं था जब कोई विशाल सेना नोकोईविद के सम्मुख होते ही मानो बौनी हो गई हो। उसका व्यक्तित्व अपने आप में ही एक अजेय शक्ति था।

वीवो और धर्मा, जिनके पास सैन्य बल और सुरक्षा थी, फिर भी भीतर ही भीतर सिहर रहे थे—क्योंकि वे जानते थे कि यह अकेला, निहत्था व्यक्ति पूरे ग्रह की सेना पर भारी पड़ सकता था।

फिर उसने धर्मा की ओर देखा, "अब तेरी दोनों ऊर्जा मेरी गुलाम हैं।"

नोकोईविद ने एक विरलनाक क्रिस्टल निकाला और मानसिक संकेत दिया। अगले ही पल, धर्मा की दोनों आत्माएं उसकी देह से अलग हो क्रिस्टल में समाहित हो गई।

"नहीं!" वीवो की हृदय विदारक चीख गूंज उठी।

धर्मा का निर्जीव शरीर धरती पर गिर पड़ा।

नोकोईविद ने अपने बकल बोमिनी को मानसिक आदेश दिया, और अगले ही क्षण

बोमिनी ने अपना स्वरुप विस्तार करना प्रारम्भ किया और बिना किसी चेतावनी के नोकोईविद और धर्मा के निर्जीव शरीर को अपने भीतर बीम करते हुए वहां से तेजी से बाहर निकल गया। इससे पहले कोई भी कुछ समझ पाता बोमिनी धीरे धीरे उस धर्म दुर्ग से बाहर निकल आया और देखते ही देखते अपने स्वरुप को और विस्तार देते हुए हवा में उड़ता चला गया।

नोकोईविद ने अपनी कुटिल योजना को अंजाम देते हुए धर्मा को अगवा कर लिया था। वह न केवल उसकी शक्तियों को नियंत्रित कर चुका था, बल्कि उसे अपने साथ बोमिनी में अंतरिक्ष की अज्ञात गहराइयों में ले जा चुका था।

धर्मा, जिसने अभी-अभी X141 पर एक नई क्रांति की नींव रखी थी, अब स्वयं ही बंदी बन चुका था। नोकोईविद की योजना स्पष्ट नहीं थी, लेकिन इतना तय था कि उसने धर्मा को ऐसे ही नहीं पकड़ा था—वह उसके साथ कुछ बड़ा करने वाला था। बोमिनी, जो कि Xor साम्राज्य के सबसे रहस्यमयी स्पेसशिप में से एक था, अब धर्मा की कैदगाह बन चुकी थी।

वीवो और उसके अंगरक्षक देख रहे थे कि नोकोईविद का बोमिनी ग्रह के वातावरण से बाहर निकल रहा था। कुछ ही क्षणों में, वह उनकी दृष्टि से ओझल हो गया।

वीवो का सबकुछ समाप्त हो चुका था। उसका प्रेम, उसकी शक्ति, उसका जीवन—सब कुछ एक क्षण में छिन गया था।

वीवो के सामने अचानक नोकोईविद की पूर्ण स्पर्शनीय होलोग्राफिक इमेज प्रकट हुई। उसकी आँखों में वही ठंडा, निर्मम तेज था, और होंठों पर एक विजयी मुस्कान खेल रही थी।

"तुझे X141 का प्रशासन अकेले चलाना था, धर्मा के साथ नहीं, मूर्ख लड़की!" नोकोईविद की आवाज़ उसके कानों में बिजली की तरह गूंज उठी। यह केवल शब्द नहीं थे, यह एक कटु सत्य था जिसे अब वीवो को स्वीकार करना था।

वीवो अविश्वास से उस जगह की ओर देखती रही जहाँ नोकोईविद का होलोग्राफिक इमेज उपस्थित हुई थी। उसे महसूस हुआ जैसे ज़मीन उसके पैरों तले खिसक गई हो। कुछ क्षण पहले तक वह अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर अग्रसर थी, और अब—अब वह पूरी तरह अकेली खड़ी थी।

धर्मा... उसका सहारा, उसकी शक्ति, उसकी आत्मा—अब उसके पास नहीं था। इस एक पल में सबकुछ बदल चुका था। उसकी दुनिया, उसके सपने, उसकी महत्वाकांक्षा—सब कुछ चकनाचूर हो चुका था।

तभी, एक साया उसके सामने आ खड़ा हुआ। यह मजोलीन था।

"नोकोईविद ने मुझे आज़ाद कर दिया है," उसने शांति से कहा। "अब यदि मैं चाहूँ, तो X141को पुनः अपने कब्जे में ले सकता हूँ।"

वीवो के लिए यह नियति का सबसे कठोर खेल था।

एक रात पहले वह अपनी जीत के उल्लास में थी। और अब, वह पूरी तरह टूट चुकी थी।

~~

अध्याय पैतीस - आखरी पड़ाव

नोकोईविद इस समय असीमित आनंद में था। उसकी आँखों में एक अजीब-सी चमक थी—एक ऐसी चमक, जो शक्ति और विजय की प्रतीक थी। उसने धर्मा को अपने क्रिस्टल में कैद कर लिया था। यह उसकी सबसे बड़ी जीत थी, और इसके साथ ही उसने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा लिया था। निश्चित था कि अब मजोलीन या तो वह वीवो से X141 फिर से छीन लेगा, या कम से कम उसे इस ग्रह पर शासन नहीं करने देगा।

परंतु केवल इतना ही नहीं, अब नोकोईविद के पास विरलनाक भी था—वह दिव्य शक्ति, जिसकी सहायता से ब्रह्मांड के कई रहस्य खोले जा सकते थे। और अब धर्मा भी उसके अधीन था। X141 पर पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी हुआ, उसका कोई भी साक्षी नहीं था। यह ग्रह Xor प्रणाली से अलग-थलग था, एक ऐसा उपेक्षित स्थान जिसे कभी भी Xor साम्राज्य का पूरा ध्यान नहीं मिला। शायद इसी कारण मजोलीन ने वहाँ इतने वर्षों तक अपना क्रूर शासन बनाए रखा था।

परंतु इस समस्त उथल-पुथल के बीच, नोकोईविद को एक और उपलब्धि हासिल हुई—अब उसके पास केवल विरलनाक की शक्ति नहीं थी, बल्कि धर्मा की अनमोल ऊर्जा भी थी। उसने ठान लिया था कि वह इन दोनों शक्तियों को पूरी तरह नियंत्रित करेगा। यदि वह इसमें सफल होता, तो यह उसकी अब तक की सबसे बड़ी विजय होती। उसे एक नई अजेय शक्ति मिल सकती थी—एक ऐसी शक्ति, जिससे वह इन ऊर्जा स्त्रोतों को किसी भी शरीर में प्रवाहित करके उसे अपना गुलाम बना सकता था, ठीक

वैसे ही जैसे वीवो ने उस विशालकाय दैत्य सर्प-छिपकली के साथ किया था।

अब खेल पूरी तरह पलट चुका था। धर्मा की ऊर्जा नोकोईविद के नियंत्रण में थी, उसका शरीर अब निस्पंद था। चूँकि आत्मा अब शरीर से अलग हो चुकी थी, यह देह शीघ्र ही नष्ट हो जाती। परंतु नोकोईविद ऐसा होने नहीं देना चाहता था। धर्मा का शरीर भी उसके लिए महत्वपूर्ण था—वह इस पर शोध करना चाहता था। थाइज़र के माध्यम से उसे यह जानकारी मिल चुकी थी कि धर्मा के भीतर म्यूवर्स और एक अन्य पैरेलल यूनिवर्स की रहस्यमयी शक्ति समाहित थी।

नोकोईविद ने बोमिनी को तुरंत आदेश दिया। बोमिनी ने धर्मा के शरीर को विरलनाक से निर्मित एक विशेष कॉफिन में सुरक्षित कर दिया, जिससे यह बिना किसी ह्रास के दीर्घकाल तक संरक्षित रह सके। अब धर्मा का शरीर स्थिर था, और उसकी ऊर्जा उस क्रिस्टल में कैद थी, जिसे नोकोईविद बार-बार घूरता रहता। यह उसके लिए केवल एक विजय नहीं थी—यह एक रहस्य था, जिसे उसे सुलझाना था।

अब उसके सामने कोई वास्तविक चुनौती नहीं बची थी। उसके सभी शत्रु समाप्त हो चुके थे। प्रोफेसर बोरो—जो एक समय उसकी योजनाओं में रोड़ा थे—को उसने कानूनी मामलों में ऐसा फँसाया कि वे अब तक दंडित हो चुके होंगे। लेकिन अब उसकी दृष्टि एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य पर थी—लेडी तारा। उसे अपने पुत्र के बारे में भी जानना था। शायद वही उसकी अंतिम खोज थी।

बोमिनी अंतरिक्ष की अथाह गहराइयों में आगे बढ़ रहा था, धीरे-धीरे प्लेनेट Xor की ओर। धर्मा का शरीर कैद था, और उसकी आत्माएं भी। नोकोईविद अपनी योजनाओं में खो गया।

उसने अतीत की घटनाओं को याद किया—कैसे उसने मैर्केल को परास्त किया था, और फिर प्रोफेसर बोरो से मुलाकात हुई थी। प्रोफेसर बोरो ने उसे क्विड पर काम करने का प्रस्ताव दिया था, ताकि पैरेलल यूनिवर्स की वह टनल बंद की जा सके, जो क्विड के गलत उपयोग से खुल चुकी थी।

शुरुआत में, नोकोईविद को प्रोफेसर बोरो पर कोई संदेह नहीं हुआ। वह उनकी प्रतिभा से प्रभावित था। बोरो एक अद्वितीय वैज्ञानिक थे, जिन्होंने शीघ्र ही गणनाओं के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल लिया कि पैरेलल यूनिवर्स में जाना असंभव था। वहाँ कोई भी म्यूवर्स का यान या व्यक्ति अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता था।

लेकिन समस्या यह थी कि यदि उस टनल को हमेशा के लिए बंद करना था, तो किसी को उस पैरेलल यूनिवर्स में जाना ही पड़ता। प्रोफेसर बोरो इसी गणितीय समाधान को खोज रहे थे, और तब उन्होंने पाया कि पैरेलल यूनिवर्स में भी "पृथ्वी" नामक एक ग्रह है—एक ऐसी दुनिया, जहाँ सभ्यता ठीक वैसे ही विकसित हो रही थी जैसे Xor पर हुई थी।

यही वह क्षण था जब नोकोईविद को पहली बार प्रोफेसर बोरो पर संदेह हुआ। वह अब टनल को बंद करने की जगह क्विड पर ही शोध करने लगे थे। उनकी पूरी रुचि क्विड के रहस्यों को खोलने में लग गई।

शुरुआत में नोकोईविद ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन फिर उसे पता चला कि प्रोफेसर बोरो यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि क्विंड को कैसे सक्रिय किया जाए। समस्या यह थी कि केवल नोकोईविद के डीएनए से ही यह हथियार संचालित हो सकता था। और यही वह क्षण था जब नोकोईविद को एहसास हुआ कि प्रोफेसर बोरो की नीयत ठीक नहीं थी।

उसने प्रोफेसर बोरो को बोमिनी में बुलाकर सच्चाई जानने की कोशिश की, परंतु बोरो इतने चतुर थे कि बोमिनी भी उनसे कुछ उगलवा नहीं सका।

तब नोकोईविद ने सदियों पुरानी चाल चली— त्रिया चरित्र।

लेडी तारा—वह रहस्यमयी स्त्री, जिसकी वास्तविकता किसी को नहीं पता थी। उसने चुपचाप प्रोफेसर बोरो से संपर्क साध लिया। और जैसा कि उम्मीद थी, बोरो उसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता के आगे नतमस्तक हो गए।

जल्द ही, लेडी तारा ने नोकोईविद को एक महत्वपूर्ण जानकारी दी—प्रोफेसर बोरो ने मैर्केल से भारी मात्रा में धन लिया था, ताकि वह क्विंड के रहस्यों को उनके सामने उजागर कर सके।

अब नोकोईविद बोरो को पकड़ना चाहता था, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बोरो को पता चल गया था कि नोकोईविद के पुत्र के डीएनए से भी क्विंड को सक्रिय किया जा सकता था।

और फिर, वह घटना घटी जिसने सब कुछ बदल दिया।

प्रोफेसर बोरो ने अपने ही घर में नोकोईविद की पत्नी—जो स्वयं बोरो की पुत्री थी—को डिलीवरी के लिए बुलाया। और जैसे ही उसने नोकोईविद के पुत्र को जन्म दिया, वह उसे लेकर वहाँ से बीम हो गया।

नोकोईविद को जैसे ही इसका आभास हुआ, वह तुरंत अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए दौड़ा, परंतु तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

बोरो ने अपनी ही पुत्री की हत्या कर दी थी और अपने नवजात नाती को अज्ञात स्थान पर भेज दिया था।

अब, वर्षों बाद, नोकोईविद को अपना पुत्र वापस चाहिए था।

और यही कारण था कि बोरो के साथ बनी रही।

लेडी तारा ने उसे बताया कि प्रोफेसर बोरो उसका पुत्र सो वर्षों बाद ही वापस लाएँगे।

अब, जब सारी पुरानी यादें उसके मस्तिष्क में उमड़ रही थीं, उसने बोमिनी को आदेश दिया कि उसे उस ट्रायल की रिपोर्ट दी जाए, जो इतने समय से चल रहा था।

बोमिनी ने आज्ञा का पालन किया, और अचानक, दर्जनों समाचार और रिपोर्टें नोकोईविद के सामने प्रदर्शित हो गईं।

और फिर, उसने जो देखा, उससे उसके होश उड़ गए।

&

नोकोईविद की ग्लानि का कोई अंत नहीं था। उसने अपने सामने धर्मा की आत्मा को देखा—शुद्ध ऊर्जा के रूप में थरथराती हुई, एक रहस्यमय चमक के साथ स्पंदित। फिर उसकी नज़र उस शरीर पर पड़ी, जो

अब तक उसे कैद किए हुए था। एक पल को उसका मन विचलित हो गया।

लेकिन उसने बिना किसी और विलंब के बोमिनी को आदेश दिया।

धर्मा की ऊर्जा पुनः उसके शरीर में समाहित होने लगी।

एक तीव्र प्रकाश फैला, और वातावरण में कंपन होने लगा। ऊर्जा धाराएँ उसके चारों ओर घूमीं, और फिर—धर्मा की आँखें खुल गईं।

वह जीवित था।

नोकोईविद एक पल के लिए जड़ हो गया। उसने देखा कि धर्मा की दोनों ऊर्जाएँ—शरीरिक और आध्यात्मिक—अब पूर्ण रुप से उसके पास थीं।

धर्मा ने विस्मय से नोकोईविद को देखा।

"यह... यह सब क्या हो रहा है?" उसकी आवाज़ अभी भी कंपन में थी।

नोकोईविद के चेहरे पर गहरे भाव थे। वह अब एक हारा हुआ पिता था। वह जो कह रहा था, जो सोच रहा था, वह शब्दों से व्यक्त करना असंभव था।

धर्मा उसका पुत्र था।

वही धर्मा जिसने उसे पराजित किया था।

नोकोईविद की आँखों में पश्चाताप था, लेकिन साथ ही, एक अजीब संतोष भी।

"हर पिता के लिए इससे बड़ा उपहार क्या होगा," उसने सोचा, "जब उसका पुत्र उससे आगे निकल जाए?"

उसकी आत्मा में अब कोई द्वंद्व नहीं था—सिर्फ गर्व, प्रेम और आनंद।

धर्मा ने उसे गंभीरता से देखा।

"तुमने मुझे आज़ाद क्यों किया?"

धर्मा की आवाज़ में संदेह था। उसने देखा कि नोकोईविद ने अपनी जीती हुई बाज़ी उसे बिना किसी शर्त के सौंप दी थी।

नोकोईविद ने गहरी साँस ली।

"क्या तुमने नाना नाम के वकील को प्रोफेसर बोरो का केस लड़ने के लिए राज़ी किया था?"

धर्मा थोड़ा चौंका। "हाँ, लेकिन इसका इससे क्या लेना-देना?"

नोकोईविद के होंठों पर हल्की मुस्कान उभरी।

"क्या तुम देखना नहीं चाहोगे कि उस केस में क्या हुआ?"

धर्मा के चेहरे पर संदेह की रेखाएँ और गहरी हो गईं, लेकिन उसने सिर हिलाया।

"हाँ, देखना चाहूँगा।"

नोकोईविद ने एक इशारा किया, और स्क्रीन पर Xor साम्राज्य के सबसे बड़े कोर्ट केस की लाइव रिकॉर्डिंग उभर आई।

धर्मा ने लेडी तारा की गवाही सुनी—

और वह अवाक रह गया।

नोकोईविद धर्मा की ओर देखता रहा।

"उस क्रूर प्रोफेसर बोरो ने तुम्हें अगवा किया," वह गंभीर स्वर में बोला, "और तुम्हें ज़ोरो के हाथों पैरेलल यूनिवर्स भेज दिया।"

धर्मा के दिमाग़ में सबकुछ घूमने लगा।

"मैं... मैं तुम्हारा पुत्र हूँ?"

नोकोईविद ने सिर हिलाया।

"हाँ।"

वह कुछ और कहता, इससे पहले ही धर्मा ने वह शब्द सुन लिए जो उसे पूरी तरह हिला देने वाले थे—

"बोरो तुम्हें वापस लाया था, लेकिन तब जब तुम्हारा डीएनए इतना परिपक्व हो चुका था कि उससे क्विंड को नियंत्रित किया जा सके।"

धर्मा के दिल की धड़कन तेज़ हो गई। वह अभी भी सबकुछ समझने की कोशिश कर रहा था।

"बोरो ने तुम्हें वापस लाते ही जनक 290 में डाल दिया था। उसका असली मकसद सिर्फ एक था—तुम्हारे डीएनए को हथियाना।"

"लेकिन लेडी तारा ने कहानी सुनाने के बहाने देर कर दी," धर्मा ने बीच में कहा, जैसे सारी घटनाएँ अब स्पष्ट हो रही थीं।

नोकोईविद ने सिर झुका लिया।

"हाँ। और इसी बीच, उसने जॉली को खबर कर दी थी। जॉली ने मेज़ोल पर आकर सबकुछ बदल दिया।"

धर्मा की आँखों में भावनाओं का तूफान उमड़ पड़ा।

"तो लेडी तारा ने जानबूझकर देरी की थी... ताकि जॉली प्रोफेसर बोरो को पकड़वा सके?"

"हाँ," नोकोईविद ने स्वीकार किया।

लेकिन फिर भी, कुछ ऐसा हुआ था जो योजना से अलग था—

धर्मा फिर से गायब हो गया था।

लेडी तारा को नोकोईविद को बताने का मौका ही नहीं मिला था कि धर्मा ही उसका पुत्र था।

धर्मा के मन में भावनाएँ उमड़ पड़ीं। उसने अपने पिता की ओर देखा—

अब उसे समझ में आ रहा था कि नोकोईविद सिर्फ एक तानाशाह नहीं था।

वह भी एक पिता था।

एक पिता जिसने साज़िशें कीं, सम्राज्य पर नियंत्रण पाया, और हर दुश्मन को हराने की कोशिश की—

लेकिन फिर भी, वह अपने पुत्र से हार चुका था।

नोकोईविद की आवाज़ अब कोमल हो गई थी।

"परंतु धर्मा... तुम सन ऑफ गॉड हो।"

धर्मा ने सिर उठाया।

"मैं साज़िशें करके इस साम्राज्य को चलाने का प्रयास कर रहा था," नोकोईविद ने धीमे स्वर में कहा, "पर तुम... तुम एक मिसाल हो। तुम्हारे बारे में पूरी फ्रां गैलेक्सी को पता चलना चाहिए।"

नोकोईविद को गर्व था।

धर्मा ने वह कर दिखाया था जो कोई और नहीं कर सकता था।

नोकोईविद शायद उससे ज्यादा चतुर और कुटिल था, लेकिन धर्मा के पास चरित्र की शक्ति थी, नैतिक बल था।

यही वो चीज़ थी जो उसे महान बनाती थी।

"धर्मा," उसने धीरे से कहा, "तुम्हारे विचारों ने यहाँ तक कि प्रोफेसर बोरो को भी प्रभावित कर दिया।"

धर्मा कुछ पल चुप रहा।

फिर उसने नोकोईविद के चरणों में अपना सिर झुका दिया।

नोकोईविद स्तब्ध था।

फिर उसने अपने पुत्र को कसकर गले लगा लिया।

यह शायद उसकी पहली और अंतिम जीत थी—

एक पिता की अपने पुत्र के लिए।

कुछ देर बाद, धर्मा ने आँखें उठाईं।

"हमें वापस X141 जाना होगा।"

उसकी आवाज़ में एक अटूट संकल्प था।

नोकोईविद समझ गया।

धर्मा ने अभी तक वीवो को अलविदा नहीं कहा था।

और धर्मा कोई भी कार्य अधूरा नहीं छोड़ता था।

"बोमिनी," नोकोईविद ने आदेश दिया, "हम X141 की ओर जा रहे हैं।"

और जैसे ही जहाज अपनी नई यात्रा के लिए मुड़ा, नोकोईविद ने अपने पुत्र की ओर देखा—

और पहली बार, उसने महसूस किया कि उसका साम्राज्य नहीं, बल्कि उसका बेटा ही उसकी सबसे बड़ी विरासत था।

~~

अध्याय छतीस - धर्म विजय

मजोलीन इस वक्त वीवो के समक्ष खड़ा था। उसके चेहरे पर कोई क्रूरता नहीं, कोई छल-कपट नहीं—बस एक अटल निश्चय था।

वीवो को नहीं पता था कि अब वह इस ग्रह पर क्या करेगी। नोकोईविद धर्मा को अपने साथ ले जा चुका था, और यह सच्चाई उसे भीतर तक तोड़ चुकी थी। धर्मा, जिसने उसके जीवन को अर्थ दिया था, अब उससे दूर था। इस अनजान भविष्य की भयावहता ने उसे शून्य में धकेल दिया था।

मजोलीन ने एक गहरी सांस ली और दृढ़ स्वर में कहा, "मुझे लगता है कि नोकोईविद ने मुझे इसलिए मुक्त किया है ताकि मैं प्रयास करूं—तुमसे यह प्रशासन छीनने का।"

वीवो ने उसकी ओर देखा, लेकिन उसकी आँखों में अब कोई रोष नहीं था। इस शासन में अब उसकी कोई रुचि नहीं थी। उसका प्रेम—धर्मा—अब उसके पास नहीं था, और अब यह जीवन उसे बेमानी लगने लगा था। लेकिन मजोलीन रुका नहीं। उसने वीवो को ध्यान से देखा और अपनी बात जारी रखी।

"परंतु मैं अब जान चुका हूँ कि इस ग्रह को अगर कोई सुचारु रूप से चला सकता है, तो वह तुम हो, वीवो।"

वीवो आश्चर्य से उसे देखती रही। क्या यह वही मजोलीन था जो कभी शासन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार था?

मजोलीन ने हल्की मुस्कान के साथ सिर झुकाया। "हाँ, वीवो। धर्मा ने केवल तुम्हारे और रार के लोगों को ही नहीं, बल्कि मेरी आत्मा को

भी बदल दिया है।" उसका स्वर इतना मृदु था कि वीवो को यकीन नहीं हुआ कि यह वही व्यक्ति था, जिसने कभी सत्ता के लिए रक्तपात करने से भी परहेज नहीं किया था।

वीवो की आँखों में गर्व की चमक थी। यह धर्मा ही कर सकता था। उसने केवल एक युद्ध नहीं लड़ा था, बल्कि लोगों के हृदयों से द्वेष को मिटाया था। उसने वह कर दिखाया था जो शायद पूरी फ्रां गैलेक्सी में पहले कभी नहीं हुआ था।

यह एक ऐसी कहानी थी, जिसे केवल वही समझ सकते थे जिन्होंने धर्मा के साथ वह क्षण जिए थे। सिर्फ सुनने वाले लोग कभी इस पर विश्वास नहीं करेंगे। लेकिन जो धर्मा के प्रभाव में आए थे, वे जानते थे कि वह क्या था—सन ऑफ गॉड।

वीवो पूरी तरह से टूट चुकी थी, परंतु मजोलीन के इन शब्दों ने उसे थोड़ी शक्ति दी। धर्मा उसके साथ नहीं था, वह कहीं कैद था, लेकिन फिर भी, धर्मा वीवो की मदद कर रहा था।

मजोलीन ने उसकी सोच को तोड़ते हुए कहा, "अगर तुम चाहो, तो मैं तुम्हारे प्रशासन में सेना प्रमुख बनकर तुम्हारी सहायता कर सकता हूँ।"

वीवो को नहीं पता था कि उसे क्या करना चाहिए। मजोलीन ने अनेकों अपराध किए थे। लेकिन अब, जो व्यक्ति उसके सामने खड़ा था, वह शायद वही निर्दयी मजोलीन नहीं था। धर्मा ने उसे बदल दिया था।

मजोलीन एक कुशल प्रशासक था, और उसके पास X-141 के शासन का वर्षों का अनुभव था। वीवो ने ठहरकर सोचा, और फिर अत्यंत धैर्यपूर्वक उत्तर दिया।

"इसका निर्णय रार की जनता करेगी।"

मजोलीन ने सहमति में सिर झुका दिया।

"मैं शीघ्र ही चुनाव करवाऊंगी। यदि जनता ने मुझे वोट दिया और तुम्हें मेरा सेनापति मानने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, तो हम इसी मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।"

वीवो की स्पष्टता ने माहौल को गंभीर कर दिया। मजोलीन ने नतमस्तक होकर उत्तर दिया, "बिल्कुल, देवी। मैं आपकी इस बात से पूर्णतः सहमत हूँ।"

इधर वीवो और मजोलीन अपनी वार्ता में लीन थे, और उधर पूरा ग्रह इस सत्य से हिल चुका था कि धर्मा को क्रूर नोकोईविद अगवा कर ले गया था।

हर ओर आक्रोश था। लोग युद्ध के लिए लालायित थे। धर्मा ने बहुत कम समय X-141 पर बिताया था, लेकिन उसके प्रभाव ने हर हृदय को छू लिया था।

वह केवल एक व्यक्ति नहीं था—वह एक आंदोलन बन चुका था।

लोगों ने स्वयं को "धर्म सेना" कहना शुरू कर दिया था।

यह धर्मा का चमत्कार था। वह किसी से भी अधिक प्रभावशाली था—थाइज़र, नोकोईविद, सात आयामी ईथर, इरीट्रिया के ऐंजलन, प्रोफेसर बोरो, मैर्केल—इन सभी से भी अधिक।

धर्मा ने वह कर दिखाया था जो कोई और नहीं कर सकता था। और इसने नोकोईविद तक को बदलने पर मजबूर कर दिया था।

कुछ ही दिनों में एक अप्रत्याशित दृश्य हुआ।

वीवो ने कुछ ऐसा देखा, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी।

धर्मा लौट आया था।

वह अभी उसके सामने खड़ा था—संपूर्ण, अविचल, जीवित।

और वीवो ने बिना कुछ सोचे-समझे उसे कसकर गले लगा लिया।

यदि आप किसी चीज़ को पूरे सच्चे मन और निश्छल भाव से चाहते हैं, तो कायनात उसे आपको दे ही देती है।

वीवो ने आज इसका प्रमाण देखा था।

और वहीं, दूसरी ओर, नोकोईविद खड़ा था।

उसके सामने धर्मा और वीवो आलिंगनबद्ध थे।

शायद यह क्षण उसके लिए सबसे भावुक था।

उसकी आँखों के सामने उसकी पत्नी की छवि उभर आई।

शायद वह कह रही थी—

"इस कहानी का यही अंत सबसे सुखद है।"

धर्मा का महायुद्ध अब समाप्त हो चुका था।

लेकिन उसका प्रभाव अब पूरे Xor साम्राज्य में एक ऐसी चेतना के रूप में फैल चुका था, जो किसी चमत्कार से कम नहीं थी।

&

धीरे-धीरे X141 का प्रशासन वीवो ने पूर्ण रूप से संभाल लिया था। वह एक कुशल, दूरदर्शी और सशक्त प्रशासक के रूप में उभर रही थी। नोकोईविद ने X141 को औपचारिक रूप से Xor साम्राज्य से अलग कर दिया, और इस स्वतंत्र नवगठित राज्य को एक नया नाम मिला—चैतन्य।

यह अब एक लोकतांत्रिक ग्रह था, जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्राप्त थे। चुनावों के माध्यम से जनता अपनी सरकार चुन

रही थी, और वीवो को निर्विवाद रूप से इस नवनिर्मित गणराज्य की प्रधान के रूप में चुना गया। एक ऐसा युग आरंभ हो चुका था जहाँ शक्ति किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि पूरे समाज की थी।

इसी क्रांति की लहर इरीट्रिया तक भी पहुँची। वर्षों तक Xor साम्राज्य के अधीन रहने वाला यह ग्रह अब स्वतंत्र था, और वहां के नागरिकों ने धर्मा को अपना प्रमुख चुना। धर्मा, जिसे अब पूरी फ्रां गैलेक्सी "सन ऑफ गॉड" के नाम से जानने लगी थी।

इरीट्रिया की स्वतंत्रता के बाद लेडी तारा और ज़ोरो ने भी धर्मा के साथ वहाँ की शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने में योगदान देना शुरू कर दिया। उधर, प्रोफेसर बोरो को उसके अपराधों के लिए दंडित किया गया, और अब वह अपने शेष जीवन कारावास में बिताने को विवश था।

नोकोईविद ने पुनः Xor साम्राज्य के सुप्रीम कमांडर का पद ग्रहण कर लिया था, परंतु इस बार उसकी दृष्टि केवल विजय प्राप्त करने पर नहीं थी। वह अब एक शोधकर्ता की भूमिका में था, और उसकी वर्तमान खोज थी "विरलनाक"—एक रहस्यमयी तत्व जिसके माध्यम से वह पैरेलल यूनिवर्स की उन टनल्स को हमेशा के लिए बंद करना चाहता था जो फ्रां गैलेक्सी के लिए एक स्थायी खतरा बनी हुई थीं।

इस महायुद्ध के बाद पूरे फ्रां गैलेक्सी में चेतना की एक नई लहर फैल चुकी थी। प्लेनेट नाडुस भी इस स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी से अछूता नहीं रहा। वहाँ के निवासियों ने स्वयं को Xor साम्राज्य से मुक्त कर लिया, और अब वे एक नई सभ्यता का निर्माण कर रहे थे। इस बदलाव के अग्रदूत थे—आगामी देव और गुणिका, जिन्होंने धर्मा के महायुद्ध और उसकी

शिक्षाओं को पूरे ग्रह में प्रचारित किया। अब धर्मा सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा बन चुका था।

धर्मा, जो पृथ्वी पर जन्मा एक साधारण मानव था, उसने फ्रां गैलेक्सी में ऐसी क्रांति ला दी थी जिसकी मिसाल इतिहास में कहीं नहीं मिलती। उसकी कहानियाँ अब थाइज़र, मैर्केल और सात आयामी ईथर जैसे दिग्गजों के बीच चर्चा का विषय बन चुकी थीं।

लेकिन इस सबके बीच धर्मा के मन में एक प्रश्न बार-बार उठ रहा था—"क्या यह सब पहले से ही नियति में लिखा हुआ था?"

इसी उत्तर की खोज में उसने "बोफ" पढ़ना शुरू किया—वह रहस्यमयी ग्रंथ जिसे अब तक कोई पूरी तरह समझ नहीं पाया था।

और जैसे-जैसे उसने पृष्ठ पलटे, एक चौंकाने वाली सच्चाई सामने आने लगी।

क्या यह सचमुच एक चमत्कार था? या इसके पीछे कोई और गहरी कहानी छिपी थी?

धर्मा का महायुद्ध समाप्त हो चुका था, लेकिन उसने फ्रां गैलेक्सी के इतिहास को सदा के लिए बदल दिया था।

~~

The End



साहित्य अवार्ड 2025 (रीडर चॉइस) से सम्मानित, डॉक्टर निशा शास्त्री साइंस फिक्शन और थ्रिलर मिस्ट्री के कई उपन्यास लिख चुकी हैं। उन्हें 2024 की Most Influential Author के अवार्ड से दिल्ली वायर (Delhi Wire) ने सम्मानित किया है। धर्मा सीरीज के उनके पहले उपन्यास को मिड–डे, मुंबई ने मस्ट रीड उपन्यास बताया था। उनकी थ्रिलर मिस्ट्री नावेल दी इंटर्न को फिल्मी चर्चा मैगज़ीन ने बॉलीवुड मूवी बनाने के लिए रेकमेंड (recommend) भी किया है। इनका अपना YouTube चैनल भी है जिसमे ये अपने लिखे नोवेल्स की ऑडियो स्टोरी बोलती हैं और इनके इंस्टाग्राम या स्नैपचैट पर आप इनसे नोवेल्स सम्बंधित बात कर सकते हैं।

राजमंगल प्रकाशन

eBook Available

Rs. 429/-

उपन्यास

ISBN : 978-93-48578-11-2

9 789348 578112

For Sale in the Indian Subcontinent only

www.rajmangalpublishers.com

rajmangalpublishers r_publishers